



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिभवाचक है प्रमाणिक
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 21, 1996/भाद्र 30, 1918

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 21, 1996/BHADRA 30, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचना
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 27th August, 1996

का.आ. 2651.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री ओ.के. प्रमोदाल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सफदरजंग एनक्लेव केन्द्रीय प्रशासनिक अभिकरण दिल्ली/नई दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

S.O. 2651.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. R. K. Agarwal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Safdarjung Enclave CAT New/Delhi & Delhi i.e. NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[सं. 5 (178)/96-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

[No. F. 5(178)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.भा. 2652.—नोटरीज नियम; 1956 के 6 नियम के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सत्य नन्द, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 की अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फिलौर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से भेरे पास भेजा ।

[सं. 5 (179)/96-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2652.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Satya Nand, Advocate for appointment as a Notary to practise in Phillaur (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(179)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 27 अगस्त 1996

का.भा. 2653.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10(4) के अनुसरण में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के 55 कार्यालयों (अनुबंध संलग्न) को जिनके कर्मचारीयुक्त ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है ।

[मि. संख्या 3-7/96-हि.ए.]

भाषा स्वरूप संयुक्त सचिव

अनुबन्ध 1

क्रम सं.	कार्यालय का नाम	राज्य	क्षेत्र
1	2	3	4
1.	नेहरू युवा केन्द्र, इंगूरपुर	राजस्थान	“क”
2.	नेहरू युवा केन्द्र चित्तौड़गढ़	राजस्थान	“क”

1	2	3	4
3.	नेहरू युवा केन्द्र, दीसा	राजस्थान	“क”
4.	नेहरू युवा केन्द्र, समस्तीपुर	बिहार	“क”
5.	नेहरू युवा केन्द्र, जुमई	बिहार	“क”
6.	नेहरू युवा केन्द्र, मुंगेर	बिहार	“क”
7.	नेहरू युवा केन्द्र, सिवान	बिहार	“क”
8.	नेहरू युवा केन्द्र, पलामू	बिहार	“क”
9.	नेहरू युवा केन्द्र, गढ़वा	बिहार	“क”
10.	नेहरू युवा केन्द्र, हजारीबाग	बिहार	“क”
11.	नेहरू युवा केन्द्र, सीतामढ़ी	बिहार	“क”
12.	नेहरू युवा केन्द्र, गया	बिहार	“क”
13.	नेहरू युवा केन्द्र, खगड़िया	बिहार	“क”
14.	नेहरू युवा केन्द्र, झररिया	बिहार	“क”
15.	नेहरू युवा केन्द्र, गोपालगंज	बिहार	“क”
16.	नेहरू युवा केन्द्र, मोहडा	बिहार	“क”
17.	नेहरू युवा केन्द्र, दुमका	बिहार	“क”
18.	नेहरू युवा केन्द्र, दतिया	मध्य प्रदेश	“क”
19.	नेहरू युवा केन्द्र, महु	मध्य प्रदेश	“क”
20.	नेहरू युवा केन्द्र, बालाघाट	मध्य प्रदेश	“क”
21.	नेहरू युवा केन्द्र, चाम्पा	मध्य प्रदेश	“क”
22.	नेहरू युवा केन्द्र, मण्डला	मध्य प्रदेश	“क”
23.	नेहरू युवा केन्द्र, शिवपुरी	मध्य प्रदेश	“क”
24.	नेहरू युवा केन्द्र, गढ़वा	मध्य प्रदेश	“क”
25.	नेहरू युवा केन्द्र, सिद्धि	मध्य प्रदेश	“क”
26.	नेहरू युवा केन्द्र, देवास	मध्य प्रदेश	“क”
27.	नेहरू युवा केन्द्र, होशंगाबाद	मध्य प्रदेश	“क”
28.	नेहरू युवा केन्द्र, अलीगढ़	उत्तर प्रदेश	“क”
29.	नेहरू युवा केन्द्र, सहारनपुर	उत्तर प्रदेश	“क”
30.	नेहरू युवा केन्द्र, कानपुर	उत्तर प्रदेश	“क”
31.	नेहरू युवा केन्द्र, मुताफरनगर	उत्तर प्रदेश	“क”
32.	नेहरू युवा केन्द्र, पिथौरागढ़	उत्तर प्रदेश	“क”
33.	नेहरू युवा केन्द्र, फिरोजाबाद	उत्तर प्रदेश	“क”
34.	नेहरू युवा केन्द्र, बिजनौर	उत्तर प्रदेश	“क”
35.	नेहरू युवा केन्द्र, इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	“क”
36.	नेहरू युवा केन्द्र, उत्तर काशी	उत्तर प्रदेश	“क”
37.	नेहरू युवा केन्द्र, वाराणसी	उत्तर प्रदेश	“क”
38.	नेहरू युवा केन्द्र, आजमगढ़	उत्तर प्रदेश	“क”
39.	नेहरू युवा केन्द्र, सिद्धार्थनगर	उत्तर प्रदेश	“क”
40.	नेहरू युवा केन्द्र, बिदाव	हरियाणा	“क”
41.	नेहरू युवा केन्द्र, कैथल	हरियाणा	“क”
42.	नेहरू युवा केन्द्र, पीट न्यूयार	अण्डमान निकोबार	“क”
43.	नेहरू युवा केन्द्र, जालंधर	पंजाब	“ख”
44.	नेहरू युवा केन्द्र, मानसा	पंजाब	“ख”
45.	नेहरू युवा केन्द्र, अहमदाबाद	गुजरात	“ख”
46.	नेहरू युवा केन्द्र, कोल्हापुर	महाराष्ट्र	“ख”
47.	नेहरू युवा केन्द्र, अकोला	महाराष्ट्र	“ख”
48.	नेहरू युवा केन्द्र, भण्डारा	महाराष्ट्र	“ख”
49.	नेहरू युवा केन्द्र, बलरामा	महाराष्ट्र	“ख”
50.	नेहरू युवा केन्द्र, अहमदनगर	महाराष्ट्र	“ख”
51.	नेहरू युवा केन्द्र, यवतमाल	महाराष्ट्र	“ख”
52.	नेहरू युवा केन्द्र, नागपुर	महाराष्ट्र	“ख”
53.	नेहरू युवा केन्द्र, जलगांव	महाराष्ट्र	“ख”
54.	नेहरू युवा केन्द्र, कारवार	कर्नाटक	“ग”
55.	नेहरू युवा केन्द्र, मिसवामा	वाकर और नगर हवेली	“ग”

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi the 27th August. 1996

S.O. 2653.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (use of official purposes of the Union) Rule 1976, the Central Government hereby notifies the 55 offices (Annexure attached) of Nehru Yuva Kendra Sangthan the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi.

[F. No. 3-7/96-H.U.]

ASHA SWAROOP, Jt. Secy.

ANNEXURE "J"

Sl. No.	Name of the Office	State	Region
1.	Nehru Yuva Kendra Durgapur	Rajasthan	"A"
2.	Nehru Yuva Kendra, Chittorgarh	Rajasthan	"A"
3.	Nehru Yuva Kendra, Dausa	Rajasthan	"A"
4.	Nehru Yuva Kendra, Samastipur	Bihar	"A"
5.	Nehru Yuva Kendra, Jamui	Bihar	"A"
6.	Nehru Yuva Kendra, Munger	Bihar	"A"
7.	Nehru Yuva Kendra, Siwan	Bihar	"A"
8.	Nehru Yuva Kendra, Palamau	Bihar	"A"
9.	Nehru Yuva Kendra, Garwa	Bihar	"A"
10.	Nehru Yuva Kendra, Hazaribagh	Bihar	"A"
11.	Nehru Yuva Kendra, Seetamarhi	Bihar	"A"
12.	Nehru Yuva Kendra, Gaya	Bihar	"A"
13.	Nehru Yuva Kendra, Khagaria	Bihar	"A"
14.	Nehru Yuva Kendra, Araria	Bihar	"A"
15.	Nehru Yuva Kendra, Gopalganj	Bihar	"A"
16.	Nehru Yuva Kendra, Godda	Bihar	"A"
17.	Nehru Yuva Kendra, Dumka	Bihar	"A"
18.	Nehru Yuva Kendra, Datia	Madhya Pradesh	"A"
19.	Nehru Yuva Kendra, Mahu	Madhya Pradesh	"A"
20.	Nehru Yuva Kendra, Balaghat	Madhya Pradesh	"A"
21.	Nehru Yuva Kendra, Champa	Madhya Pradesh	"A"
22.	Nehru Yuva Kendra, Mandla	Madhya Pradesh	"A"

1	2	3	4
23.	Nehru Yuva Kendra, Shivpuri	Madhya Pradesh	"A"
24.	Nehru Yuva Kendra, Shehdol	Madhya Pradesh	"A"
25.	Nehru Yuva Kendra, Sidhi	Madhya Pradesh	"A"
26.	Nehru Yuva Kendra, Dewas	Madhya Pradesh	"A"
27.	Nehru Yuva Kendra, Hoshangabad	Madhya Pradesh	"A"
28.	Nehru Yuva Kendra, Aligarh	Uttar Pradesh	"A"
29.	Nehru Yuva Kendra, Saharanpur	Uttar Pradesh	"A"
30.	Nehru Yuva Kendra, Kanpur	Uttar Pradesh	"A"
31.	Nehru Yuva Kendra, Muzaffarnagar	Uttar Pradesh	"A"
32.	Nehru Yuva Kendra, Pithoragarh	Uttar Pradesh	"A"
33.	Nehru Yuva Kendra, Firozabad	Uttar Pradesh	"A"
34.	Nehru Yuva Kendra, Bijnor	Uttar Pradesh	"A"
35.	Nehru Yuva Kendra, Allahabad	Uttar Pradesh	"A"
36.	Nehru Yuva Kendra, Uttar Kashi	Uttar Pradesh	"A"
37.	Nehru Yuva Kendra, Varanasi	Uttar Pradesh	"A"
38.	Nehru Yuva Kendra, Azamgarh	Uttar Pradesh	"A"
39.	Nehru Yuva Kendra, Sidharthnagar	Uttar Pradesh	"A"
40.	Nehru Yuva Kendra, Bhivani	Haryana	"A"
41.	Nehru Yuva Kendra, Kaithal	Haryana	"A"
42.	Nehru Yuva Kendra, Port Blair	A & N Island	"A"
43.	Nehru Yuva Kendra, Jullundhar	Punjab	"B"
44.	Nehru Yuva Kendra, Mansa	Punjab	"B"
45.	Nehru Yuva Kendra, Ahmedabad	Gujrat	"B"
46.	Nehru Yuva Kendra, Kolhapur	Maharashtra	"B"
47.	Nehru Yuva Kendra, Akola	Maharashtra	"B"
48.	Nehru Yuva Kendra, Bhandra	Maharashtra	"B"
49.	Nehru Yuva Kendra, Buldana	Maharashtra	"B"
50.	Nehru Yuva Kendra, Ahmadnagar	Maharashtra	"B"
51.	Nehru Yuva Kendra, Yavatmal	Maharashtra	"B"
52.	Nehru Yuva Kendra, Nagpur	Maharashtra	"B"
53.	Nehru Yuva Kendra, Jalgaon	Maharashtra	"B"
54.	Nehru Yuva Kendra, Karwar	Karnataka	"C"
55.	Nehru Yuva Kendra, Silvassa	Dadar Nagar Haveli	"C"

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2654.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखपट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 के दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

ग्रन्थाल : रेड्डीगुडम्

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे. सं./ सब डिविजन		क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
मुचनापल्ली	480/1	भाग	00	33.0	00	82
	480/2	भाग	00	14.0	00	35
	477/2	भाग	00	10.0	00	25
	486/1	भाग	00	13.0	00	32
	486/2	भाग	00	09.5	00	24
	486/3	भाग	00	08.0	00	20
	486/4	भाग	00	07.0	00	17
	486/5	भाग	00	01.0	00	03
	487/5	भाग	00	11.5	00	28
	487/6	भाग	00	23.0	00	57
	487/7	भाग	00	03.0	00	08
	487/8	भाग	00	09.5	00	23
	488	भाग	00	00.5	00	01
	496/3B	भाग	00	16.5	00	39
	494/2	भाग	00	18.0	00	45
	494/3	भाग	00	11.5	00	29
	494/4	भाग	00	14.0	00	35
	513/1	भाग	00	21.5	00	52
	513/2	भाग	00	21.5	00	52
	509	भाग	00	00.5	00	01
	507/2	भाग	00	02.5	00	06
	507/3	भाग	00	35.0	00	86
	506/2	भाग	00	04.0	00	09
	506/3	भाग	00	24.0	00	59

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
मुचनापल्ली (संतत)	370/3	भाग	00	14.0	00	35
	369/1	भाग	00	17.0	00	42
	368/1	भाग	00	18.5	00	46
	355/2	भाग	00	10.5	00	26
	355/3	भाग	00	16.0	00	40
	356/4	भाग	00	01.0	00	03
	354	भाग	00	33.5	00	82
	358	भाग	00	06.0	00	15
	359/1	भाग	00	10.0	00	25
	359/2	भाग	00	10.5	00	25
	359/3	भाग	00	06.0	00	15
	360/2	भाग	00	11.5	00	29
	342/1	भाग	00	02.5	00	06
	342/2	भाग	00	20.5	00	51
	342/3	भाग	00	03.0	00	08
	300/4	भाग	00	14.0	00	35
	301/3	भाग	00	07.0	00	17
	301/4	भाग	00	05.5	00	14
	301/5	भाग	00	06.5	00	16
	301/1	भाग	00	06.0	00	15
	302/1	भाग	00	04.5	00	11
	302/2	भाग	00	29.0	00	72
	334/1	भाग	00	08.5	00	21
	312/1	भाग	00	08.0	00	20
	312/2	भाग	00	09.0	00	22
	312/4	भाग	00	08.5	00	21
	312/5	भाग	00	26.0	00	64
	317/1	भाग	00	12.5	00	31
	317/2	भाग	00	12.0	00	30
	318	भाग	00	32.0	00	79
	319/2	भाग	00	05.5	00	14
	320	भाग	00	30.0	00	74
	260/2	भाग	00	23.5	00	58
	257/1	भाग	00	21.5	00	53
	257/2	भाग	00	11.0	00	27
	255/1	भाग	00	06.0	00	15
	253/2	भाग	00	22.0	00	54
	254/2	भाग	00	15.5	00	38
	254/3	भाग	00	08.5	00	21
कुनपाराजुपवा	14/1A	भाग	00	06.0	00	15
	14/2A	भाग	00	05.0	00	14
	14/3	भाग	00	24.0	00	60
	12/1	भाग	00	23.0	00	56

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
कुनपाराजुपर्खा (संतत्)	12/4	भाग	00	09.5	00	24
	12/5	भाग	00	00.5	00	01
	11/1	भाग	00	39.5	00	98
	10/1	भाग	00	15.5	00	38
	9/3	भाग	00	27.5	00	68
	8/2	भाग	00	03.0	00	07
	8/3	भाग	00	20.0	00	50
	8/4	भाग	00	05.5	00	13
कुडापा	243/1	भाग	00	16.5	00	41
	242/2	भाग	00	43.5	01	08
	237/1	भाग	00	08.5	00	21
	237/2	भाग	00	00.5	00	01
	230/3	भाग	00	16.5	00	41
	233/2	भाग	00	03.0	00	07
	233/3	भाग	00	20.0	00	50
	234/1	भाग	00	09.5	00	23
	234/2	भाग	00	09.0	00	22
	234/3	भाग	00	01.5	00	04
	234/5	भाग	00	03.5	00	09
	210	भाग	00	04.0	00	09
	211/1	भाग	00	00.5	00	01
	211/2	भाग	00	16.5	00	41
	232/5	भाग	00	07.0	00	17
	212/1	भाग	00	00.5	00	01
	212/2	भाग	00	17.0	00	42
	212/3	भाग	00	13.0	00	32
	72/2	भाग	00	28.5	00	70
	72/3A	भाग	00	16.0	00	40
	72/3B	भाग	00	14.0	00	34
	80	भाग	00	09.5	00	23
	79/2	भाग	00	18.0	00	45
	79/3A	भाग	00	08.0	00	20
	79/3D	भाग	00	07.0	00	17
	79/3E	भाग	00	00.5	00	01
	78/1	भाग	00	01.0	00	02
	84/1C	भाग	00	12.0	00	30
	84/2	भाग	00	26.0	00	64
	110	भाग	00	42.5	01	05
	108	भाग	00	24.0	00	59
	107/2A	भाग	00	07.5	00	19
107/2B	भाग	00	03.5	00	09	
117/2A	भाग	00	13.5	00	33	
117/2B	भाग	00	25.0	00	62	

	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
क.प. (संलग्न)	122/1	भाग	00	18.5	00	46
	122/2	भाग	00	16.0	00	40
	123	भाग	00	18.0	00	45
	126/1A	भाग	00	04.0	00	10
	126/4A	भाग	00	03.5	00	09
	125/2	भाग	00	02.0	00	05
	125/3	भाग	00	05.5	00	14
	125/1	भाग	00	10.0	00	25
	125/4	भाग	00	06.5	00	16
	125/5	भाग	00	06.5	00	16
	125/6	भाग	00	02.5	00	06
	125/7	भाग	00	00.5	00	01
	125/8	भाग	00	01.5	00	04
रा.कु.द.म.	38/1	भाग	00	04.0	00	10
	38/2	भाग	00	01.0	00	03
	37/1	भाग	00	03.5	00	09
	36/2A	भाग	00	02.5	00	06
	4/1A	भाग	00	00.5	00	01
	4/1B	भाग	00	14.0	00	35
	4/1C	भाग	00	06.0	00	15
	4/2	भाग	00	12.0	00	30
	3/10	भाग	00	07.5	00	19
	8/1	भाग	00	04.0	00	10
	8/2E	भाग	00	03.0	00	07
	8/2D	भाग	00	02.5	00	06
	6/5	भाग	00	08.5	00	21
	6/6	भाग	00	04.5	00	11
	6/7	भाग	00	15.5	00	38
	6/8	भाग	00	04.0	00	10
	6/9	भाग	00	10.5	00	26
	22/2	भाग	00	09.0	00	22
	22/3	भाग	00	00.5	00	01
	18/2	भाग	00	15.0	00	37
	21/1	भाग	00	08.0	00	20
	21/2	भाग	00	08.0	00	20
	21/5	भाग	00	01.0	00	03
	21/4	भाग	00	12.5	00	31
	21/3	भाग	00	04.0	00	10
	235/2	भाग	00	18.0	00	44
	235/3	भाग	00	36.5	00	90
	235/4A	भाग	00	06.5	00	16
	235/4B	भाग	00	20.0	00	50
	235/6A	भाग	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
रूझावरम (संतत)	243/1	भाग	00	36.5	00	88
	243/3	भाग	00	10.0	00	25
	262/1	भाग	00	05.5	00	13
	262/2	भाग	00	15.0	00	37
	263/5	भाग	00	26.5	00	65
	265/1	भाग	00	22.5	00	55
	265/5	भाग	00	21.5	00	53
	264/3	भाग	00	03.0	00	08
	273/3	भाग	00	18.0	00	44
	273/2	भाग	00	00.5	00	01
	273/4	भाग	00	00.5	00	01
	273/1	भाग	00	11.5	00	29
	274/1A	भाग	00	30.5	00	76
	274/2A	भाग	00	01.5	00	04
	286/1B1	भाग	00	05.0	00	12
	286/1B3	भाग	00	09.0	00	22
	286/2	भाग	00	03.0	00	08

[फा. सं. आर-31015/7/96-ओ.आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2654.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindusthan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Reddigudem

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division	Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Muchenapalli	480/1 Part	00	33.0	00	82
	480/2 Part	00	14.0	00	35
	477/2 Part	00	10.0	00	25
	486/1 Part	00	13.0	00	32
	486/2 Part	00	09.5	00	24

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Muchenapalli (Contd.)	486/3	Part	00	08.0	00	20
	486/4	Part	00	07.0	00	17
	486/5	Part	00	01.0	00	03
	487/5	Part	00	11.5	00	28
	487/6	Part	00	23.0	00	57
	487/7	Part	00	03.0	00	08
	487/8	Part	00	09.5	00	23
	488	Part	00	00.5	00	01
	496/3B	Part	00	16.5	00	39
	494/2	Part	00	18.0	00	45
	494/3	Part	00	11.5	00	29
	494/4	Part	00	14.0	00	35
	513/1	Part	00	21.5	00	52
	513/2	Part	00	21.5	00	52
	509	Part	00	0.5	00	01
	507/2	Part	00	02.5	00	06
	507/3	Part	00	35.0	00	86
	506/2	Part	00	04.0	00	09
	506/3	Part	00	24.0	00	59
	370/3	Part	00	14.0	00	35
	369/1	Part	00	17.0	00	42
	368/1	Part	00	18.5	00	46
	355/2	Part	00	10.5	00	26
	355/3	Part	00	16.0	00	40
	356/4	Part	00	01.0	00	03
	354	Part	00	33.5	00	82
	358	Part	00	06.0	00	15
	359/1	Part	00	10.0	00	25
	359/2	Part	00	10.5	00	25
	359/3	Part	00	06.0	00	15
	360/2	Part	00	11.5	00	29
	342/1	Part	00	02.5	00	06
	342/2	Part	00	20.5	00	51
	342/3	Part	00	03.0	00	08
	300/4	Part	00	14.0	00	35
	301/3	Part	00	07.0	00	17
	301/4	Part	00	05.5	00	14
	301/5	Part	00	06.5	00	16
	301/1	Part	00	06.0	00	15
	302/1	Part	00	04.5	00	11
	302/2	Part	00	29.0	00	72
	334/1	Part	00	08.5	00	21
	312/1	Part	00	08.0	00	20
	312/2	Part	00	09.0	00	22
	312/4	Part	00	08.5	00	21
	312/5	Part	00	26.0	00	64
	317/1	Part	00	12.5	00	31
	317/2	Part	00	12.0	00	30
	318	Part	00	32.0	00	79
	319/2	Part	00	05.5	00	14
	320	Part	00	30.0	00	74

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Muchenapalli (Contd.)	260/2	Part	00	23.5	00	58
	257/1	Part	00	21.5	00	53
	257/2	Part	00	11.0	00	27
	255/1	Part	00	06.0	00	15
	253/2	Part	00	22.0	00	54
	254/2	Part	00	15.5	00	38
	254/3	Part	00	08.5	00	21
	Kunaparajuparva	14/1A	Part	00	06.0	00
14/2A		Part	00	05.0	00	14
14/3		Part	00	24.0	00	60
12/1		Part	00	23.0	00	56
12/4		Part	00	09.5	00	24
12/5		Part	00	00.5	00	01
11/1		Part	00	39.5	00	98
10/1		Part	00	15.5	00	38
9/3		Part	00	27.5	00	68
8/2		Part	00	03.0	00	07
Kudapa	8/3	Part	00	20.0	00	50
	8/4	Part	00	05.5	00	13
	243/1	Part	00	16.5	00	41
	242/2	Part	00	43.5	01	08
	237/1	Part	00	08.5	00	21
	237/2	Part	00	00.5	00	01
	230/3	Part	00	16.5	00	41
	233/2	Part	00	03.0	00	07
	233/3	Part	00	20.0	00	50
	234/1	Part	00	09.5	00	23
	234/2	Part	00	09.0	00	22
	234/3	Part	00	01.5	00	04
	234/5	Part	00	03.5	00	09
	210	Part	00	04.0	00	09
	211/1	Part	00	00.5	00	01
	211/2	Part	00	16.5	00	41
	232/5	Part	00	07.0	00	17
	212/1	Part	00	00.5	00	01
	212/2	Part	00	17.0	00	42
	212/3	Part	00	13.0	00	32
	72/2	Part	00	28.5	00	70
	72/3A	Part	00	16.0	00	40
	72/3B	Part	00	14.0	00	34
	80	Part	00	09.5	00	23
	79/2	Part	00	18.0	00	45
	79/3A	Part	00	08.0	00	20
	79/3D	Part	00	07.0	00	17
	79/3E	Part	00	00.5	00	01
	78/1	Part	00	01.0	00	02
	84/1C	Part	00	12.0	00	30
	84/2	Part	00	26.0	00	64
	110	Part	00	42.5	01	05
	108	Part	00	24.0	00	59
107/2A	Part	00	07.5	00	19	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Kudapa (Cond.)	107/2B Part	00	03.5	00	09
	117/2A Part	00	13.5	00	33
	117/2B Part	00	25.0	00	62
	122/1 Part	00	18.5	00	46
	122/2 Part	00	16.0	00	40
	123 Part	00	18.0	00	45
	126/1A Part	00	04.0	00	10
	126/4A Part	00	03.5	00	09
	125/2 Part	00	02.0	00	05
	125/3 Part	00	05.5	00	14
	125/1 Part	00	10.0	00	25
	125/4 Part	00	06.5	00	16
	125/5 Part	00	06.5	00	16
	125/6 Part	00	02.5	00	06
	125/7 Part	00	00.5	00	01
	125/8 Part	00	01.5	00	04
Rudravaram	38/1 Part	00	04.0	00	10
	38/2 Part	00	01.0	00	03
	37/1 Part	00	03.5	00	09
	36/2A Part	00	02.5	00	06
	4/1A Part	00	00.5	00	01
	4/1B Part	00	14.0	00	35
	4/1C Part	00	06.0	00	15
	4/2 Part	00	12.0	00	30
	3/10 Part	00	07.5	00	19
	8/1 Part	00	04.0	00	10
	8/2E Part	00	03.0	00	07
	8/2D Part	00	02.5	00	06
	6/5 Part	00	08.5	00	21
	6/6 Part	00	04.5	00	11
	6/7 Part	00	15.5	00	38
	6/8 Part	00	04.0	00	10
	6/9 Part	00	10.5	00	26
	22/2 Part	00	09.0	00	22
	22/3 Part	00	00.5	00	01
	18/2 Part	00	15.0	00	37
	21/1 Part	00	08.0	00	20
	21/2 Part	00	08.0	00	20
	21/5 Part	00	01.0	00	03
	21/4 Part	00	12.5	00	31
	21/3 Part	00	04.0	00	10
	235/2 Part	00	18.0	00	44
	235/3 Part	00	36.5	00	90
	235/4A Part	00	06.5	00	16
	235/4B Part	00	20.0	00	50
	235/6A Part	00	00.5	00	01
	243/1 Part	00	36.5	00	88
	243/3 Part	00	10.0	00	25
	262/1 Part	00	05.5	00	13
	262/2 Part	00	15.0	00	37
	263/5 Part	00	26.5	00	65

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Rudravaram (Contd.)	265/1 Part	00	22.5	00	55
	265/5 Part	00	21.5	00	53
	264/3 Part	00	03.0	00	08
	273/3 Part	00	18.0	00	44
	273/2 Part	00	00.5	00	01
	273/4 Part	00	00.5	00	01
	273/1 Part	00	11.5	00	29
	274/1A Part	00	30.5	00	76
	274/2A Part	00	01.5	00	04
	286/1B1 Part	00	05.0	00	12
	286/1B3 Part	00	09.0	00	22
	286/2 Part	00	03.0	00	08

[F. No. R-31015/7/96-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2655.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : सीतानगरम्

जिला : पूर्वी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे. सं./ सब डिविजन	क्षेत्रफल	हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
नागमपल्लि	404 भाग	00	05.0	00	12	
	405 भाग	00	15.5	00	38	
	406 भाग	00	17.0	00	42	
	400 भाग	00	22.0	00	54	
	410/1 भाग	00	00.5	00	01	
	399/2 भाग	00	14.0	00	34	
	411/1 भाग	00	27.0	00	67	
	412 भाग	00	22.0	00	54	
	415 भाग	00	00.5	00	01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नागमपल्लि (संततु)	389 भाग	00	13.5	00	33
	387 भाग	00	14.0	00	34
	386/2 भाग	00	05.0	00	12
	386/3 भाग	00	05.0	00	12
	385/2 भाग	00	26.5	00	65
	350/1 भाग	00	15.5	00	38
	350/2 भाग	00	05.0	00	12
	356/1 भाग	00	02.0	00	05
	356/2 भाग	00	05.0	00	12
	355 भाग	00	28.5	00	70
	368 भाग	00	13.0	00	32
	369/1&2 भाग	00	17.0	00	42
	365/2 भाग	00	12.5	00	31
	329/2 भाग	00	14.0	00	34
	330/2 भाग	00	05.5	00	14
	330/3 भाग	00	05.5	00	14
	331 भाग	00	14.0	00	35
	318 भाग	00	06.0	00	15
	319/1 भाग	00	05.0	00	12
	319/3 भाग	00	32.5	00	80
	320/1 भाग	00	19.5	00	48
	314/1to 4 भाग	00	26.5	00	65
	313/2 भाग	00	04.0	00	10
	144 भाग	00	50.0	01	24
	143/1&2 भाग	00	11.0	00	27
	122/1A भाग	00	03.0	00	07
	122/2A भाग	00	01.5	00	04
	122/2C भाग	00	10.5	00	26
	121/1A भाग	00	07.0	00	17
	121/1B भाग	00	13.5	00	33
	121/2 भाग	00	11.5	00	29
	121/3A भाग	00	06.5	00	16
	121/3B भाग	00	07.0	00	17
	121/3C भाग	00	05.5	00	14
	121/3D भाग	00	01.0	00	02
	120/2 भाग	00	15.5	00	38
	120/3A भाग	00	04.5	00	11
	120/3B भाग	00	01.0	00	03
	120/4A भाग	00	05.0	00	12
	120/5 भाग	00	05.5	00	13
बिनकोडेपूडि	742/1A भाग	00	09.5	00	24
	742/1B भाग	00	11.5	00	28
	742/2A भाग	00	06.0	00	16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
चिनकोडेपूडि (संतत्)	741 B भाग	00	00.5	00	01
	715/1 A भाग	00	03.0	00	08
	715/3 भाग	00	01.0	00	02
	715/4 भाग	00	03.5	00	09
	716/4A भाग	00	03.0	00	07
	716/4B भाग	00	07.0	00	18
	716/5 भाग	00	00.5	00	01
	717/1 भाग	00	06.0	00	15
	717/2 भाग	00	07.0	00	17
	719/1A भाग	00	03.0	00	07
	719/1B भाग	00	05.5	00	13
	719/2 भाग	00	11.0	00	27
	704 भाग	00	17.5	00	43
	705/2 भाग	00	01.0	00	02
	705/3 भाग	00	03.0	00	08
	703 भाग	00	12.0	00	30
	702 भाग	00	01.5	00	04
	695/1 भाग	00	11.0	00	27
	695/2 भाग	00	11.5	00	28
	695/3 भाग	00	04.0	00	10
	684/1 भाग	00	13.5	00	33
	684/2 भाग	00	12.0	00	30
	684/3 भाग	00	10.0	00	26
	684/4 भाग	00	06.5	00	16
	683/1 भाग	00	16.0	00	40
	683/2 भाग	00	06.5	00	16
	682/1 भाग	00	13.5	00	33
	682/3 भाग	00	03.5	00	09
	317/2 भाग	00	06.0	00	15
	318/1 भाग	00	24.0	00	59
	318/2 भाग	00	05.5	00	13
	319 भाग	00	00.5	00	01
	320/1 भाग	00	12.0	00	30
	320/2 भाग	00	12.5	00	31
	323/1 भाग	00	03.5	00	09
	323/2 भाग	00	11.0	00	27
	327 भाग	00	07.0	00	17
	326/2 भाग	00	09.5	00	23
	326/3 भाग	00	07.0	00	17
	381/1 भाग	00	21.5	00	53
	381/2A भाग	00	00.5	00	01
	325/2 भाग	00	14.5	00	36
	382 भाग	00	17.0	00	43

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
भिनकोडेपूडि (संतत)	380/1B भाग	00	02.5	00	06
	380/2 भाग	00	14.0	00	35
	360/1A भाग	00	02.5	00	06
	361/1 भाग	00	16.5	00	41
	361/2A भाग	00	17.0	00	42
	375/1 भाग	00	11.5	00	29
	375/2 भाग	00	10.0	00	25
	373/4 भाग	00	00.5	00	01
	371/1 भाग	00	15.0	00	37
	371/2 भाग	00	16.5	00	41
	374 भाग	00	19.5	00	48
	370/1 भाग	00	07.0	00	17
	399/1A भाग	00	09.0	00	22
	399/2 भाग	00	01.0	00	03
	399/3 भाग	00	10.5	00	26
	400/1 भाग	00	10.0	00	25
	400/2 भाग	00	06.5	00	16
	401/1C भाग	00	00.5	00	01
	401/2 भाग	00	17.5	00	43
	402/1A भाग	00	09.5	00	24
	402/1B भाग	00	01.5	00	04
	416/3A1 भाग	00	03.5	00	09
	416/3A2 भाग	00	11.0	00	27
	416/4 भाग	00	10.0	00	25
	416/5A भाग	00	01.0	00	02
	415/2 भाग	00	02.5	00	06
	415/3 भाग	00	14.5	00	36
	415/5 भाग	00	07.5	00	18
	415/6 भाग	00	04.5	00	11
	415/7 भाग	00	05.0	00	12
	448 भाग	00	19.5	00	48
	414/1 भाग	00	02.5	00	06
	449/2B भाग	00	05.0	00	12
	449/2C भाग	00	11.5	00	29
	452/2 भाग	00	20.0	00	49
	452/4 भाग	00	20.0	00	49
	453 भाग	00	16.0	00	40
	456 भाग	00	28.0	00	69
	458 भाग	00	02.0	00	05
	459/1 भाग	00	18.0	00	45
	462/1B भाग	00	07.5	00	18
	462/2 भाग	00	05.0	00	13
	462/3 भाग	00	01.0	00	02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
चिन्कोडेपुडि (संतत)	464/2 भाग	00	17.0	00	43
	466/1 भाग	00	20.5	00	51
	466/2 भाग	00	00.5	00	01
	465 भाग	00	09.5	00	22
सिंगवरम्	159/2 भाग	00	19.0	00	47
	159/3 भाग	00	19.0	00	47
	160/2 भाग	00	05.5	00	13
	160/3A भाग	00	05.5	00	13
	160/3B भाग	00	04.5	00	12
	160/3C भाग	00	06.0	00	15
	160/5 भाग	00	18.0	00	45
	162/2 भाग	00	05.5	00	13
	161 भाग	00	19.5	00	48
	138/4H भाग	00	05.5	00	14
	136/1A भाग	00	14.0	00	35
	136/1C भाग	00	09.5	00	23
	134/1A भाग	00	01.0	00	02
	134/1C भाग	00	05.5	00	14
	134/2A भाग	00	06.0	00	15
	134/2B भाग	00	06.0	00	15
	133/1 भाग	00	18.5	00	46
	133/2 भाग	00	09.0	00	22
	133/3 भाग	00	03.5	00	09
	133/4 भाग	00	03.5	00	09
	133/6 भाग	00	00.5	00	01
	133/7 भाग	00	07.0	00	17
	133/8 भाग	00	01.5	00	04

[फा. सं. आर-31015/10/96-ओ. आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2655.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Sitanagaram

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Area Ares	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Nagampalli	404	Part	00	05.0	00	12
	405	Part	00	15.5	00	38
	406	Part	00	17.0	00	42
	400	Part	00	22.0	00	54
	410/1	Part	00	00.5	00	01
	399/2	Part	00	14.0	00	34
	411/1	Part	00	27.0	00	67
	412	Part	00	22.0	00	54
	415	Part	00	00.5	00	01
	389	Part	00	13.5	00	33
	387	Part	00	14.0	00	34
	386/2	Part	00	05.0	00	12
	386/3	Part	00	05.0	00	12
	385/2	Part	00	26.5	00	65
	350/1	Part	00	15.5	00	38
	350/2	Part	00	05.0	00	12
	356/1	Part	00	02.0	00	05
	356/2	Part	00	05.0	00	12
	355	Part	00	28.5	00	70
	368	Part	00	13.0	00	32
	369/1&2	Part	00	17.0	00	42
	365/2	Part	00	12.5	00	31
	329/2	Part	00	14.0	00	34
	330/2	Part	00	05.5	00	14
	330/3	Part	00	05.5	00	14
	331	Part	00	14.0	00	35
	318	Part	00	06.0	00	15
	319/1	Part	00	05.0	00	12
	319/3	Part	00	32.5	00	80
	320/1	Part	00	19.5	00	48
	314/1to 4	Part	00	26.5	00	65
	313/2	Part	00	04.0	00	10
	144	Part	00	50.0	01	24
	143/1&2	Part	00	11.0	00	27
	122/1A	Part	00	03.0	00	07
	122/2A	Part	00	01.5	00	04
	122/2C	Part	00	10.5	00	26
	121/1A	Part	00	07.0	00	17
	121/1B	Part	00	13.5	00	33
	121/2	Part	00	11.5	00	29
	121/3A	Part	00	06.5	00	16
	121/3B	Part	00	07.0	00	17
	121/3C	Part	00	05.5	00	14
	121/3D	Part	00	01.0	00	02
	120/2	Part	00	15.5	00	38

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Nagampalli (Contd.)	120/3A Part	00	04.5	00	11
	120/3B Part	00	01.0	00	03
	120/4A Part	00	05.0	00	12
	120/5 Part	00	05.5	00	13
Chinakondepudi	742/1A Part	00	09.5	00	24
	742/1B Part	00	11.5	00	28
	742/2A Part	00	06.0	00	16
	742/2B Part	00	00.5	00	01
	718/1A Part	00	03.0	00	08
	715/3 Part	00	01.0	00	02
	715/4 Part	00	03.5	00	09
	716/4A Part	00	03.0	00	07
	716/4B Part	00	07.0	00	18
	716/5 Part	00	00.5	00	01
	717/1 Part	00	06.0	00	15
	717/2 Part	00	07.0	00	17
	719/1A Part	00	03.0	00	07
	719/1B Part	00	05.5	00	13
	719/2 Part	00	11.0	00	27
	704 Part	00	17.5	00	43
	705/2 Part	00	01.0	00	02
	705/3 Part	00	03.0	00	08
	703 Part	00	12.0	00	30
	702 Part	00	01.5	00	04
	695/1 Part	00	11.0	00	27
	695/2 Part	00	11.5	00	28
	695/3 Part	00	04.0	00	10
	684/1 Part	00	13.5	00	33
	684/2 Part	00	12.0	00	30
	684/3 Part	00	10.0	00	26
	684/4 Part	00	06.5	00	16
	683/1 Part	00	16.0	00	40
	683/2 Part	00	06.5	00	16
	682/1 Part	00	13.5	00	33
	682/3 Part	00	03.5	00	09
	317/2 Part	00	06.0	00	15
	318/1 Part	00	24.0	00	59
	318/2 Part	00	05.5	00	13
	319 Part	00	00.5	00	01
	320/1 Part	00	12.0	00	30
	320/2 Part	00	12.5	00	31
	323/1 Part	00	03.5	00	09
	323/2 Part	00	11.0	00	27
	327 Part	00	07.0	00	17
	326/2 Part	00	09.5	00	23
	326/3 Part	00	07.0	00	17
	381/1 Part	00	21.5	00	53
	381/2A Part	00	00.5	00	01
	325/2 Part	00	14.5	00	36
	382 Part	00	17.0	00	43
	380/1B Part	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Chinakondepudi (Contd.)	380/2	Part	00	14.0	00	35
	360/1A	Part	00	02.5	00	06
	361/1	Part	00	16.5	00	41
	361/2A	Part	00	17.0	00	42
	375/1	Part	00	11.5	00	29
	375/2	Part	00	10.0	00	25
	373/4	Part	00	00.5	00	01
	371/1	Part	00	15.0	00	37
	371/2	Part	00	16.5	00	41
	374	Part	00	19.5	00	48
	370/1	Part	00	07.0	00	17
	399/1A	Part	00	09.0	00	22
	399/2	Part	00	01.0	00	03
	399/3	Part	00	10.5	00	26
	400/1	Part	00	10.0	00	25
	400/2	Part	00	06.5	00	16
	401/1C	Part	00	00.5	00	01
	401/2	Part	00	17.5	00	43
	402/1A	Part	00	09.5	00	24
	402/1B	Part	00	01.5	00	04
	416/3A1	Part	00	03.5	00	09
	416/3A2	Part	00	11.0	00	27
	416/4	Part	00	10.0	00	25
	416/5A	Part	00	01.0	00	02
	415/2	Part	00	02.5	00	06
	415/3	Part	00	14.5	00	36
	415/5	Part	00	07.5	00	18
	415/6	Part	00	04.5	00	11
	415/7	Part	00	05.0	00	12
	448	Part	00	19.5	00	48
	414/1	Part	00	02.5	00	06
	449/2B	Part	00	05.0	00	12
	449/2C	Part	00	11.5	00	29
	452/2	Part	00	20.0	00	49
	452/4	Part	00	20.0	00	49
	453	Part	00	16.0	00	40
	456	Part	00	28.0	00	69
	458	Part	00	02.0	00	05
	459/1	Part	00	18.0	00	45
	462/1B	Part	00	07.5	00	18
	462/2	Part	00	05.0	00	13
	462/3	Part	00	01.0	00	02
	464/2	Part	00	17.0	00	43
	466/1	Part	00	20.5	00	51
	466/2	Part	00	00.5	00	01
	465	Part	00	09.5	00	22
Singavaram	159/2	Part	00	19.0	00	47
	159/3	Part	00	19.0	00	47
	160/2	Part	00	05.5	00	13
	160/3A	Part	00	05.5	00	13
	160/3B	Part	00	04.5	00	12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Singavaram (Contd.)	160/3C Part	00	06.0	00	15
	160/5 Part	00	18.0	00	45
	162/2 Part	00	05.5	00	13
	161 Part	00	19.5	00	48
	138/4H Part	00	05.5	00	14
	136/1A Part	00	14.0	00	35
	136/1C Part	00	09.5	00	23
	134/1A Part	00	01.0	00	02
	134/1C Part	00	05.5	00	14
	134/2A Part	00	06.0	00	15
	134/2B Part	00	06.0	00	15
	133/1 Part	00	18.5	00	46
	133/2 Part	00	09.0	00	22
	133/3 Part	00	03.5	00	09
	133/4 Part	00	03.5	00	09
	133/6 Part	00	00.5	00	01
	133/7 Part	00	07.0	00	17
	133/8 Part	00	01.5	00	04

[F. No. R.-31015/10/96-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2656.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखपट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 के दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाख-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखपट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : गोकवरम

जिला : पूर्वी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./	क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन	हेक्टेयर	अरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तिरुमलायपालेम्	441 भाग	00	24.0	00	59
	445/3 भाग	00	33.5	00	83
	446 भाग	00	08.0	00	20
	447/1 भाग	00	09.0	00	22
	447/2 भाग	00	10.5	00	26
	447/6 भाग	00	12.0	00	30
	448/1 भाग	00	15.5	00	38

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तिरुमलायपालेम् (संतत्)	448/3 भाग	00	06.0	00	15
	461/2 भाग	00	29.0	00	72
	429/2B भाग	00	02.0	00	05
	462/1 भाग	00	05.5	00	14
	462/3 भाग	00	09.5	00	24
	462/4 भाग	00	15.0	00	37
	465/1 भाग	00	30.0	00	74
	465/2 भाग	00	01.0	00	03
	466/1 भाग	00	20.0	00	49
	466/2 भाग	00	00.5	00	01
	467 भाग	00	09.5	00	24
	314 भाग	00	09.5	00	23
	469 भाग	00	33.0	00	81
	470/1A भाग	00	16.0	00	39
	470/1C भाग	00	07.5	00	18
	470/2 भाग	00	01.0	00	02
	295 भाग	00	35.5	00	88
	294/1 भाग	00	01.0	00	02
	296/1 भाग	00	03.0	00	08
	296/2 भाग	00	15.0	00	37
	297 भाग	00	14.5	00	36
	299/6 भाग	00	01.0	00	02
	299/7 भाग	00	07.0	00	17
	299/8 भाग	00	15.5	00	38
	299/9 भाग	00	00.5	00	01
	299/13 भाग	00	09.5	00	23
	299/14 भाग	00	14.5	00	36
	266/1 भाग	00	24.5	00	60
	266/3 भाग	00	08.0	00	20
	267/1 भाग	00	17.0	00	42
	267/2A भाग	00	16.5	00	41
	267/2B भाग	00	14.0	00	35
	221 भाग	00	26.0	00	64
	220/1 भाग	00	47.0	01	16
	219/1 भाग	00	34.0	00	84
	219/2 भाग	00	29.0	00	72
	217/2 भाग	00	01.5	00	04
गुम्मल्लदोड्ड	474/3 भाग	00	13.0	00	32
	474/4 भाग	00	28.0	00	69
	476/1 भाग	00	33.5	00	83
	476/2 भाग	00	09.5	00	24
	478 भाग	00	21.0	00	52
	480/1 भाग	00	09.5	00	23

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
गुम्मास्लदोइड (संतत)	480/2	भाग	00	16.5	00	41
	480/3	भाग	00	12.0	00	30
	467	भाग	00	06.5	00	16
	481	भाग	00	07.0	00	17
	482/1	भाग	00	05.5	00	14
	482/2	भाग	00	04.5	00	11
	482/3	भाग	00	05.0	00	12
	464/3	भाग	00	21.0	00	52
	463	भाग	00	30.0	00	74
	426/1	भाग	00	08.0	00	20
	426/2	भाग	00	15.5	00	38
	426/3	भाग	00	26.5	00	65
	452	भाग	00	01.0	00	02
	451	भाग	00	11.5	00	29
	427/1	भाग	00	05.0	00	12
	427/3	भाग	00	10.5	00	26
	428/1	भाग	00	04.5	00	11
	428/2	भाग	00	01.1	00	03
	297	भाग	00	05.5	00	13
	298/3	भाग	00	00.5	00	01
	296	भाग	00	07.0	00	17
	295	भाग	00	15.5	00	38
	309	भाग	00	29.0	00	72
	311/1	भाग	00	23.0	00	57
	312/1	भाग	00	30.0	00	74
	282/1A	भाग	00	03.0	00	07
	282/1B	भाग	00	03.5	00	08
	282/1D	भाग	00	36.0	00	89
	282/1E	भाग	00	00.5	00	01
	13/1	भाग	00	37.0	00	91
	171	भाग	00	00.5	00	01
	19	भाग	00	28.0	00	69
	20	भाग	00	38.0	00	94
	21/1	भाग	00	06.0	00	15
	21/2	भाग	00	33.0	00	81
	22/5	भाग	00	07.5	00	19
	22/6	भाग	00	09.0	00	22
	22/7	भाग	00	09.0	00	22
	23/2D	भाग	00	07.5	00	19
	23/2H	भाग	00	06.5	00	16
	23/2I	भाग	00	03.5	00	09
	23/2L	भाग	00	03.5	00	09
	23/2M	भाग	00	03.0	00	07

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गुम्मल्लदोड्ड (संतत्)	23/2N भाग	00	00.5	00	01
	23/3 भाग	00	24.0	00	59
अच्चुतापुरम्	218/2 भाग	00	02.0	00	05
	218/3 भाग	00	40.0	00	99
	220/1 भाग	00	10.0	00	25
	220/2A भाग	00	00.5	00	01
	220/2B भाग	00	10.0	00	25
	232/1B भाग	00	06.5	00	16
	232/2A भाग	00	06.0	00	15
	232/2B भाग	00	09.5	00	23
	231/2 भाग	00	23.5	00	58
	231/3 भाग	00	02.0	00	05
	228/1C भाग	00	08.0	00	20
	228/2 भाग	00	21.5	00	53
	238/1 भाग	00	18.0	00	44
	238/2 भाग	00	06.5	00	16
	193/1B भाग	00	01.5	00	04
	239 भाग	00	01.0	00	02
	192/2A भाग	00	04.0	00	10
	192/2D भाग	00	02.5	00	07
	192/2C भाग	00	10.5	00	26
	189 भाग	00	07.0	00	17
	190 भाग	00	20.0	00	50
	188 भाग	00	24.5	00	58
	184/2 भाग	00	01.0	00	03
	185/1A भाग	00	05.5	00	13
	185/1B भाग	00	09.5	00	23
	185/2B भाग	00	01.0	00	02
	180/1 भाग	00	08.5	00	21
	180/2 भाग	00	17.0	00	42
	172/3B भाग	00	09.0	00	22
	179/2 भाग	00	11.0	00	27
	173/2 भाग	00	01.0	00	03
	173/3A भाग	00	11.5	00	29
	173/3B भाग	00	00.5	00	01
	173/3C भाग	00	18.0	0	44
	173/4 भाग	00	02.5	00	06
	296/1 भाग	00	16.0	00	40
	296/2 भाग	00	03.0	00	07
	296/4 भाग	00	11.0	00	27
	8/1 भाग	00	04.0	00	10
	8/4 भाग	00	01.0	00	03
	7/4 भाग	00	19.5	00	48

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
अच्छुतापुरम् (संतत)	7/5	भाग	00	04.5	00	11
	3/9	भाग	00	19.0	00	47
	3/11	भाग	00	13.0	00	32
	3/12	भाग	00	02.5	00	06
गादेलपालेम	408	भाग	00	20.0	00	50
	406	भाग	00	02.0	00	05
	407	भाग	00	20.5	00	51
	404	भाग	00	14.0	00	35
	403/1	भाग	00	05.0	00	12
	403/4	भाग	00	09.5	00	24
	402/1	भाग	00	21.5	00	53
	402/2	भाग	00	04.5	00	11
	348	भाग	00	24.0	00	59
	347/2	भाग	00	01.0	00	02
	345	भाग	00	13.0	00	32
	343/1	भाग	00	09.5	00	23
	342/1	भाग	00	04.0	00	10
	342/2	भाग	00	03.0	00	08
	341/1	भाग	00	04.5	00	11
	341/2	भाग	00	10.0	00	25
	338/1	भाग	00	01.5	00	04
	338/3	भाग	00	00.5	00	01
	338/4	भाग	00	08.5	00	21
	338/5	भाग	00	05.0	00	12
	337/1	भाग	00	13.0	00	32
	337/2	भाग	00	14.0	00	34
	337/3	भाग	00	00.5	00	01
	337/4	भाग	00	01.0	00	03
	336/1	भाग	00	38.0	00	94
	134/2	भाग	00	09.5	00	23
	134/4	भाग	00	27.0	00	67

[फा. सं. आर-31015/12/96-ओ. आर. II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2656.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the

acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Gokavaram

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Tirumalayapalem	441	Part	00	24.0	00	59
	445/3	Part	00	33.5	00	83
	446	Part	00	08.0	00	20
	447/1	Part	00	09.0	00	22
	447/2	Part	00	10.5	00	26
	447/6	Part	00	12.0	00	30
	448/1	Part	00	15.5	00	38
	448/3	Part	00	06.0	00	15
	461/2	Part	00	29.0	00	72
	429/2B	Part	00	02.0	00	05
	462/1	Part	00	05.5	00	14
	462/3	Part	00	09.5	00	24
	462/4	Part	00	15.0	00	37
	465/1	Part	00	30.0	00	74
	465/2	Part	00	01.0	00	03
	466/1	Part	00	20.0	00	49
	466/2	Part	00	00.5	00	01
	467	Part	00	09.5	00	24
	314	Part	00	09.5	00	23
	469	Part	00	33.0	00	81
	470/1A	Part	00	16.0	00	39
	470/1C	Part	00	07.5	00	18
	470/2	Part	00	01.0	00	02
	295	Part	00	35.5	00	88
	294/1	Part	00	01.0	00	02
	296/1	Part	00	03.0	00	08
	296/2	Part	00	15.0	00	37
	297	Part	00	14.5	00	36
	299/6	Part	00	01.0	00	02
	299/7	Part	00	07.0	00	17
	299/8	Part	00	15.5	00	38
	299/9	Part	00	00.5	00	01
	299/13	Part	00	09.5	00	23
	299/14	Part	00	14.5	00	36
	266/1	Part	00	24.5	00	60
	266/3	Part	00	08.0	00	20
	267/1	Part	00	17.0	00	42
	267/2A	Part	00	16.5	00	41
	267/2B	Part	00	14.0	00	35
	221	Part	00	26.0	00	64
	220/1	Part	00	47.0	01	16

<u>(1)</u>	<u>(2)</u>	<u>(3)</u>	<u>(4)</u>	<u>(5)</u>	<u>(6)</u>	
Tirumalayapalem (Contd.)	219/1	Part	00	34.0	00	84
	219/2	Part	00	29.0	00	72
	217/2	Part	00	01.5	00	04
Gummalladoddi	474/3	Part	00	13.0	00	32
	474/4	Part	00	28.0	00	69
	476/1	Part	00	33.5	00	83
	476/2	Part	00	09.5	00	24
	478	Part	00	21.0	00	52
	480/1	Part	00	09.5	00	23
	480/2	Part	00	16.5	00	41
	480/3	Part	00	12.0	00	30
	467	Part	00	06.5	00	16
	481	Part	00	07.0	00	17
	482/1	Part	00	05.5	00	14
	482/2	Part	00	04.5	00	11
	482/3	Part	00	05.0	00	12
	464/3	Part	00	21.0	00	52
	463	Part	00	30.0	00	74
	426/1	Part	00	08.0	00	20
	426/2	Part	00	15.5	00	38
	426/3	Part	00	26.5	00	65
	452	Part	00	01.0	00	02
	451	Part	00	11.5	00	29
	427/1	Part	00	05.0	00	12
	427/3	Part	00	10.5	00	26
	428/1	Part	00	04.5	00	11
	428/2	Part	00	01.0	00	03
	297	Part	00	05.5	00	13
	298/3	Part	00	00.5	00	01
	296	Part	00	07.0	00	17
	295	Part	00	15.5	00	38
	309	Part	00	29.0	00	72
	311/1	Part	00	23.0	00	57
	312/1	Part	00	30.0	00	74
	282/1A	Part	00	03.0	00	07
	282/1B	Part	00	03.5	00	08
	282/1D	Part	00	36.0	00	89
	282/1E	Part	00	00.5	00	01
	13/1	Part	00	37.0	00	91
	171	Part	00	00.5	00	01
	19	Part	00	28.0	00	69
	20	Part	00	38.0	00	94
	21/1	Part	00	06.0	00	15
	21/2	Part	00	33.0	00	81
	22/5	Part	00	07.5	00	19
	22/6	Part	00	09.0	00	22
	22/7	Part	00	09.0	00	22
	23/2D	Part	00	07.5	00	19
	23/2H	Part	00	06.5	00	16
	23/2I	Part	00	03.5	00	09
	23/2L	Part	00	03.5	00	09

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Gummalladoddi (Contd.)	23/2M	Part	00	03.0	00	07
	23/2N	Part	00	00.5	00	01
	23/3	Part	00	24.	00	59
Atchutapuram	218/2	Part	00	02.0	00	05
	218/3	Part	00	40.0	00	99
	220/1	Part	00	10.0	00	25
	220/2A	Part	00	00.5	00	01
	220/2B	Part	00	10.0	00	25
	232/1B	Part	00	06.5	00	16
	232/2A	Part	00	06.0	00	15
	232/2B	Part	00	09.5	00	23
	231/2	Part	00	23.5	00	58
	231/3	Part	00	02.0	00	05
	228/1C	Part	00	08.0	00	20
	228/2	Part	00	21.5	00	53
	238/1	Part	00	18.0	00	44
	238/2	Part	00	06.5	00	16
	193/1B	Part	00	01.5	00	04
	239	Part	00	01.0	00	02
	192/2A	Part	00	04.0	00	10
	192/2D	Part	00	02.5	00	07
	192/2C	Part	00	10.5	00	26
	189	Part	00	07.0	00	17
	190	Part	00	20.0	00	50
	188	Part	00	24.5	00	58
	184/2	Part	00	01.0	00	03
	185/1A	Part	00	05.5	00	13
	185/1B	Part	00	09.5	00	23
	185/2B	Part	00	01.0	00	02
	180/1	Part	00	08.5	00	21
	180/2	Part	00	17.0	00	42
	172/3B	Part	00	09.0	00	22
	179/2	Part	00	11.0	00	27
	173/2	Part	00	01.0	00	03
	173/3A	Part	00	11.5	00	29
	173/3B	Part	00	00.5	00	01
	173/3C	Part	00	18.0	0	44
	173/4	Part	00	02.5	00	06
	296/1	Part	00	16.0	00	40
	296/2	Part	00	03.0	00	07
	296/4	Part	00	11.0	00	27
	8/1	Part	00	04.0	00	10
	8/4	Part	00	01.0	00	03
	7/4	Part	00	19.5	00	48
	7/5	Part	00	04.5	00	11
	3/9	Part	00	19.0	00	47
	3/11	Part	00	13.0	00	32
	3/12	Part	00	02.5	00	06
Gadelapalem	408	Part	00	20.0	00	50
	406	Part	00	02.0	00	05
	407	Part	00	20.5	00	51

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Gadelapalem (Contd.)	404 Part	00	14.0	00	35
	403/1 Part	00	05.0	00	12
	403/4 Part	00	09.5	00	24
	402/1 Part	00	21.5	00	53
	402/2 Part	00	04.5	00	11
	348 Part	00	24.0	00	59
	347/2 Part	00	01.0	00	02
	345 Part	00	13.0	00	32
	343/1 Part	00	09.5	00	23
	342/1 Part	00	04.0	00	10
	342/2 Part	00	03.0	00	08
	341/1 Part	00	04.5	00	11
	341/2 Part	00	10.0	00	25
	338/1 Part	00	01.5	00	04
	338/3 Part	00	00.5	00	01
	338/4 Part	00	08.5	00	21
	338/5 Part	00	05.0	00	12
	337/1 Part	00	13.0	00	32
	337/2 Part	00	14.0	00	34
	337/3 Part	00	00.5	00	01
	337/4 Part	00	01.0	00	03
	336/1 Part	00	38.0	00	94
	134/2 Part	00	09.5	00	23
	134/4 Part	00	27.0	00	67

[F No. R-31015/12/96-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ.2657.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखपट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को बताना है ।

अनुसूची

मंडल : विशनापेटा

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./	क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन	हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नरसापुरम	564/2 भाग	00	20.0	00	49
	564/3 भाग	00	67.5	01	66
	552/3 भाग	00	27.0	00	67

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
नरसापुरम (संतत)	565	भाग	00	10.0	00	25
	521/1	भाग	00	03.0	00	07
	521/2	भाग	00	20.0	00	50
	522/7	भाग	00	04.5	00	11
	534/1	भाग	00	05.5	00	14
	534/2	भाग	00	16.0	00	39
	534/5	भाग	00	02.5	00	06
	536/3	भाग	00	01.0	00	03
	536/5	भाग	00	17.0	00	42
	538/1	भाग	00	13.0	00	32
	538/2	भाग	00	06.5	00	16
	538/3	भाग	00	00.5	00	01
	537/2	भाग	00	07.5	00	19
	537/3	भाग	00	16.0	00	39
	537/4	भाग	00	01.5	00	04
	537/5	भाग	00	09.5	00	24
ताताकुन्दा	240/1	भाग	00	10.0	00	25
	240/2	भाग	00	14.5	00	36
	240/4	भाग	00	01.5	00	04
	240/5	भाग	00	03.5	00	09
	240/6	भाग	00	07.5	00	18
	240/8	भाग	00	07.0	00	18
	240/9	भाग	00	00.5	00	01
	239/6	भाग	00	00.5	00	01
	236/3	भाग	00	00.5	00	01
	236/5	भाग	00	03.5	00	09
	236/6	भाग	00	12.0	00	30
	236/7	भाग	00	19.5	00	48
	235/1	भाग	00	14.0	00	35
	235/2	भाग	00	10.5	00	26
	234/4	भाग	00	11.0	00	27
	233/5	भाग	00	04.0	00	10
	208/1	भाग	00	14.0	00	35
	228/11	भाग	00	00.5	00	01
	209/1	भाग	00	23.0	00	57
	209/2	भाग	00	00.5	00	01
	210/2	भाग	00	04.5	00	11
	210/3	भाग	00	06.0	00	14
	210/4	भाग	00	06.5	00	16
	210/5	भाग	00	05.0	00	12
	210/7	भाग	00	00.5	00	01
	211/1	भाग	00	07.0	00	17
	211/2	भाग	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
तालाकुन्दा (संतत)	195/1	भाग	00	07.5	00	19
	195/2	भाग	00	08.0	00	20
	195/3	भाग	00	04.5	00	11
	194/3	भाग	00	17.0	00	42
	197/1	भाग	00	28.5	00	70
	192/1	भाग	00	00.5	00	01
	192/2	भाग	00	12.5	00	31
	191	भाग	00	13.5	00	33
	189/2	भाग	00	07.0	00	17
	189/3	भाग	00	13.0	00	32
	139/2	भाग	00	26.0	00	64
	142/2	भाग	00	11.0	00	27
	142/3	भाग	00	03.0	00	07
	147/2	भाग	00	02.5	00	06
	147/3	भाग	00	17.0	00	43
	146/1	भाग	00	08.5	00	21
	146/2	भाग	00	00.5	00	01
	152/1	भाग	00	19.0	00	46
	152/2	भाग	00	14.0	00	35
	151/1	भाग	00	06.5	00	16
	151/3	भाग	00	04.0	00	10
	151/4	भाग	00	04.0	00	10
	150/5	भाग	00	01.5	00	04
	154/1	भाग	00	04.5	00	11
	154/2	भाग	00	04.5	00	11
	154/3	भाग	00	04.5	00	11
	154/4	भाग	00	24.0	00	60
	76	भाग	00	13.0	00	32
	75/1	भाग	00	05.5	00	14
	75/2	भाग	00	05.5	00	13
	75/3	भाग	00	03.5	00	09
	75/4	भाग	00	03.0	00	08
	75/5	भाग	00	05.5	00	14
	75/6	भाग	00	03.0	00	07
	75/7	भाग	00	01.5	00	04
	75/8	भाग	00	00.5	00	01
	73/1B	भाग	00	05.5	00	14
	73/1C	भाग	00	14.0	00	34
	73/2A	भाग	00	03.0	00	08
	73/2B	भाग	00	02.0	00	05
	73/3	भाग	00	01.0	00	03
	67/3	भाग	00	01.5	00	04
	67/4	भाग	00	05.5	00	13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
ताताकुन्दा (संतत)	67/5	भाग	00	01.5	00	04
	67/6	भाग	00	15.0	00	37
	64	भाग	00	20.5	00	51
विशनापेटा	18/4	भाग	00	22.5	00	55
	18/3	भाग	00	02.5	00	06
	18/1	भाग	00	21.5	00	53
	17/2	भाग	00	37.0	00	91
	19	भाग	00	04.0	00	10
	14/1	भाग	00	16.5	00	41
	14/2	भाग	00	14.0	00	34
	14/3	भाग	00	01.0	00	02
	15/3	भाग	00	15.5	00	38
	15/2	भाग	00	02.5	00	06
	13/2	भाग	00	01.0	00	02
	8/1	भाग	00	30.0	00	74
	8/2	भाग	00	07.5	00	19
	9/1	भाग	00	02.5	00	06
	10/1	भाग	00	06.5	00	16
	10/2	भाग	00	12.0	00	30
	10/3	भाग	00	06.5	00	16
	33/13	भाग	00	03.5	00	09
	33/5	भाग	00	04.5	00	11
	33/6	भाग	00	15.5	00	38
	42/1	भाग	00	03.0	00	08
	42/5	भाग	00	00.5	00	01
	42/2	भाग	00	15.5	00	38
	42/3	भाग	00	03.0	00	08
	40/1	भाग	00	14.0	00	35
	38/3	भाग	00	12.5	00	31
	38/1	भाग	00	01.0	00	02
	38/5	भाग	00	05.0	00	12
	39/1	भाग	00	24.0	00	59
	37/3	भाग	00	27.5	00	68
	64/2	भाग	00	01.0	00	03
	64/1	भाग	00	35.0	00	86
	65	भाग	00	13.0	00	32
	68/1C	भाग	00	02.5	00	06
	68/2	भाग	00	15.0	00	37
	69/1B	भाग	00	52.0	01	28
चन्द्रपट्टा	357/4	भाग	00	14.5	00	36
	357/6	भाग	00	18.5	00	46
	358	भाग	00	09.0	00	22
	352/2	भाग	00	14.0	00	34

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2657.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Vissannapeta

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Narasapuram	564/2	Part	00	20.0	00	49
	564/3	Part	00	67.5	01	66
	552/3	Part	00	27.0	00	67
	565	Part	00	10.0	00	25
	521/1	Part	00	03.0	00	07
	521/2	Part	00	20.0	00	50
	522/7	Part	00	04.5	00	11
	534/1	Part	00	05.5	00	14
	534/2	Part	00	16.0	00	39
	534/5	Part	00	02.5	00	06
	536/3	Part	00	01.0	00	03
	536/5	Part	00	17.0	00	42
	538/1	Part	00	13.0	00	32
	538/2	Part	00	06.5	00	16
	538/3	Part	00	00.5	00	01
	537/2	Part	00	07.5	00	19
	537/3	Part	00	16.0	00	39
	537/4	Part	00	01.5	00	04
	537/5	Part	00	09.5	00	24
Tatakunta	240/1	Part	00	10.0	00	25
	240/2	Part	00	14.5	00	36
	240/4	Part	00	01.5	00	04
	240/5	Part	00	03.5	00	09
	240/6	Part	00	07.5	00	18
	240/8	Part	00	07.0	00	18
	240/9	Part	00	00.5	00	01
	239/6	Part	00	00.5	00	01
	236/3	Part	00	00.5	00	01
	236/5	Part	00	03.5	00	09

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Tatakunta (Contd.)	236/6	Part	00	12.0	00	30
	236/7	Part	00	19.5	00	48
	235/1	Part	00	14.0	00	35
	235/2	Part	00	10.5	00	26
	234/4	Part	00	14.0	00	27
	233/5	Part	00	04.0	00	10
	208/1	Part	00	14.0	00	35
	228/11	Part	00	00.5	00	01
	209/1	Part	00	23.0	00	57
	209/2	Part	00	00.5	00	01
	210/2	Part	00	04.5	00	11
	210/3	Part	00	06.0	00	14
	210/4	Part	00	06.5	00	16
	210/5	Part	00	05.0	00	12
	210/6	Part	00	00.5	00	01
	211/1	Part	00	07.0	00	17
	211/2	Part	00	02.5	00	06
	195/1	Part	00	07.5	00	19
	195/2	Part	00	08.0	00	20
	195/3	Part	00	04.5	00	11
	194/3	Part	00	17.0	00	42
	197/1	Part	00	28.5	00	70
	192/1	Part	00	00.5	00	01
	192/2	Part	00	12.5	00	31
	191	Part	00	13.5	00	33
	189/2	Part	00	07.0	00	17
	189/3	Part	00	13.0	00	32
	139/2	Part	00	26.0	00	64
	142/2	Part	00	11.0	00	27
	142/3	Part	00	03.0	00	07
	147/2	Part	00	02.5	00	06
	147/3	Part	00	17.0	00	43
	146/1	Part	00	08.5	00	21
	146/2	Part	00	00.5	00	01
	152/1	Part	00	19.0	00	46
	152/2	Part	00	14.0	00	35
	151/1	Part	00	06.5	00	16
	151/3	Part	00	04.0	00	10
	151/4	Part	00	04.0	00	10
	150/5	Part	00	01.5	00	04
	154/1	Part	00	04.5	00	11
	154/2	Part	00	04.5	00	11
	154/3	Part	00	04.5	00	11
	154/4	Part	00	24.0	00	60
	76	Part	00	13.0	00	32
	75/1	Part	00	05.5	00	14
	75/2	Part	00	05.5	00	13
	75/3	Part	00	03.5	00	09
	75/4	Part	00	03.0	00	08
	75/5	Part	00	05.5	00	14
	75/6	Part	00	03.0	00	07

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Tatakunta (Contd.)	75/7	Part	00	01.5	00	04	
	75/8	Part	00	00.5	00	01	
	73/1B	Part	00	05.5	00	14	
	73/1C	Part	00	14.0	00	34	
	73/2A	Part	00	03.0	00	08	
	73/2B	Part	00	02.0	00	05	
	73/3	Part	00	01.0	00	03	
	67/3	Part	00	01.5	00	04	
	67/4	Part	00	05.5	00	13	
	67/5	Part	00	01.5	00	04	
	67/6	Part	00	15.0	00	37	
	64	Part	00	20.5	00	51	
	Vissannapeta	18/4	Part	00	22.5	00	55
		18/3	Part	00	02.5	00	06
18/1		Part	00	21.5	00	53	
17/2		Part	00	37.0	00	91	
19		Part	00	04.0	00	10	
14/1		Part	00	16.5	00	41	
14/2		Part	00	14.0	00	34	
14/3		Part	00	01.0	00	02	
15/3		Part	00	15.5	00	38	
15/2		Part	00	02.5	00	06	
13/2		Part	00	01.0	00	02	
8/1		Part	00	30.0	00	74	
8/2		Part	00	07.5	00	19	
9/1		Part	00	02.5	00	06	
10/1		Part	00	06.5	00	16	
10/2		Part	00	12.0	00	30	
10/3		Part	00	06.5	00	16	
33/13		Part	00	03.5	00	09	
33/5		Part	00	04.5	00	11	
33/6		Part	00	15.5	00	38	
42/1		Part	00	03.0	00	08	
42/5		Part	00	00.5	00	01	
42/2		Part	00	15.5	00	38	
42/3		Part	00	03.0	00	08	
40/1		Part	00	14.0	00	35	
38/3		Part	00	12.5	00	31	
38/1		Part	00	01.0	00	02	
38/5		Part	00	05.0	00	12	
39/1		Part	00	24.0	00	59	
37/3		Part	00	27.5	00	68	
64/2		Part	00	01.0	00	03	
64/1		Part	00	35.0	00	86	
65		Part	00	13.0	00	32	
68/1C		Part	00	02.5	00	06	
68/2		Part	00	15.0	00	37	
69/1B		Part	00	52.0	01	28	
Chandrapatla	357/4	Part	00	14.5	00	36	
	357/6	Part	00	18.5	00	46	
	358	Part	00	09.0	00	22	
	352/2	Part	00	14.0	00	34	

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2658.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्थुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : जगमपेटा

जिला : पूर्वी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./	क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन	हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मामिडाडा	371 भाग	00	16.0	00	40
	369/1 भाग	00	01.0	00	03
	369/2 भाग	00	12.0	00	30
	369/3 भाग	00	15.5	00	39
	361/6 भाग	00	23.5	00	58
	360/1 भाग	00	01.5	00	04
	355/4 भाग	00	00.5	00	01
	356/1 भाग	00	11.5	00	29
	356/2 भाग	00	03.0	00	07
	356/3 भाग	00	12.5	00	31
	346/2 भाग	00	08.5	00	21
	346/3 भाग	00	16.5	00	41
	344/1 भाग	00	03.0	00	08
	344/2 भाग	00	05.5	00	14
	344/3 भाग	00	15.5	00	38
	343/1 भाग	00	00.5	00	01
	340/6 भाग	00	02.0	00	05
	342 भाग	00	39.5	00	97
इरिपाका	98 भाग	00	49.5	01	22
	99 भाग	00	24.0	00	59
	96 भाग	00	50.0	01	23
	80 भाग	00	15.5	00	38
	79 भाग	00	27.0	00	67
	74 भाग	00	48.5	01	20

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
इरिपपाका (संतत)	70	भाग	00	17.0	00	42
	71	भाग	00	16.0	00	40
	72/1	भाग	00	5.5	00	13
	72/2	भाग	00	09.5	00	24
	68	भाग	00	07.5	00	19
	28/4	भाग	00	00.5	00	01
	29	भाग	00	31.5	00	78
	31/1	भाग	00	19.5	00	48
	31/2	भाग	00	09.5	00	24
	31/3	भाग	00	04.0	00	10
	33/1	भाग	00	11.5	00	29
	34	भाग	00	12.5	00	31
	35	भाग	00	34.0	00	84
कन्द्रेगुला	428/1	भाग	00	98.5	02	44
	428/2	भाग	00	05.0	00	12
	428/3	भाग	00	05.0	00	13
	432/1A	भाग	00	06.5	00	16
	432/1B	भाग	00	02.5	00	06
	432/2	भाग	00	06.5	00	16
	430/3	भाग	00	00.5	00	01
	430/4	भाग	00	16.0	00	40
	430/5	भाग	00	07.5	00	18
	430/6	भाग	00	03.5	00	09
	429/1B	भाग	00	05.0	00	12
	429/2B	भाग	00	07.5	00	18
	429/3	भाग	00	01.5	00	04
	411/1	भाग	00	14.0	00	35
	411/2	भाग	00	07.5	00	18
	411/3	भाग	00	09.5	00	23
	380	भाग	00	93.5	02	31
	379	भाग	00	14.0	00	34
	381/1	भाग	00	09.0	00	22
	381/2	भाग	00	03.0	00	08
	382/2A	भाग	00	07.0	00	17
	382/2G	भाग	00	06.0	00	15
	382/2I	भाग	00	09.0	00	22
	407	भाग	00	14.0	00	35
	405/2	भाग	00	15.5	00	38
	405/3	भाग	00	07.0	00	17
	404/1A	भाग	00	01.0	00	02
	392/1	भाग	00	10.0	00	25
	392/2	भाग	00	14.0	00	35

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
कन्द्रेगुला (संतत्)	393/2	भाग	00	11.0	00	27
	393/4	भाग	00	13.0	00	32
	228/2	भाग	00	09.0	00	22
	226	भाग	00	19.0	00	47
	220/1	भाग	00	02.5	00	06
	221/1	भाग	00	14.5	00	36
	221/3A	भाग	00	12.0	00	30
	222/2	भाग	00	24.5	00	60
	222/4	भाग	00	01.0	00	02
	223/1	भाग	00	03.0	00	07
	224/2	भाग	00	03.0	00	08
	224/3	भाग	00	22.5	00	55
	239/2B	भाग	00	01.0	00	03
	240/2	भाग	00	29.0	00	72
	240/3	भाग	00	18.5	00	46
मन्यमवरिपालेम	117/1	भाग	00	01.5	00	04
	117/2	भाग	00	20.0	00	50
	117/3	भाग	00	25.0	00	62
	121/3	भाग	00	21.5	00	53
	121/4	भाग	00	07.5	00	18
	122/1	भाग	00	01.0	00	02
	122/2A	भाग	00	16.5	00	41
	122/3	भाग	00	07.0	00	17
	122/4	भाग	00	07.5	00	19
	124/2	भाग	00	04.0	00	10
	124/3	भाग	00	03.0	00	08
	124/4	भाग	00	04.0	00	10
	124/5	भाग	00	01.5	00	04
	124/6	भाग	00	29.5	00	73
	126/5	भाग	00	08.0	00	20
	129/4	भाग	00	06.0	00	15
	128/4	भाग	00	14.0	00	35
	128/3	भाग	00	02.5	00	06
	128/6	भाग	00	22.5	00	55
	141/1A	भाग	00	05.0	00	12
	66/1	भाग	00	06.0	00	15
	66/2	भाग	00	02.5	00	06
	66/3	भाग	00	03.0	00	07
	66/4	भाग	00	04.0	00	10
	66/5	भाग	00	01.0	00	02
	64/1	भाग	00	07.5	00	18
	64/2C	भाग	00	13.5	00	33
	65/1	भाग	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
मन्यमवरिपालेम (संतत्)	66/2	भाग	00	02.0	00	05	
	63/11	भाग	00	00.5	00	01	
	59/3	भाग	00	15.5	00	39	
	59/4	भाग	00	08.0	00	20	
	58/1A	भाग	00	01.5	00	03	
	60/1	भाग	00	14.5	00	36	
	60/2A	भाग	00	10.0	00	25	
	60/3	भाग	00	03.0	00	07	
	60/4A	भाग	00	00.5	00	01	
	35/1	भाग	00	17.5	00	43	
	35/2	भाग	00	13.5	00	33	
	40/1	भाग	00	08.5	00	21	
	41/1A	भाग	00	01.0	00	02	
	41/2	भाग	00	06.0	00	15	
	41/3	भाग	00	09.0	00	22	
	32	भाग	00	08.0	00	20	
	राजापुडि	273/4	भाग	00	06.0	00	15
		273/5	पूरा	00	02.5	00	06
		273/6	भाग	00	01.0	00	03
		272/1	भाग	00	10.5	00	27
272/2		भाग	00	17.5	00	43	
272/6		भाग	00	05.5	00	13	
269/5E		भाग	00	05.5	00	13	
269/6		भाग	00	15.0	00	37	
269/8		भाग	00	14.5	00	36	
266/4		भाग	00	00.5	00	01	
266/5		भाग	00	14.0	00	34	
266/6		भाग	00	25.5	00	63	
253/1		भाग	00	05.5	00	13	
253/2		भाग	00	02.0	00	05	
253/3		भाग	00	06.0	00	15	
253/7A		भाग	00	00.5	00	01	
253/7C		भाग	00	05.0	00	12	
253/8		भाग	00	01.0	00	02	
253/9		भाग	00	08.0	00	20	
252/2		भाग	00	00.5	00	01	
252/3		भाग	00	14.0	00	35	
252/4		भाग	00	04.0	00	10	
251/3		भाग	00	09.5	00	24	
251/5		भाग	00	04.0	00	10	
250/5		भाग	00	11.5	00	29	
250/9		भाग	00	12.5	00	31	
250/11		भाग	00	09.0	00	22	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
राजापुडि (संतत)	165/2	भाग	00	22.5	00	55	
	165/1	भाग	00	02.0	00	05	
	166/1	भाग	00	23.0	00	57	
	205/3A	भाग	00	24.0	00	60	
	205/3B	भाग	00	03.0	00	07	
	190/1A	भाग	00	42.0	01	03	
	201/3	भाग	00	10.5	00	26	
	192/1	भाग	00	14.0	00	34	
	192/4	भाग	00	04.0	00	10	
	194/1	भाग	00	01.5	00	04	
	194/3	भाग	00	12.5	00	31	
	102/2A	भाग	00	21.5	00	53	
	102/2B	भाग	00	18.0	00	45	
	33/4	भाग	00	03.0	00	09	
	34/1	भाग	00	49.0	01	21	
	30/2	भाग	00	15.0	00	37	
	36	भाग	00	22.0	00	54	
	42	भाग	01	00.0	02	47	
	मस्लिशाला	303	भाग	00	22.5	00	56
		302/2	भाग	00	13.0	00	32
		300/1	भाग	00	05.5	00	13
		300/2	भाग	00	05.0	00	12
		300/6	भाग	00	06.5	00	16
		300/7A	भाग	00	05.0	00	12
		298/1	भाग	00	02.5	00	06
		298/2	भाग	00	02.0	00	05
		298/3	भाग	00	03.0	00	07
		298/4	भाग	00	02.0	00	05
		298/5	भाग	00	01.0	00	02
		298/6	भाग	00	00.5	00	01
		298/7	भाग	00	03.0	00	07
		298/8	भाग	00	01.0	00	02
		298/9	भाग	00	08.5	00	21
298/10		भाग	00	03.0	00	07	
298/13A		भाग	00	05.5	00	14	
298/13C		भाग	00	05.5	00	13	
296/9		भाग	00	21.0	00	52	
308/1		भाग	00	20.0	00	50	
309/3		भाग	00	00.5	00	01	
311/1		भाग	00	07.0	00	17	
311/2		भाग	00	03.0	00	08	
311/3		भाग	00	00.5	00	01	
310/1		भाग	00	30.5	00	75	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
मस्लिमशाला (संतत)	310/2	भाग	00	00.5	00	01
	188/2	भाग	00	05.5	00	14
	188/3	भाग	00	09.5	00	24
	188/4	भाग	00	00.5	00	01
	188/5	भाग	00	07.0	00	18
	188/6	भाग	00	00.5	00	01
	189/7	भाग	00	08.0	00	20
	190/2	भाग	00	02.5	00	06
	184/1	भाग	00	18.0	00	45
	182/1	भाग	00	08.0	00	20
	182/2	भाग	00	01.5	00	04
	168/1	भाग	00	31.0	00	77
	157/3	भाग	00	00.5	00	01
	158/2A	भाग	00	05.0	00	12
	159/2A	भाग	00	02.5	00	06
	159/2B	भाग	00	09.5	00	24
	160/2	भाग	00	13.5	00	33
	166/1	भाग	00	02.0	00	05
	161/2A	भाग	00	11.5	00	29
	161/2B	भाग	00	09.5	00	24
	161/2C	भाग	00	19.5	00	48
	162/3	भाग	00	04.0	00	10
	165/1	भाग	00	15.5	00	38
	164/2	भाग	00	11.5	00	28
	164/3	भाग	00	11.0	00	27
	141	भाग	00	51.5	01	27
	142	भाग	00	13.5	00	33
	138	भाग	00	77.5	01	91
	137	भाग	00	52.5	01	30
	136	भाग	00	02.5	00	06
	353	भाग	00	56.5	01	39
	167/1	भाग	00	01.0	00	03
	187	भाग	00	16.5	00	41

[फा. सं. आर-31015/15/96-ओ आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2558.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindusthan Petroleum Corporation ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Jaggampeta

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Mamidada	371	Part	00	16.0	00	40
	369/1	Part	00	01.0	00	03
	369/2	Part	00	12.0	00	30
	369/3	Part	00	15.5	00	39
	361/6	Part	00	23.5	00	58
	360/1	Part	00	01.5	00	04
	355/4	Part	00	00.5	00	01
	356/1	Part	00	11.5	00	29
	356/2	Part	00	03.0	00	07
	356/3	Part	00	12.5	00	31
	346/2	Part	00	08.5	00	21
	346/3	Part	00	16.5	00	41
	344/1	Part	00	03.0	00	08
	344/2	Part	00	05.5	00	14
	344/3	Part	00	15.5	00	38
	343/1	Part	00	00.5	00	01
	340/6	Part	00	02.0	00	05
	342	Part	00	39.5	00	97
Irripaka	98	Part	00	49.5	01	22
	99	Part	00	24.0	00	59
	96	Part	00	50.0	01	23
	80	Part	00	15.5	00	38
	79	Part	00	27.0	00	67
	74	Part	00	48.5	01	20
	70	Part	00	17.0	00	42
	71	Part	00	16.0	00	40
	72/1	Part	00	05.5	00	13
	72/2	Part	00	09.5	00	24
	68	Part	00	07.5	00	19
	28/4	Part	00	00.5	00	01
	29	Part	00	31.5	00	78
	31/1	Part	00	19.5	00	48
	31/2	Part	00	09.5	00	24
	31/3	Part	00	04.0	00	10
	33/1	Part	00	11.5	00	29
	34	Part	00	12.5	00	31
Kandregula	35	Part	00	34.0	00	84
	428/1	Part	00	98.5	02	44
	428/2	Part	00	05.0	00	12
	428/3	Part	00	05.0	00	13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Kandregula (Contd.)	432/1A	Part	00	06.5	00	16
	432/1B	Part	00	02.5	00	06
	432/2	Part	00	06.5	00	16
	430/3	Part	00	00.5	00	01
	430/4	Part	00	16.0	00	40
	430/5	Part	00	07.5	00	18
	430/6	Part	00	03.5	00	09
	429/1B	Part	00	05.0	00	12
	429/2B	Part	00	07.5	00	18
	429/3	Part	00	01.5	00	04
	411/1	Part	00	14.0	00	35
	411/2	Part	00	07.5	00	18
	411/3	Part	00	09.5	00	23
	380	Part	00	93.5	02	31
	379	Part	00	14.0	00	34
	381/1	Part	00	09.0	00	22
	381/2	Part	00	03.0	00	08
	382/2A	Part	00	07.0	00	17
	382/2G	Part	00	06.0	00	15
	382/2I	Part	00	09.0	00	22
	407	Part	00	14.0	00	35
	405/2	Part	00	15.5	00	38
	405/3	Part	00	07.0	00	17
	404/1A	Part	00	01.0	00	02
	392/1	Part	00	10.0	00	25
	392/2	Part	00	14.0	00	35
	393/2	Part	00	11.0	00	27
	393/4	Part	00	13.0	00	32
	228/2	Part	00	09.0	00	22
	226	Part	00	19.0	00	47
	220/1	Part	00	02.5	00	06
	221/1	Part	00	14.5	00	36
	221/3A	Part	00	12.0	00	30
	222/2	Part	00	24.5	00	60
	222/4	Part	00	01.0	00	02
	223/1	Part	00	03.0	00	07
	224/2	Part	00	03.0	00	08
	224/3	Part	00	22.5	00	55
	239/2B	Part	00	01.0	00	03
	240/2	Part	00	29.0	00	72
	240/3	Part	00	18.5	00	46
Manyamvaripalem	117/1	Part	00	01.5	00	04
	117/2	Part	00	20.0	00	50
	117/3	Part	00	25.0	00	62
	121/3	Part	00	21.5	00	53
	121/4	Part	00	07.5	00	18
	122/1	Part	00	01.0	00	02
	122/2A	Part	00	16.5	00	41
	122/3	Part	00	07.0	00	17
	122/4	Part	00	07.5	00	19
	124/2	Part	00	04.0	00	10

<u>(1)</u>	<u>(2)</u>	<u>(3)</u>	<u>(4)</u>	<u>(5)</u>	<u>(6)</u>		
Manyamvaripalem (Contd.)	124/3	Part	00	03.0	00	08	
	124/4	Part	00	04.0	00	10	
	124/5	Part	00	01.5	00	04	
	124/6	Part	00	29.5	00	73	
	126/5	Part	00	08.0	00	20	
	129/4	Part	00	06.0	00	15	
	128/4	Part	00	14.0	00	35	
	128/3	Part	00	02.5	00	06	
	128/6	Part	00	22.5	00	55	
	141/1A	Part	00	05.0	00	12	
	66/1	Part	00	06.0	00	15	
	66/2	Part	00	02.5	00	06	
	66/3	Part	00	03.0	00	07	
	66/4	Part	00	04.0	00	10	
	66/5	Part	00	01.0	00	02	
	64/1	Part	00	07.5	00	18	
	64/2C	Part	00	13.5	00	33	
	65/1	Part	00	00.5	00	01	
	66/2	Part	00	02.0	00	05	
	63/11	Part	00	00.5	00	01	
	59/3	Part	00	15.5	00	39	
	59/4	Part	00	08.0	00	20	
	58/1A	Part	00	01.5	00	03	
	60/1	Part	00	14.5	00	36	
	60/2A	Part	00	10.0	00	25	
	60/3	Part	00	03.0	00	07	
	60/4A	Part	00	00.5	00	01	
	35/1	Part	00	17.5	00	43	
	35/2	Part	00	13.5	00	33	
	40/1	Part	00	08.5	00	21	
	41/1A	Part	00	01.0	00	02	
	41/2	Part	00	06.0	00	15	
	41/3	Part	00	09.0	00	22	
	32	Part	00	08.0	00	20	
	Rajapudi	273/4	Part	00	06.0	00	15
		273/5	Full	00	02.5	00	06
		273/6	Part	00	01.0	00	03
		272/1	Part	00	10.5	00	27
		272/2	Part	00	17.5	00	43
		272/6	Part	00	05.5	00	13
		269/5E	Part	00	05.5	00	13
		269/6	Part	00	15.0	00	37
		269/8	Part	00	14.5	00	36
266/4		Part	00	00.5	00	01	
266/5		Part	00	14.0	00	34	
266/6		Part	00	25.5	00	63	
253/1		Part	00	05.5	00	13	
253/2		Part	00	02.0	00	05	
253/3		Part	00	06.0	00	15	
253/7A		Part	00	00.5	00	01	
253/7C		Part	00	05.0	00	12	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Rajapudi (Contd.)	253/8	Part	00	01.0	00	02	
	253/9	Part	00	08.0	00	20	
	252/2	Part	00	00.5	00	01	
	252/3	Part	00	14.0	00	35	
	252/4	Part	00	04.0	00	10	
	251/3	Part	00	09.5	00	24	
	251/5	Part	00	04.0	00	10	
	250/5	Part	00	11.5	00	29	
	250/9	Part	00	12.5	00	31	
	250/11	Part	00	09.0	00	22	
	165/2	Part	00	22.5	00	55	
	165/1	Part	00	02.0	00	05	
	166/1	Part	00	23.0	00	57	
	205/3A	Part	00	24.0	00	60	
	205/3B	Part	00	03.0	00	07	
	190/1A	Part	00	42.0	01	03	
	201/3	Part	00	10.5	00	26	
	192/1	Part	00	14.0	00	34	
	192/4	Part	00	04.0	00	10	
	194/1	Part	00	01.5	00	04	
	194/3	Part	00	12.5	00	31	
	102/2A	Part	00	21.5	00	53	
	102/2B	Part	00	18.0	00	45	
	33/4	Part	00	03.0	00	09	
	34/1	Part	00	49.0	01	21	
	30/2	Part	00	15.0	00	37	
	36	Part	00	22.0	00	54	
	42	Part	01	00.0	02	47	
	Mallisala	303	Part	00	22.5	00	56
		302/2	Part	00	13.0	00	32
		300/1	Part	00	05.5	00	13
		300/2	Part	00	05.0	00	12
		300/6	Part	00	06.5	00	16
		300/7A	Part	00	05.0	00	12
		298/1	Part	00	02.5	00	06
		298/2	Part	00	02.0	00	05
		298/3	Part	00	03.0	00	07
		298/4	Part	00	02.0	00	05
		298/5	Part	00	01.0	00	02
		298/6	Part	00	00.5	00	01
		298/7	Part	00	03.0	00	07
		298/8	Part	00	01.0	00	02
		298/9	Part	00	08.5	00	21
298/10		Part	00	03.0	00	07	
298/13A		Part	00	05.5	00	14	
298/13C		Part	00	05.5	00	13	
296/9		Part	00	21.0	00	52	
308/1		Part	00	20.0	00	50	
309/3		Part	00	00.5	00	01	
311/1		Part	00	07.0	00	17	
311/2		Part	00	03.0	00	08	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Mallisala (Contd.)	311/3 Part	00	00.5	00	01
	310/1 Part	00	30.5	00	75
	310/2 Part	00	00.5	00	01
	188/2 Part	00	05.5	00	14
	188/3 Part	00	09.5	00	24
	188/4 Part	00	00.5	00	01
	188/5 Part	00	07.0	00	18
	188/6 Part	00	00.5	00	01
	189/7 Part	00	08.0	00	20
	190/2 Part	00	02.5	00	06
	184/1 Part	00	18.0	00	45
	182/1 Part	00	08.0	00	20
	182/2 Part	00	01.5	00	04
	168/1 Part	00	31.0	00	77
	157/3 Part	00	00.5	00	01
	158/2A Part	00	05.0	00	12
	159/2A Part	00	02.5	00	06
	159/2B Part	00	09.5	00	24
	160/2 Part	00	13.5	00	33
	166/1 Part	00	02.0	00	05
	161/2A Part	00	11.5	00	29
	161/2B Part	00	09.5	00	24
	161/2C Part	00	19.5	00	48
	162/3 Part	00	04.0	00	10
	165/1 Part	00	15.5	00	38
	164/2 Part	00	11.5	00	28
	164/3 Part	00	11.0	00	27
	141 Part	00	51.5	01	27
	142 Part	00	13.5	00	33
	138 Part	00	77.5	01	91
	137 Part	00	52.5	01	30
	136 Part	00	02.5	00	06
	353 Part	00	56.5	01	39
	167/1 Part	00	01.0	00	03
	187 Part	00	16.5	00	41

[F. No. R-31015/15/96-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2659.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखपट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 के दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीघ रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : ए. कोन्दुरु

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे. सं./ सब डिविजन		क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
पूर्व माधावरम	73/2	भाग	00	32.5	00	81
	85/2D	भाग	00	01.5	00	04
	85/2E	भाग	00	08.0	00	20
	85/2F	भाग	00	08.0	00	20
	85/2I	भाग	00	03.0	00	07
	85/2G	भाग	00	14.0	00	34
	85/3B	भाग	00	05.5	00	13
	86/1	भाग	00	03.0	00	07
	86/2	भाग	00	06.5	00	16
	86/3	भाग	00	18.0	00	44
	86/5A	भाग	00	04.0	00	10
	87/1	भाग	00	20.0	00	50
	87/2	भाग	00	16.0	00	39
	89	भाग	00	16.5	00	41
	88/1	भाग	00	19.5	00	48
	88/2	भाग	00	14.0	00	35
	44/1	भाग	00	01.5	00	04
	44/3	भाग	00	01.5	00	04
	45/1E	भाग	00	17.5	00	43
	45/2A	भाग	00	04.5	00	11
	45/2B	भाग	00	04.0	00	10
	45/3A	भाग	00	02.0	00	05
	45/3B	भाग	00	10.5	00	26
	41/1	भाग	00	20.5	00	51
	35/3	भाग	00	15.0	00	37
	35/4	भाग	00	11.0	00	27
	35/9	भाग	00	01.0	00	02
	35/10	भाग	00	15.0	00	37
	31/2	भाग	00	03.0	00	07
	31/3	भाग	00	18.0	00	45
	31/4	भाग	00	12.0	00	30
	31/5	भाग	00	03.5	00	09
	31/6	भाग	00	05.0	00	12
	30/1	भाग	00	03.5	00	09
	29/1	भाग	00	00.5	00	01
	29/3B	भाग	00	20.0	00	49
पश्चिम माधावरम	196/2C	भाग	00	01.0	00	02
	196/2D	भाग	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिम माधावरम (संतत्)	196/2E भाग	00	08.5	00	21
	196/2F भाग	00	21.0	00	52
	196/2G भाग	00	00.5	00	01
	197/2 भाग	00	11.5	00	29
	198/1 भाग	00	20.0	00	50
	198/2 भाग	00	14.5	00	36
	198/3 भाग	00	01.5	00	04
	204/4 भाग	00	11.5	00	28
	204/5 भाग	00	04.0	00	10
	205/1 भाग	00	09.5	00	23
	207/1 भाग	00	20.0	00	50
	213/2 भाग	00	14.5	00	36
	212/1 भाग	00	18.5	00	46
	218/3 भाग	00	44.5	01	10
	255/3 भाग	00	19.0	00	47
	254/1C भाग	00	07.0	00	17
	254/2C भाग	00	05.5	00	14
	253/1A1 भाग	00	01.0	00	02
	253/1A2 भाग	00	06.0	00	15
	253/1C1 भाग	00	12.0	0	30
	253/1C2 भाग	00	01.0	00	02
	246/2 भाग	00	25.0	00	62
	250/1A1 भाग	00	19.0	00	47
	250/1A2 भाग	00	00.5	00	01
	247/2 भाग	00	02.0	00	05
	247/4A भाग	00	08.0	00	20
	248/4B भाग	00	09.5	00	23
	248/1B भाग	00	17.0	00	42
चिमालपाडु	1040/3 भाग	00	13.5	00	33
	1044/1C भाग	00	12.5	00	31
	1051/1 भाग	00	08.5	00	21
	1051/2 भाग	00	07.5	00	19
	1050/2C3 भाग	00	06.0	00	15
	1050/2B3 भाग	00	00.5	00	01
	1050/3C3 भाग	00	28.5	00	71
	1054/3 भाग	00	00.5	00	01
	1053/1 भाग	00	23.5	00	58
	1053/2 भाग	00	20.5	00	51
	1059/1 भाग	00	21.5	00	53
	1059/2 भाग	00	07.5	00	19
	1059/3 भाग	00	00.5	00	01
	1057/5 भाग	00	00.5	00	01
	1058/2 भाग	00	11.5	00	29
	1058/4 भाग	00	00.5	00	01

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2559.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha—Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha—Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : A. Konduru

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
East Madhavaram	73/2	Part	00	32.5	00	81
	85/2D	Part	00	01.5	00	04
	85/2E	Part	00	08.0	00	20
	85/2F	Part	00	08.0	00	20
	85/2I	Part	00	03.0	00	07
	85/2G	Part	00	14.0	00	34
	85/3B	Part	00	05.5	00	13
	86/1	Part	00	03.0	00	07
	86/2	Part	00	06.5	00	16
	86/3	Part	00	18.0	00	44
	86/5A	Part	00	04.0	00	10
	87/1	Part	00	20.0	0	50
	87/2	Part	00	16.0	00	39
	89	Part	00	16.5	00	41
	88/1	Part	00	19.5	00	48
	88/2	Part	00	14.0	00	35
	44/1	Part	00	01.5	00	04
	44/3	Part	00	01.5	00	04
	45/1E	Part	00	17.5	00	43
	45/2A	Part	00	04.5	00	11
	45/2B	Part	00	04.0	00	10
	45/3A	Part	00	02.0	00	05
	45/3B	Part	00	10.5	00	26
	41/1	Part	00	20.5	00	51
	35/3	Part	00	15.0	00	37
	35/4	Part	00	11.0	00	27
	35/9	Part	00	01.0	00	02
	35/10	Part	00	15.0	00	37
	31/2	Part	00	03.0	00	07
	31/3	Part	00	18.0	00	45
	31/4	Part	00	12.0	00	30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
East Madhavaram (Contd.)	31/5	Part	00	03.5	00	09
	31/6	Part	00	05.0	00	12
	30/1	Part	00	03.5	00	09
	29/1	Part	00	00.5	00	01
	29/3B	Part	00	20.0	00	49
West Madhavaram	196/2C	Part	00	01.0	00	02
	196/2D	Part	00	02.5	00	06
	196/2E	Part	00	08.5	00	21
	196/2F	Part	00	21.0	00	52
	196/2G	Part	00	00.5	00	01
	197/2	Part	00	11.5	00	29
	198/1	Part	00	20.0	00	50
	198/2	Part	00	14.5	00	36
	198/3	Part	00	01.5	00	04
	204/4	Part	00	11.5	00	28
	204/5	Part	00	04.0	00	10
	205/1	Part	00	09.5	00	23
	207/1	Part	00	20.0	00	50
	213/2	Part	00	14.5	00	36
	212/1	Part	00	18.5	00	46
	218/3	Part	00	44.5	01	10
	255/3	Part	00	19.0	00	47
	254/1C	Part	00	07.0	00	17
	254/2C	Part	00	05.5	00	14
	253/1A1	Part	00	01.0	00	02
	253/1A2	Part	00	06.0	00	15
	253/1C1	Part	00	12.0	00	30
	253/1C2	Part	00	01.0	00	02
	246/2	Part	00	25.0	00	62
	250/1A1	Part	00	19.0	00	47
	250/1A2	Part	00	00.5	00	01
	247/2	Part	00	02.0	00	05
	247/4A	Part	00	08.0	00	20
	248/4B	Part	00	09.5	00	23
	248/1B	Part	00	17.0	00	42
Cheemalapadu	1040/3	Part	00	13.5	00	33
	1044/1C	Part	00	12.5	00	31
	1051/1	Part	00	08.5	00	21
	1051/2	Part	00	07.5	00	19
	1050/2C3	Part	00	06.0	00	15
	1050/3B2	Part	00	00.5	00	01
	1050/3C3	Part	00	28.5	00	71
	1054/3	Part	00	00.5	00	01
	1053/1	Part	00	23.5	00	58
	1053/2	Part	00	20.5	00	51
	1059/1	Part	00	21.5	00	53
	1059/2	Part	00	07.5	00	19
	1059/3	Part	00	00.5	00	01
	1057/5	Part	00	00.5	00	01
	1058/2	Part	00	11.5	00	29
	1058/4	Part	00	00.5	00	01

[F. No. R-31015/6/96-OR II]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2660.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइप लाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : जी. कोन्डूरु

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे. सं./ सब डिविजन		क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
गुराजुपालम्	7/1	भाग	00	08.5	00	21
	6	भाग	00	16.5	00	41
	8/1	भाग	00	12.5	00	31
	8/2	भाग	00	20.0	00	49
	8/3	भाग	00	01.0	00	02
कुन्तामुकाला	67	भाग	00	35.0	00	87
	62/1	भाग	00	00.5	00	01
	62/3	भाग	00	13.0	00	32
	71/1	भाग	00	07.0	00	17
	72/2	भाग	00	28.0	00	50
	72/3	भाग	00	29.0	00	72
	73/1A	भाग	00	02.0	00	05
	74/3	भाग	00	14.0	00	35
	74/4	भाग	00	05.5	00	14
	30/1	भाग	00	24.0	00	59
वंकटापुरम्	29	भाग	00	03.0	00	07
	31/2	भाग	00	22.0	00	54
	31/3	भाग	00	17.5	00	43
	31/4	भाग	00	00.5	00	01
	31/6	भाग	00	03.0	00	08
	32/1	भाग	00	18.0	00	45
	32/2	भाग	00	00.5	00	01
	24/5	भाग	00	00.5	00	01
	35/2	भाग	00	03.5	00	09
	35/3	भाग	00	18.0	00	44

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
वकटापुरम् (संतत)	35/1	भाग	00	11.5	00	29
	69/1	भाग	00	10.5	00	26
	62/3	भाग	00	18.0	00	45
	63/1A	भाग	00	22.5	00	56
	63/1C	भाग	00	35.0	00	86
	63/2	भाग	00	03.0	00	08
	65/3	भाग	00	22.0	00	54
चेवुतुरू	267/1A	भाग	00	13.0	00	32
	267/2A	भाग	00	01.0	00	03
	267/2C	भाग	00	07.5	00	18
	271/3	भाग	00	14.0	00	34
	264/2	भाग	00	08.0	00	20
	264/3	भाग	00	19.0	00	47
	262/5	भाग	00	15.0	00	37
	262/2	भाग	00	03.0	00	07
	260/3	भाग	00	01.0	00	02
	259/3	भाग	00	17.5	00	43
	259/5	भाग	00	05.5	00	14
	256/1C	भाग	00	25.0	00	62
	256/2	भाग	00	05.5	00	14
	256/3	भाग	00	15.5	00	38
	15/4	भाग	00	03.0	00	08
	15/6	भाग	00	00.5	00	01
	18/2	भाग	00	11.5	00	29
	17/1C	भाग	00	05.5	00	13
	17/2C	भाग	00	01.5	00	04
	17/2A	भाग	00	05.0	00	12
	17/3	भाग	00	31.0	00	76
	11	भाग	00	12.0	00	30
	45/1	भाग	00	04.5	00	11
	45/2	भाग	00	18.5	00	46
	45/3	भाग	00	11.0	00	27
	45/4	भाग	00	18.0	00	44
	51/2	भाग	00	10.0	00	25
	51/3	भाग	00	09.5	00	24
	58/2	भाग	00	31.0	00	76
	57/1C	भाग	00	08.5	00	21
	57/2B	भाग	00	05.0	00	13
	55/3	भाग	00	38.5	00	95
	81/1B	भाग	00	14.5	00	36
	81/2	भाग	00	10.5	00	26
	81/3	भाग	00	14.0	00	34
	79/2	भाग	00	23.5	00	58

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
चेवुतुरु (संतत्)	84	भाग	00	14.0	00	35
	77/2	भाग	00	22.0	00	54
	107	भाग	00	00.5	00	01
जी. कोन्दुरु	40/2B	भाग	00	17.5	00	43
	42	भाग	00	22.5	00	55
	94/1	भाग	00	27.0	00	67
	94/2A	भाग	00	08.0	00	20
	92/1A	भाग	00	11.5	00	28
	92/1B	भाग	00	13.0	00	32
	92/3	भाग	00	09.5	00	24
	90/1	भाग	00	05.0	00	12
	90/2	भाग	00	07.5	00	19
	90/3	भाग	00	06.5	00	16
	90/4	भाग	00	10.5	00	26
	88/2C	भाग	00	21.0	00	52
	87/1A	भाग	00	02.5	00	06
	87/1C	भाग	00	03.0	00	07
	87/2	भाग	00	01.0	00	02
	87/3A1	भाग	00	20.0	00	50
	52/3	भाग	00	01.5	00	04
	78/1A	भाग	00	01.0	00	02
	78/1B	भाग	00	26.5	00	65
	78/2A	भाग	00	00.5	00	01
	54/2A	भाग	00	22.5	00	55
	54/2B	भाग	00	08.0	00	21
	54/2C	भाग	00	07.5	00	19
	61/1	भाग	00	24.5	00	60
	61/2	भाग	00	05.5	00	14
	61/4A1	भाग	00	08.5	00	21
	61/4A2	भाग	00	03.5	00	09
	60/4	भाग	00	07.5	00	19
	63	भाग	00	26.5	00	66
	62/1A	भाग	00	00.5	00	01
	64/2	भाग	00	05.5	00	14
	64/3	भाग	00	05.5	00	14
	64/4	भाग	00	06.0	00	15
	64/5A1	भाग	00	01.0	00	02
	64/5B	भाग	00	02.5	00	05
	64/5D1	भाग	00	03.0	00	07
64/7A	भाग	00	07.0	00	17	
64/7C	भाग	00	07.0	00	17	
64/7D	भाग	00	03.5	00	08	
67	भाग	00	12.0	00	20	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जी. कोन्दुरु (संतत)	248/1	भाग	00	33.0	00	81
	248/2	भाग	00	31.5	00	78
	249	भाग	00	26.0	00	64
	250/1	भाग	00	05.0	00	12
	250/2	भाग	00	00.5	00	01
	259/1	भाग	00	36.5	00	90
	251/2	भाग	00	16.5	00	41
	258/1	भाग	00	00.5	00	01
	253/7A	भाग	00	05.5	00	13
	253/7C	भाग	00	06.0	00	15
	257/1A	भाग	00	14.0	00	38
	257/1C	भाग	00	08.5	00	21
	256/1	भाग	00	16.0	00	39
	256/2	भाग	00	12.5	00	31
	255/2	भाग	00	22.0	00	54
कुवलुरु	9/3	भाग	00	23.0	00	57
	27	भाग	00	18.0	00	44
	28/3	भाग	00	10.0	00	25
	26/2	भाग	00	11.5	00	28
	31/1	भाग	00	05.0	00	12
	31/2	भाग	00	05.5	00	14
	36/2C1	भाग	00	08.0	00	20
	36/2C3	भाग	00	13.5	00	33
	32/2	भाग	00	01.5	00	04
	55/2A	भाग	00	04.0	00	10
	55/2B	भाग	00	19.0	00	47
	56	भाग	00	28.5	00	71
	60/2	भाग	00	03.5	00	09
	60/3	भाग	00	14.0	00	34
	59/2B	भाग	00	18.0	00	45
गुड्डामाडुगु	62/2	भाग	00	03.0	00	07
	62/3A	भाग	00	06.0	00	15
	62/5	भाग	00	06.5	00	16
	70/3A	भाग	00	34.5	00	85
	88/6B	भाग	00	00.5	00	01
	88/7B	भाग	00	07.5	00	18
	88/8B	भाग	00	09.0	00	22
	86/1B	भाग	00	00.5	00	01
	86/2	भाग	00	11.5	00	28

[फा. सं. आर-31015/4/96-ओ आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2660.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : G. Konduru

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Gurrajupalem	7/1	Part	00	08.5	00	21
	6	Part	00	16.5	00	41
	8/1	Part	00	12.5	00	31
	8/2	Part	00	20.0	00	49
	8/3	Part	00	01.0	00	02
Kuntamukkala	67	Part	00	35.0	00	87
	62/1	Part	00	00.5	00	01
	62/3	Part	00	13.0	00	32
	71/1	Part	00	07.0	00	17
	72/2	Part	00	28.0	00	50
	72/3	Part	00	29.0	00	72
	73/1A	Part	00	02.0	00	05
	74/3	Part	00	14.0	00	35
	74/4	Part	00	05.5	00	14
	30/1	Part	00	24.0	00	59
	29	Part	00	03.0	00	07
Venkatapuram	31/2	Part	00	22.0	00	54
	31/3	Part	00	17.5	00	43
	31/4	Part	00	00.5	00	01
	31/6	Part	00	03.0	00	08
	32/1	Part	00	18.0	00	45
	32/2	Part	00	00.5	00	01
	24/5	Part	00	00.5	00	01
	35/2	Part	00	03.5	00	09
	35/3	Part	00	18.0	00	44
	35/1	Part	00	11.5	00	29
	69/1	Part	00	10.5	00	26
	62/3	Part	00	18.0	00	45
	63/1A	Part	00	22.5	00	56
	63/1C	Part	00	35.0	00	86
	63/2	Part	00	03.0	00	08
	65/3	Part	00	22.0	00	54

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Chevuturu	267/1A	Part	00	13.0	00	32
	267/2A	Part	00	01.0	00	03
	267/2C	Part	00	07.5	00	18
	271/3	Part	00	14.0	00	34
	264/2	Part	00	08.0	00	20
	264/3	Part	00	19.0	00	47
	262/5	Part	00	15.0	00	37
	262/2	Part	00	03.0	00	07
	260/3	Part	00	01.0	00	02
	259/3	Part	00	17.5	00	43
	259/5	Part	00	05.5	00	14
	256/1C	Part	00	25.0	00	62
	256/2	Part	00	05.0	00	14
	256/3	Part	00	15.5	00	38
	15/4	Part	00	03.0	00	08
	15/6	Part	00	00.5	00	01
	18/2	Part	00	11.5	00	29
	17/1C	Part	00	05.5	00	13
	17/2C	Part	00	01.5	00	04
	17/2A	Part	00	05.0	00	12
	17/3	Part	00	31.0	00	76
	11	Part	00	12.0	00	30
	45/1	Part	00	04.5	00	11
	45/2	Part	00	18.5	00	46
	45/3	Part	00	11.0	00	27
	45/4	Part	00	18.0	00	44
	51/2	Part	00	10.0	00	25
	51/3	Part	00	09.5	00	24
	58/2	Part	00	31.0	00	76
	57/1C	Part	00	08.5	00	21
	57/2B	Part	00	05.0	00	13
	55/3	Part	00	38.5	00	95
	81/1B	Part	00	14.5	00	36
	81/2	Part	00	10.5	00	26
	81/3	Part	00	14.0	00	34
	79/2	Part	00	23.5	00	58
	84	Part	00	14.0	00	35
	77/2	Part	00	22.0	00	54
	107	Part	00	00.5	00	01
	G. Konduru	40/2B	Part	00	17.5	00
42		Part	00	22.5	00	55
94/1		Part	00	27.0	00	67
94/2A		Part	00	08.0	00	20
92/1A		Part	00	11.5	00	28
92/1B		Part	00	13.0	00	32
92/3		Part	00	09.5	00	24
90/1		Part	00	05.0	00	12
90/2		Part	00	07.5	00	19
90/3		Part	00	06.5	00	16
90/4		Part	00	10.5	00	26
88/2C		Part	00	21.0	00	52

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
G. Konduru (Contd.)	87/1A	Part	00	02.5	00	06
	87/1C	Part	00	03.0	00	07
	87/2	Part	00	01.0	00	02
	87/3A1	Part	00	20.0	00	50
	52/3	Part	00	01.5	00	04
	78/1A	Part	00	01.0	00	92
	78/1B	Part	00	26.5	00	65
	78/2A	Part	00	00.5	00	01
	54/2A	Part	00	22.5	00	55
	54/2B	Part	00	08.5	00	21
	54/2C	Part	00	07.5	00	19
	61/1	Part	00	24.5	00	60
	61/2	Part	00	05.5	00	14
	61/4A1	Part	00	08.5	00	21
	61/4A2	Part	00	03.5	00	09
	60/4	Part	00	07.5	00	19
	63	Part	00	26.5	00	66
	62/1A	Part	00	00.5	00	01
	64/2	Part	00	05.5	00	14
	64/3	Part	00	05.5	00	14
	64/4	Part	00	06.0	00	15
	64/5A1	Part	00	01.0	00	02
	64/5B	Part	00	02.5	00	05
	64/5D1	Part	00	03.0	00	07
	64/7A	Part	00	07.0	00	17
	64/7C	Part	00	07.0	00	17
	64/7D	Part	00	03.5	00	08
	67	Part	00	12.0	00	30
	248/1	Part	00	33.0	00	81
	248/2	Part	00	31.5	00	78
	249	Part	00	26.0	00	64
	250/1	Part	00	05.0	00	12
	250/2	Part	00	00.5	00	01
	259/1	Part	00	36.5	00	90
	251/2	Part	00	16.5	00	41
	258/1	Part	00	00.5	00	01
	253/7A	Part	00	05.5	00	13
	253/7C	Part	00	06.0	00	15
	257/1A	Part	00	14.0	00	38
	257/1C	Part	00	08.5	00	21
	256/1	Part	00	16.0	00	39
	256/2	Part	00	12.5	00	31
	255/2	Part	00	22.0	00	54
Kavuluru	9/3	Part	00	23.0	00	57
	27	Part	00	18.0	00	44
	28/3	Part	00	10.0	00	25
	26/2	Part	00	11.5	00	28
	31/1	Part	00	05.0	00	12
	31/2	Part	00	05.5	00	14
	36/2C1	Part	00	08.0	00	20
	36/2C3	Part	00	13.5	00	33

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Kavuluru (Contd.)	32/2	Part	00	01.5	00
	55/2A	Part	00	04.0	00
	55/2B	Part	00	19.0	00
	56	Part	00	28.5	00
	60/2	Part	00	03.5	00
Geddamadugu	60/3	Part	00	14.0	00
	59/2B	Part	00	18.0	00
	62/2	Part	00	03.0	00
	62/3A	Part	00	06.0	00
	62/5	Part	00	06.5	00
	70/3A	Part	00	34.5	00
	88/6B	Part	00	00.5	00
	88/7B	Part	00	07.5	00
	88/8B	Part	00	09.0	00
	86/1B	Part	00	00.5	00
	86/2	Part	00	11.5	00

[F. No. R-31015/4/96-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2661.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : मेलवरम्

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे. सं./ सब डिविजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पुलुरु	175/1	भाग	00	05.0	00
	175/2	भाग	00	13.5	00
	176/1	भाग	00	03.0	00
	176/2	भाग	00	13.5	00
	177/1	भाग	00	10.0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
पुलुरु (संतत्)	170/2	भाग	00	00.5	00	01
	169/1	भाग	00	00.5	00	01
	178	भाग	00	41.5	01	03
	180	भाग	00	28.5	00	71
	198	भाग	00	39.5	00	97
	197/1	भाग	00	18.5	00	46
	197/2	भाग	00	19.0	00	47
	193/1	भाग	00	07.0	00	17
	364/2B	भाग	00	20.5	00	51
	364/3	भाग	00	08.0	00	20
	360/2A	भाग	00	01.0	00	03
	362/1	भाग	00	46.5	05	15
	391/1	भाग	00	16.5	00	41
	391/5	भाग	00	09.5	00	23
	391/3	भाग	00	16.0	00	40
	428/2	भाग	00	11.5	00	29
	428/3	भाग	00	00.5	00	01
	428/4	भाग	00	25.0	00	62
	428/7	भाग	00	14.0	00	34
	428/14	भाग	00	00.5	00	01
	427/6	भाग	00	31.0	00	76
	424/1	भाग	00	31.5	00	78
	425/2	भाग	00	13.0	00	32
	425/4	भाग	00	08.5	00	21
	872/9	भाग	00	23.5	00	58
	871/1	भाग	00	21.5	00	53
	871/3	भाग	00	11.0	00	27
	870/2A	भाग	00	29.0	00	72
	870/2B	भाग	00	01.5	00	04
	845/2	भाग	00	22.5	00	56
	845/3	भाग	00	07.5	00	18
	845/4A	भाग	00	17.0	00	42
	835	भाग	00	04.0	00	10
	836/2A	भाग	00	21.5	00	53
चन्द्रगूडेम्	314/1A	भाग	00	05.5	00	14
	314/1C	भाग	00	20.5	00	51
	314/2	भाग	00	03.0	00	08
	313/1C	भाग	00	01.0	00	02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
चन्द्रगूडेम् (संतत्)	313/2	भाग	00	23.0	00	67
	312/4	भाग	00	21.5	00	53
	312/6	भाग	00	18.5	00	46
	317/2	भाग	00	16.5	00	41
	318/1	भाग	00	01.5	00	04
	405	भाग	00	02.5	00	06
	406/2	भाग	00	22.5	00	56
	407/3	भाग	00	22.0	00	54
	408/1	भाग	00	02.0	00	05
	409/2B	भाग	00	26.0	00	62
	502/1	भाग	00	14.0	00	34
	503	भाग	00	51.5	01	27
	505/1	भाग	00	26.5	00	66
	505/2	भाग	00	10.5	00	26
	505/3	भाग	00	10.5	00	26
	506	भाग	00	18.0	00	45
जनगालपल्लि	6/A	भाग	00	23.5	00	58
	7/B	भाग	00	03.0	00	08
	7/D	भाग	00	12.0	00	30
	10	भाग	00	63.0	01	56
	16	भाग	00	61.0	01	51
	17/2	भाग	00	01.5	00	04
	23/1A	भाग	00	51.0	01	26
	30/1	भाग	00	07.0	00	17
	30/2	भाग	00	02.0	00	05
	30/9	भाग	00	23.0	00	57
	30/11	भाग	00	03.0	00	07
	31	भाग	00	04.5	00	11
	84/1	भाग	00	51.5	01	27
	83/1	भाग	00	11.5	00	29
	83/4	भाग	00	04.0	00	10
	80/1	भाग	00	04.5	00	11
	80/7	भाग	00	09.5	00	23
	80/8	भाग	00	02.0	00	05
	80/9	भाग	00	05.0	00	12
	79/1	भाग	00	03.0	00	07
	79/2	भाग	00	01.0	00	03
	79/3	भाग	00	19.0	00	47

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जनगालपल्लि (संतत्)	77/2	भाग	00	14.0	00	34
	75/1	भाग	00	10.0	00	24
	75/3	भाग	00	11.5	00	28
	75/4	भाग	00	18.0	00	45
	76/8	भाग	00	01.0	00	02
	68/2	भाग	00	14.0	00	34
	68/3	भाग	00	11.5	00	29
	68/4	भाग	00	00.5	00	01
	105/1	भाग	00	07.5	00	18
	105/2	भाग	00	06.5	00	16
	105/3	भाग	00	18.0	00	44
	106	भाग	00	07.5	00	19
	110/1	भाग	00	00.5	00	01
	117/1	भाग	00	20.0	00	50
	117/2	भाग	00	03.5	00	09
	118/B	भाग	00	15.5	00	38
	122/1	भाग	00	32.0	00	79
	122/2	भाग	00	24.5	00	59
	123/1	भाग	00	02.0	00	05
	सब्जीपाडु मैलवरम्	11	भाग	00	06.5	00
40		भाग	00	22.5	00	55
44		भाग	00	34.5	00	85
45		भाग	00	18.0	00	44
8/4B		भाग	00	03.0	00	08
9/1		भाग	00	18.0	00	44
9/2		भाग	00	11.0	00	27
22/1B		भाग	00	13.5	00	33
22/2A		भाग	00	19.5	00	48
22/2B		भाग	00	04.5	00	11
21/2		भाग	00	05.0	00	12
21/3		भाग	00	18.0	00	45
20/2		भाग	00	02.0	00	05
20/1		भाग	00	01.0	00	02
13/3		भाग	00	43.5	01	08
19/2		भाग	00	44.0	01	09
113/1A12		भाग	00	31.5	00	78
113/1A11		भाग	00	12.0	00	30
113/1A13		भाग	00	03.0	00	08

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मैलवरम् (संतत)	113/1A9 भाग	00	12.5	00	31
	113/1A15 भाग	00	13.0	00	32
	113/1A16 भाग	00	07.5	00	18
	113/2A भाग	00	09.5	00	24
	223/2C2 भाग	00	34.0	00	84
	223/4 भाग	00	17.5	00	43
	232/1 भाग	00	24.0	00	59
	240/2 भाग	00	02.5	00	06
	240/3 भाग	00	19.0	00	47
	240/4 भाग	00	07.5	00	18
	240/5 भाग	00	00.5	00	01
	252/3 भाग	00	05.0	00	12
	252/2 भाग	00	05.5	00	14
	252/1 भाग	00	14.5	00	36
	252/4 भाग	00	13.0	00	32
	239/6 भाग	00	01.0	00	03
	253/1 भाग	00	06.0	00	15
	253/2 भाग	00	34.0	00	84
	256/1A भाग	00	03.0	00	08
	279/2 भाग	00	11.0	00	27
	278/3C भाग	00	02.0	00	05
	258/4A भाग	00	03.5	00	09
	258/4C भाग	00	25.5	00	63
	258/2 भाग	00	32.0	00	79
	259 भाग	00	19.5	00	48
	276/1 भाग	00	01.0	00	02
	276/2 भाग	00	16.0	00	39
	274/1 भाग	00	00.5	00	01
	274/2 भाग	00	20.0	00	50
	381 भाग	00	07.0	00	17
	382 भाग	00	15.0	00	37
	379/3 भाग	00	01.5	00	04
	385/1C भाग	00	14.0	00	34
	385/3 भाग	00	31.0	00	77
	385/2 भाग	00	00.5	00	01
	386 भाग	00	01.0	00	03
	374/2 भाग	00	21.0	00	52
	374/3 भाग	00	28.0	00	69

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मैलवरम् (संतत)	372/2A भाग	00	16.5	00	41
	369/1 भाग	00	05.5	00	13
	369/2 भाग	00	35.5	00	88
	369/3 भाग	00	00.5	00	01
	369/7 भाग	00	00.5	00	01
	355/2 भाग	00	07.0	00	17
	357 भाग	00	11.5	00	29
	364 भाग	00	17.0	00	42

[फा. सं. आर-31015/5/96-ओ. आर-II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2661.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Mylavaram

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Pulluru	175/1	Part	00	05.0	00	12
	175/2	Part	00	13.5	00	33
	176/1	Part	00	03.0	00	08
	176/2	Part	00	13.5	00	33
	177/1	Part	00	10.0	00	25
	170/2	Part	00	00.5	00	01
	169/1	Part	00	00.5	00	01
	178	Part	00	41.5	01	03
	180	Part	00	28.5	00	71
	198	Part	00	39.5	00	97
	197/1	Part	00	18.5	00	46
	197/2	Part	00	19.0	00	47
	193/1	Part	00	07.0	00	17
	364/2B	Part	00	20.5	00	51
	364/3	Part	00	08.0	00	20

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Pulluru (Contd.)	360/2A	Part	00	01.0	00	03	
	362/1	Part	00	46.5	01	15	
	391/1	Part	00	16.5	00	41	
	391/5	Part	00	09.5	00	23	
	391/3	Part	00	16.0	00	40	
	428/2	Part	00	11.5	00	29	
	428/3	Part	00	00.5	00	01	
	428/4	Part	00	25.0	00	62	
	428/7	Part	00	14.0	00	34	
	428/14	Part	00	00.5	00	01	
	427/6	Part	00	31.0	00	76	
	424/1	Part	00	31.5	00	78	
	425/2	Part	00	13.0	00	32	
	425/4	Part	00	08.5	00	21	
	872/9	Part	00	23.5	00	58	
	871/1	Part	00	21.5	00	53	
	871/3	Part	00	11.0	00	27	
	870/2A	Part	00	29.0	00	72	
	870/2B	Part	00	01.5	00	04	
	845/2	Part	00	22.5	00	56	
	845/3	Part	00	07.5	00	18	
	845/4A	Part	00	17.0	00	42	
	835	Part	00	04.0	00	10	
	836/2A	Part	00	21.5	00	53	
	Chandragudem	314/1A	Part	00	05.5	00	14
		314/1C	Part	00	20.5	00	51
		314/2	Part	00	03.0	00	08
		313/1C	Part	00	01.0	00	02
		313/2	Part	00	23.0	00	67
		312/4	Part	00	21.5	00	53
		312/6	Part	00	18.5	00	46
		317/2	Part	00	16.5	00	41
		318/1	Part	00	01.5	00	04
405		Part	00	02.5	00	06	
406/2		Part	00	22.5	00	56	
407/3		Part	00	22.0	00	54	
408/1		Part	00	02.0	00	05	
409/2B		Part	00	26.0	00	62	
502/1		Part	00	14.0	00	34	
503		Part	00	51.5	01	27	
505/1		Part	00	26.5	00	66	
505/2		Part	00	10.5	00	26	
505/3		Part	00	10.5	00	26	
506		Part	00	18.0	00	45	
Janagalapalli		6/A	Part	00	23.5	00	58
		7/B	Part	00	03.0	00	08
		7/D	Part	00	12.0	00	30
	10	Part	00	63.0	01	56	
	16	Part	00	61.0	01	51	
	17/2	Part	00	01.5	00	04	
	23/1A	Part	00	51.0	01	26	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Janagalapalli (Contd.)	30/1	Part	00	07.0	00	17	
	30/2	Part	00	02.0	00	05	
	30/9	Part	00	23.0	00	57	
	30/11	Part	00	03.0	00	07	
	31	Part	00	04.5	00	11	
	84/1	Part	00	51.5	01	27	
	83/1	Part	00	11.5	00	29	
	83/4	Part	00	04.0	00	10	
	80/1	Part	00	04.5	00	11	
	80/7	Part	00	09.5	00	23	
	80/8	Part	00	02.0	00	05	
	80/9	Part	00	05.0	00	12	
	79/1	Part	00	03.0	00	07	
	79/2	Part	00	01.0	00	03	
	79/3	Part	00	19.0	00	47	
	77/2	Part	00	14.0	00	34	
	75/1	Part	00	10.0	00	24	
	75/3	Part	00	11.5	00	28	
	75/4	Part	00	18.0	00	45	
	76/8	Part	00	01.0	00	02	
	68/2	Part	00	14.0	00	34	
	68/3	Part	00	11.5	00	29	
	68/4	Part	00	00.5	00	01	
	105/1	Part	00	07.5	00	18	
	105/2	Part	00	06.5	00	16	
	105/3	Part	00	18.0	00	44	
	106	Part	00	07.5	00	19	
	110/1	Part	00	00.5	00	01	
	117/1	Part	00	20.0	00	50	
	117/2	Part	00	03.5	00	09	
	118/B	Part	00	15.5	00	38	
	122/1	Part	00	32.0	00	79	
	122/2	Part	00	24.5	00	59	
	123/1	Part	00	02.0	00	05	
	Sabjipadu	11	Part	00	06.5	00	16
	Mylavaram	40	Part	00	22.5	00	55
		44	Part	00	34.5	00	85
		45	Part	00	18.0	00	44
		8/4B	Part	00	03.0	00	08
		9/1	Part	00	18.0	00	44
		9/2	Part	00	11.0	00	27
		22/1B	Part	00	13.5	00	33
		22/2A	Part	00	19.5	00	48
22/2B		Part	00	04.5	00	11	
21/2		Part	00	05.0	00	12	
21/3		Part	00	18.0	00	45	
20/2		Part	00	02.0	00	05	
20/1		Part	00	01.0	00	02	
13/3		Part	00	43.5	01	08	
19/2		Part	00	44.0	01	09	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Mylavaram (Contd.)	113/1A12 Part	00	31.5	00	78
	113/1A11 Part	00	12.0	00	30
	113/1A13 Part	00	03.0	00	08
	113/1A9 Part	00	12.5	00	31
	113/1A15 Part	00	13.0	00	32
	113/1A16 Part	00	07.5	00	18
	113/2A Part	00	09.5	00	24
	223/2C2 Part	00	34.0	00	84
	223/4 Part	00	17.5	00	43
	232/1 Part	00	24.0	00	59
	240/2 Part	00	02.5	00	06
	240/3 Part	00	19.0	00	47
	240/4 Part	00	07.5	00	18
	240/5 Part	00	00.5	00	01
	252/3 Part	00	05.0	00	12
	252/2 Part	00	05.5	00	14
	252/1 Part	00	14.5	00	36
	252/4 Part	00	13.0	00	32
	239/6 Part	00	01.0	00	03
	253/1 Part	00	06.0	00	15
	253/2 Part	00	34.0	00	84
	256/1A Part	00	03.0	00	08
	279/2 Part	00	11.0	00	27
	278/3C Part	00	02.0	00	05
	258/4A Part	00	03.5	00	09
	258/4C Part	00	25.5	00	63
	258/2 Part	00	32.0	00	79
	259 Part	00	19.5	00	48
	276/1 Part	00	01.0	00	02
	276/2 Part	00	16.0	00	39
	274/1 Part	00	00.5	00	01
	274/2 Part	00	20.0	00	50
	381 Part	00	07.0	00	17
	382 Part	00	15.0	00	37
	379/3 Part	00	01.5	00	04
	385/1C Part	00	14.0	00	34
	385/3 Part	00	31.0	00	77
	385/2 Part	00	00.5	00	01
	386 Part	00	01.0	00	03
	374/2 Part	00	21.0	00	52
	374/3 Part	00	28.0	00	69
	372/2A Part	00	16.5	00	41
	369/1 Part	00	05.5	00	13
	369/2 Part	00	35.5	00	88
	369/3 Part	00	00.5	00	01
	369/7 Part	00	00.5	00	01
	355/2 Part	00	07.0	00	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Mylavaram (Contd.)	357	Part	00	11.5	00	29
	364	Part	00	17.0	00	42

[F. No. R-31015/5/96-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2662.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : अनकापल्लि

जिला : विशाखापट्टणम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./	क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन	हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ऊडेरु	1/1A भाग	00	01.0	00	02

[फा. सं. आर-31015/17/96-ओ. आर II]

के. सी. कटोच, अवसर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2662.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Anakapalli

District : Vishakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division	Hectare	Area Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Uderu	1/1A	00	01.0	00	02

[F. No. R. 31015/17/96-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ.2663.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : कोरुकोंडा

जिला : पूर्वी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे नं./ सब डिविजन	क्षेत्रफल हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कानपूरु	414/2 भाग	00	67.0	01	66
	412 भाग	00	16.0	00	40
	382/1 भाग	00	06.0	00	15
	382/2 भाग	00	10.0	00	25
	382/3 भाग	00	14.5	00	36
	382/4 भाग	00	13.5	00	33
	381/2 भाग	00	02.5	00	06
	385 भाग	00	25.0	00	62
	386/1 भाग	00	09.0	00	22
	386/2 भाग	00	11.5	00	29
	387 भाग	00	20.5	00	51
	369/1 भाग	00	07.5	00	18
	369/2 भाग	00	26.0	00	64
	368 भाग	00	07.0	00	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
कानपुर (संततु)	370/1	भाग	00	06.5	00	16
	370/2A	भाग	00	32.5	00	80
	370/2B	भाग	00	45.5	01	12
	374/1A	भाग	00	18.0	00	44
	374/1B	भाग	00	00.5	00	01
	374/1C	भाग	00	10.5	00	26
	374/1D	भाग	00	00.5	00	01
	291/2	भाग	00	00.5	00	01
	291/6	भाग	00	12.0	00	30
	295/1	भाग	00	48.5	01	20
	295/2	भाग	00	35.0	00	87
	293	भाग	00	31.0	00	77
	276/1	भाग	00	14.5	00	36
	276/2	भाग	00	18.5	00	46
	252/3	भाग	00	01.0	00	02
	252/4	भाग	00	23.5	00	58
	252/5	भाग	00	20.0	00	50
	269	भाग	00	06.5	00	16
	253	भाग	00	28.5	00	70
	255/1	भाग	00	05.0	00	12
	254	भाग	00	11.5	00	28
	242	भाग	00	19.5	00	48
	241/1	भाग	00	00.5	00	01
	241/2	भाग	00	12.0	00	30
	240	भाग	00	04.0	00	10
	63	भाग	00	46.0	01	15
	70/1	भाग	00	01.0	00	03
	70/2	भाग	00	35.0	00	86
	71/2	भाग	00	08.0	00	20
	69/1	भाग	00	06.0	00	15
	69/2	भाग	00	11.5	00	28
	46/1A3	भाग	00	03.0	00	07
	46/1A4	भाग	00	04.0	00	10
	46/1B	भाग	00	80.5	01	99
राधवपुरम्	122/1	भाग	00	19.5	00	48
	122/2	भाग	00	26.5	00	66
	122/3	भाग	00	05.5	00	13
	121/1	भाग	00	31.0	00	77
	121/3	भाग	00	20.0	00	50
	13	भाग	00	03.0	00	08
	10	भाग	00	24.0	00	59
	8/1	भाग	00	30.0	00	74
	7/1Ato1P	भाग	00	58.5	01	44

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
बोल्लेदुलपालेम्	308/6	भाग	00	18.0	00	45	
	307/1	भाग	00	11.5	00	28	
	307/4	भाग	00	07.5	00	19	
	306/7	भाग	00	34.0	00	84	
	305/1	भाग	00	06.5	00	16	
	305/2	भाग	00	16.0	00	39	
	304	भाग	00	04.0	00	10	
	302/4	भाग	00	18.0	00	44	
	300/4	भाग	00	07.5	00	18	
	300/3	भाग	00	01.0	00	02	
	299/1	भाग	00	18.5	00	46	
	299/2A	भाग	00	02.0	00	05	
	298/1	भाग	00	02.0	00	05	
	298/2B	भाग	00	09.5	00	23	
	297	भाग	00	33.0	00	82	
	296/1	भाग	00	01.5	00	04	
	296/2	भाग	00	07.5	00	18	
	केशववरम्	186/1	भाग	00	16.5	00	41
		184/1A	भाग	00	01.0	00	02
		184/1B	भाग	00	10.5	00	26
184/1C		भाग	00	19.5	00	48	
184/2A		भाग	00	03.0	00	08	
181/1B		भाग	00	09.5	00	24	
181/2B		भाग	00	24.5	00	60	
3/2		भाग	00	00.5	00	01	
3/3		भाग	00	16.0	00	40	
5		भाग	00	33.0	00	82	
6		भाग	00	10.5	00	26	
10/1		भाग	00	11.5	00	29	
10/2		भाग	00	11.0	00	27	
10/3A		भाग	00	04.5	00	11	
10/3B		भाग	00	08.5	00	21	
10/4		भाग	00	09.0	00	22	
14		भाग	00	31.0	00	76	
18/2		भाग	00	08.0	00	20	
18/1		भाग	00	11.5	00	29	
20/2		भाग	00	23.0	00	57	
20/1		भाग	00	00.5	00	01	
22/1A		भाग	00	02.0	00	05	
22/1B		भाग	00	17.0	00	42	
23/2		भाग	00	29.5	00	73	

[फा. सं. आर-31015/11/96-ओ. आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2663.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Korukonda

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Area Ares	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Kanpuru	414/2	Part	00	67.0	01	66
	412	Part	00	16.0	00	40
	382/1	Part	00	06.0	00	15
	382/2	Part	00	10.0	00	25
	382/3	Part	00	14.5	00	36
	382/4	Part	00	13.5	00	33
	381/2	Part	00	02.5	00	06
	385	Part	00	25.0	00	62
	386/1	Part	00	09.0	00	22
	386/2	Part	00	11.5	00	29
	387	Part	00	20.5	00	51
	369/1	Part	00	07.5	00	18
	369/2	Part	00	26.0	00	64
	368	Part	00	07.0	00	17
	370/1	Part	00	06.5	00	16
	370/2A	Part	00	32.5	00	80
	370/2B	Part	00	45.5	01	12
	374/1A	Part	00	18.0	00	44
	374/1B	Part	00	00.5	00	01
	374/1C	Part	00	10.5	00	26
	374/1D	Part	00	00.5	00	01
	291/2	Part	00	00.5	00	01
	291/6	Part	00	12.0	00	30
	295/1	Part	00	48.5	01	20
	295/2	Part	00	35.0	00	87
	293	Part	00	31.0	00	77
	276/1	Part	00	14.5	00	36
	276/2	Part	00	18.5	00	46
	252/3	Part	00	01.0	00	02
	252/4	Part	00	23.5	00	58

<u>(1)</u>	<u>(2)</u>	<u>(3)</u>	<u>(4)</u>	<u>(5)</u>	<u>(6)</u>		
Kanpuru (Contd.)	252/5	Part	00	20.0	00	50	
	269	Part	00	06.5	00	16	
	253	Part	00	28.5	00	70	
	255/1	Part	00	05.0	00	12	
	254	Part	00	11.5	00	28	
	242	Part	00	19.5	00	48	
	241/1	Part	00	00.5	00	01	
	241/2	Part	00	12.0	00	30	
	240	Part	00	04.0	00	10	
	63	Part	00	46.0	01	15	
	70/1	Part	00	01.0	00	03	
	70/2	Part	00	35.0	00	86	
	71/2	Part	00	08.0	00	20	
	69/1	Part	00	06.0	00	15	
	69/2	Part	00	11.5	00	28	
	46/1A3	Part	00	03.0	00	07	
	46/1A4	Part	00	04.0	00	10	
	46/1B	Part	00	80.5	01	99	
	Raghavapuram	122/1	Part	00	19.5	00	48
		122/2	Part	00	26.5	00	66
		122/3	Part	00	05.5	00	13
		121/1	Part	00	31.0	00	77
		121/3	Part	00	20.0	00	50
		13	Part	00	03.0	00	08
		10	Part	00	24.0	00	59
		8/1	Part	00	30.0	00	74
		7/1Ato1P	Part	00	58.5	01	44
		Bolleddulapalem	308/6	Part	00	18.0	00
	307/1		Part	00	11.5	00	28
	307/4		Part	00	07.5	00	19
306/7	Part		00	34.0	00	84	
305/1	Part		00	06.5	00	16	
305/2	Part		00	16.0	00	39	
304	Part		00	04.0	00	10	
302/4	Part		00	18.0	00	44	
300/4	Part		00	07.5	00	18	
300/3	Part		00	01.0	00	02	
299/1	Part		00	18.5	00	46	
299/2A	Part		00	02.0	00	05	
298/1	Part		00	02.0	00	05	
298/2B	Part		00	09.5	00	23	
297	Part		00	33.0	00	82	
296/1	Part		00	01.5	00	04	
296/2	Part		00	07.5	00	18	
Kesavaram	186/1		Part	00	16.5	00	41
	184/1A		Part	00	01.0	00	02
	184/1B		Part	00	10.5	00	26
	184/1C	Part	00	19.5	00	48	
	184/2A	Part	00	03.0	00	08	
	181/1B	Part	00	09.0	00	24	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Kesavaram (Contd.)	181/2B Part	00	24.5	00	60
	3/2 Part	00	00.5	00	01
	3/3 Part	00	16.0	00	40
	5 Part	00	33.0	00	82
	6 Part	00	10.5	00	26
	10/1 Part	00	11.5	00	29
	10/2 Part	00	11.0	00	27
	10/3A Part	00	04.5	00	11
	10/3B Part	00	08.5	00	21
	10/4 Part	00	09.0	00	22
	14 Part	00	31.0	00	76
	18/2 Part	00	08.0	00	20
	18/1 Part	00	11.5	00	29
	20/2 Part	00	23.0	00	57
	20/1 Part	00	00.5	00	01
	22/1A Part	00	02.0	00	05
	22/1B Part	00	17.0	00	42
	23/2 Part	00	29.5	00	73

[F. No. R-31015/11/96-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ.2664.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : चित्तलापुडी

जिला : पश्चिमी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./	क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन	हेक्टेयर	अरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
संकुक्कूरुम	14/3 भाग	00	42.5	01	05
	15/3 भाग	00	18.5	00	46
	16/2 भाग	00	32.5	00	81

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
सकुलकूपरम (संतत्)	16/1	भाग	00	08.5	00	21
	17/3	भाग	00	15.5	00	38
	8/4	भाग	00	19.0	00	46
	7/1A	भाग	00	07.5	00	19
	7/1B	भाग	00	01.5	00	04
	5/3	भाग	00	07.5	00	19
	5/1	भाग	00	10.5	00	26
	3/2	भाग	00	06.5	00	16
	3/1	भाग	00	25.0	00	61
	3/3	भाग	00	00.5	00	01
	4/1	भाग	00	01.0	00	02
	प्रगडाभरम	707/1	भाग	00	01.0	00
708/C		भाग	00	18.5	00	46
705		भाग	00	47.5	01	17
703/1		भाग	00	10.5	00	26
703/2		भाग	00	31.5	00	78
702/2		भाग	00	04.5	00	11
702/3		भाग	00	05.5	00	13
702/5		भाग	00	05.0	00	12
702/6		भाग	00	06.0	00	15
702/9		भाग	00	13.5	00	33
673/B2		भाग	00	34.0	00	84
673/B3		भाग	00	01.5	00	04
670/C1		भाग	00	23.5	00	58
670/C2		भाग	00	02.0	00	05
669/B5C		भाग	00	08.0	00	20
669/B5D		भाग	00	07.5	00	19
668/1B		भाग	00	11.0	00	27
668/1C		भाग	00	03.0	00	08
668/1D		भाग	00	02.0	00	05
668/1E		भाग	00	02.5	00	06
610/3D		भाग	00	11.0	00	27
610/3E		भाग	00	03.5	00	09
610/3F		भाग	00	00.5	00	01
610/3A		भाग	00	01.0	00	02
611/3		भाग	00	14.0	00	34
611/4		भाग	00	01.0	00	02
667/1		भाग	00	06.0	00	15
612/1		भाग	00	16.5	00	41
612/2		भाग	00	01.0	00	02
620/1		भाग	00	15.5	00	38
620/2		भाग	00	03.0	00	08
619	भाग	00	18.0	00	45	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
प्रगडाभरम (संतत्)	617/1	भाग	00	06.5	00	16
	617/3	भाग	00	02.5	00	06
	641	भाग	00	07.5	00	18
	642	भाग	00	05.5	00	14
	640/1	भाग	00	09.5	00	23
	640/2	भाग	00	07.5	00	19
	646/1	भाग	00	00.5	00	01
	639	भाग	00	05.0	00	12
	647/1	भाग	00	11.5	00	28
	480/1	भाग	00	01.0	00	02
	480/2	भाग	00	10.0	00	25
	480/3	भाग	00	01.0	00	02
	479	भाग	00	14.0	00	35
	478	भाग	00	11.5	00	28
	477/1	भाग	00	04.5	00	11
	477/2A	भाग	00	03.5	00	09
	477/2B	भाग	00	00.5	00	01
	475/1	भाग	00	03.0	00	07
	475/2	भाग	00	02.5	00	06
	475/3	भाग	00	03.0	00	08
	474	भाग	00	15.5	00	39
	472/1	भाग	00	06.5	00	16
	472/2	भाग	00	02.0	00	05
	472/3	भाग	00	00.5	00	01
	473/1	भाग	00	02.5	00	06
	473/2	भाग	00	03.0	00	07
	473/4	भाग	00	00.5	00	01
	473/5	भाग	00	03.0	00	08
	468/2	भाग	00	03.0	00	07
	468/3	भाग	00	03.0	00	08
	468/4	भाग	00	03.0	00	08
	468/5	भाग	00	07.0	00	17
	469/1	भाग	00	01.0	00	03
	467	भाग	00	09.0	00	22
	466	भाग	00	14.0	00	35
	465	भाग	00	13.0	00	32
	464/2	भाग	00	02.0	00	05
	458/2	भाग	00	07.0	00	17
	458/3	भाग	00	01.0	00	02
	458/5	भाग	00	04.0	00	10
	458/6	भाग	00	12.0	00	30
	345/1	भाग	00	00.5	00	01
	345/2A	भाग	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
प्रगडाभरम (संतत्)	345/2B भाग	00	02.5	00	06
	345/3 भाग	00	04.0	00	10
	345/4 भाग	00	06.0	00	15
	345/5 भाग	00	07.0	00	17
	345/8 भाग	00	02.0	00	05
	346/4 भाग	00	04.5	00	11
	348/1 भाग	00	11.0	00	27
	452 भाग	00	01.5	00	04
	451 भाग	00	16.0	00	40
	367/1 भाग	00	21.5	00	53
	380/1 भाग	00	06.5	00	16
	380/2 भाग	00	09.5	00	23
	369/2 भाग	00	02.0	00	05
	378 भाग	00	12.0	00	30
	296/2 भाग	00	02.0	00	05
	296/3 भाग	00	05.5	00	14
	296/4 भाग	00	08.5	00	21
	296/5 भाग	00	02.0	00	05
	296/7 भाग	00	11.5	00	28
	296/9 भाग	00	05.5	00	13
	296/10 भाग	00	04.0	00	10
	296/11 भाग	00	03.0	00	07
	296/12 भाग	00	01.0	00	02
	301/1A भाग	00	12.0	00	30
	1112/1 भाग	00	02.5	00	06
	306 भाग	00	23.0	00	57
	290 भाग	00	00.5	00	01
	130/2 भाग	00	11.5	00	28
	130/3 भाग	00	20.0	00	50
	130/4A भाग	00	21.5	00	54
	124 भाग	00	02.0	00	05
	125/1 भाग	00	20.5	00	51
	123/1 भाग	00	42.5	01	05
	104/1 भाग	00	35.0	00	86
	105 भाग	00	20.5	00	51
	06 भाग	00	11.0	00	27
	107/1 भाग	00	16.5	00	41
	107/2 भाग	00	03.5	00	09
	93/1 भाग	00	02.5	00	06
	61/1 भाग	00	02.5	00	06
	61/2 भाग	00	05.5	00	14
	60/1 भाग	00	01.0	00	03
	45/1 भाग	00	06.5	00	16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
प्रगडाभरम (संतत)	45/2	भाग	00	03.5	00	09	
	46/1	भाग	00	08.0	00	20	
	46/2	भाग	00	09.5	00	23	
	47/1B	भाग	00	02.0	00	05	
	47/2A	भाग	00	12.5	00	31	
	48	भाग	00	07.0	00	17	
	49/1	भाग	00	18.5	00	45	
	49/2	भाग	00	12.5	00	31	
	51	भाग	00	01.0	00	03	
	56/2B	भाग	00	01.0	00	03	
	56/2C	भाग	00	03.0	00	08	
	53	भाग	00	16.5	00	41	
	54	भाग	00	05.0	00	12	
	55/1	भाग	00	10.0	00	25	
	68/5	भाग	00	02.0	00	05	
	68/6	भाग	00	12.0	00	30	
	1111/2	भाग	00	18.5	00	45	
	1110/2	भाग	00	24.5	00	61	
	1110/4	भाग	00	14.0	00	35	
	1109/2	भाग	00	06.0	00	15	
	1109/3	भाग	00	30.0	00	74	
	1106/1	भाग	00	44.5	01	10	
	1106/5	भाग	00	00.5	00	01	
	एराम्पल्ली	311/3	भाग	00	01.0	00	02
		311/4	भाग	00	00.5	00	01
		311/6	भाग	00	14.5	00	36
		311/8	भाग	00	08.5	00	21
		311/9	भाग	00	06.5	00	16
		311/10	भाग	00	07.5	00	18
312/2		भाग	00	02.0	00	05	
312/4		भाग	00	17.0	00	42	
312/6		भाग	00	03.0	00	08	
312/7		भाग	00	00.5	00	01	
312/9		भाग	00	00.5	00	01	
312/10		भाग	00	05.0	00	12	
312/11		भाग	00	12.5	00	31	
312/13		भाग	00	05.0	00	12	
312/14		भाग	00	03.5	00	09	
312/15		भाग	00	05.0	00	12	
312/17		भाग	00	03.5	00	09	
313/6		भाग	00	01.0	00	02	
313/8		भाग	00	08.0	00	20	
313/7		भाग	00	06.0	00	15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
एराम्पल्ली (संततु)	313/9	भाग	00	07.5	00	19
	313/10	भाग	00	00.5	00	01
	313/21	भाग	00	04.0	00	10
	350/11	पूरा	00	01.0	00	02
	350/21	भाग	00	02.0	00	05
	350/22	भाग	00	04.0	00	10
	304/1	भाग	00	03.5	00	09
	304/4	भाग	00	08.5	00	21
	304/5	भाग	00	05.0	00	12
	302/7	भाग	00	12.5	00	31
	302/9	भाग	00	13.5	00	33
	238/4	भाग	00	08.0	00	20
	238/5	भाग	00	06.5	00	16
	238/6	भाग	00	04.0	00	10
	238/8	भाग	00	01.0	00	03
	241/1	भाग	00	00.5	00	01
	241/3	भाग	00	27.0	00	67
	244/2	भाग	00	00.5	00	01
	242/1	भाग	00	24.0	00	59
	261	भाग	00	03.5	00	09
	260/1	भाग	00	00.5	00	01
	260/2A	भाग	00	01.0	00	03
	260/2B	भाग	00	09.5	00	23
	260/7	भाग	00	14.0	00	34
	260/8	भाग	00	01.5	00	04
	260/3	भाग	00	04.5	00	11
	260/4	भाग	00	06.0	00	15
	260/6	भाग	00	01.5	00	04
	260/10	भाग	00	00.5	00	01
	259/1	भाग	00	02.5	00	06
	122/5	भाग	00	00.5	00	01
	122/6	भाग	00	03.5	00	09
	122/7	भाग	00	10.0	00	24
	122/8	भाग	00	02.0	00	05
	122/9	भाग	00	03.0	00	08
	122/10	भाग	00	00.5	00	01
	122/12	भाग	00	01.5	00	04
	122/13	भाग	00	00.5	00	01
	120/2	भाग	00	08.5	00	21
	123/4	भाग	00	04.0	00	10
	123/5	भाग	00	02.0	00	05
	123/9	भाग	00	01.5	00	03
	123/10	भाग	00	03.0	00	07

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
एराम्पल्ली (संतत)	123/11 भाग	00	02.0	00	04
	123/12A भाग	00	07.5	00	19
	123/13 भाग	00	07.0	00	17
	108/1B भाग	00	26.0	00	64
	108/3 भाग	00	16.5	00	41
	108/4 भाग	00	09.5	00	23
	94 भाग	00	11.5	00	29
	93/7 भाग	00	00.5	00	01
	93/17 भाग	00	00.5	00	01
	93/20 भाग	00	00.5	00	01
	93/21 भाग	00	02.0	00	05
	93/22 भाग	00	01.0	00	03
	93/23 भाग	00	00.5	00	01
	88/1 भाग	00	11.0	00	27
	88/2 भाग	00	01.0	00	02
	88/3 भाग	00	02.0	00	05
	88/4 भाग	00	00.5	00	01
	88/6 भाग	00	00.5	00	01
	88/7 भाग	00	00.5	00	01
	88/8 भाग	00	03.0	00	07
	89/3 भाग	00	03.0	00	07
	89/4 भाग	00	02.5	00	06
	89/5 भाग	00	03.0	00	07
	89/6 भाग	00	03.0	00	07
	89/8A भाग	00	01.0	00	02
	89/8C भाग	00	02.5	00	06
	89/9 भाग	00	01.5	00	04
	89/10 भाग	00	02.0	00	05
	89/11 भाग	00	00.5	00	01
	26 भाग	00	10.5	00	26
	16 भाग	00	14.5	00	36
	6 भाग	00	15.5	00	38
	5 भाग	00	16.0	00	40

[फा. सं. आर-31015/16/96-ओ.आर-II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2664.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Chintalapudi

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Area Ares	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Sankuchakrapuram	14/3	Part	00	42.5	01	05
	15/3	Part	00	18.5	00	46
	16/2	Part	00	32.5	00	81
	16/1	Part	00	08.5	00	21
	17/3	Part	00	15.5	00	38
	8/4	Part	00	19.0	00	46
	7/1A	Part	00	07.5	00	19
	7/1B	Part	00	01.5	00	04
	5/3	Part	00	07.5	00	19
	5/1	Part	00	10.5	00	26
	3/2	Part	00	06.5	00	16
	3/1	Part	00	25.0	00	61
	3/3	Part	00	00.5	00	01
	4/1	Part	00	01.0	00	02
Pragadavaram	707/1	Part	00	01.0	00	02
	708/C	Part	00	18.5	00	46
	705	Part	00	47.5	01	17
	703/1	Part	00	10.5	00	26
	703/2	Part	00	31.5	00	78
	702/2	Part	00	04.5	00	11
	702/3	Part	00	05.5	00	13
	702/5	Part	00	05.0	00	12
	702/6	Part	00	06.0	00	15
	702/9	Part	00	13.5	00	33
	673/B2	Part	00	34.0	00	84
	673/B3	Part	00	01.5	00	04
	670/C1	Part	00	23.5	00	58
	670/C2	Part	00	02.0	00	05
	669/B5C	Part	00	08.0	00	20
	669/B5D	Part	00	07.5	00	19
	668/1B	Part	00	11.0	00	27
	668/1C	Part	00	03.0	00	08
	668/1D	Part	00	02.0	00	05
	668/1E	Part	00	02.5	00	06
	610/3D	Part	00	11.0	00	27
	610/3E	Part	00	03.5	00	09
	610/3F	Part	00	00.5	00	01
	610/3A	Part	00	01.0	00	02
	611/3	Part	00	14.0	00	34

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Pragadavaram (Contd.)	611/4	Part	00	01.0	00	02
	667/1	Part	00	06.0	00	15
	612/1	Part	00	16.5	00	41
	612/2	Part	00	01.0	00	02
	620/1	Part	00	15.5	00	38
	620/2	Part	00	03.0	00	08
	619	Part	00	18.0	00	45
	617/1	Part	00	06.5	00	16
	617/3	Part	00	02.5	00	06
	641	Part	00	07.5	00	18
	642	Part	00	05.5	00	14
	640/1	Part	00	09.5	00	23
	640/2	Part	00	07.5	00	19
	646/1	Part	00	00.5	00	01
	639	Part	00	05.0	00	12
	647/1	Part	00	11.5	00	28
	480/1	Part	00	01.0	00	02
	480/2	Part	00	10.0	00	25
	480/3	Part	00	01.0	00	02
	479	Part	00	14.0	00	35
	478	Part	00	11.5	00	28
	477/1	Part	00	04.5	00	11
	477/2A	Part	00	03.5	00	09
	477/2B	Part	00	00.5	00	01
	475/1	Part	00	03.0	00	07
	475/2	Part	00	02.5	00	06
	475/3	Part	00	03.0	00	08
	474	Part	00	15.5	00	39
	472/1	Part	00	06.5	00	16
	472/2	Part	00	02.0	00	05
	472/3	Part	00	00.5	00	01
	473/1	Part	00	02.5	00	06
	473/2	Part	00	03.0	00	07
	473/4	Part	00	00.5	00	01
	473/5	Part	00	03.0	00	08
	468/2	Part	00	03.0	00	07
	468/3	Part	00	03.0	00	08
	468/4	Part	00	03.0	00	08
	468/5	Part	00	07.0	00	17
	469/1	Part	00	01.0	00	03
	467	Part	00	09.0	00	22
	466	Part	00	14.0	00	35
	465	Part	00	13.0	00	32
	464/2	Part	00	02.0	00	05
	458/2	Part	00	07.0	00	17
	458/3	Part	00	01.0	00	02
	458/5	Part	00	04.0	00	10
	458/6	Part	00	12.0	00	30
	345/1	Part	00	00.5	00	01
	345/2A	Part	00	02.5	00	06
	345/2B	Part	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Pragadavaram (Contd.)	345/3 Part	00	04.0	00	10
	345/4 Part	00	06.0	00	15
	345/5 Part	00	07.0	00	17
	345/8 Part	00	02.0	00	05
	346/4 Part	00	04.5	00	11
	348/1 Part	00	11.0	00	27
	452 Part	00	01.5	00	04
	451 Part	00	16.0	00	40
	367/1 Part	00	21.5	00	53
	380/1 Part	00	06.5	00	16
	380/2 Part	00	09.5	00	23
	369/2 Part	00	02.0	00	05
	378 Part	00	12.0	00	30
	296/2 Part	00	02.0	00	05
	296/3 Part	00	05.5	00	14
	296/4 Part	00	08.5	00	21
	296/5 Part	00	02.0	00	05
	296/7 Part	00	11.5	00	28
	296/9 Part	00	05.5	00	13
	296/10 Part	00	04.0	00	10
	296/11 Part	00	03.0	00	07
	296/12 Part	00	01.0	00	02
	301/1A Part	00	12.0	00	30
	1112/1 Part	00	02.5	00	06
	306 Part	00	23.0	00	57
	290 Part	00	00.5	00	01
	130/2 Part	00	11.5	00	28
	130/3 Part	00	20.0	00	50
	130/4A Part	00	21.5	00	54
	124 Part	00	02.0	00	05
	125/1 Part	00	20.5	00	51
	123/1 Part	00	42.5	01	05
	104/1 Part	00	35.0	00	86
	105 Part	00	20.5	00	51
	106 Part	00	11.0	00	27
	107/1 Part	00	16.5	00	41
	107/2 Part	00	03.5	00	09
	93/1 Part	00	02.5	00	06
	61/1 Part	00	02.5	00	06
	61/2 Part	00	05.5	00	14
	60/1 Part	00	01.0	00	03
	45/1 Part	00	06.5	00	16
	45/2 Part	00	03.5	00	09
	46/1 Part	00	08.0	00	20
	46/2 Part	00	09.5	00	23
	47/1B Part	00	02.0	00	05
	47/2A Part	00	12.5	00	31
	48 Part	00	07.0	00	17
	49/1 Part	00	18.5	00	45
	49/2 Part	00	12.5	00	31
	51 Part	00	01.0	00	03

<u>(1)</u>	<u>(2)</u>	<u>(3)</u>	<u>(4)</u>	<u>(5)</u>	<u>(6)</u>	
Pragadavaram (Contd.)	56/2B	Part	00	01.0	00	03
	56/2C	Part	00	03.0	00	08
	53	Part	00	16.5	00	41
	54	Part	00	05.0	00	12
	55/1	Part	00	10.0	00	25
	68/5	Part	00	02.0	00	05
	68/6	Part	00	12.0	00	30
	1111/2	Part	00	18.5	00	45
	1110/2	Part	00	24.5	00	61
	1110/4	Part	00	14.0	00	35
	1109/2	Part	00	06.0	00	15
	1109/3	Part	00	30.0	00	74
	1106/1	Part	00	44.5	01	10
	1106/5	Part	00	00.5	00	01
Errampalli	311/3	Part	00	01.0	00	02
	311/4	Part	00	00.5	00	01
	311/6	Part	00	14.5	00	36
	311/8	Part	00	08.5	00	21
	311/9	Part	00	06.5	00	16
	311/10	Part	00	07.5	00	18
	312/2	Part	00	02.0	00	05
	312/4	Part	00	17.0	00	42
	312/6	Part	00	03.0	00	08
	312/7	Part	00	00.5	00	01
	312/9	Part	00	00.5	00	01
	312/10	Part	00	05.0	00	12
	312/11	Part	00	12.5	00	31
	312/13	Part	00	05.0	00	12
	312/14	Part	00	03.5	00	09
	312/15	Part	00	05.0	00	12
	312/17	Part	00	03.5	00	09
	313/6	Part	00	01.0	00	02
	313/8	Part	00	08.0	00	20
	313/7	Part	00	06.0	00	15
	313/9	Part	00	07.5	00	19
	313/10	Part	00	00.5	00	01
	313/21	Part	00	04.0	00	10
	350/11	Full	00	01.0	00	02
	350/21	Part	00	02.0	00	05
	350/22	Part	00	04.0	00	10
	304/1	Part	00	03.5	00	09
	304/4	Part	00	08.5	00	21
	304/5	Part	00	05.0	00	12
	302/7	Part	00	12.5	00	31
	302/9	Part	00	13.5	00	33
	238/4	Part	00	08.0	00	20
	238/5	Part	00	06.5	00	16
	238/6	Part	00	04.0	00	10
238/8	Part	00	01.0	00	03	
241/1	Part	00	00.5	00	01	
241/3	Part	00	27.0	00	67	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Errampalli (Contd.)	244/2	Part	00	00.5	01
	242/1	Part	00	24.0	59
	261/1	Part	00	03.5	09
	260/1	Part	00	00.5	01
	260/2	Part	00	01.0	03
	260/3	Part	00	09.5	23
	260/4	Part	00	14.0	34
	260/5	Part	00	01.5	04
	260/6	Part	00	04.5	11
	260/7	Part	00	06.0	15
	260/8	Part	00	01.5	04
	260/10	Part	00	00.5	01
	259/1	Part	00	02.5	06
	122/3	Part	00	00.5	01
	122/6	Part	00	03.5	09
	122/7	Part	00	10.0	24
	122/8	Part	00	02.0	05
	122/9	Part	00	03.0	08
	122/10	Part	00	00.5	01
	122/12	Part	00	01.5	04
	122/13	Part	00	00.5	01
	120/2	Part	00	08.5	21
	123/4	Part	00	04.0	10
	123/5	Part	00	02.0	05
	123/9	Part	00	01.5	03
	123/10	Part	00	03.0	07
	123/11	Part	00	02.0	04
	123/12A	Part	00	07.5	19
	123/13	Part	00	07.0	17
	108/1B	Part	00	26.0	64
	108/3	Part	00	16.5	41
	108/4	Part	00	09.5	23
	94	Part	00	11.5	29
	93/7	Part	00	00.5	01
	93/17	Part	00	00.5	01
	93/20	Part	00	00.5	01
	93/21	Part	00	02.0	05
	93/22	Part	00	01.0	03
	93/23	Part	00	00.5	01
	88/1	Part	00	11.0	27
	88/2	Part	00	01.0	02
	88/3	Part	00	02.0	05
	88/4	Part	00	00.5	01
	88/6	Part	00	00.5	01
	88/7	Part	00	00.5	01
	88/8	Part	00	03.0	07
	89/3	Part	00	03.0	07
	89/4	Part	00	02.5	06
	89/5	Part	00	03.0	07
	89/6	Part	00	03.0	07
	89/24	Part	00	01.0	02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Errampalli (Contd.)	89/8C Part	00	02.5	00	06
	89/9 Part	00	01.5	00	04
	89/10 Part	00	02.0	00	05
	89/11 Part	00	00.5	00	01
	26 Part	00	10.5	00	26
	16 Part	00	14.5	00	36
	6 Part	00	15.5	00	38
	5 Part	00	16.0	00	40

[F. No. R-31015/16/96-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2665.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइप लाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : प्रतिपाडु

जिला : पूर्वी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./	क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन	हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तोटापल्लि	57/1 भाग	00	09.5	00	24
	57/4 भाग	00	10.5	00	26
	57/5 भाग	00	12.5	00	31
	57/6 भाग	00	07.5	00	18
	55/1 भाग	00	23.0	00	57
	54/3 भाग	00	27.5	00	68
	51/1 भाग	00	20.0	00	50
	51/3 भाग	00	17.5	00	43
	51/4 भाग	00	19.0	00	47
	50/3 भाग	00	04.0	00	10
	52 भाग	00	34.0	00	83
वेंकटनगरम्	66/4 भाग	00	31.0	00	76
	67/1 भाग	00	07.0	00	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
वैकटनगरम् (संतत्)	67/2	भाग	00	09.5	00	24	
	67/3A	भाग	00	05.5	00	14	
	64	भाग	00	64.0	01	58	
	61	भाग	00	31.5	00	78	
	60/2	भाग	00	33.5	00	84	
	96/1A	भाग	00	34.0	00	84	
	95	भाग	00	42.5	01	05	
	85/5	भाग	00	01.0	00	03	
	86	भाग	00	23.5	00	58	
	16/1	भाग	00	05.5	00	14	
	16/2	भाग	00	11.0	00	27	
	16/4	भाग	00	12.0	00	30	
	15	भाग	00	27.0	00	68	
	13/1	भाग	00	04.0	00	10	
	13/2	भाग	00	01.5	00	04	
	8/3	भाग	00	57.0	01	41	
	6	भाग	00	15.5	00	38	
	5	भाग	00	01.0	00	02	
	चिंतलुरु	89/3	भाग	00	20.5	00	52
		88/2	भाग	00	20.0	00	49
99		भाग	00	12.5	00	31	
100/1		भाग	00	18.0	00	45	
100/2		भाग	00	15.0	00	37	
102		भाग	00	17.5	00	43	
126		भाग	00	33.0	00	81	
127		भाग	00	07.0	00	17	
130/2		भाग	00	40.5	01	00	
136		भाग	00	32.0	00	79	
170/4		भाग	00	00.5	00	01	
172/3		भाग	00	00.5	00	01	
172/4		भाग	00	07.5	00	19	
172/7		भाग	00	08.0	00	20	
172/8		भाग	00	02.5	00	06	
171/1		भाग	00	28.0	00	69	
164/4		भाग	00	07.5	00	19	
182		भाग	00	29.0	00	72	
191/2		भाग	00	66.5	01	64	
190		भाग	00	34.5	00	85	
कोचुरु	285/1	भाग	00	16.5	00	41	
	285/2	भाग	00	03.5	00	09	
	286/2	भाग	00	07.0	00	17	
	286/3	भाग	00	17.5	00	43	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
गज्जनपुडि	215	भाग	00	02.5	00	06
	216/1	भाग	00	14.0	00	34
	216/2	भाग	00	08.5	00	21
	217/2	भाग	00	15.0	00	37
	217/3	भाग	00	20.5	00	51
	220	भाग	00	51.0	01	25
	231/1	भाग	00	01.0	00	03
	231/2	भाग	00	23.5	00	58
	234	भाग	00	00.5	00	01
	235/1	भाग	00	11.0	00	27
	235/3	भाग	00	17.0	00	42
	सरभावरम	72/1	भाग	00	15.0	00
71/1		भाग	00	01.0	00	03
70/1		भाग	00	37.5	00	93
66/1		भाग	00	09.5	00	24
65/4		भाग	00	03.0	00	08
84		भाग	00	19.5	00	48
97		भाग	00	11.0	00	27
98/1		भाग	00	18.0	00	45
98/2		भाग	00	03.5	00	09
99/1		भाग	00	03.0	00	08
99/2		भाग	00	23.5	00	58
108		भाग	00	36.0	00	89
109		भाग	00	11.0	00	27
113/2		भाग	00	08.0	00	20
110/1		भाग	00	00.5	00	01
110/2		भाग	00	20.5	00	51
111/1		भाग	00	03.0	00	07
111/2		भाग	00	20.0	00	49
121/2		भाग	00	01.0	00	02
121/3		भाग	00	31.0	00	77
119		भाग	00	24.0	00	59
128/1		भाग	00	21.0	00	51
128/2		भाग	00	23.0	00	57
126		भाग	00	06.5	00	16
127/1		भाग	00	27.5	00	68
125		भाग	00	19.5	00	48
खोमांगि		42	भाग	00	26.5	00
	37	भाग	00	02.5	00	06
	38	भाग	00	35.0	00	87
	20	भाग	00	18.5	00	46
	19	भाग	00	05.0	00	12
	17	भाग	00	40.0	00	99

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
बोमांगि (संतत्)	15/2	भाग	00	05.0	00	12
	12/1	भाग	00	23.0	00	57
	12/2	भाग	00	23.5	00	58
	12/3	भाग	00	23.5	00	58
	11/4	भाग	00	01.5	00	04
	11/3	भाग	00	12.5	00	31
	72/1	भाग	00	31.0	00	77
	72/2	भाग	00	20.0	00	49
	71/3	भाग	00	07.0	00	17
	71/2	भाग	00	01.0	00	03
	71/1	भाग	00	19.5	00	48
	73	भाग	00	09.5	00	23
	74	भाग	00	28.5	00	70
उत्तरकंचि	252/3	भाग	00	00.5	00	01
	252/4	भाग	00	10.5	00	26
	252/5	भाग	00	48.5	01	20
	253	भाग	00	24.5	00	61
	234/1	भाग	00	03.5	00	09
	234/2	भाग	00	11.0	00	27
	233	भाग	00	10.5	00	26
	220	भाग	00	28.5	00	71
	222	भाग	00	13.5	00	33
	198/1	भाग	00	21.5	00	53
	198/2	भाग	00	15.0	00	37
	197	भाग	00	05.5	00	13
	196	भाग	00	25.0	00	62
लम्पाकालवा	193	भाग	00	10.5	00	26
	200	भाग	00	19.0	00	47
	201	भाग	00	14.0	00	34
	199	भाग	00	22.0	00	55
	91	भाग	00	00.5	00	01
	92	भाग	00	24.0	00	59
	93	भाग	00	15.5	00	38
	185	भाग	00	20.0	00	49
	94/2	भाग	00	00.5	00	01
	184/1	भाग	00	07.5	00	19
	184/2	भाग	00	18.0	00	45
	183	भाग	00	13.0	00	32
	182	भाग	00	16.5	00	41
	175/1	भाग	00	05.5	00	13
	175/3	भाग	00	26.5	00	65
	176/1	भाग	00	16.0	00	39
	170	भाग	00	19.5	00	48

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
लम्माकालवा (संतत)	158	भाग	00	11.0	00	27	
	169/3	भाग	00	01.0	00	03	
	160/5	भाग	00	05.0	00	12	
	160/6	भाग	00	03.0	00	08	
	159	भाग	00	27.0	00	67	
	151/1	भाग	00	12.0	00	30	
	112/2	भाग	00	02.0	00	05	
	112/3	भाग	00	14.5	00	36	
	112/5	भाग	00	00.5	00	01	
	113/2	भाग	00	05.0	00	12	
	111/1	भाग	00	07.5	00	18	
	111/2	भाग	00	05.5	00	13	
	111/4	भाग	00	10.0	00	25	
	117	भाग	00	23.5	00	58	
	118	भाग	00	09.5	00	24	
	141	भाग	00	23.5	00	58	
	127	भाग	00	00.5	00	01	
	140	भाग	00	28.5	00	71	
	130	भाग	00	25.0	00	62	
	135	भाग	00	17.5	00	43	
	134	भाग	00	04.0	00	10	
	132/1	भाग	00	06.5	00	16	
	132/2	भाग	00	08.0	00	20	
	133	भाग	00	14.0	00	34	
	पी. जगन्नाथपुरम	170/B	भाग	00	03.0	00	07
		170/1B	भाग	00	01.0	00	02
		169/1	भाग	00	27.5	00	68
		161	भाग	00	06.0	00	15
		160/2	भाग	00	00.5	00	01
	पेदर्शकलपुडि	285	भाग	00	15.5	00	38
		286	भाग	00	10.5	00	26
		288/2	भाग	00	31.0	00	77
		299/1	भाग	00	23.0	00	57
298/2		भाग	00	00.5	00	01	
300		भाग	00	37.5	00	93	
चिनाशंकलपुडि	112/9	भाग	00	05.0	00	12	
	125/1	भाग	00	15.0	00	37	
	125/2	भाग	00	07.0	00	17	
	125/3	भाग	00	00.5	00	01	
	124/1	भाग	00	02.0	00	05	
	124/3	भाग	00	06.0	00	15	
	124/4	भाग	00	03.0	00	08	
	123/4	भाग	00	07.5	00	18	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
चिनाशंकर्लापुडि (संतत)	123/5	भाग	00	10.0	00	25
	127/2A	भाग	00	06.0	00	15
	127/3	भाग	00	02.0	00	05
	122	भाग	00	01.0	00	03
	129	भाग	00	27.5	00	67
	133/1A	भाग	00	05.5	00	14
	133/1B	भाग	00	07.0	00	17
	133/1C	भाग	00	05.5	00	14
	133/1D	भाग	00	07.0	00	17
	133/2	भाग	00	04.0	00	10
	130/2	भाग	00	09.5	00	24
	132/1B	भाग	00	01.0	00	03
	132/1A	भाग	00	25.0	00	61
	99/5	भाग	00	02.5	00	06
इल्लुरु	170/3	भाग	00	01.0	00	03
	170/4	भाग	00	03.0	00	08
	170/5	भाग	00	05.5	00	13
	170/6	भाग	00	04.0	00	10
	170/7	भाग	00	03.5	00	09
	170/9	भाग	00	04.0	00	10
	170/10	भाग	00	04.0	00	10
	170/11	भाग	00	04.0	00	10
	170/12	भाग	00	03.0	00	08
	170/13	भाग	00	03.5	00	09
	170/14	भाग	00	01.0	00	02
	169/7	भाग	00	00.5	00	01
	169/8	भाग	00	02.0	00	05
	169/10	भाग	00	07.0	00	17
	169/11	भाग	00	07.5	00	18
	167/11	भाग	00	07.5	00	19
	167/12	भाग	00	06.0	00	15
	166/13	भाग	00	10.0	00	25
	166/14	भाग	00	01.5	00	04
	158/1A	भाग	00	10.5	00	26
	159/1	भाग	00	22.5	00	55
	160/1	भाग	00	09.0	00	23
	160/2	भाग	00	23.5	00	58
	59/1	भाग	00	08.0	00	20
	59/2	भाग	00	06.5	00	16
	59/4	भाग	00	07.0	00	18
	59/5	भाग	00	08.5	00	21
	80/1	भाग	00	11.0	00	27
	78/1A2	भाग	00	10.5	00	26

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
इलुरु (संततु)	78/1B1	भाग	00	10.0	00	25
	78/1B2	भाग	00	07.5	00	19
	78/2A	भाग	00	04.0	00	10
	89/1A	भाग	00	01.5	00	04
	93	भाग	00	00.5	00	01
	92/1	भाग	00	14.0	00	35
	92/2A	भाग	00	14.0	00	35
	94	भाग	00	01.0	00	02
	95	भाग	00	46.0	01	14
	96	भाग	00	14.5	00	36
	99	भाग	00	45.0	01	11

[फा.सं. आर-31015/14/96-ओ आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2665.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Prathipadu

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Ares	Area Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Totapalli	57/1	Part	00	09.5	00	24
	57/4	Part	00	10.5	00	26
	57/5	Part	00	12.5	00	31
	57/6	Part	00	07.5	00	18
	55/1	Part	00	23.0	00	57
	54/3	Part	00	27.5	00	68
	51/1	Part	00	20.0	00	50
	51/3	Part	00	17.5	00	43
	51/4	Part	00	19.0	00	47
	50/3	Part	00	04.0	00	10
	52	Part	00	34.0	00	83
	66/4	Part	00	31.0	00	76
	67/1	Part	00	07.0	00	17
Venkatanagaram						

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Venkatanagaram (Contd.)	67/2	Part	00	09.5	00	24	
	67/3A	Part	00	05.5	00	14	
	64	Part	00	64.0	01	58	
	61	Part	00	31.5	00	78	
	60/2	Part	00	33.5	00	84	
	96/1A	Part	00	34.0	00	84	
	95	Part	00	42.5	01	05	
	85/5	Part	00	01.0	00	03	
	86	Part	00	23.5	00	58	
	16/1	Part	00	05.5	00	14	
	16/2	Part	00	11.0	00	27	
	16/4	Part	00	12.0	00	30	
	15	Part	00	27.0	00	68	
	13/1	Part	00	04.0	00	10	
	13/2	Part	00	01.5	00	04.	
	8/3	Part	00	57.0	01	41	
	6	Part	00	15.5	00	38	
	5	Part	00	01.0	00	02	
	Chintaluru	89/3	Part	00	20.5	00	52
		88/2	Part	00	20.0	00	49
		99	Part	00	12.5	00	31
		100/1	Part	00	18.0	00	45
		100/2	Part	00	15.0	00	37
		102	Part	00	17.5	00	43
		126	Part	00	33.0	00	81
		127	Part	00	07.0	00	17
		130/2	Part	00	40.5	01	00
		136	Part	00	32.0	00	79
		170/4	Part	00	00.5	00	01
		172/3	Part	00	00.5	00	01
		172/4	Part	00	07.5	00	19
		172/7	Part	00	08.0	00	20
		172/8	Part	00	02.5	00	06
171/1		Part	00	28.0	00	69	
164/4		Part	00	07.5	00	19	
182		Part	00	29.0	00	72	
191/2		Part	00	66.5	01	64	
190		Part	00	34.5	00	85	
Kothuru		285/1	Part	00	16.5	00	41
		285/2	Part	00	03.5	00	09
		286/2	Part	00	07.0	00	17
	286/3	Part	00	17.5	00	43	
Gajjannapudi	215	Part	00	02.5	00	06	
	216/1	Part	00	14.0	00	34	
	216/2	Part	00	08.5	00	21	
	217/2	Part	00	15.0	00	37	
	217/3	Part	00	20.5	00	51	
	220	Part	00	51.0	01	25	
	231/1	Part	00	01.0	00	03	
	231/2	Part	00	23.5	00	58	
	234	Part	00	00.5	00	01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Gajjannapudi (Contd.)	235/1 Part	00	11.0	00	27
	235/3 Part	00	17.0	00	42
Sarabhavaram	72/1 Part	00	15.0	00	37
	71/1 Part	00	01.0	00	03
	70/1 Part	00	37.5	00	93
	66/1 Part	00	09.5	00	24
	65/4 Part	00	03.0	00	08
	84 Part	00	19.5	00	48
	97 Part	00	11.0	00	27
	98/1 Part	00	18.0	00	45
	98/2 Part	00	03.5	00	09
	99/1 Part	00	03.0	00	08
	99/2 Part	00	23.5	00	58
	108 Part	00	36.0	00	89
	109 Part	00	11.0	00	27
	113/2 Part	00	08.0	00	20
	110/1 Part	00	00.5	00	01
	110/2 Part	00	20.5	00	51
	111/1 Part	00	03.0	00	07
	111/2 Part	00	20.0	00	49
	121/2 Part	00	01.0	00	02
	121/3 Part	00	31.0	00	77
	119 Part	00	24.0	00	59
	128/1 Part	00	21.0	00	51
	128/2 Part	00	23.0	00	57
	126 Part	00	06.5	00	16
	127/1 Part	00	27.5	00	68
	125 Part	00	19.5	00	48
Vommangi	42 Part	00	26.5	00	66
	37 Part	00	02.5	00	06
	38 Part	00	35.0	00	87
	20 Part	00	18.5	00	46
	19 Part	00	05.0	00	12
	17 Part	00	40.0	00	99
	15/2 Part	00	05.0	00	12
	12/1 Part	00	23.0	00	57
	12/2 Part	00	23.5	00	58
	12/3 Part	00	23.5	00	58
	11/4 Part	00	01.5	00	04
	11/3 Part	00	12.5	00	31
	72/1 Part	00	31.0	00	77
	72/2 Part	00	20.0	00	49
	71/3 Part	00	07.0	00	17
	71/2 Part	00	01.0	00	03
	71/1 Part	00	19.5	00	48
	73 Part	00	09.5	00	23
	74 Part	00	28.5	00	70
Uttarakanchi	252/3 Part	00	00.5	00	01
	252/4 Part	00	10.5	00	26
	252/5 Part	00	48.5	01	20
	253 Part	00	24.5	00	61

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Uttarakanchi (Contd.)	234/1	Part	00	03.5	00	09
	234/2	Part	00	11.0	00	27
	233	Part	00	10.5	00	26
	220	Part	00	28.5	00	71
	222	Part	00	13.5	00	33
	198/1	Part	00	21.5	00	53
	198/2	Part	00	15.0	00	37
	197	Part	00	05.5	00	13
	196	Part	00	25.0	00	62
	193	Part	00	10.5	00	26
Lampakalova	200	Part	00	19.0	00	47
	201	Part	00	14.0	00	34
	199	Part	00	22.0	00	55
	91	Part	00	00.5	00	01
	92	Part	00	24.0	00	59
	93	Part	00	15.5	00	38
	185	Part	00	20.0	00	49
	94/2	Part	00	00.5	00	01
	184/1	Part	00	07.5	00	19
	184/2	Part	00	18.0	00	45
	183	Part	00	13.0	00	32
	182	Part	00	16.5	00	41
	175/1	Part	00	05.5	00	13
	175/3	Part	00	26.5	00	65
	176/1	Part	00	16.0	00	39
	170	Part	00	19.5	00	48
	158	Part	00	11.0	00	27
	169/3	Part	00	01.0	00	03
	160/5	Part	00	05.0	00	12
	160/6	Part	00	03.0	00	08
	159	Part	00	27.0	00	67
	151/1	Part	00	12.0	00	30
	112/2	Part	00	02.0	00	05
	112/3	Part	00	14.5	00	36
	112/5	Part	00	00.5	00	01
	113/2	Part	00	05.0	00	12
	111/1	Part	00	07.5	00	18
	111/2	Part	00	05.5	00	13
	111/4	Part	00	10.0	00	25
	117	Part	00	23.5	00	58
	118	Part	00	09.5	00	24
	141	Part	00	23.5	00	58
	127	Part	00	00.5	00	01
	140	Part	00	28.5	00	71
	130	Part	00	25.0	00	62
	135	Part	00	17.5	00	43
	134	Part	00	04.0	00	10
	132/1	Part	00	06.5	00	16
	132/2	Part	00	08.0	00	20
	133	Part	00	14.0	00	34

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
P. Jagannadhapuram	170/1B	Part	00	03.0	00	07	
	170/2	Part	00	01.0	00	02	
	169/1	Part	00	27.5	00	68	
	161	Part	00	06.0	00	15	
	160/2	Part	00	00.5	00	01	
Pedasankarlapudi	285	Part	00	15.5	00	38	
	286	Part	00	10.5	00	26	
	288/2	Part	00	31.0	00	77	
	299/1	Part	00	23.0	00	57	
	298/2	Part	00	00.5	00	01	
Chinasankarlapudi	300	Part	00	37.5	00	93	
	112/9	Part	00	05.0	00	12	
	125/1	Part	00	15.0	00	37	
	125/2	Part	00	07.0	00	17	
	125/3	Part	00	00.5	00	01	
	124/1	Part	00	02.0	00	05	
	124/3	Part	00	06.0	00	15	
	124/4	Part	00	03.0	00	08	
	123/4	Part	00	07.5	00	18	
	123/5	Part	00	10.0	00	25	
	127/2A	Part	00	06.0	00	15	
	127/3	Part	00	02.0	00	05	
	122	Part	00	01.0	00	03	
	129	Part	00	27.5	00	67	
	133/1A	Part	00	05.5	00	14	
	133/1B	Part	00	07.0	00	17	
	133/1C	Part	00	05.5	00	14	
	133/1D	Part	00	07.0	00	17	
	133/2	Part	00	04.0	00	10	
	130/2	Part	00	09.5	00	24	
	Eluru	132/1B	Part	00	01.0	00	03
		132/1A	Part	00	25.0	00	61
99/5		Part	00	02.5	00	06	
170/3		Part	00	01.0	00	03	
170/4		Part	00	03.0	00	08	
170/5		Part	00	05.5	00	13	
170/6		Part	00	04.0	00	10	
170/7		Part	00	03.5	00	09	
170/9		Part	00	04.0	00	10	
170/10		Part	00	04.0	00	10	
170/11		Part	00	04.0	00	10	
170/12		Part	00	03.0	00	08	
170/13		Part	00	03.5	00	09	
170/14		Part	00	01.0	00	02	
169/7		Part	00	00.5	00	01	
169/8		Part	00	02.0	00	05	
169/10		Part	00	07.0	00	17	
169/11		Part	00	07.5	00	18	
167/11		Part	00	07.5	00	19	
167/12		Part	00	06.0	00	15	
166/13		Part	00	10.0	00	25	

<u>(1)</u>		<u>(2)</u>	<u>(3)</u>	<u>(4)</u>	<u>(5)</u>	<u>(6)</u>
Eluru (Concl'd.)	166/14	Part	00	01.5	00	04
	158/1A	Part	00	10.5	00	26
	159/1	Part	00	22.5	00	55
	160/1	Part	00	09.0	00	23
	160/2	Part	00	23.5	00	58
	59/1	Part	00	08.0	00	20
	59/2	Part	00	06.5	00	16
	59/4	Part	00	07.0	00	18
	59/5	Part	00	08.5	00	21
	80/1	Part	00	11.0	00	27
	78/1A2	Part	00	10.5	00	26
	78/1B1	Part	00	10.0	00	25
	78/1B2	Part	00	07.5	00	19
	78/2A	Part	00	04.0	00	10
	89/1A	Part	00	01.5	00	04
	93	Part	00	00.5	00	01
	92/1	Part	00	14.0	00	35
	92/2A	Part	00	14.0	00	35
	94	Part	00	01.0	00	02
	95	Part	00	46.0	01	14
	96	Part	00	14.5	00	36
	99	Part	00	45.0	01	11

[F. No. R.-31015/14/96-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2666.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-विजयवाड़ा से होकर विशाखपट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 के दिन के भीतर भूमि में के उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम. रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई.बी.पी. सेन्चुरी ब्लाक के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है ।

अनुसूची

मंडल : येलेस्वरम

जिला : पूर्वी गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे. सं./		क्षेत्रफल			
का नाम	सब डिविजन		हेक्टेयर	आरे	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
शिरिपुरम	3/1A	भाग	00	06.5	00	16
	2/1A	भाग	00	18.0	00	44
	1/1	भाग	00	11.0	00	27

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
शिरिपुरम (संतत)	1/2	भाग	00	10.5	00	26
	1/3	भाग	00	00.5	00	01
	81/1C	भाग	00	00.5	00	01
	81/2	भाग	00	13.0	00	32
	81/3A	भाग	00	07.5	00	18
	85/2A	भाग	00	01.5	00	04
	85/2B	भाग	00	18.0	00	44
	86/2A	भाग	00	06.5	00	16
	86/2B	भाग	00	02.5	00	06
	90/2	भाग	00	17.5	00	43
	91/2B	भाग	00	18.0	00	45
	94	भाग	00	27.5	00	68
	106	भाग	00	11.0	00	27
	107	भाग	00	10.0	00	25
	108/1B	भाग	00	26.5	00	65
	118	भाग	00	30.0	00	74
	116	भाग	00	01.0	00	02
	119	भाग	00	07.5	00	18
	120/1A	भाग	00	22.5	00	55
	120/1B	भाग	00	01.5	00	04
	120/1C	भाग	00	01.5	00	04
	124/2	भाग	00	01.0	00	02
	124/3A	भाग	00	16.0	00	39
	124/3B	भाग	00	13.5	00	33
	124/3C	भाग	00	16.5	00	41
	124/4	भाग	00	00.5	00	01
	125/2	भाग	00	01.0	00	03
	125/3	भाग	00	03.0	00	07
	133/2	भाग	00	14.0	00	34
	133/3	भाग	00	06.5	00	16
	133/4	भाग	00	07.0	00	17
	146/1	भाग	00	11.0	00	27
	146/2	भाग	00	16.0	00	39
	147/2C	भाग	00	11.0	00	27
157	भाग	00	29.0	00	72	
158/1	भाग	00	19.0	00	47	
159	भाग	00	28.0	00	69	
160/1	भाग	00	11.0	00	27	
लिंगमपथी	807/1	भाग	00	17.5	00	43
	806/3	भाग	00	03.0	00	08
	806/5	भाग	00	14.0	00	35
	806/6	भाग	00	04.5	00	11
	806/7	भाग	00	05.5	00	13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
लिंगमपथी (सेतु)	805/1 भाग	00	04.0	00	10
	804/1 भाग	00	02.0	00	05
	799/1 भाग	00	13.5	00	33
	799/2 भाग	00	01.0	00	03
	803/1 भाग	00	05.0	00	12
	803/2 भाग	00	19.0	00	47
	803/3 भाग	00	05.0	00	12
	801/2 भाग	00	18.0	00	45
	760/1C भाग	00	01.5	00	04
	760/2B भाग	00	03.0	00	08
	760/2D भाग	00	07.0	00	17
	760/2E भाग	00	07.0	00	17
	760/3 भाग	00	01.0	00	03
	759/2F भाग	00	07.5	00	19
	759/2G भाग	00	03.0	00	08
तिरुमलि	118/2 भाग	00	17.5	00	43
	118/3 भाग	00	12.0	00	30
	116/2A भाग	00	07.5	00	19
	116/2B भाग	00	05.0	00	12
	116/2D भाग	00	00.5	00	01
	116/2E भाग	00	11.5	00	28
	115/3 भाग	00	08.0	00	20
	115/7 भाग	00	02.5	00	06
	115/8 भाग	00	20.0	00	50
	113/12 भाग	00	03.5	00	09
	113/13 भाग	00	02.5	00	06
	113/14 भाग	00	04.5	00	11
	113/15 भाग	00	08.0	00	20
	113/18 भाग	00	05.5	00	13
	113/19 भाग	00	00.5	00	01
	113/20 भाग	00	10.5	00	26
	113/21 भाग	00	01.0	00	02
	113/25 भाग	00	00.5	00	01
	113/40 भाग	00	01.5	00	04
	112/1B भाग	00	03.0	00	08
	112/1C भाग	00	02.0	00	05
	112/1D भाग	00	07.5	00	18
	112/1E भाग	00	05.0	00	12
	112/1F भाग	00	03.0	00	07
	112/1G भाग	00	03.0	00	08
	112/4 भाग	00	00.5	00	01
	112/5 भाग	00	05.5	00	14
	96/6 भाग	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
तिरुमलि (संतत्)	96/11	भाग	00	07.5	00	18
	96/12	भाग	00	06.5	00	16
	93/2A	भाग	00	00.5	00	01
	93/2B	भाग	00	10.5	00	26
	93/3	भाग	00	12.5	00	31
	94/3B	भाग	00	15.0	00	37
	91/2A	भाग	00	01.0	00	02
	29/3A	भाग	00	10.0	00	25
	29/3B	भाग	00	15.0	00	37
	30/1A	भाग	00	10.0	00	25
	30/1B	भाग	00	08.5	00	21
	30/2A	भाग	00	01.5	00	04
	30/2B	भाग	00	11.0	00	27
	32/3	भाग	00	11.5	00	29
	32/4A	भाग	00	12.0	00	30
	33/4	भाग	00	10.0	00	25
	71/1	भाग	00	11.5	00	28
	71/4	भाग	00	24.0	00	59
	71/5A	भाग	00	01.5	00	04
	38/1	भाग	00	08.5	00	21
	38/2	भाग	00	22.5	00	55
	38/3B	भाग	00	08.5	00	21
	38/3C	भाग	00	07.5	00	18
	57/1A	भाग	00	00.5	00	01
	56/4	भाग	00	04.0	00	10
	56/6	भाग	00	03.5	00	09
	56/7	भाग	00	10.5	00	26
	56/8	भाग	00	00.5	00	01
	56/10	भाग	00	19.5	00	48
	54/1F	भाग	00	03.0	00	08
	54/3	भाग	00	03.0	00	07
	54/6	भाग	00	08.5	00	21
	54/7	भाग	00	03.0	00	08
	55/1	भाग	00	09.5	00	23
	55/2	भाग	00	05.5	00	13

[फा. सं. आर-31015/13/96-ओ.आर-II]

के. सी. फटोश, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2666.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada, in the Andhra Pradesh State through Visakha-Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Yeleswaram

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Hectare	Area Ares	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Siripuram	3/1A	Part	00.	06.5	00	16
	2/1A	Part	00	18.0	00	44
	1/1	Part	00	11.0	00	27
	1/2	Part	00	10.5	00	26
	1/3	Part	00	00.5	00	01
Peravaram	81/1C	Part	00	00.5	00	01
	81/2	Part	00	13.0	00	32
	81/3A	Part	00	07.5	00	18
	85/2A	Part	00	01.5	00	04
	85/2B	Part	00	18.0	00	44
	86/2A	Part	00	06.5	00	16
	86/2B	Part	00	02.5	00	06
	90/2	Part	00	17.5	00	43
	91/2B	Part	00	18.0	00	45
	94	Part	00	27.5	00	68
	106	Part	00	11.0	00	27
	107	Part	00	10.0	00	25
	108/1B	Part	00	26.5	00	65
	118	Part	00	30.0	00	74
	116	Part	00	01.0	00	02
	119	Part	00	07.5	00	18
	120/1A	Part	00	22.5	00	55
	120/1B	Part	00	01.5	00	04
	120/1C	Part	00	01.5	00	04
	124/2	Part	00	01.0	00	02
	124/3A	Part	00	16.0	00	39
	124/3B	Part	00	13.5	00	33
	124/3C	Part	00	16.5	00	41
	124/4	Part	00	00.5	00	01
	125/2	Part	00	01.0	00	03
	125/3	Part	00	03.0	00	07
	133/2	Part	00	14.0	00	34
	133/3	Part	00	06.5	00	16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Peravaram (Contd.)	133/4	Part	00	07.0	00	17	
	146/1	Part	00	11.0	00	27	
	146/2	Part	00	16.0	00	39	
	147/2C	Part	00	11.0	00	27	
	157	Part	00	29.0	00	72	
	158/1	Part	00	19.0	00	47	
	159	Part	00	28.0	00	69	
	160/1	Part	00	11.0	00	27	
	Lingamparthi	807/1	Part	00	17.5	00	43
806/3		Part	00	03.0	00	08	
806/5		Part	00	14.0	00	35	
806/6		Part	00	04.5	00	11	
806/7		Part	00	05.5	00	13	
805/1		Part	00	04.0	00	10	
804/1		Part	00	02.0	00	05	
799/1		Part	00	13.5	00	33	
799/2		Part	00	01.0	00	03	
803/1		Part	00	05.0	00	12	
803/2		Part	00	19.0	00	47	
803/3		Part	00	05.0	00	12	
801/2		Part	00	18.0	00	45	
760/1C		Part	00	01.5	00	04	
760/2B		Part	00	03.0	00	08	
760/2D		Part	00	07.0	00	17	
760/2E		Part	00	07.0	00	17	
760/3		Part	00	01.0	00	03	
759/2F		Part	00	07.5	00	19	
759/2G		Part	00	03.0	00	08	
Tirumali		118/2	Part	00	17.5	00	43
		118/3	Part	00	12.0	00	30
		116/2A	Part	00	07.5	00	19
		116/2B	Part	00	05.0	00	12
	116/2D	Part	00	00.5	00	01	
	116/2E	Part	00	11.5	00	28	
	115/3	Part	00	08.0	00	20	
	115/7	Part	00	02.5	00	06	
	115/8	Part	00	20.0	00	50	
	113/12	Part	00	03.5	00	09	
	113/13	Part	00	02.5	00	06	
	113/14	Part	00	04.5	00	11	
	113/15	Part	00	08.0	00	20	
	113/18	Part	00	05.5	00	13	
	113/19	Part	00	00.5	00	01	
	113/20	Part	00	10.5	00	26	
	113/21	Part	00	01.0	00	02	
	113/25	Part	00	00.5	00	01	
	113/40	Part	00	01.5	00	04	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tirumali (Contd.)	112/1B Part	00	03.0	00	08
	112/1C Part	00	02.0	00	05
	112/1D Part	00	07.5	00	18
	112/1E Part	00	05.0	00	12
	112/1F Part	00	03.0	00	07
	112/1G Part	00	03.0	00	08
	112/4 Part	00	00.5	00	01
	112/5 Part	00	05.5	00	14
	96/6 Part	00	02.5	00	06
	96/11 Part	00	07.5	00	18
	96/12 Part	00	06.5	00	16
	93/2A Part	00	00.5	00	01
	93/2B Part	00	10.5	00	26
	93/3 Part	00	12.5	00	31
	94/3B Part	00	15.0	00	37
	91/2A Part	00	01.0	00	02
	29/3A Part	00	10.0	00	25
	29/3B Part	00	15.0	00	37
	30/1A Part	00	10.0	00	25
	30/1B Part	00	08.5	00	21
	30/2A Part	00	01.5	00	04
	30/2B Part	00	11.0	00	27
	32/3 Part	00	11.5	00	29
	32/4A Part	00	12.0	00	30
	33/4 Part	00	10.0	00	25
	71/1 Part	00	11.5	00	28
	71/4 Part	00	24.0	00	59
	71/5A Part	00	01.5	00	04
	38/1 Part	00	08.5	00	21
	38/2 Part	00	22.5	00	55
	38/3B Part	00	08.5	00	21
	38/3C Part	00	07.5	00	18
	57/1A Part	00	00.5	00	01
	56/4 Part	00	04.0	00	10
	56/6 Part	00	03.5	00	09
	56/7 Part	00	10.5	00	26
	56/8 Part	00	00.5	00	01
	56/10 Part	00	19.5	00	48
	54/1F Part	00	03.0	00	08
	54/3 Part	00	03.0	00	07
	54/6 Part	00	08.5	00	21
	54/7 Part	00	03.0	00	08
	55/1 Part	00	09.5	00	23
	55/2 Part	00	05.5	00	13

[F. No. R-31015/13/96-OR-II]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1996

का. आ. 2667.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा—विजयवाड़ा सेहोकर विशाखापट्टणम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन के बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि इस अभिवृत्ति से उद्भावित अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिसबद कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिससे भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियां माधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 21 दिन के भीतर भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रति लिखित रूप से आपत्ति, श्री एम रामा कृष्णा राव, सक्षम अधिकारी, विशाखा—विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1, द्वारा निवास, आई. बी. पी. सेन्चुरी क्लब के पास, बीच रोड, विशाखापट्टणम—530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : चण्ड		राज्य : आन्ध्र प्रदेश		जिला : कृष्णा		
ग्राम का नाम	सर्वे नं. / सर्वे डिब्बान	हेक्टेर	क्षेत्रफल आर	एकड़	सेन्ट	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
मंकोलु	280/1	भाग	00	03.0	00	08
	280/2	भाग	00	16.0	00	39
	278/3A	भाग	00	01.0	00	03
	278/3C	भाग	00	09.0	00	22
	278/6	भाग	00	03.0	00	07
	278/7	भाग	00	02.5	00	06
	278/8	भाग	00	03.0	00	07
	278/9	भाग	00	02.5	00	06
	277/4	भाग	00	03.0	00	07
	277/5	भाग	00	05.5	00	14
	277/6	भाग	00	04.0	00	10
	277/7	भाग	00	03.5	00	09
	277/8A	भाग	00	00.5	00	01
	288/2	भाग	00	04.5	00	11
	288/3	भाग	00	08.0	00	20
	288/4	भाग	00	05.5	00	14
	288/5	भाग	00	05.5	00	14
	292/2	भाग	00	06.5	00	16
	308	भाग	00	61.0	01	50
	312/1	भाग	00	00.5	00	01
	312/2	भाग	00	15.0	00	37
	312/3	भाग	00	01.0	00	03
	100/1	भाग	00	01.0	00	02
	100/2	भाग	00	21.0	00	52
	99/1A	भाग	00	04.5	00	11

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
संकोलु (संतत)	99/1C	भाग	00	05.5	00	13
	99/2C	भाग	00	15.0	00	37
पोलावरम	215/6	भाग	00	02.5	00	06
	215/7	भाग	00	18.0	00	44
	215/8	भाग	00	07.5	00	18
	215/10	भाग	00	18.0	00	44
	215/11	भाग	00	02.5	00	06
	241/4	भाग	00	13.0	00	32
	241/5	भाग	00	03.0	00	07
	238/2	भाग	00	08.0	00	20
	238/4	भाग	00	01.0	00	02
	237/2B	भाग	00	22.5	00	55
	237/3B	भाग	00	00.5	00	01
	235/1B	भाग	00	01.0	00	02
	235/2	भाग	00	16.0	00	39
	235/3	भाग	00	04.0	00	10
	234/3	भाग	00	16.0	00	39
	234/4	भाग	00	05.5	00	14
	234/5	भाग	00	05.0	00	12
	234/6	भाग	00	05.0	00	12
	234/7	भाग	00	05.5	00	13
	233/2	भाग	00	12.0	00	30
	233/5	भाग	00	39.5	00	98
	232/4	भाग	00	09.5	00	24
	248/1	भाग	00	01.0	00	02
	248/2	भाग	00	11.0	00	27
	248/3	भाग	00	05.5	00	13
	248/4	भाग	00	05.5	00	13
	248/5	भाग	00	14.5	00	36
	173	भाग	00	04.5	00	11
	172	भाग	00	09.0	00	22
	167/1	भाग	00	00.5	00	01
	167/2	भाग	00	09.0	00	22
	165/1	भाग	00	41.5	01	02
	153/3	भाग	00	22.0	00	54
	154	भाग	00	22.5	00	56
	126/5	भाग	00	04.0	00	10
	125/1	भाग	00	01.0	00	02
	125/5	भाग	00	07.0	00	17
	125/6	भाग	00	07.0	00	17
	106	भाग	00	56.5	01	40
	100	भाग	00	33.0	00	82
	103/5	भाग	00	00.5	00	01
	91/1	भाग	00	01.0	00	02
	89/1	भाग	00	35.5	00	88
	89/2	भाग	00	11.0	00	27
	13/3	भाग	00	14.0	00	34
	15/1A	भाग	00	00.5	00	01
	15/1C	भाग	00	22.0	00	54
15/2A	भाग	00	16.0	00	39	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
पोषावरम (संतत)	16/1	भाग	00	00.5	00	01
	14/3A3	भाग	00	20.0	00	50
	14/3C	भाग	00	04.0	00	10
	21/3A	भाग	01	21.0	03	00
चवई	548	भाग	00	16.0	00	39
	550	भाग	00	01.0	00	03
	551	भाग	00	02.0	00	05
	552	भाग	00	00.5	00	01
	557	भाग	00	34.0	00	84
	558	भाग	00	09.5	00	24
	565/1	भाग	00	05.5	00	13
	565/2	भाग	00	00.5	00	01
	565/4	भाग	00	00.5	00	01
	565/5	भाग	00	05.0	00	13
	565/6	भाग	00	10.0	00	25
	565/7	भाग	00	13.0	00	32
	566	भाग	00	07.0	00	17
	568	भाग	00	20.0	00	49
	570	भाग	00	44.0	01	10
	410/2	भाग	00	01.0	00	03
	396/1	भाग	00	01.0	00	03
	396/2	भाग	00	13.0	00	32
	397/2	भाग	00	14.0	00	34
	397/3	भाग	00	14.5	00	36
	397/4	भाग	00	14.0	00	35
	388/1	भाग	00	10.0	00	25
	388/2	भाग	00	07.5	00	18
	389/1	भाग	00	12.5	00	30
	389/3	भाग	00	14.0	00	35
	389/4	भाग	00	09.5	00	24
	390	भाग	00	01.0	00	02
	382/1	भाग	00	13.0	00	32
	381/1	भाग	00	03.5	00	09
	381/2	भाग	00	07.5	00	18
	381/3	भाग	00	16.5	00	41
	378/2	भाग	00	18.0	00	45
	379/1	भाग	00	08.5	00	21
	376/1	भाग	00	32.5	00	81
	375/1	भाग	00	09.5	00	23
	375/2	भाग	00	09.0	00	22
	375/3	भाग	00	09.0	00	22
	371/1	भाग	00	47.0	01	16
	371/2	भाग	00	01.5	00	04
	335/5	भाग	00	05.5	00	13
अनाश्रितवरम	3/2A	भाग	00	04.0	00	10
	3/2B	भाग	00	10.0	00	25
	3/6A	भाग	00	03.0	00	08
	2/1	भाग	00	14.5	00	36
	2/7	भाग	00	17.5	00	43
	2/2	भाग	00	04.5	00	11

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
आरुणोत्तमपेटा	1/6	भाग	00	05.0	00	13
	1/7	भाग	00	13.5	00	33
	20/1A	भाग	00	20.0	00	49
	10/1A	भाग	00	03.5	00	09
	10/1B	भाग	00	11.5	00	29
	10/6	भाग	00	01.0	00	02
	8/1	भाग	00	00.5	00	01
	8/2	भाग	00	01.0	00	02
	8/3	भाग	00	09.0	00	22
	8/4	भाग	00	03.0	00	08
	8/5	भाग	00	00.5	00	01
	8/6	भाग	00	04.0	00	10
	8/7	भाग	00	11.5	00	28
	8/8	भाग	00	00.5	00	01
	8/9	भाग	00	03.0	00	08
	8/10	भाग	00	05.0	00	12
	8/11	भाग	00	00.5	00	01
	8/14	भाग	00	01.5	00	04
	11/4	भाग	00	11.0	00	25
	11/5	भाग	00	01.5	00	04
	11/6	भाग	00	01.5	00	04
	11/7	भाग	00	06.5	00	16
	11/8	भाग	00	01.0	00	02
	67/4A	भाग	00	13.0	00	32
	67/4B	भाग	00	05.5	00	13
	67/4D	भाग	00	07.0	00	17
	67/4E	भाग	00	01.0	00	03
	67/5	भाग	00	02.5	00	06
	67/9B	भाग	00	04.0	00	10
	67/9C	भाग	00	00.5	00	01
	67/9D	भाग	00	04.0	00	10
	67/17	भाग	00	02.5	00	06
	67/18	भाग	00	05.5	00	13
	67/19	भाग	00	01.0	00	02
	64/5C	भाग	00	03.0	00	08
	63/2	भाग	00	13.0	00	32
	63/3	भाग	00	03.5	00	09
	186/3C	भाग	00	13.0	00	32
	186/6	भाग	00	02.0	00	05
	186/7	भाग	00	07.5	00	18
	186/8	भाग	00	07.5	00	18
	186/9	भाग	00	06.5	00	16
	186/10	भाग	00	05.5	00	14
	186/11	भाग	00	04.0	00	10
	186/12A	भाग	00	18.0	00	45
	186/12C	भाग	00	00.5	00	01
	185	भाग	00	03.0	00	08
	158/1	भाग	00	28.0	00	69
	158/3	भाग	00	14.0	00	34
	158/4	भाग	00	00.5	00	01
	157/1E	भाग	00	07.0	00	17
	157/1D	भाग	00	02.0	00	05

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
अकगोलमुपट्टा (संतत)	157/2	भाग	00	09.5	00	24
	157/3	भाग	00	04.0	00	10
	157/4	भाग	00	05.5	00	13
	157/5	भाग	00	01.0	00	03
	164/2C	भाग	00	00.5	00	01
	164/2D	भाग	00	05.5	00	14
	164/2E	भाग	00	02.5	00	06
	164/3B	भाग	00	02.0	00	05
	164/3C	भाग	00	04.0	00	10
	164/3D	भाग	00	00.5	00	01
	164/3G	भाग	00	04.0	00	10
	164/4	भाग	00	20.0	00	49
	165/2	भाग	00	16.0	00	39
	165/4	भाग	00	14.5	00	36
	146/2	भाग	00	05.5	00	13
	146/3	भाग	00	16.0	00	39
	147/1	भाग	00	14.5	00	36
	145/1	भाग	00	01.0	00	02
	145/2A	पूर्ण	00	01.0	00	02
	145/2B	भाग	00	19.0	00	47
	145/2E	भाग	00	13.0	00	32
	145/3	भाग	00	08.0	00	20
	141	भाग	00	26.5	00	65
	139/1	भाग	00	15.0	00	37
	139/2	भाग	00	48.0	01	18
	140	भाग	00	05.0	00	12
	137/2	भाग	00	33.5	00	83
	136/2	भाग	00	11.0	00	27
	136/1	भाग	00	02.5	00	07
	136/3	भाग	00	24.5	00	60
	128/3A	भाग	00	03.5	00	09
	129	भाग	00	43.5	01	08

[फा.स. : आर-31015/9/96-ओ आर II]

के.सी. कटोष, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1996

S.O. 2667.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the Andhra Pradesh State through Visakha—Vijayawada, pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha—Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam (Andhra Pradesh) —530002.

SCHEDULE

Mandal : Chatrai

State : Andhra Pradesh

District : Krishna

Name of Village	Survey No./Sub Division		Area			
			Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6)
Mankollu	280/1	Part	00	03.0	00	08
	280/2	Part	00	16.0	00	39
	278/3A	Part	00	01.0	00	03
	278/3C	Part	00	09.0	00	22
	278/6	Part	00	03.0	00	07
	278/7	Part	00	02.5	00	06
	278/8	Part	00	03.0	00	07
	278/9	Part	00	02.5	00	06
	277/4	Part	00	03.0	00	07
	277/5	Part	00	05.5	00	14
	277/6	Part	00	04.0	00	10
	277/7	Part	00	03.5	00	09
	277/8A	Part	00	00.5	00	01
	288/2	Part	00	04.5	00	11
	288/3	Part	00	08.0	00	20
	288/4	Part	00	05.5	00	14
	288/5	Part	00	05.5	00	14
	292/2	Part	00	06.5	00	16
	308	Part	00	61.0	01	50
	312/1	Part	00	00.5	00	01
	312/2	Part	00	15.0	00	37
	312/3	Part	00	01.0	00	03
	100/1	Part	00	01.0	00	02
	100/2	Part	00	21.0	00	52
	99/1A	Part	00	04.5	00	11
	99/1C	Part	00	05.5	00	13
	99/2C	Part	00	15.0	00	37
Polavaram	215/6	Part	00	02.5	00	06
	215/7	Part	00	18.0	00	44
	215/8	Part	00	07.5	00	18
	215/10	Part	00	18.0	00	44
	215/11	Part	00	02.5	00	06
	241/4	Part	00	13.0	00	32
	241/5	Part	00	03.0	00	07
	238/2	Part	00	08.0	00	20
	238/4	Part	00	01.0	00	02
	237/2B	Part	00	22.5	00	55
	237/3B	Part	00	00.5	00	01
	235/1B	Part	00	01.0	00	02
	235/2	Part	00	16.0	00	39
	235/3	Part	00	04.0	00	10
	234/3	Part	00	16.0	00	39
	234/4	Part	00	05.5	00	14
	234/5	Part	00	05.0	00	12
	234/6	Part	00	05.0	00	12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Polavaram (Contd.)	234/7	Part	00	05.5	00 13
	233/2	Part	00	12.0	00 30
	233/5	Part	00	39.5	00 98
	232/4	Part	00	09.5	00 24
	248/1	Part	00	01.0	00 02
	248/2	Part	00	11.0	00 27
	248/3	Part	00	05.5	00 13
	248/4	Part	00	05.5	00 13
	248/5	Part	00	14.5	00 36
	173	Part	00	04.5	00 11
	172	Part	00	09.0	00 22
	167/1	Part	00	00.5	00 01
	167/2	Part	00	09.0	00 22
	165/1	Part	00	41.5	01 00
	153/3	Part	00	22.0	00 5 4
	154	Part	00	22.5	00 56
	126/5	Part	00	04.0	00 10
	125/1	Part	00	01.0	00 02
	125/5	Part	00	07.0	00 17
	126/6	Part	00	07.0	00 17
	106	Part	00	56.5	01 40
	100	Part	00	33.0	00 82
	103/5	Part	00	00.5	00 01
	91/1	Part	00	01.0	00 02
	89/1	Part	00	35.5	00 88
	89/2	Part	00	11.0	00 27
	13/3	Part	00	14.0	00 34
	15/1A	Part	00	00.5	00 01
	15/1C	Part	00	22.0	00 54
	15/2A	Part	00	16.0	00 39
	16/1	Part	00	00.5	00 01
	14/3A3	Part	00	20.0	00 50
	14/3C	Part	00	04.0	00 10
	21/3A	Part	01	21.0	03 00
Chatrai	548	Part	00	16.0	00 39
	550	Part	00	01.0	00 03
	551	Part	00	02.0	00 05
	552	Part	00	00.5	00 01
	557	Part	00	34.0	00 84
	558	Part	00	09.5	00 24
	565/1	Part	00	05.5	00 13
	565/2	Part	00	00.5	00 01
	565/4	Part	00	00.5	00 01
	565/5	Part	00	05.0	00 13
	565/6	Part	00	10.0	00 25
	566/7	Part	00	13.0	00 32
	566	Part	00	07.0	00 17
	568	Part	00	20.0	00 49
	570	Part	00	44.0	01 10
	410/2	Part	00	01.0	00 03
	396/1	Part	00	01.0	00 03
	396/2	Part	00	13.0	00 32

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Chatra (Cotd.)	397/2	Part	00	14.0	00	34
	397/3	Part	00	14.5	00	36
	397/4	Part	00	14.0	00	35
	388/1	Part	00	10.0	00	25
	388/2	Part	00	07.5	00	18
	389/1	Part	00	12.5	00	30
	389/3	Part	00	14.0	00	35
	389/4	Part	00	09.5	00	24
	390	Part	00	01.0	00	02
	382/1	Part	00	13.0	00	32
	381/1	Part	00	03.5	00	09
	381/2	Part	00	07.5	00	18
	381/3	Part	00	16.5	00	41
	378/2	Part	00	18.0	00	45
	379/1	Part	00	08.5	00	21
	376/1	Part	00	32.5	00	81
	375/1	Part	00	09.5	00	23
	375/2	Part	00	09.0	00	22
	375/3	Part	00	09.0	00	22
	371/1	Part	00	47.0	01	16
	371/2	Part	00	01.5	00	04
	335/5	Part	00	05.5	00	13
	Janardanavaram	3/2A	Part	00	04.0	00
3/2B		Part	00	10.0	00	25
3/6A		Part	00	03.0	00	08
2/1		Part	00	14.5	00	36
2/7		Part	00	17.5	00	43
2/2		Part	00	04.5	00	11
Arugolanupeta	1/6	Part	00	05.0	00	13
	1/7	Part	00	13.5	00	33
	20/1A	Part	00	20.0	00	49
	10/1A	Part	00	03.5	00	09
	10/1B	Part	00	11.5	00	29
	10/6	Part	00	01.0	00	02
	8/1	Part	00	00.5	00	01
	8/2	Part	00	01.0	00	02
	8/3	Part	00	09.0	00	22
	8/4	Part	00	03.0	00	08
	8/5	Part	00	00.5	00	01
	8/6	Part	00	04.0	00	10
	8/7	Part	00	11.5	00	28
	8/8	Part	00	00.5	00	01
	8/9	Part	00	03.0	00	08
	8/10	Part	00	05.0	00	12
	8/11	Part	00	00.5	00	01
	8/14	Part	00	01.5	00	04
	11/4	Part	00	11.0	00	25
	11/5	Part	00	01.5	00	04
	11/6	Part	00	01.5	00	04
	11/7	Part	00	06.5	00	16
	11/8	Part	00	01.0	00	02
	67/4A	Part	00	13.0	00	32
	67/4B	Part	00	05.5	00	13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Arugolanupeta (Contd.)	67/4D	Part	00	07.0	00	17
	67/4E	Part	00	01.0	00	03
	67/5	Part	00	02.5	00	06
	67/9B	Part	00	04.0	00	10
	67/9C	Part	00	00.5	00	01
	67/9D	Part	00	04.0	00	10
	67/17	Part	00	02.5	00	06
	67/18	Part	00	05.5	00	13
	67/19	Part	00	01.0	00	02
	64/5C	Part	00	03.0	00	08
	63/2	Part	00	13.0	00	32
	63/3	Part	00	03.5	00	09
	186/3C	Part	00	13.0	00	32
	186/6	Part	00	02.0	00	05
	186/7	Part	00	07.5	00	18
	186/8	Part	00	07.5	00	18
	186/9	Part	00	06.5	00	16
	186/10	Part	00	05.5	00	14
	186/11	Part	00	04.0	00	10
	186/12A	Part	00	18.0	00	45
	186/12C	Part	00	00.5	00	01
	185	Part	00	03.0	00	08
	158/1	Part	00	28.0	00	69
	158/3	Part	00	14.0	00	34
	158/4	Part	00	00.5	00	01
	157/1E	Part	00	07.0	00	17
	157/1D	Part	00	02.0	00	05
	157/2	Part	00	09.5	00	24
	157/3	Part	00	04.0	00	10
	157/4	Part	00	05.5	00	13
	157/5	Part	00	01.0	00	03
	164/2C	Part	00	00.5	00	01
	164/2D	Part	00	05.5	00	14
	164/2E	Part	00	02.5	00	06
	164/3B	Part	00	02.0	00	05
	164/3C	Part	00	04.0	00	10
	164/3D	Part	00	00.5	00	01
	164/3G	Part	00	04.0	00	10
	164/4	Part	00	20.0	00	49
	165/2	Part	00	16.0	00	39
	165/4	Part	00	14.5	00	36
	146/2	Part	00	05.5	00	13
	146/3	Part	00	16.0	00	39
	147/1	Part	00	14.5	00	36
	145/1	Part	00	01.0	00	02
	145/2A	Full	00	01.0	00	02
	145/2B	Part	00	19.0	00	47
	145/2E	Part	00	13.0	00	32
	145/3	Part	00	08.0	00	20
	141	Part	00	26.5	00	65
	139/1	Part	00	15.0	00	37
	139/2	Part	00	48.0	01	18
	140	Part	00	05.0	00	12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Arugolanupeta (Contd.)	137/2	Part	00	33.5	00 83
	136/2	Part	00	11.0	00 27
	136/1	Part	00	02.5	00 07
	136/3	Part	00	24.5	00 60
	128/3A	Part	00	03.5	00 09
	129	Part	00	43.5	01 08

[F.No.R-31015/9/96-OR.II]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का. आ. 2668.—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि अग्रतला डोम एवं कोनावन से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण) अग्रतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभयनगर, अग्रतला-799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइपलाइन परियोजना : अग्रतला डोम कोनावन से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण)

जिला	तहसील	गांव	प्लाट संख्या	क्षेत्रफल एकड़	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिमी त्रिपुरा	बिक्रम नगर	बिक्रम नगर	4862	0.26	
			4863	0.16	
			4902	0.04	
			2635	0.06	
			2634	0.34	
			2633	0.28	
			2632	0.24	
			6194	0.24	
			2638	0.01	
			2631	0.30	
			2639	0.12	
			6191	0.15	
			2630	0.05	
			2629	0.12	
			2644	0.30	
			2626	0.24	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिम त्रिपुरा	बिक्रम नगर	बिक्रम नगर	2622	0.07	
			2623	0.32	
			2621	0.03	
			2620	0.03	
			2618	0.14	
			2615	0.16	
			2614	0.14	
			2613	0.30	
			2611	0.15	
			2607	0.30	
			2606	0.15	
			2603	0.04	
			2604	0.16	
			2602	0.06	रोड
			2608	0.01	नाला
			2627	0.04	नाला

[स.एन-14016/3/96-जी.पी.]

अधोद मेन, नि वेशक

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2668.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum & Natural Gas from Agartala Dome & Konaban to NEEPCO Power Plant (2nd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of the laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government here by declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited Near Circuit House, P.O. Abhaynagar, Agartala : 799005;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE PROJECT : AGARTALA DOME AND KONABAN TO NEEPCO POWER PLANT (2nd PHASE)

District	Tehsil	Village	Plot Number	Area (In Acres)	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
West Tripura	Bikramnagar	Bikramnagar	4862	0.26	
			4863	0.16	
			4902	0.04	
			2635	0.06	
			2634	0.34	
			2633	0.28	
			2632	0.24	
			6194	0.24	
			2638	0.01	
			2631	0.30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
West Tripura	Bikram Nagar	Bikram Vagar	2639	0.12	
			6191	0.15	
			2630	0.05	
			2629	0.12	
			2644	0.30	
			2626	0.24	
			2622	0.07	
			2623	0.32	
			2621	0.03	
			2620	0.03	
			2618	0.14	
			2615	0.16	
			2614	0.14	
			2613	0.30	
			2611	0.15	
			2607	0.30	
			2606	0.15	
			2603	0.04	
			2604	0.16	
			2602	0.06	Road
			2608	0.01	Nala
			2622	0.04	Nala

[No. L-14016/3/96-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का. आ. 2669—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि अगर सला डोम एवं कोनाबन से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण) अगरसला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस, ग्रयॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस ग्रयॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभयनगर, अगरसला—799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइप लाइन परियोजना : अग्ररसला डोम एवं कोनावन से सोपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण)

जिला	नगरपालिका	गांव	प्लाट संख्या	क्षेत्रफल : एकड़	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिम त्रिपुरा	प्रभापुर	प्रभापुर	4846	0.10	
			4839	0.16	
			4847	0.21	
			4848	0.12	
			4849	0.14	
			4850	0.10	
			4851	0.21	
			4859	0.10	रोड
			4852	0.13	
			4829	0.03	
			4814	0.06	रोड
			4820	0.40	
			4816	0.02	
			4815	0.30	
			4813	0.28	
			4811	0.20	
			4806	0.20	
			4003	0.04	रोड
			4807	0.32	
			4786	0.90	
			4791	0.02	
			4790	0.03	
			4789	0.01	
			4788	0.08	
			4787	0.05	
			4782	0.05	
			4779	0.20	
			4778	0.10	
			4776	0.14	
			4777	0.10	
			4775	0.01	
			4774	0.18	
			4773	0.11	
			4772	0.08	
			4771	1.00	
			4769	0.08	
			4768	0.05	
			4766	0.46	
			4765	0.12	रोड
			4763	0.03	
			4764	0.06	रोड
			4734	0.50	
			4733	0.13	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			4731	0.01	
			4732	0.01	
			4730	0.02	
			4723	0.02	Road
			4729	0.10	

[सं. : एल-1401/6/3/96-ओपी,]
प्रबोध सेन, निदेशक

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2669.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum & Natural Gas from Agartala Dome & Konaban to NEEPCO Power Plant (2nd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited near Circuit House, P.O. Abhaynagar, Agartala - 799005;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline Project : Agartala Dome and Konaban to Neepeco Power Plant (2nd Phase)

District	Tehshil	Village	Plot Number	Area (In Acres)	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
West Tripura	Prabhapur	Prabhapur	4846	0.10	
			4839	0.16	
			4847	0.21	
			4848	0.12	
			4849	0.14	
			4850	0.10	
			4851	0.21	
			4859	0.10	Road
			4852	0.13	
			4829	0.03	
			4814	0.06	Road
			4820	0.40	
			4816	0.02	
			4815	0.30	
			4813	0.28	
			4811	0.20	
			4806	0.20	
			4003	0.04	Road

1	2	3	4	5	6
			4807	0.32	
			4786	0.90	
			4791	0.02	
			4790	0.03	
			4789	0.01	
			4788	0.08	
			4787	0.05	
			4782	0.05	
			4779	0.20	
			4778	0.10	
			4776	0.14	
			4777	0.10	
			4775	0.01	
			4774	0.18	
			4773	0.11	
			4772	0.08	
			4771	1.00	
			4769	0.08	
			4768	0.05	
			4766	0.46	
			4765	0.12	Road
			4763	0.03	
			4764	0.06	Road
			4734	0.50	
			4733	0.13	
			4731	0.01	
			4732	0.01	
			4730	0.02	
			4723	0.02	Road
			4729	0.10	

[No. L-14016/3/96-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का. आ. 2670:—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि अग्ररतला डोम एवं कोनावास से नीचकी पावर प्लांट (द्वितीय चरण) अग्ररतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और अतिरिक्त पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करता है।

वर्णित कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभयनगर, अग्ररतला—799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सूचनाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइपलाइन परियोजना : भ्रमरतस्ला डीम एवं कौपावन से नीचको पात्रगलाट (विनिर्वाय चरण)

जिला	तहसील	गाँव	प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिम त्रिपुरा	श्री नगर	श्री नगर	167	0.05	
			172	0.11	
			171	0.03	
			173	0.52	
			174	0.20	
			847	0.40	
			816	0.06	
			850	0.30	
			879	0.03	
			851	0.30	
			852	0.14	
			9757	0.14	
			853	0.10	
			854	0.01	
			856	0.08	
			857	0.28	
			858	0.08	
			1009	0.12	
			859	0.10	
			860	0.09	
			189	0.12	रोड़
			770	0.10	
			776	0.10	
			774	0.15	
			777	0.24	
			778	0.10	
			781	0.15	
			780	0.10	नाला
			782	0.18	
			194	0.06	
			195	0.21	
			196	0.14	
			199	0.03	
			198	0.01	
			1287	0.05	रोड़
			1263	0.01	
			1262	0.20	
			1261	0.05	
			1254	0.24	
			1253	0.02	
			9646	0.02	
			1252	0.12	
			1251	0.08	
			1259	0.01	
			1250	0.08	
			1249	0.08	
			1236	0.05	
			1248	0.06	

अनुसूची
पाइपलाइन परियोजना: अगस्तलाहो एवं कोनावन से नीपकोपावर प्लांट (द्वितीय चरण)

जिला	तहसील	गांव	प्लाट संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
पश्चिम विजपुरा	श्री नगर	श्री नगर	1247	0.04	
			1246	0.05	
			1237	0.04	
			1245	0.08	
			1244	0.08	
			1243	0.05	
			1277	0.15	
			1241	0.20	
			1239	0.02	
			1240	0.06	
			1335	0.14	
			1336	0.10	
			1337	0.01	
			1334	0.08	
			1333	0.80	
			1330	0.10	
			1331	0.14	
			1339	0.01	
			1340	0.03	
			1341	0.32	
			1328	0.05	
			1342	0.08	
			1322	0.02	
			1343	0.07	
			1344	0.05	
			1345	0.01	
			1349	0.01	
			1350	0.08	
			1351	0.04	
			1386	0.20	
			1354	0.30	
			1385	0.08	
			1383	0.30	
			1396	0.05	
			1070	0.04	रोड
			9702	0.20	
			1074	0.12	
			1059	0.62	
			1051	0.14	
			1052	0.01	
			1107	0.10	
			1048	0.06	
			1045	0.03	
			1041	0.04	
			1108	0.10	
			9786	0.03	
			1040	0.03	
			1038	0.04	
			1109	0.05	
			1113	0.08	
			1027	0.06	रोड
			1022	0.05	रोड
			1036	0.01	
			1035	0.03	

1	2	3	4	5	6
			1034	0.07	
			1033	0.05	
			1032	0.05	
			1031	0.02	
			9788	0.12	
			1028	0.10	
			1025	0.08	
			1021	0.04	
			9787	0.08	
			1020	0.20	
			1018	0.01	
			1015	0.40	

[सं. एन-14016/3/96-जी.पी.]

अर्षेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O.— 2670 Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum & Natural Gas from Agartala Dome & Konaban to NEEPCO Power Plant (2nd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And Whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in th land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited, Near Circuit House, P.O. Abhaynagar, Agartala : 799005;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline Project : Agartala Dome and Konaban to Neepeco Power Plant (2nd Phase)

District	Tehsil	Village	Plot number	Area (in acres)	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
West Tripura	Srinagar	Srinagar	167	0.05	
			172	0.11	
			171	0.03	
			173	0.52	
			174	0.20	
			847	0.40	
			816	0.06	
			850	0.30	
			879	0.03	
			851	0.30	
			852	0.14	
			9757	0.14	
			853	0.10	

1	2	3	4	5	6
			854	0.01	
			856	0.08	
			857	0.28	
			858	0.08	
			1009	0.12	
			859	0.10	
			860	0.09	
			189	0.12	Road
			770	0.10	
			776	0.10	
			774	0.15	
			777	0.24	
			778	0.10	Nala
			781	0.15	
			780	0.10	
			782	0.18	
			194	0.06	
			195	0.21	
			196	0.14	
			199	0.03	
			198	0.01	
			1287	0.05	Road
			1263	0.01	
			1262	0.20	
			1261	0.05	
			1254	0.24	
			1253	0.02	
			9646	0.02	
			1252	0.12	
			1251	0.08	
			1259	0.01	
			1250	0.08	
			1249	0.08	
			1236	0.05	
			1248	0.06	
West Tripura	Srinagar	Srinagar	1247	0.04	
			1246	0.05	
			1237	0.04	
			1245	0.08	
			1244	0.08	
			1243	0.05	
			1277	0.15	
			1241	0.20	
			1239	0.02	
			1240	0.06	
			1335	0.14	
			1336	0.10	
			1337	0.01	
			1334	0.08	
			1333	0.80	
			1330	0.10	
			1331	0.14	
			1339	0.10	
			1340	0.03	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Srinagar	Srinagar	1341	0.32	
			1228	0.05	
			1342	0.08	
			1322	0.02	
			1343	0.07	
			1344	0.05	
			1345	0.01	
			1349	0.01	
			1350	0.08	
			1351	0.04	
			1386	0.20	
			1354	0.30	
			1385	0.08	
			1383	0.30	
			1396	0.05	
			1070	0.04	Road
			9702	0.20	
			1074	0.12	
			1059	0.62	
			1051	0.14	
			1052	0.01	
			1107	0.10	
			1048	0.06	
			1045	0.03	
			1041	0.04	
			1108	0.10	
			9786	0.03	
			1040	0.03	
			1038	0.04	
			1109	0.05	
			1113	0.08	
			1027	0.06	Road
			1022	0.05	Road
			1036	0.01	
			1035	0.03	
			1034	0.07	
			1033	0.05	
			1032	0.05	
			1031	0.02	
			9788	0.12	
			1028	0.10	
			1025	0.08	
			1021	0.04	
			9787	0.08	
			1020	0.20	
			1018	0.01	
			1015	0.40	

[No. L-14016/3/96-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का. आ. 2671:—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि अगरतला डोम एवं कोनाबन से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण) अगरतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभयनगर, अगरतला-799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुमवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अधिसूचना

पाइप लाइन परियोजना : अगरतला डोम एवं कोनाबन से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण)

जिला	तहसील	गांव	प्लाट संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	डुकली	डुकली	8151	0.03	
			8204	0.02	
			8202	0.02	

[सं. एन. 14016/3/96-जी पी.]

अर्थसु. सेन, निदेशक

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2671.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Agartala Dome and Konaban to NEEPCO Power Plant (2nd Phase), Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited, Near Circuit House, P.O. Abhaynagar, Agartala - 799005;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline Project : Agartala Dome and Konaban to Neeeco Power Plant (2nd Phase)

District	Tehsil	Village	Plot number	Area (in Acres)	Remarks
West Tripura	Dukli	Dukli	8151	0.03	
			8204	0.02	
			8202	0.02	

[No. L-14016/3/96-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का. आ. 2672:—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि अगरतला डोम एवं कोनाबान से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण) अगरतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अतिसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

वर्णित कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभयनगर, अगरतला—799005 को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायों की मार्फत।

अतिसूची

पाइप लाइन परियोजना : अगरतला डोम एवं कोनाबान से नीपको पावर प्लांट (द्वितीय चरण)

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल एकड़	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
पश्चिमी त्रिपुरा	मुर्या मिनतीर	मधुबन	5775	0.16	
			5777	0.22	
			6377	0.12	
			6378	0.16	
			5780	0.10	
			6380	0.16	
			5781	0.06	
			5782	0.03	
			5783	0.02	
			5786	0.44	
			5912	0.10	
			5733	0.18	
			5837	0.01	
			5828	0.06	
			5732	0.10	
			5729	0.05	
			5730	0.02	

1	2	3	4	5	6
	मधुवन (जारी)	5731	0.08		
		5832	0.01		
		5836	0.03		
		5713	0.20		
		5714	0.02		
		5711	0.02		
		5657	0.04	Road	
		7787	0.08		
		7786	0.02		
		5715	0.10		
		5699	0.01		
		5837	0.16		
		5692	0.10		
		5690	0.03		
		5909	0.20		
		5791	0.04		
		5792	0.04		
		5793	0.05		
		5794	0.01		
		5795	0.20		
		5796	0.10		
		5901	0.02		
		5797	0.03		
		5895	0.04		
		5894	0.22		
		5741	0.04	Road	
		5891	0.03	Road (PWD)	
		5808	0.04	Road (PWD)	
		5803	0.10		
		5812	0.35		
		5811	0.10		
		5816	0.20		
		5817	0.08		
		5735	0.01		
		5734	0.08		
		5825	0.10		
		5727	0.03		
		4817	0.18		
		4818	0.18		
		4847	0.18		
		7124	0.12		
		4848	0.04	Road	
		4849	0.01		
		4860	0.18		
		4845	0.01		
		4861	0.04		
		4862	0.02		
		7123	0.04		
		4858	0.10		
		4863	0.08		
		7849	0.08		
		4865	0.14		
		4866	0.18		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		मधुबन (जारी)	4873	0.05	
			4872	0.03	
			4867	0.12	
			4868	0.03	
			7121	0.08	
			4896	0.04	
			4895	0.12	
			4897	0.12	
			4899	0.06	
			4900	0.07	
			7782	0.07	
			4901	0.24	
			4902	0.12	
			4903	0.12	
			4920	0.35	
			6465	0.04	Road
			4921	0.04	Road
			4922	0.12	
			4923	0.10	
			4924	0.24	
			7793	0.05	
			7791	0.10	
			7792	0.02	
			7790	0.02	
			7789	0.07	
			4925	0.05	
			4963	0.12	
			7785	0.02	
			4962	0.04	
			4964	0.18	
			4965	0.04	
			4968	0.20	
			4969	0.01	
			4970	0.24	
			4972	0.12	
			4957	0.01	
			4975	0.05	
			4974	0.07	
			4973	0.26	
			4990	0.24	
			4989	0.05	
			5004	0.03	
			5006	0.01	
			4988	0.14	
			5008	0.30	Road
			5021	0.34	
			5015	0.02	Road
			5024	0.12	
			5023	0.10	
			5025	0.05	
			5026	0.02	
			5027	0.10	
			5028	0.01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिमि त्रिपुरा	सूर्यतर्जनी नगर	मधुवन	5029	0.07	
			7129	0.16	
			5030	0.01	
			7130	0.05	
			5031	0.06	
			5060	0.03	
			5059	0.12	
			5034	0.04	
			5033	0.04	
			5039	0.01	
			5058	0.12	
			5073	0.10	रोड (पी डब्ल्यू डी)
			5057	0.12	
			5056	0.10	
			5055	0.10	
			5054	0.10	
			5049	0.10	
			5043	0.14	
			5048	0.08	
			5044	0.07	
			5047	0.05	
			5046	0.04	
			5045	0.06	
			5050	0.07	
			1789	0.10	
			1791	0.01	
			1788	0.06	
			1787	0.04	रोड
			1754	0.02	(पी डब्ल्यू डी)
			1755	0.07	
			1756	0.50	
			6454	0.01	
			1558	0.02	
			1761	0.05	
			1762	0.04	
			1753	0.12	
			1763	0.02	
			1752	0.07	
			1768	0.30	
			1767	0.02	
			1766	0.07	
			1751	0.01	
			1769	0.52	
			1770	0.08	
			1771	0.12	
			1744	0.01	
			1743	0.02	
			1741	0.01	
			1779	0.16	
			1440	0.04	
			1733	0.20	
			1739	0.22	

1	2	3	4	5	6
पश्चिम त्रिपुरा	सुर्यामती नगर	मधुबन	1738	0.20	
			2086	0.10	
			2084	0.25	रोड
			2087	0.14	
			2088	0.10	
			2089	0.09	
			2090	0.08	
			2091	0.08	
			2079	0.02	
			2092	0.12	
			2093	0.10	
			2094	0.04	
			2095	0.02	
			2063	0.02	
			2062	0.01	
			2096	0.04	
			6953	0.04	
			7711	0.04	रोड
			2097	0.15	
			2098	0.30	
			2099	0.20	
			2100	0.06	
			2017	0.01	
			2101	0.01	
			2104	0.18	
			2105	0.10	
			2106	0.08	
			2103	0.04	नाया
			2005	0.02	नाया
			2004	0.08	
			2003	0.01	
			1999	0.05	
			2000	0.10	
			1995	0.02	
			1996	0.05	
			1997	0.01	
			1992	0.10	
			1993	0.08	
			1990	0.03	
			1989	0.12	
			2335	0.06	नाया
			1987	0.02	
			2348	0.05	
			2347	0.02	
			2349	0.05	
			2346	0.01	
			2353	0.08	
			2352	0.01	
			2354	0.10	
			2355	0.01	
			2359	0.06	

1	2	3	4	5	6
पश्चिम त्रिपुरा	सूर्यमान नगर	मधुबन	6718	0.01	
			7614	0.04	
			7619	0.02	
			2360	0.10	
			2344	0.01	
			2361	0.14	
			2362	0.47	
			7330	0.01	रोड
			2448	0.04	
			2503	0.14	
			2505	0.90	
			2549	0.01	
			2548	0.06	
			2547	0.14	
			2559	0.02	
			7505	0.08	
			2545	0.10	
			2551	0.12	
			2544	0.35	
			2541	0.01	
			2537	0.24	
			6874	0.12	
			2006	0.04	
			2009	0.02	

(संख्या एम. 14016/3/96-जी. पी.)

अर्चुन सोम निदेशक

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. No.2672.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum & Natural Gas from Agartala Dome & Konaban to NEEPCO Power Plant (2nd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, Whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided That any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited Near Circuit House, P.O. Abhaynagar, Agartala - 799005;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline Project : Agartala Dome and Konaban to Neepeco Power Plant (2nd Phase)

District	Tahshil	Village	Plot Number	Area (in Acres)	Remarks
West Tripura	Suryamaninagar	Madhuban	5775	0.16	
			5777	0.22	
			6377	0.12	

1	2	3	4	5	6
				6378	0.16
				5780	0.10
				6380	0.16
				5781	0.06
				5782	0.03
				5783	0.02
				5786	0.44
				5912	0.10
				5733	0.18
				5837	0.01
				5828	0.06
				5732	0.10
				5729,	0.05
				5730	0.02
				5731	0.08
				5832	0.01
				5836	0.03
				5713	0.20
				5714	0.02
				5711	0.02
				5657	0.04 Road
				7787	0.08
				7786	0.02
				5715	0.10
				5699	0.01
				5837	0.16
				5692	0.10
				5690	0.03
				5909	0.20
				5791	0.04
				5792	0.04
				5793	0.05
				5794	0.01
				5795	0.20
				5796	0.10
				5901	0.02
				5797	0.03
				5895	0.04
				5894	0.22
				5741	0.04 Road
				5891	0.03 Road (PWD)
				5808	0.04 Road (PWD)
				5803	0.10
				5812	0.35
				5811	0.10

Pipe line Project : Agartala Dome and Konaban to Neeeco Power Plant (2nd Phase)

District	Tehsil	Village	Plot Number	Area (In Acres)	Remarks
West Tripura	Suryamaninagar	Madhuban	5816	0.20	
			5817	0.08	
			5735	0.01	
			5734	0.08	
			5825	0.10	
			5727	0.03	
			4817	0.18	
			4818	0.18	
			4847	0.18	
			7124	0.12	
			4848	0.04	Road
			4849	0.01	
			4860	0.18	
			4845	0.01	
			4861	0.04	
			4862	0.02	
			7123	0.04	
			4858	0.10	
			4863	0.08	
			7849	0.08	
			4865	0.14	
			4866	0.18	
			4873	0.05	
			4872	0.03	
			4867	0.12	
			4868	0.03	
			7121	0.08	
			4896	0.04	
			4895	0.12	
			4897	0.12	
			4899	0.06	
			4900	0.07	
			7782	0.07	
			4901	0.23	
			4902	0.12	
			4903	0.12	
			4920	0.35	
			6465	0.04	Road
			4921	0.04	Road
			4922	0.12	
			4923	0.10	
			4924	0.24	
			7793	0.05	
			7791	0.10	
			7792	0.02	
			7790	0.02	
			7789	0.07	
			4925	0.05	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Suryamaninagar	Madhuban	4963	0.12	
			7785	0.02	
			4962	0.04	
			4964	0.18	
			4965	0.04	
			4968	0.20	
			4969	0.01	
			4970	0.24	
			4972	0.12	
			4957	0.01	
			4975	0.05	
			4974	0.07	
			4973	0.26	
			4990	0.24	
			4989	0.05	
			5004	0.03	
			5006	0.06	
			4988	0.14	
			5008	0.30	Road
			5021	0.34	
			5015	0.02	Road
			5024	0.12	
			5023	0.10	
			5025	0.05	
			5026	0.02	
			5027	0.10	
			5028	0.01	
			5029	0.07	
			7129	0.16	
			5030	0.01	
			7130	0.05	
			5031	0.06	
			5060	0.03	
			5059	0.12	
			5034	0.04	
			5033	0.04	
			5039	0.01	
			5058	0.12	
			5073	0.00	Road (PWD)
			5057	0.12	
			5056	0.10	
			5055	0.10	
			5054	0.10	
			5049	0.10	
			5043	0.14	
			5048	0.08	
			5044	0.07	
			5047	0.05	
			5046	0.04	
			5045	0.06	
			5050	0.07	
			1789	0.10	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Suryamaninagar	Madhuban	1791	0.01	
			1788	0.06	
			1787	0.04	Road
			1754	0.02	Road (PWD)
			1755	0.07	
			1756	0.50	
			6456	0.01	
			1558	0.02	
			1761	0.05	
			1762	0.04	
			1753	0.12	
			1763	0.02	
			1752	0.07	
			1768	0.30	
			1767	0.02	
			1766	0.07	
			1751	0.01	
			1769	0.52	
			1770	0.08	
			1771	0.12	
			1744	0.01	
			1743	0.02	
			1741	0.01	
			1779	0.16	
			1440	0.04	
			1733	0.20	
			1739	0.22	
			1738	0.20	
			2086	0.10	
			2084	0.25	Road
			2087	0.14	
			2088	0.10	
			2089	0.09	
			2090	0.08	
			2091	0.08	
			2079	0.02	
			2092	0.12	
			2093	0.10	
			2094	0.04	
			2095	0.02	
			2063	0.02	
			2062	0.01	
			2096	0.04	
			6953	0.04	
			7711	0.04	Road
			2097	0.15	
			2098	0.30	
			2099	0.20	
			2100	0.06	
			2017	0.01	
			2101	0.01	
			2104	0.18	
			2105	0.10	
			2106	0.08	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Suryamaninagar	Madhuban	2103	0.04	Nala
			2005	0.02	Nala
			2004	0.08	
			2003	0.01	
			1999	0.05	
			2000	0.10	
			1995	0.02	
			1996	0.05	
			1997	0.01	
			1992	0.10	
			1993	0.08	
			1990	0.03	
			1989	0.12	
			2335	0.06	Nala
			1987	0.02	
			2348	0.05	
			2347	0.02	
			2349	0.05	
			2346	0.01	
			2353	0.08	
			2352	0.01	
			2354	0.10	
			2355	0.01	
			2359	0.06	
			6718	0.01	
			7618	0.04	
			7619	0.02	
			2360	0.10	
			2344	0.01	
			2361	0.14	
			2362	0.47	
			7630	0.01	Road
			2448	0.04	Road
			2503	0.14	
			2505	0.90	
			2549	0.01	
			2548	0.06	
			2547	0.14	
			2559	0.02	
			7505	0.08	
			2545	0.10	
			2551	0.12	
			2544	0.35	
			2541	0.01	
			2537	0.24	
			6874	0.12	
			2006	0.04	
			2009	0.02	

[No. L-14016/3/96-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का. आ. 2673:—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अब इसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3122 तारीख 22 नवम्बर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम में पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आगम की घोषणा की थी, और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 अप्रैल, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी, और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाह सभ्य बिलंबनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

संख्या : गोपालपुरम

जिला : पश्चिम गोदावरी

राज्य - आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. / सब डिवीजन	हेक्टेयर	क्षेत्रफल (भार)	एक ड	सैण्ट	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
भागीदार	366/1	भाग	00	01.0	00	02
	366/2A	भाग	00	07.0	00	17
	366/2B	भाग	00	10.0	00	25
	366/2C	भाग	00	05.0	00	12
	365/3	भाग	00	19.0	00	47
	364	भाग	00	00.5	00	01
	367	भाग	00	00.5	00	01
	371/1	भाग	00	02.5	00	06
	371/2B	भाग	00	03.5	00	09
	371/2C	भाग	00	06.5	00	16
	371/2D	भाग	00	01.5	00	04
	371/2E	भाग	00	04.5	00	11
	371/3	भाग	00	10.0	00	25
	371/4	भाग	00	00.5	00	01
	371/5	भाग	00	00.5	00	01
	373/4	भाग	00	03.0	00	07
	372/1	भाग	00	07.0	00	17
	372/2	भाग	00	07.5	00	18
	372/3	भाग	00	04.0	00	10
	372/4	भाग	00	00.5	00	01
	375/1	भाग	00	08.5	00	21

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
भीमोलू (जारे)	377/1A	भाग	00	08.5	00	21	
	377/1B	भाग	00	20.0	00	50	
	385/3	भाग	00	20.0	00	50	
	450/1	भाग	00	09.5	00	23	
	450/2	भाग	00	12.0	00	30	
	435/1	भाग	00	24.5	00	60	
	435/2	भाग	00	11.5	00	29	
	436/2	भाग	00	13.0	00	32	
	431	भाग	00	01.0	00	02	
	430	भाग	00	23.0	00	57	
	429	भाग	00	29.5	00	73	
	424/2	भाग	00	03.0	00	08	
	425	भाग	00	19.5	00	48	
	483	भाग	00	24.5	00	61	
	479/1A	भाग	00	08.0	00	19	
	479/1C	भाग	00	29.5	00	73	
	479/2	भाग	00	03.0	00	07	
	178/2A	भाग	00	09.5	00	23	
	178/2B	भाग	00	18.0	00	45	
	178/2C	भाग	00	16.5	00	41	
	177	भाग	00	24.5	00	61	
	179/2	भाग	00	14.0	00	34	
	176	भाग	00	60.5	01	50	
	175	भाग	00	22.5	00	56	
	170/1	भाग	00	30.0	00	74	
	170/2	भाग	00	09.5	00	24	
	164/1B	भाग	00	18.0	00	44	
	167/1A	भाग	00	22.0	00	54	
	167/1B	भाग	00	00.5	00	01	
	166/2	भाग	00	24.0	00	59	
	149	भाग	00	33.0	00	81	
	137	भाग	00	14.0	00	34	
	135/1	भाग	00	19.5	00	48	
	132/1	भाग	00	02.0	00	05	
	130	भाग	00	19.5	00	48	
	129/1	भाग	00	15.0	00	37	
	129/2	भाग	00	18.5	00	46	
	शोपलापुरम	142/2	भाग	00	23.0	00	57
		142/3	भाग	00	06.5	00	16
		141	भाग	00	04.0	00	10
		64/1	भाग	00	02.5	00	06
		64/2	भाग	00	00.5	00	01
		139/3	भाग	00	07.5	00	18
68/1A		भाग	00	13.5	00	33	
68/1B		भाग	00	00.5	00	01	
68/2B		भाग	00	03.0	00	07	
68/2C		भाग	00	06.5	00	16	
69/1		भाग	00	10.0	00	25	
70/1A		भाग	00	01.0	00	03	
70/1B		भाग	00	10.5	00	26	
77/2C		भाग	00	02.0	00	05	
77/2D		भाग	00	02.0	00	05	
76		भाग	00	14.5	00	36	
78/1		भाग	00	03.5	00	09	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
गोपाल पुरम (जारी)	78/2	भाग	00	10.0	00	25
	78/3	भाग	00	06.5	00	16
	80/1	भाग	00	04.0	00	10
	84/2	भाग	00	03.5	00	09
	100	भाग	00	12.0	00	30
	101/1	भाग	00	37.0	00	91
	101/2	भाग	00	27.0	00	67
	101/3	भाग	00	07.5	00	18
	5/1	भाग	00	09.0	00	22
	107/1A	भाग	00	10.5	00	26
	107/1C	भाग	00	11.5	00	28
	108/5	भाग	00	00.5	00	01
	108/6	भाग	00	10.0	00	25
	108/7	भाग	00	06.0	00	15
वारीचे रत्नागुहेग	285/2	भाग	00	36.0	00	89
	284	भाग	00	20.5	00	51
	283	भाग	00	13.0	00	32
	287/3	भाग	00	19.0	00	47
	289/2	भाग	00	22.5	00	55
	290	भाग	00	26.5	00	65
	292/2	भाग	00	48.0	01	19
	293/2	भाग	00	00.5	00	01
	197/3A	भाग	00	13.0	00	32
	197/3B	भाग	00	18.0	00	45
	197/3D	भाग	00	16.0	00	40
	195/2	भाग	00	01.0	00	03
	196/1	भाग	00	22.0	00	54
	168/1A	भाग	00	00.5	00	01
	168/1B	भाग	00	00.5	00	01
	168/2A	भाग	00	01.0	00	03
	168/2B	भाग	00	07.5	00	19
	168/2C	भाग	00	07.5	00	18
	168/3	भाग	00	15.0	00	37
	167/2	भाग	00	00.5	00	01
	152/5	भाग	00	80.5	01	99
	151	भाग	01	29.0	03	20
	150/1	भाग	00	49.5	01	22
जगन्नाथपुरम	121	भाग	00	25.5	00	63
	119/9	भाग	00	01.5	00	04
	119/10	भाग	00	05.5	00	14
	124/2	भाग	00	32.5	00	80
	130/2	भाग	00	22.5	00	56
	130/3	भाग	00	08.0	00	20
	130/6	भाग	00	06.0	00	15
	130/7	भाग	00	06.0	00	15
	130/8	भाग	00	03.5	00	09
	112/6	भाग	00	00.5	00	01
	133/2	भाग	00	28.5	00	70
	134/10	भाग	00	22.5	00	55
	144/3	भाग	00	08.5	00	21

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जगन्नाथपुरम (जारी)	142/2	भाग	00	09.5	00	23
	141	भाग	00	12.5	00	31
	140	भाग	00	09.5	00	23
	170/2	भाग	00	22.0	00	54
	170/3	भाग	00	26.5	00	66
	175/2	भाग	00	05.5	00	14
	175/3	भाग	00	06.0	00	15
	175/4	भाग	00	06.0	00	15
	175/5	भाग	00	07.5	00	18
	194	भाग	00	69.5	01	72

[फा.सं. आर-31015/9/95-ओ आर.11]

के.सी. कटोच, अधर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2673 —Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S. O. 3122 dated the 22nd November 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijaywada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 12th April 1996;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And, further whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Gopalapuram

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Name of Village	Survey No./Sub Division	Area	Hectare	Area	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Bheemolu	366/1	Part	00	01.0	00	02
	366/2A	Part	00	07.0	00	17
	366/23	Part	00	10.0	00	25

1	2	3	4	5	6	
Bheemolu (Contd.)	366/2C	Part	00	05.0	00	12
	365/3	Part	00	19.0	00	47
	364	Part	00	00.5	00	01
	367	Part	00	00.5	00	01
	371/1	Part	00	02.5	00	06
	371/2B	Part	00	03.5	00	09
	371/2C	Part	00	06.5	00	16
	371/2D	Part	00	01.5	00	04
	371/2E	Part	00	04.5	00	11
	371/3	Part	00	10.0	00	25
	371/4	Part	00	00.5	00	01
	371/5	Part	00	00.5	00	01
	373/4	Part	00	03.0	00	07
	372/1	Part	00	07.0	00	17
	372/2	Part	00	07.5	00	18
	372/3	Part	00	04.0	00	10
	372/4	Part	00	00.5	00	01
	375/1	Part	00	08.5	00	21
	377/1A	Part	00	08.5	00	21
	377/1B	Part	00	20.0	00	50
	385/3	Part	00	20.0	00	50
	450/1	Part	00	09.5	00	23
	450/2	Part	00	12.0	00	30
	435/1	Part	00	24.5	00	60
	435/2	Part	00	11.5	00	29
	436/2	Part	00	13.0	00	32
	431	Part	00	01.0	00	02
	430	Part	00	23.0	00	57
	429	Part	00	29.5	00	73
	424/2	Part	00	03.0	00	08
	425	Part	00	19.5	00	48
	483	Part	00	24.5	00	61
	479/1A	Part	00	08.0	00	19
	479/1C	Part	00	29.5	00	73
	479/2	Part	00	03.0	00	07
	178/2A	Part	00	09.5	00	23
	178/2B	Part	00	18.0	00	45
	178/2C	Part	00	16.5	00	41
	177	Part	00	24.5	00	61
	179/2	Part	00	14.0	00	34
	176	Part	00	60.5	01	50
	175	Part	00	22.5	00	56
	170/1	Part	00	30.0	00	74
	170/2	Part	00	09.5	00	24
	164/1B	Part	00	18.0	00	44
	167/1A	Part	00	22.0	00	54
	167/1B	Part	00	00.5	00	01
	166/2	Part	00	24.0	00	59
	149	Part	00	33.0	00	81
	137	Part	00	14.0	00	34
	135/1	Part	00	19.5	00	48
	132/1	Part	00	02.0	00	05
	130	Part	00	19.5	00	48
	129/1	Part	00	15.0	00	37
	129/2	Part	00	18.5	00	46

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Gopalapuram	142/2	Part	00	23.0	00	57
	142/3	Part	00	06.5	00	16
	141	Part	00	04.0	00	10
	64/1	Part	00	02.5	00	06
	64/2	Part	00	00.5	00	01
	139/3	Part	00	07.5	00	18
	68/1A	Part	00	13.5	00	33
	68/1B	Part	00	00.5	00	01
	68/2B	Part	00	03.0	00	07
	68/2C	Part	00	06.5	00	16
	69/1	Part	00	10.0	00	25
	70/1A	Part	00	01.0	00	03
	70/1B	Part	00	10.5	00	26
	77/2C	Part	00	02.0	00	05
	77/2D	Part	00	02.0	00	05
	76	Part	00	14.5	00	36
	78/1	Part	00	03.5	00	09
	78/2	Part	00	10.0	00	25
	78/3	Part	00	06.5	00	16
	80/1	Part	00	04.0	00	10
	84/2	Part	00	03.5	00	09
	100	Part	00	12.0	00	30
	101/1	Part	00	37.0	00	91
	101/2	Part	00	27.0	00	67
	101/3	Part	00	07.5	00	18
	5/1	Part	00	09.0	00	22
	107/1A	Part	00	10.5	00	26
	107/1C	Part	00	11.5	00	28
	108/5	Part	00	00.5	00	01
	108/6	Part	00	10.0	00	25
	108/7	Part	00	06.0	00	15
Karicherlagudem	285/2	Part	00	36.0	00	89
	284	Part	00	20.5	00	51
	283	Part	00	13.0	00	32
	287/3	Part	00	19.0	00	47
	289/2	Part	00	22.5	00	55
	290	Part	00	26.5	00	65
	292/2	Part	00	48.0	01	19
	293/2	Part	00	00.5	00	01
	197/3A	Part	00	13.0	00	32
	197/3B	Part	00	18.0	00	45
	197/3D	Part	00	16.0	00	40

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Karicherlagudem—(Contd.)	195/2	Part	00	01.0	00	03
	196/1	Part	00	22.0	00	54
	168/1A	Full	00	00.5	00	01
	168/1B	Part	00	00.5	00	01
	168/2A	Part	00	01.0	00	03
	168/2B	Part	00	07.5	00	19
	168/2C	Part	00	07.5	00	18
	168/3	Part	00	15.0	00	37
	167/2	Part	00	00.5	00	01
	152/5	Part	00	80.5	01	99
	151	Part	01	29.0	03	20
	150/1	Part	00	49.5	01	22
Jagannadhapuram	121	Part	00	25.5	00	63
	119/9	Part	00	01.5	00	04
	119/10	Part	00	05.5	00	14
	124/2	Part	00	32.5	00	80
	130/2	Part	00	22.5	00	56
	130/3	Part	00	08.0	00	20
	130/6	Part	00	06.0	00	15
	130/7	Part	00	06.0	00	15
	130/8	Part	00	03.5	00	09
	112/6	Part	00	00.5	00	01
	133/2	Part	00	28.5	00	70
	134/10	Part	00	22.5	00	55
	144/3	Part	00	08.5	00	21
	142/2	Part	00	09.5	00	23
	141	Part	00	12.5	00	31
	140	Part	00	09.5	00	23
	170/2	Part	00	22.0	00	54
	170/3	Part	00	26.5	00	66
	175/2	Part	00	05.5	00	14
	175/3	Part	00	06.0	00	15
	175/4	Part	00	06.0	00	15
	175/5	Part	00	07.5	00	18
	194	Part	00	69.5	01	72

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का. आ. 2674—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अब से इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2849, तारीख 10 अक्टूबर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम में पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्रप्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 25 नवम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी, और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विलंबनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : सम्भावरा

जिला : विशाखापट्टणम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम का नाम	सर्वे नं./सब डिवीजन	हेक्टेर	क्षेत्रफल		सेन्ट
			आर.	एकड़	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नारपाडु	211 भाग	00	09.0	00	22
	187/17 भाग	00	09.5	00	24
	187/30 भाग	00	01.5	00	04
	187/31 भाग	00	05.5	00	13
	187/33 भाग	00	00.5	00	01
	185/2 भाग	00	00.5	00	01
	185/7 भाग	00	00.5	00	01
	185/10 भाग	00	01.5	00	04
	185/11 भाग	00	08.5	00	21
	185/12 भाग	00	00.5	00	01
	183/2 भाग	00	02.5	00	06
	183/3 भाग	00	02.0	00	05
	183/5 भाग	00	03.0	00	08
	183/6 भाग	00	00.5	00	01
	183/9 भाग	00	00.5	00	01
	183/21 भाग	00	01.0	00	02
	183/22 भाग	00	00.5	00	01
	183/23 भाग	00	03.5	00	09
	183/25 भाग	00	00.5	00	01
	183/28 भाग	00	04.0	00	10
	183/29 भाग	00	01.0	00	03
	183/37 भाग	00	01.0	00	02
	180/16 भाग	00	05.0	00	12
	180/17 भाग	00	01.0	00	02
	180/26 भाग	00	03.5	00	09

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नारियण्ड (अरि)	180/27 भाग	00	04.5	00	11
	180/30 "	00	01.0	00	02
	180/32 "	00	04.5	00	11
	180/33 "	00	01.0	00	03
	180/35 "	00	01.0	00	03
	180/34 "	00	02.5	00	06
	137/15 "	00	05.5	00	13
	137/16 "	00	05.5	00	13
	137/13 "	00	02.5	00	06
	137/12 "	00	03.0	00	07
	137/11 "	00	06.0	00	15
	141/1 "	00	02.0	00	05
	143/1R "	00	01.5	00	04
	143/1T "	00	04.5	00	11
	143/1W "	00	07.5	00	18
	143/1X "	00	02.0	00	05
गालिभीमबरम्	21/3 "	00	00.5	00	01
	21/4 "	00	03.5	00	09
	21/5 "	00	05.0	00	12
	21/6 "	00	00.5	00	01
	21/8 "	00	05.5	00	14
	21/10 "	00	00.5	00	01
	22/19 "	00	03.0	00	07
	22/20 "	00	02.5	00	06
	87/1 "	00	01.0	00	03
	87/2 "	00	03.0	00	08
	87/3 "	00	01.0	00	02
	86/1 "	00	04.0	00	10
	86/2 "	00	01.0	00	03
	86/5 "	00	04.5	00	11
	86/6 "	00	00.5	00	01
	85/4 "	00	02.0	00	05
	85/9 "	00	10.0	00	25
	90/1 "	00	01.5	00	04
	90/2 "	00	01.5	00	04
	90/3 "	00	02.0	00	05
	90/4 "	00	01.5	00	04
	84/4 "	00	00.5	00	01
	84/11 "	00	00.5	00	01
	84/12 "	00	01.0	00	02
	84/13 "	00	04.0	00	10
	84/14 "	00	00.5	00	01
	84/15 "	00	01.0	00	02
	84/16 "	00	00.5	00	01
	84/17 "	00	02.0	00	05
	84/18 "	00	03.0	00	07
	78/1 "	00	06.0	00	15
	83/3 "	00	00.5	00	01
	83/5 "	00	00.5	00	01
	83/6 "	00	02.5	00	06
	83/7 "	00	00.5	00	01
	83/8 "	00	03.0	00	08
	83/9 "	00	03.5	00	09

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(5)	
शांतिनिकेतन—(जारी)	83/12B	भाण	00	00.5	00	0	
	83/12C	"	00	06.5	00	16	
	82/1	"	00	00.5	00	01	
	82/2	"	00	00.5	00	01	
	81/1	"	00	03.5	00	09	
	81/2	"	00	01.5	00	04	
	81/3	"	00	00.5	00	01	
	81/6	"	00	01.5	00	04	
	81/7	"	00	00.5	00	01	
	28/1B	"	00	03.0	00	07	
	45/2	"	00	03.5	00	08	
	48/6	"	00	03.0	00	08	
	47/3	"	00	01.0	00	02	
	47/6	"	00	03.0	00	08	
	46/3	"	00	17.0	00	42	
	46/4	"	00	18.0	00	44	
	46/5	"	00	00.5	00	01	
	46/7H	"	00	05.5	00	14	
	डॉ. सीतारामपुरम	4/1	"	00	00.5	00	01
		5/2	"	00	21.0	00	52
6		"	00	01.0	00	03	
3/1		"	00	02.5	00	06	
3/2		"	00	11.5	00	29	
13/1		"	00	16.0	00	39	
13/2		"	00	05.5	00	14	
13/3		"	00	16.5	00	41	
13/8		"	00	01.5	00	04	
15/1		"	00	37.5	00	93	
15/4		"	00	01.0	00	03	
22		"	00	12.5	00	31	
26		"	00	31.5	00	78	
25		"	00	48.5	01	20	
इकनाडा		4/5	"	00	04.5	00	11
	4/6	"	00	02.0	00	05	
	4/7	"	00	00.5	00	01	
	4/8	"	00	04.0	00	10	
	4/9	"	00	09.5	00	24	
	4/10	"	00	04.0	00	10	
	4/11	"	00	04.5	00	11	
	9/1	"	00	05.0	00		
	9/6	"	00	03.0	00	37	
	9/7	"	00	03.5	00	09	
	9/8	"	00	03.5	00	09	
	10/9	"	00	01.0	00	02	
	10/10	"	00	00.5	00	01	
	10/11	"	00	10.0	00	25	
	10/17	"	00	02.5	00	06	
	10/18	"	00	03.5	00	09	
	10/19	"	00	00.5	00	01	
	10/30	"	00	01.0	00	02	
	10/31	"	00	01.5	00	04	
	14	"	00	11.5	00	28	

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
इरुवाडा---(जारी)	15/4	भाप	00	07.5	00	19
	18/3	"	00	06.0	00	15
	18/16	"	00	01.0	00	03
	18/17	"	00	03.5	00	09
	18/18	"	00	02.0	00	05
	18/19	"	00	00.5	00	01
	135/1	"	00	01.0	00	
	135/9	"	00	03.5	00	09
	135/10	"	00	01.5	00	04
	135/12	"	00	06.0	00	15
	135/14	"	00	01.0	00	03
	135/15	"	00	03.0	00	07
	135/19	"	00	01.5	00	04
	135/20	"	00	02.0	00	05
	135/29	"	00	00.5	00	01
	135/31	"	00	04.0	00	10
	151/7	"	00	04.0	00	10
	151/10	"	00	03.0	00	08
	146/1	"	00	09.5	00	24
	146/3	"	00	09.5	00	24
	146/4	"	00	06.0	00	15
	144/13	"	00	02.0	00	05
	144/18	"	00	10.5	00	26
अरुक्पल्लि	17/14	"	00	02.5	00	06
	17/17	"	00	05.5	00	14
	17/20	"	00	02.5	00	06
	17/21	"	00	03.0	00	08
	17/22	"	00	06.0	00	15
	17/34	"	00	11.5	00	29
	20/1C	"	00	07.5	00	19
	20/2A	"	00	04.5	00	11
	20/2B	"	00	03.5	00	09
	25/1	"	00	03.0	00	08
मोल्सखलेम	45/4	"	00	06.0	00	15
	44/1	"	00	21.0	00	52
अ मृतपुरम	379/5	"	00	25.0	00	62
	379/6	"	00	23.0	00	57
	379/7	"	00	15.5	00	38
	395/2	"	00	00.5	00	01
	395/3	"	00	06.5	00	16
	395/5	"	00	00.5	00	01
	350/29	"	00	10.5	00	26
	350/30	"	00	01.5	00	04
	350/31	"	00	02.0	00	05
	350/32	"	00	01.0	00	03
	350/33	"	00	02.5	00	06
	350/34	"	00	01.0	00	02
	350/35	"	00	04.5	00	11
	350/39	"	00	03.5	00	09
	350/40	"	00	02.5	00	06
	350/41	"	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
अमृत पुरम (जारी)	350/42	भाग	00	02.5	00 06
	350/45	"	00	05.0	00 12
	350/49	"	00	01.5	00 04
	433/4	"	00	19.5	00 48
	433/11	"	00	10.0	00 25
	351/1A	"	00	25.5	00 63
	340/3	"	00	04.5	00 11
	299/1	"	00	01.0	00 03
	299/2	"	00	02.0	00 05
	299/3	"	00	02.5	00 06
	299/4	"	00	03.5	00 09
	299/6	"	00	01.5	00 04
	299/7	"	00	02.0	00 05
	299/8	"	00	00.5	00 01
	299/9	"	00	04.0	00 10
	299/14	"	00	05.0	00 12
	299/20	"	00	02.0	00 05
	299/24	"	00	03.5	00 09
	299/26	"	00	01.5	00 04
	285/6	"	00	08.5	00 21
	285/7	"	00	18.0	00 45
	428/4	"	00	02.0	00 05
	428/6	"	00	02.0	00 05
	428/7	"	00	02.0	00 05
	428/8	"	00	06.0	00 15
	428/9	"	00	04.0	00 10
	428/11	"	00	02.0	00 05
	428/13	"	00	02.0	00 05
	428/34	"	00	01.5	00 04
	428/35	"	00	00.5	00 01
	430/3A	"	00	01.0	00 02
	291/2	"	00	06.0	00 15
	291/9	"	00	06.0	00 15
	291/10	"	00	02.5	00 06
	291/14	"	00	07.5	00 19
	291/15	"	00	01.0	00 02

[फा.सं.-आर 31015/4/95-ओ.आर. II]

के.सी. कटोण, प्रवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2674.—Whereas, by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2849 dated the 10th October, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in Lands) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act.), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijaywada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And, whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 25th November 1995;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And, further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Sabbavaram

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey No./Sub. Division		Area			
			Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Narapadu	211	Part	00	09.0	00	22
	187/17	Part	00	09.5	00	24
	187/30	Part	00	01.5	00	04
	187/31	Part	00	05.5	00	13
	187/33	Part	00	00.5	00	01
	185/2	Part	00	00.5	00	01
	185/7	Part	00	00.5	00	01
	185/10	Part	00	01.5	00	04
	185/11	Part	00	08.5	00	21
	185/12	Part	00	00.5	00	01
	183/2	Part	00	02.5	00	06
	183/3	Part	00	02.0	00	05
	183/5	Part	00	03.0	00	08
	183/6	Part	00	00.5	00	01
	183/9	Part	00	00.5	00	01
	183/21	Part	00	01.0	00	02
	183/22	Part	00	00.5	00	01
	183/23	Part	00	03.5	00	09
	183/25	Part	00	00.5	00	01
	183/28	Part	00	04.0	00	10
	183/29	Part	00	01.0	00	03
	183/37	Part	00	01.0	00	02
	180/16	Part	00	05.0	00	12
	180/17	Part	00	01.0	00	02
	180/26	Part	00	03.5	00	09
	180/27	Part	00	04.5	00	11
	180/30	Part	00	01.0	00	02
	180/32	Part	00	04.5	00	11
	180/33	Part	00	01.0	00	03
	180/35	Part	00	01.0	00	03
	180/34	Part	00	02.5	00	06
	137/15	Part	00	05.5	00	13
	137/16	Part	00	05.5	00	13
	137/13	Part	00	02.5	00	06
	137/12	Part	00	03.0	00	07
	137/11	Part	00	06.0	00	15

Narapadu—(Contd.)	141/1	Part	00	02.0	00	05
	143/1R	Part	00	01.5	00	04
	143/1T	Part	00	04.5	00	11
	143/1W	Part	00	07.5	00	18
	143/1X	Part	00	02.0	00	05
Galibheemavaram (Contd.)	21/3	Part	00	00.5	00	01
	21/4	Part	00	03.5	00	09
	21/5	Part	00	05.0	00	12
	21/6	Part	00	00.5	00	01
	21/8	Part	00	05.5	00	14
	21/10	Part	00	00.5	00	01
	22/19	Part	00	03.0	00	07
	22/20	Part	00	02.5	00	06
	87/1	Part	00	01.0	00	03
	87/2	Part	00	03.0	00	08
	87/3	Part	00	01.0	00	02
	86/1	Part	00	04.0	00	10
	86/2	Part	00	01.0	00	03
	86/5	Part	00	04.5	00	11
	86/6	Part	00	00.5	00	01
	85/4	Part	00	02.0	00	05
	85/9	Part	00	10.0	00	25
	90/1	Part	00	01.5	00	04
	90/2	Part	00	01.5	00	04
	90/3	Part	00	02.0	00	05
	90/4	Part	00	01.5	00	04
	84/4	Part	00	00.5	00	01
	84/11	Part	00	00.5	00	01
	84/12	Part	00	01.0	00	02
	84/13	Part	00	04.0	00	10
	84/14	Part	00	00.5	00	01
	84/15	Part	00	01.0	00	02
	84/16	Part	00	00.5	00	01
	84/17	Part	00	02.0	00	05
	84/18	Part	00	03.0	00	07
	78/1	Part	00	06.0	00	15
	83/3	Part	00	00.5	00	01
	83/5	Part	00	00.5	00	01
	83/6	Part	00	02.5	00	06
	83/7	Part	00	00.5	00	01
	83/8	Part	00	03.0	00	08
	83/9	Part	00	03.5	00	09
	83/12B	Part	00	00.5	00	01
	83/12C	Part	00	06.5	00	16
	82/1	Part	00	00.5	00	01
	82/2	Part	00	00.5	00	01
	81/1	Part	00	03.5	00	09
	81/2	Part	00	01.5	00	04
	81/3	Part	00	00.5	00	01
	81/6	Part	00	01.5	00	04
	81/7	Part	00	00.5	00	01
	28/1B	Part	00	03.0	00	07
	45/2	Part	00	03.5	00	08
	48/6	Part	00	03.0	00	08

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Galibheemavaram (Contd.)	47/3	Part	00	01.0	00	02
	47/6	Part	00	03.0	00	08
	46/3	Part	00	17.0	00	42
	46/4	Part	00	18.0	00	44
	46/5	Part	00	00.5	00	01
	46/7H	Part	00	05.5	00	14
D. Sitaramapuram	4/1	Part	00	00.5	00	01
	5/2	Part	00	21.0	00	52
	6	Part	00	01.0	00	03
	3/1	Part	00	02.5	00	06
	3/2	Part	00	11.5	00	29
	13/1	Part	00	16.0	00	39
	13/2	Part	00	05.5	00	14
	13/3	Part	00	16.5	00	41
	13/8	Part	00	01.5	00	04
	15/1	Part	00	37.5	00	93
	15/4	Part	00	01.0	00	03
	22	Part	00	12.5	00	31
	26	Part	00	31.5	00	78
	25	Part	00	48.5	01	20
	Iruvada	4/5	Part	00	04.5	00
4/6		Part	00	02.0	00	05
4/7		Part	00	00.5	00	01
4/8		Part	00	04.0	00	10
4/9		Part	00	09.5	00	24
4/10		Part	00	04.0	00	10
4/11		Part	00	04.5	00	11
9/1		Part	00	05.0	00	12
9/6		Part	00	03.0	00	07
9/7		Part	00	03.5	00	09
9/8		Part	00	03.5	00	09
10/9		Part	00	01.0	00	02
10/10		Part	00	00.5	00	01
10/11		Part	00	10.0	00	25
10/17		Part	00	02.5	00	06
10/18		Part	00	03.5	00	09
10/19		Part	00	00.5	00	01
10/30		Part	00	01.0	00	02
10/31		Part	00	01.5	00	04
14		Part	00	11.5	00	28
15/4		Part	00	07.5	00	19
18/3		Part	00	06.0	00	15
18/16		Part	00	01.0	00	03
18/17		Part	00	03.5	00	09
18/18		Part	00	02.0	00	05
18/19		Part	00	00.5	00	01
135/1		Part	00	01.0	00	03
135/9		Part	00	03.5	00	09
135/10		Part	00	01.5	00	04
135/12		Part	00	06.0	00	15

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Iruvada (Contd.)	135/14	Part	00	01.0	00	03	
	135/15	Part	00	03.0	00	07	
	135/19	Part	00	01.5	00	04	
	135/20	Part	00	02.0	00	05	
	135/29	Part	00	00.5	00	01	
	135/31	Part	00	04.0	00	10	
	151/7	Part	00	04.0	00	10	
	151/10	Part	00	03.0	00	08	
	146/1	Part	00	09.5	00	24	
	146/3	Part	00	09.5	00	24	
	146/4	Part	00	06.0	00	15	
	144/13	Part	00	02.0	00	05	
	144/18	Part	00	10.5	00	26	
	Asakapalli	17/14	Part	00	02.5	00	06
		17/17	Part	00	05.5	00	14
17/20		Part	00	02.5	00	06	
17/21		Part	00	03.0	00	08	
17/22		Part	00	06.0	00	15	
17/34		Part	00	11.5	00	29	
20/1C		Part	00	07.5	00	19	
20/2A		Part	00	04.5	00	11	
20/2B		Part	00	03.5	00	09	
25/1		Part	00	03.0	00	08	
Gollalapalem		45/4	Part	00	06.0	00	15
		44/1	Part	00	21.0	00	52
Amrutapuram	379/5	Part	00	25.0	00	62	
	379/6	Part	00	23.0	00	57	
	379/7	Part	00	15.5	00	38	
	395/2	Part	00	00.5	00	01	
	395/3	Part	00	06.5	00	16	
	395/5	Part	00	00.5	00	01	
	350/29	Part	00	10.5	00	26	
	350/30	Part	00	01.5	00	04	
	350/31	Part	00	02.0	00	05	
	350/32	Part	00	01.0	00	03	
	350/33	Part	00	02.5	00	06	
	350/34	Part	00	01.0	00	03	
	350/35	Part	00	04.5	00	11	
	350/39	Part	00	03.5	00	09	
	350/40	Part	00	02.5	00	06	
	350/41	Part	00	02.5	00	06	
	350/42	Part	00	02.5	00	06	
	350/45	Part	00	05.0	00	12	
	350/49	Part	00	01.5	00	04	
	433/4	Part	00	19.5	00	48	
	433/11	Part	00	10.0	00	25	
	351/1A	Part	00	25.5	00	63	
	340/3	Part	00	04.5	00	11	
	299/1	Part	00	01.0	00	03	
	299/2	Part	00	02.0	00	05	
	299/3	Part	00	02.5	00	06	
	299/4	Part	00	03.5	00	09	
	299/6	Part	00	01.5	00	04	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Amrutpuram (Contd.)	299/7	Part	00	02.0	00	05
	299/8	Part	00	00.5	00	01
	299/9	Part	00	04.0	00	10
	299/14	Part	00	05.0	00	12
	299/20	Part	00	02.0	00	05
	299/24	Part	00	03.5	00	09
	299/26	Part	00	01.5	00	04
	285/6	Part	00	08.5	00	21
	285/7	Part	00	18.0	00	45
	428/4	Part	00	02.0	00	05
	428/6	Part	00	02.0	00	05
	428/7	Part	00	02.0	00	05
	428/8	Part	00	06.0	00	15
	428/9	Part	00	04.0	00	10
	428/11	Part	00	02.0	00	05
	428/13	Part	00	02.0	00	05
	428/34	Part	00	01.5	00	04
	428/35	Part	00	00.5	00	01
	430/3A	Part	00	01.0	00	02
	291/2	Part	00	06.0	00	15
	291/9	Part	00	06.0	00	15
	291/10	Part	00	02.5	00	06
	291/14	Part	00	07.5	00	19
	291/15	Part	00	01.0	00	02

[F.No. R-31015/4/95—OR.II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.आ. 2675.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अब से इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2848 तारीख 10 अक्टूबर, 1995 द्वारा विशालापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 नवम्बर, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलंबनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : पेरुङ्गी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ज़िला : विशाखपट्टणम

ग्राम	गवर्न. : / सर्वे विविजन		क्षेत्रफल		एकड़	सेन्ट
	(1)	(2)	हेक्टेयर	आर		
नरया			(3)	(4)	(5)	(6)
	477/3	भाग	00	01.0	00	02
	477/4	भाग	00	12.5	00	31
	477/5	भाग	00	05.5	00	13
	478/8	भाग	00	02.5	00	06
	478/12	भाग	00	01.0	00	02
	478/14	भाग	00	02.0	00	05
	485/1	भाग	00	13.5	00	33
	485/11A	भाग	00	04.0	00	10
	479/1	भाग	00	01.0	00	02
	479/8A	भाग	00	02.0	00	05
	483/1	भाग	00	01.0	00	02
	483/2	भाग	00	08.0	00	20
	483/3	भाग	00	05.0	00	12
	480/1	भाग	00	03.0	00	07
	481/8	भाग	00	05.5	00	13
	409/1	भाग	00	05.5	00	13
	409/2	भाग	00	07.0	00	17
	409/5 f	भाग	00	06.5	00	16
	409/7	भाग	00	04.0	00	10
	409/8	भाग	00	05.0	00	12
	410/1	भाग	00	01.0	00	03
	410/2	भाग	00	11.0	00	27
	415/1	भाग	00	04.5	00	11
	415/2	भाग	00	02.0	00	05
	415/3	भाग	00	01.0	00	02
	415/4	भाग	00	03.5	00	09
	415/5	भाग	00	04.5	00	11
	415/6	भाग	00	03.0	00	08
	415/9A	भाग	00	02.0	00	05
	441	भाग	00	01.0	00	03
	417	भाग	00	09.0	00	22
	418/8	भाग	00	02.0	00	05
	418/10	भाग	00	00.5	00	01
	418/13	भाग	00	01.0	00	03
	418/14	भाग	00	06.0	00	15
	421/10	भाग	00	01.5	00	04
	421/11	भाग	00	08.0	00	20
	421/15	भाग	00	00.5	00	01
	421/16	भाग	00	06.5	00	16
	421/20	भाग	00	01.0	00	02
	421/21	भाग	00	03.0	00	08
	421/22	भाग	00	02.0	00	05
	420/12	भाग	00	04.0	00	10
	420/16	भाग	00	03.0	00	07
	420/17	भाग	00	01.0	00	02
	315/23	भाग	00	01.0	00	03
	315/25	भाग	00	05.5	00	13
	316/4	भाग	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
नरखा (जारी)	316/5	भाग	00	07.5	00	18	
	316/6	भाग	00	02.5	00	06	
	316/7	भाग	00	03.0	00	07	
	316/8	भाग	00	01.0	00	03	
	316/9	भाग	00	02.0	00	05	
	316/10	भाग	00	03.0	00	08	
	316/11	भाग	00	03.0	00	08	
	316/12	भाग	00	00.5	00	01	
	316/17	भाग	00	04.0	00	10	
	316/22	भाग	00	00.5	00	01	
	317/5	भाग	00	01.0	00	02	
	317/6	भाग	00	04.0	00	10	
	317/8	भाग	00	05.0	00	12	
	317/9	भाग	00	01.0	00	02	
	318	भाग	00	08.0	00	20	
	319/4	भाग	00	52.0	01	28	
	7/1	भाग	00	23.5	00	58	
	7/4M	भाग	00	44.0	01	09	
	24/1	भाग	00	11.5	00	29	
	24/3	भाग	00	39.5	00	98	
	24/4	भाग	00	14.0	00	35	
	26	भाग	00	00.5	00	01	
	28/1	भाग	00	21.5	00	53	
	57	भाग	00	18.0	00	45	
	54/1	भाग	00	14.5	00	36	
	61	भाग	00	18.0	00	45	
	477/6	भाग	00	00.5	00	01	
	27/11	भाग	00	04.5	00	11	
	फेरे पोतुला पालेम	81/1	भाग	00	16.0	00	40
		76/3	भाग	00	21.0	00	52
		76/5	भाग	00	00.5	00	01
		80/3	भाग	00	11.0	00	27
		80/4	भाग	00	15.0	00	37
79/7		भाग	00	12.0	00	30	
79/9		भाग	00	08.0	00	20	
79/10		भाग	00	01.0	00	02	
79/13		भाग	00	02.0	00	05	
79/14		भाग	00	02.0	00	05	
79/15		भाग	00	02.0	00	05	
79/16		भाग	00	02.0	00	05	
79/18		भाग	00	00.5	00	01	
74/4		भाग	00	01.0	00	02	
74/5		भाग	00	00.5	00	01	
74/6		भाग	00	00.5	00	01	
74/7		भाग	00	12.0	00	30	
चिन्तागट्टला	79/3	भाग	00	16.0	00	40	
	83/2	भाग	00	04.0	00	10	
	83/3	भाग	00	04.5	00	11	
	83/4	भाग	00	04.5	00	11	
	83/5	भाग	00	04.5	00	11	
	83/6	भाग	00	04.5	00	11	
	83/7	भाग	00	04.5	00	11	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
विस्तारगटला (जारी)	83/8	भाग	00	04.5	00	11
	83/9	भाग	00	04.5	00	11
	83/10	भाग	00	04.5	00	11
	84/4	भाग	00	21.0	00	52
	84/5	भाग	00	04.5	00	11
	85/1	भाग	00	05.5	00	13
	85/2	भाग	00	05.5	00	13
	85/3	भाग	00	05.5	00	13
	85/4	भाग	00	05.5	00	13
	85/5	भाग	00	05.5	00	13
	85/6	भाग	00	05.5	00	13
	86/2	भाग	00	12.0	00	30
	86/4	भाग	00	06.0	00	15

[फा० सं० आर०—31015/2/95/ऑ०आर०—II]

के०सी० कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2675—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2848 dated the 10th October, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act,) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 23rd November, 1995;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And, further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Pendurti

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village

Survey No./Sub. Division

Area

Hectare

Ares

Acre

Cents

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

(6)

Narava

477/3

Part

00

01.0

00

02

477/4

Part

00

12.5

00

31

477/5

Part

00

05.5

00

13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Narava—(Contd.)	478/8	Part	00	02.5	00	06
	478/12	Part	00	01.0	00	02
	478/14	Part	00	02.0	00	05
	485/1	Part	00	13.5	00	33
	485/11A	Part	00	04.0	00	10
	479/1	Part	00	01.0	00	02
	479/8A	Part	00	02.0	00	05
	483/1	Part	00	01.0	00	02
	483/2	Part	00	08.0	00	20
	483/3	Part	00	05.0	00	12
	480/1	Part	00	03.0	00	07
	481/8	Part	00	05.5	00	13
	409/1	Part	00	05.5	00	13
	409/2	Part	00	07.0	00	17
	409/5	Part	00	06.5	00	16
	409/7	Part	00	04.0	00	10
	409/8	Part	00	05.0	00	12
	410/1	Part	00	01.0	00	03
	410/2	Part	00	11.0	00	27
	415/1	Part	00	04.5	00	11
	415/2	Part	00	02.0	00	05
	415/3	Part	00	01.0	00	02
	415/4	Part	00	03.5	00	09
	415/5	Part	00	04.5	00	11
	415/6	Part	00	03.0	00	08
	415/9A	Part	00	02.0	00	05
	441	Part	00	01.0	00	03
	417	Part	00	09.0	00	22
	418/8	Part	00	02.0	00	05
	418/10	Part	00	00.5	00	01
	418/13	Part	00	01.0	00	03
	418/14	Part	00	06.0	00	15
	421/10	Part	00	01.5	00	04
	421/11	Part	00	08.0	00	20
	421/15	Part	00	00.5	00	01
	421/16	Part	00	06.5	00	16
	421/20	Part	00	01.0	00	02
	421/21	Part	00	03.0	00	08
	421/22	Part	00	02.0	00	05
	420/12	Part	00	04.0	00	10
	420/16	Part	00	03.0	00	07
	420/17	Part	00	01.0	00	02
	315/23	Part	00	01.0	00	03
	315/25	Part	00	05.5	00	13
	316/4	Part	00	00.5	00	01
	316/5	Part	00	07.5	00	18
	316/6	Part	00	02.5	00	06
	316/7	Part	00	03.0	00	07
	316/8	Part	00	01.0	00	03
	316/9	Part	00	02.0	00	05
	316/10	Part	00	03.0	00	08
	316/11	Part	00	03.0	00	08
	316/12	Part	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Narava— (Contd.)	316/17	Part	00	04.0	00	10
	316/22	Part	00	00.5	00	01
	317/5	Part	00	01.0	00	02
	317/6	Part	00	04.0	00	10
	317/8	Part	00	05.0	00	12
	317/9	Part	00	01.0	00	02
	318	Part	00	08.0	00	20
	319/4	Part	00	52.0	01	28
	7/1	Part	00	23.5	00	58
	7/4M	Part	00	44.0	01	09
	24/1	Part	00	11.5	00	29
	24/3	Part	00	39.5	00	98
	24/4	Part	00	14.0	00	35
	26	Part	00	00.5	00	01
	28/1	Part	00	21.5	00	53
	57	Part	00	18.0	00	45
	54/1	Part	00	14.5	00	36
	61	Part	00	18.0	00	45
	477/6	Part	00	00.5	00	01
	27/11	Part	00	04.5	00	11
Jerripotulapalem	81/1	Part	00	16.0	00	40
	76/3	Part	00	21.0	00	52
	76/5	Part	00	00.5	00	01
	80/3	Part	00	11.0	00	27
	80/4	Part	00	15.0	00	37
	79/7	Part	00	12.0	00	30
	79/9	Part	00	08.0	00	20
	79/10	Part	00	01.0	00	02
	79/13	Part	00	02.0	00	05
	79/14	Part	00	02.0	00	05
	79/15	Part	00	02.0	00	05
	79/16	Part	00	02.0	00	05
	79/18	Part	00	00.5	00	01
	74/4	Part	00	01.0	00	02
	74/5	Part	00	00.5	00	01
	74/6	Part	00	00.5	00	01
	74/7	Part	00	12.0	00	30
Chintagatla	79/3	Part	00	16.0	00	40
	83/2	Part	00	04.0	00	10
	83/3	Part	00	04.5	00	11
	83/4	Part	00	04.5	00	11
	83/5	Part	00	04.5	00	11
	83/6	Part	00	04.5	00	11
	83/7	Part	00	04.5	00	11
	83/8	Part	00	04.5	00	11
	83/9	Part	00	04.5	00	11
	83/10	Part	00	04.5	00	11
	84/4	Part	00	21.0	00	52
	84/5	Part	00	04.5	00	11
	85/1	Part	00	05.5	00	13
	85/2	Part	00	05.5	00	13
	85/3	Part	00	05.5	00	13
	85/4	Part	00	05.5	00	13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Chiniagatla (Contd)	85/5 Part	00	05.5	00	13
	85/6 Part	00	05.5	00	13
	86/2 Part	00	12.0	00	30
	86/4 Part	00	07.0	00	15

[F.No. R-31015/2/95-OR-II]

K.C. Katoch, Under Sec.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.आ. 2676.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अबसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3123 तारीख 22 नवम्बर 1995 द्वारा विशाखापटनम में पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आणय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 अप्रैल 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार; उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलम्बनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मजल : बहुअक्षयापेला

जिम्मा : विशाखापटनम

राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. सब खिर्बाग	हेक्टेर	क्षेत्रफल आर	एक इ	सैन्ड
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
यानबोल्	15 भाग	00	06.5	00	16
	8/2 भाग	00	01.5	00	04
	8/3 भाग	00	22.0	00	54
	7/1 भाग	00	18.0	00	45
	7/2 भाग	00	02.5	00	06
	3/2 भाग	00	24.0	00	59
	3/4 भाग	00	00.5	00	01
	3/5 भाग	00	10.0	00	25
	3/6 भाग	00	08.0	00	20
	2/3 भाग	00	00.5	00	01
	2/9 भाग	00	02.5	00	06
	2/10 भाग	00	05.5	00	13
	2/14 भाग	00	07.5	00	19
	2/15 भाग	00	02.0	00	05
	4 भाग	00	20.0	00	50

[फा०स० आर-31015/8/95-ओ०आर-II]

क० म० काटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2676.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3123 dated the 22nd November 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijaywada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on 12th April, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And, further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Devarapalli

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division	Hectare	Area		Cents
			Ares	Acres	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Yadavolu	15 Part	00	06.5	00	16
	8/2 Part	00	01.5	00	04
	8/3 Part	00	22.0	00	54
	7/1 Part	00	18.0	00	45
	7/2 Part	00	02.5	00	06
	3/2 Part	00	24.0	00	59
	3/4 Part	00	00.5	00	01
	3/5 Part	00	10.0	00	25
	3/6 Part	00	08.0	00	20
	2/3 Part	00	00.5	00	01
	2/9 Part	00	02.5	00	06
	2/10 Part	00	05.5	00	13
	2/14 Part	00	07.5	00	19
	2/15 Part	00	02.0	00	05
	4 Part	00	20.0	00	50

[F.No. R-31015/8/95-OR II]

K. C KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.भा. 2677.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों का अधिनियम (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अब से इस के पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस बंजालय की अधिसूचना संख्या का.भा. 3128 तारीख 22 नवम्बर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पदार्थों के विद्युतानुवर्तन के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन करने की, अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15 अप्रैल, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पदार्थों का परिवहन विद्युतानुवर्तन के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजह से सभी बिलबनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होना।

अनुसूची

मंडल : अमरावती

जिला : विशाखापट्टनम

राज्य : आंध्र प्रदेश

भाग	खंड नं./प्रत्येक विवरण	क्षेत्रफल		एकड़	सेण्ट
		हेक्टेयर	घाट		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कोयलाखेज	34/8 भाग	00	03.5	00	09
	34/2 भाग	00	20.0	00	50
	29/2 भाग	00	01.5	00	04
	29/1B भाग	00	02.5	00	06
	29/1A भाग	00	03.5	00	09
	32/17 भाग	00	02.5	00	06
	32/16 भाग	00	04.5	00	11
	25/27 भाग	00	05.0	00	12
	25/14 भाग	00	01.0	00	02
	25/13 भाग	00	04.0	00	10
	25/12 भाग	00	00.5	00	01
	25/11 भाग	00	07.5	00	18
	25/10 भाग	00	03.0	00	07
	25/9 भाग	00	02.0	00	05
	25/2 भाग	00	04.0	00	10
	25/1 भाग	00	05.0	00	12
	11/3 भाग	00	00.5	00	01
	10/14 भाग	00	02.0	00	05
	10/15 भाग	00	07.5	00	18
	10/13 भाग	00	14.0	00	34
	10/5 भाग	00	01.0	00	02
	2/2 भाग	00	03.0	00	08
पर्यावरणसंरक्षण	64/2 भाग	00	04.5	00	11
	66/41 भाग	00	03.5	00	09
	66/40 भाग	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पाँचवाँ सन्तकालेस—(जारी)	66/17 भाग	00	02.0	00	05
	66/21 भाग	00	05.0	00	12
	66/20 भाग	00	01.0	00	02
	66/22 भाग	00	04.5	00	11
	66/24 भाग	00	01.0	00	02
	66/25 भाग	00	00.5	00	01
	66/13 भाग	00	05.0	00	12
	66/26 भाग	00	00.5	00	01
	66/23 भाग	00	00.5	00	01
	69/6 भाग	00	02.0	00	05
	69/5 भाग	00	03.0	00	08
	69/7 भाग	00	00.5	00	01
	69/8 भाग	00	01.5	00	04
	69/4 भाग	00	00.5	00	01
	69/9 भाग	00	02.5	00	06
	69/26 भाग	00	00.5	00	01
	69/25 भाग	00	02.0	00	05
	69/20 भाग	00	01.5	00	04
	69/10 भाग	00	00.5	00	01
	69/11 भाग	00	00.5	00	01
	69/19 भाग	00	02.5	00	06
	69/13 भाग	00	00.5	00	01
	69/17 भाग	00	00.5	00	01
	69/16 भाग	00	01.0	00	02
	69/15 भाग	00	01.0	00	03
	69/18 भाग	00	01.5	00	04
	69/21 भाग	00	00.5	00	01
	124/1 भाग	00	05.0	00	12
	124/2 भाग	00	02.0	00	05
	124/3 भाग	00	02.5	00	06
	124/4 भाग	00	00.5	00	01
	123/2 भाग	00	00.5	00	01
	123/3 भाग	00	02.0	00	05
	123/4 भाग	00	02.5	00	06
	123/5 भाग	00	03.5	00	09
	122/19 भाग	00	03.0	00	20
	120/2 भाग	00	03.0	00	07
	120/1 भाग	00	01.0	00	03
	120/3 भाग	00	02.5	00	06
	120/4 भाग	00	01.0	00	03
	120/5 भाग	00	01.0	00	03
	120/6 भाग	00	00.5	00	01
	120/8 भाग	00	00.5	00	01
	101/18 भाग	00	00.5	00	01
	101/20 भाग	00	03.0	00	08
	101/21 भाग	00	06.0	00	15
	102/45 भाग	00	00.5	00	01
	102/44 भाग	00	02.5	00	06
	102/43 भाग	00	02.0	00	05
	102/14 भाग	00	00.5	00	01
	102/15 भाग	00	03.5	00	09
	102/42 भाग	00	01.0	00	02
	102/16 भाग	00	01.0	00	02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पावेयासतपालेम (सलब)	102/17 भा.ब.	00	02.0	00	05
	102/18 "	00	01.5	00	04
	102/19 "	00	02.0	00	05
	102/20 "	00	05.5	00	13
	102/8 "	00	03.0	00	03
	102/22 "	00	00.5	00	01
	102/23 "	00	00.5	00	01
	102/24 "	00	03.0	00	07
	102/26 "	00	01.5	00	04
	102/27 "	00	02.5	00	06
	102/30 "	00	00.5	00	01
	105/20 "	00	00.5	00	01
	105/19 "	00	02.5	00	06
	105/18 "	00	01.0	00	02
	105/17 "	00	04.5	00	11
	105/16 "	00	02.0	00	05
	105/12 "	00	00.5	00	01
	105/13 "	00	01.0	00	02
	105/15 "	00	00.5	00	01
	105/14 "	00	02.0	00	05
	105/9 "	00	01.0	00	02
	107/8 "	00	00.5	00	01
	107/7 "	00	11.0	00	27
	107/2 "	00	01.5	00	04
	107/6 "	00	03.5	00	09
	107/5 "	00	06.0	00	15
	141/3 "	00	04.0	08	10
	141/1 "	00	00.5	00	01
	141/2 "	00	01.0	00	03
	141/5 "	00	06.5	00	16
	141/6 "	00	02.0	00	05
	158/ "	00	23.0	00	57
	150/1 "	00	02.0	00	05
	159/25 "	00	00.5	00	01
	159/23 "	00	00.5	00	01
	159/22 "	00	00.5	00	01
	159/19 "	00	01.0	00	05
	159/18 "	00	01.0	00	05
	159/20 "	00	03.0	00	08
	159/13 "	00	03.0	00	07
	159/14 "	00	01.0	00	02
	159/11 "	00	01.5	00	04
	159/10 "	00	03.0	00	08
	159/9 "	00	02.5	00	06
	159/8 "	00	01.0	00	03
	159/7 "	00	00.5	00	01
	160/22 "	00	01.5	00	04
	160/25 "	00	05.0	00	12
	160/20 "	00	00.5	00	01
	160/19 "	00	01.5	00	04
	160/18 "	00	02.0	00	05
	160/12 "	00	01.0	00	03
	160/9 "	00	01.5	00	04
	160/10 "	00	00.5	00	01
	162/8 "	00	11.5	00	28
	162/9 "	00	00.5	00	01
	162/7 "	00	06.0	00	15
	162/6 "	00	00.5	00	01
	162/5 "	00	01.5	00	04
	162/4 "	00	04.5	00	11
	162/41 "	00	07.0	00	17
	162/42 "	00	00.5	00	01
	162/43 "	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
म.सं.वि.प.लेख	64/45 भाग	00	01.0	00	02
	65/22 भाग	00	01.5	00	04
	65/21 भाग	00	04.5	00	11
	65/17 भाग	00	02.0	00	05
	65/20 भाग	00	01.5	00	04
	65/18 भाग	00	03.5	00	09
	65/7 भाग	00	01.5	00	04
	65/10 भाग	00	03.0	00	08
	78/21 भाग	00	00.5	00	01
	78/22 भाग	00	00.5	00	01
	78/20 भाग	00	01.5	00	04
	78/19 भाग	00	01.5	00	04
	78/18 भाग	00	00.5	00	01
	78/8 भाग	00	03.0	00	08
	78/7 भाग	00	01.5	00	04
	78/6 भाग	00	00.5	00	01
	78/5 भाग	00	02.5	00	06
	78/9 भाग	00	00.5	00	01
	78/4 भाग	00	00.5	00	01
	78/3 भाग	00	01.5	00	04
	78/2 भाग	00	02.0	00	05
	78/1 भाग	00	00.5	00	01
	79/36 भाग	00	02.0	00	05
	79/37 भाग	00	02.0	00	05
	79/38 भाग	00	01.0	00	02
	79/28 भाग	00	00.5	00	01
	79/25 भाग	00	01.0	00	03
	87/27 भाग	00	01.0	00	02
	82/26 भाग	00	02.0	00	05
	82/24 भाग	00	00.5	00	01
	82/23 भाग	00	06.0	00	15
	82/22 भाग	00	01.0	00	02
	82/5 भाग	00	05.0	00	12
	82/4 भाग	00	02.0	00	05
	82/3 भाग	00	00.5	00	01
	82/6 भाग	00	00.5	00	01
	82/7 भाग	00	02.5	00	06
	82/8 भाग	00	00.5	00	01
	81/52 भाग	00	00.5	00	01
	86/20 भाग	00	02.5	00	06
	86/7 भाग	00	00.5	00	01
	86/19 भाग	00	01.5	00	04
	86/18 भाग	00	01.5	00	04
	86/16 भाग	00	01.0	00	02
	86/10 भाग	00	01.0	00	08
	86/14 भाग	00	03.0	00	08
	86/13 भाग	00	00.5	00	01
	86/12 भाग	00	01.0	00	02
	86/11 भाग	00	02.5	00	06
	87/76 भाग	00	08.0	00	20

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मामीबिपाले न (जारी)	104/1 भाग	00	08.0	00	20
	131/8 "	00	01.5	00	03
	131/7 "	00	03.0	00	08
	131/11 "	00	14.0	00	34
	131/15 "	00	03.5	00	09
	131/16 "	00	02.5	00	06
	131/22 "	00	04.5	00	11
	131/23 "	00	11.5	00	28
	131/24 "	00	00.5	00	01
	132/18 "	00	01.0	00	02
	132/16 "	00	01.0	00	02
	132/17 "	00	02.5	00	06
	132/19 "	00	14.0	00	35
	130/2 "	00	02.5	00	06
	135/13 "	00	03.5	00	09
	135/19 "	00	05.5	00	13
	186/8 "	00	03.5	00	09
	186/30 "	00	02.0	00	05
	186/9 "	00	00.5	00	01
	186/25 "	00	03.5	00	09
	186/27 "	00	01.0	00	03
	186/28 "	00	01.0	00	03
	186/29 "	00	02.0	00	05
	187/1 "	00	03.0	00	07
	185/20 "	00	03.5	00	09
	185/12 "	00	02.5	00	06
	185/18 "	00	01.5	00	04
	169/9 "	00	01.5	00	04
	169/6 "	00	01.5	00	05
	169/3 "	00	04.5	00	11
	169/2 "	00	03.0	00	08
	169/1 "	00	04.0	00	10
	168/4 "	00	01.0	00	03
	168/1 "	00	02.0	00	05
	167/1 "	00	01.0	00	03
	170/10 "	00	03.0	00	07
	170/9 "	00	02.5	00	06
	170/8 "	00	05.5	00	13
	170/7 "	00	02.0	00	0
	170/6 "	00	02.0	00	05
	170/4 "	00	01.0	00	03
	170/2 "	00	03.5	00	09
	170/1 "	00	01.0	00	03
	203 "	00	05.0	00	12
प्रलीकण्डपालेम	108/1 "	00	12.0	00	30
	108/2 "	00	07.5	00	19
	108/3 "	00	09.0	00	22
	108/4 "	00	07.5	00	18
	108/5 "	00	13.0	00	2
	105/10A "	00	06.0	00	1
	102/2B "	00	02.0	00	05

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
घरलकडूपावेस (जारी)	102/2C पूरा	00	01.0	00	02
	102/2D भाग	00	04.0	00	10
	102/1I "	00	04.0	00	10
	102/1E "	00	04.0	00	10
	102/1H "	00	04.0	00	10
	104/1A "	00	10.0	00	25
	104/1B "	00	08.5	00	21
	104/1C "	00	03.0	00	08
	104/1D "	00	02.5	00	06
	47/3 "	00	02.0	00	05
	45 "	00	16.0	00	40
	29/1 "	00	02.0	00	05
	30/1 "	00	00.5	00	01
	30/2A "	00	07.0	00	17
	3/2B "	00	17.0	00	42
	16/2 "	00	06.5	00	16
	17/1 "	00	05.5	00	14
	17/2 "	00	02.5	00	06
	18/1A "	00	03.0	00	08
	18/2A "	00	01.5	00	04
	32/7 "	00	08.0	00	20
	33/5 "	00	03.0	00	07
	33/7 "	00	01.0	00	02
दागडूपावेस	2/2 "	00	01.0	00	03
	3/1 "	00	03.0	00	08
	9/6 "	00	26.0	00	64
	9/7 "	00	18.0	00	45
	9/8 "	00	05.0	00	12
	35/1 to 4 "	00	56.0	01	38
	29/1 "	00	07.5	00	18
	29/2 "	00	12.5	00	33
	28/1 "	00	12.0	00	32
	28/2 "	00	00.5	00	01
	28/4 "	00	07.5	00	19
	28/5 "	00	01.0	00	03
	28/7 "	00	02.5	00	06
	27/1 "	00	03.0	00	08
	27/2 "	00	02.5	00	06
	27/3 "	00	03.0	00	08
	27/4 "	00	04.0	00	10
	26/1 "	00	00.5	00	01
	26/2 "	00	14.0	00	34
	84/1 "	00	03.5	00	09
	84/2 "	00	00.5	00	01
	84/7 "	00	07.5	00	18
	84/5 "	00	01.5	00	04
	84/10 "	00	02.5	00	06
	84/11 "	00	02.0	00	05
	84/12 "	00	02.0	00	05

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राज्य संपत्ति (सकल)	84/13 भाग	00	01.0	00	03
	84/14 "	00	01.0	00	03
	84/18 "	00	02.5	00	06
	86/1 "	00	04.0	00	10
	86/6 "	00	03.0	00	08
	86/7 "	00	02.5	00	06
	85/5 "	00	01.0	00	03
	85/6 "	00	04.5	00	11
	85/12 "	00	05.5	00	13
	85/13 "	00	02.0	00	05
	80/13 "	00	03.0	00	08
	80/16 "	00	02.5	00	06
	80/17 "	00	01.0	00	03
	80/32 "	00	01.0	00	03
	80/31 "	00	03.0	00	08
	80/33 "	00	02.5	00	06
	80/34 "	00	06.0	00	15
	87/3 "	00	06.0	00	15
	87/4 "	00	01.0	00	03
	87/2 "	00	00.5	00	01
	88/6 "	00	03.0	00	20
	88/7 "	00	10.0	00	25
	88/8 "	00	11.5	00	29
	90 "	00	02.0	00	05
	94/15 "	00	31.0	00	76
	94/12 "	00	21.5	00	53
	94/11 "	00	15.0	00	37
	94/2 "	00	03.5	00	09
	94/3 "	00	15.0	00	37
	94/4 "	00	04.0	00	10
	92/4 "	00	06.0	00	15
	92/3 "	00	03.5	00	09
अन्य संपत्ति	57/8 "	00	03.5	00	09
	57/9 "	00	01.0	00	02
	57/6 "	00	05.0	00	12
	57/7 "	00	00.5	00	01
	57/13 "	00	01.0	00	02
	60/9 "	00	00.5	00	01
	59/2 "	00	08.0	00	20
	59/1C "	00	01.0	00	02
	86/6A "	00	00.5	00	01
	86/4C "	00	01.5	00	04
	86/7A "	00	00.5	00	01
	86/3A "	00	04.0	00	10
	86/4B "	00	01.0	00	02
	86/3B "	00	02.5	00	06
	86/3C "	00	00.5	00	01
	86/2 "	00	07.0	00	17
	85/3 "	00	00.5	00	01
	85/2 "	00	04.0	00	10
	85/1A "	00	03.5	00	09
	84/1A "	00	00.5	00	01
	83/2 पूरा	00	01.0	00	03
	83/3B भाग	00	01.0	00	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नगरसाधु रम--(संत)	83/3ए मग	00	01.0	00	
	83/5 "	00	02.5	00	06
	83/1बी "	00	01.5	00	04
	82/3 "	00	01.0	00	02
	82/2 "	00	07.0	00	17
	82/1 "	00	06.0	00	15
	81/3 "	00	03.5	00	09
	81/4 "	00	01.0	00	03
	81/5 "	00	02.0	00	05
	102/10एच "	00	06.5	00	16
	102/9बी "	00	04.0	00	10
	102/13 "	00	03.5	00	09
	102/17/0 "	00	01.0	00	03
	102/17के "	00	04.0	00	10
	102/17/आई "	00	03.0	00	07
	102/17बी "	00	00.5	00	01
	102/17/ए "	00	01.5	00	04
	39/1ए "	00	07.0	00	17
	39/3 "	00	07.5	00	18
	39/4 "	00	00.5	00	00
	101/29 "	00	05.5	00	13
	101/36 "	00	07.5	00	18
	101/38 "	00	00.5	00	01
	101/35 "	00	02.0	00	05
	101/32 "	00	05.0	00	12
	101/31 "	00	02.0	00	05
	101/26 "	00	00.5	00	01
पापैयापाकम	12/24 "	00	02.0	00	05
	12/25 "	00	01.5	00	04
	12/23 "	00	03.0	00	07
	12/22 "	00	01.0	00	02
	12/21 "	00	02.0	00	05
	12/20 "	00	01.0	00	02
	12/19 "	00	03.5	00	09
	12/18 "	00	02.0	00	05
	12/14 "	00	00.5	00	01
	13/1 "	00	05.0	00	12
	13/2 "	00	06.0	00	15
	13/3 "	00	05.0	00	12
	13/4 "	00	03.0	00	08
कुपे म्मि	61/2सी "	00	01.0	00	03
	61/2बी "	00	10.0	00	25
	61/2ए "	00	05.5	00	14
	61/14 "	00	02.0	00	05
	61/12 "	00	08.5	00	21
	61/13 "	00	13.0	00	32
	26/1 "	00	05.0	00	13
	19/3ए "	00	07.5	00	19
	18/5 "	00	01.0	00	03
	18/3एफ "	00	06.5	00	16
	18/8जी "	00	01.5	00	04

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कुन्द्रेम—आर.	18/8ए भाग	00	07.0	00	17
	18/10ए भाग	00	04.0	00	10
	18/10बी भाग	00	07.5	00	18
	18/9सी भाग	00	05.0	00	12
	285/16डी भाग	00	05.0	00	12
	285/16ए भाग	00	00.5	00	01
	8/36 भाग	00	01.0	00	03
	8/35 भाग	00	00.5	00	01
	286/29 भाग	00	00.5	00	01
	286/32ए भाग	00	01.5	00	04
	286/32बी भाग	00	01.0	00	03
	7/5जी भाग	00	00.5	00	01
	7/5ए भाग	00	02.5	00	05
	7/5बी भाग	00	00.5	00	01
	7/1डी/पी भाग	00	00.5	00	01
	7/1बी/आर भाग	00	02.0	00	05
	7/1बी/यू भाग	00	01.5	00	04
	7/1अ/एन भाग	00	01.5	00	04
	7/7ए भाग	00	00.5	00	01
	7/1बी/1 भाग	00	01.5	00	04
	7/1बी/के भाग	00	00.5	00	01
	7/1ए/एक्स भाग	00	01.0	00	02
	7/1ए/डब्ल्यू भाग	00	04.5	00	11
	7/1बी/बी भाग	00	00.5	00	01
	7/1ए/ई भाग	00	00.5	00	0२
	7/1बी/सी भाग	00	03.5	00	0
	7/1/बाइ भाग	00	03.0	00	08
	7/1/जेड भाग	00	03.0	00	07
	7/1ए/ए भाग	00	01.0	00	03
	7/1/जे भाग	00	02.0	00	0
	7/1/यू भाग	00	00.5	00	01
	7/1एडी भाग	00	03.0	00	07
	7/1/वी भाग	00	01.0	00	02
	7/1/एस भाग	00	02.0	00	05
	7/1/आर भाग	00	02.0	00	5
	7/1/व्यू भाग	00	07.5	00	19
	7/1एवी भाग	00	05.5	00	13
	7/1/ओ भाग	00	04.0	00	10
	7/2/ भाग	00	03.0	00	07

[फा.सं.आर-31015/11/96-बीआर II]

के. सी. फटीस, जवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2677.—Whereas by a Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3128, dated the 22nd November, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited:

2160 GI/96—23.

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 15th April 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act,

the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Anakapalli

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Hectare	Area Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Kondupalem	34/8 Part	00	03.5	00	09
	34/2 Part	00	20.0	00	50
	23/2 Part	00	01.5	00	04
	23/1B Part	00	02.5	00	06
	23/1A Part	00	03.5	00	09
	32/17 Part	00	02.5	00	06
	32/16 Part	00	04.5	00	11
	25/27 Part	00	05.0	00	12
	25/14 Part	00	01.0	00	02
	25/13 Full	00	04.0	00	10
	25/12 Part	00	00.5	00	01
	25/11 Part	00	07.5	00	18
	25/10 Part	00	03.0	00	07
	25/9 Part	00	02.0	00	05
	25/2 Part	00	04.0	00	10
	25/1 Part	00	05.0	00	12
	11/3 Part	00	00.5	00	01
	10/14 Part	00	02.0	00	05
	10/15 Part	00	07.5	00	18
	10/13 Part	00	14.0	00	34
	10/5 Part	00	01.0	00	02
	2/2 Part	00	03.0	00	08
Papayya Santapalem	64/2 Part	00	04.5	00	11
	66/41 Part	00	03.5	00	09
	66/40 Part	00	00.5	00	01
	66/17 Part	00	02.0	00	05
	66/21 Part	00	05.0	00	12
	66/20 Part	00	01.0	00	02
	66/22 Part	00	04.5	00	11
	66/24 Part	00	01.0	00	02
	66/25 Part	00	00.5	00	01
	66/13 Part	00	05.0	00	12
	66/26 Part	00	00.5	00	01
	66/23 Part	00	00.5	00	01
	69/6 Part	00	02.0	00	05

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Papayya Santapalem (Contd.)	69/5 Part	00	03.0	00	08
	69/7 Part	00	00.5	00	01
	69/8 Part	00	01.5	00	04
	69/4 Part	00	00.5	00	01
	69/9 Part	00	02.5	00	06
	69/26 Part	00	00.5	00	01
	69/25 Part	00	02.0	00	05
	69/20 Part	00	01.5	00	04
	69/10 Part	00	00.5	00	01
	69/11 Part	00	00.5	00	01
	69/19 Part	00	02.5	00	06
	69/13 Part	00	00.5	00	01
	69/17 Part	00	00.5	00	01
	69/16 Part	00	01.0	00	02
	69/15 Part	00	01.0	00	03
	69/18 Part	00	01.5	00	04
	69/21 Part	00	00.5	00	01
	124/1 Part	00	05.0	00	12
	124/2 Part	00	02.0	00	05
	124/3 Part	00	02.5	00	06
	124/4 Part	00	00.5	00	01
	123/2 Part	00	00.5	00	01
	123/3 Part	00	02.0	00	05
	123/4 Part	00	02.5	00	06
	123/5 Part	00	03.5	00	09
	122/19 Part	00	08.0	00	20
	120/2 Part	00	03.0	00	07
	120/1 Part	00	01.0	00	03
	120/3 Part	00	02.5	00	06
	120/4 Part	00	01.0	00	03
	120/5 Part	00	01.0	00	03
	120/6 Part	00	00.5	00	01
	120/8 Part	00	00.5	00	01
	101/18 Part	00	00.5	00	01
	101/20 Part	00	03.0	00	08
	101/21 Part	00	06.0	00	15
	102/45 Part	00	00.5	00	01
	102/44 Part	00	02.5	00	06
	102/43 Part	00	02.0	00	05
	102/14 Part	00	00.5	00	01
	102/15 Part	00	03.5	00	09
	102/42 Part	00	01.0	00	02
	102/16 Part	00	01.0	00	02
	102/17 Full	00	02.0	00	05
	102/18 Part	00	01.5	00	04
	102/19 Part	00	02.0	00	05
	102/20 Part	00	05.5	00	13
	102/8 Part	00	03.0	00	08
	102/22 Part	00	00.5	00	01
	102/23 Part	00	00.5	00	01
	102/24 Part	00	03.0	00	07
	102/26 Part	00	01.5	00	04
	102/27 Part	00	02.5	00	06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Papayya santapalem (Contd.)	102/30	Part	00	00.5	00	01
	105/20	Part	00	00.5	00	01
	105/19	Part	00	02.5	00	06
	105/18	Part	00	01.0	00	02
	105/17	Part	00	04.5	00	11
	105/16	Part	00	02.0	00	05
	105/12	Part	00	00.5	00	01
	105/13	Part	00	01.0	00	02
	105/15	Part	00	00.5	00	01
	105/14	Part	00	02.0	00	05
	105/9	Part	00	01.0	00	02
	107/8	Part	00	00.5	00	01
	107/7	Part	00	11.0	00	27
	107/2	Part	00	01.5	00	4
	107/6	Part	00	03.5	00	09
	107/5	Part	00	06.0	00	15
	141/3	Part	00	04.0	00	10
	141/1	Part	00	00.5	00	01
	141/2	Part	00	01.0	00	03
	141/5	Part	00	06.5	00	16
	141/6	Part	00	02.0	00	05
	158	Part	00	23.0	00	57
	150/1	Part	00	02.0	00	05
	159/25	Part	00	00.5	00	01
	159/23	Part	00	00.5	00	01
	159/22	Part	00	00.5	00	01
	159/19	Part	00	01.0	00	03
	159/18	Part	00	01.0	00	02
	159/20	Part	00	03.0	00	08
	159/13	Part	00	03.0	00	07
	159/14	Part	00	01.0	00	02
	159/11	Part	00	01.5	00	04
	159/10	Part	00	03.0	00	08
	159/9	Part	00	02.5	00	06
	159/8	Part	00	01.0	00	03
	159/7	Part	00	00.5	00	01
	160/22	Part	00	01.5	00	04
	160/25	Part	00	05.0	00	12
	160/20	Part	00	00.5	00	01
	160/19	Part	00	01.5	00	04
	160/18	Part	00	02.0	00	05
	160/12	Part	00	01.0	00	03
	160/9	Part	00	01.5	00	04
	160/10	Part	00	00.5	00	01
	162/8	Part	00	11.5	00	28
	162/9	Part	00	00.5	00	01
	162/7	Part	00	06.0	00	15
	162/6	Part	00	00.5	00	01
	162/5	Part	00	01.5	00	04
	162/4	Part	00	04.5	00	11
	162/41	Part	00	07.0	00	17
	162/42	Part	00	00.5	00	01
	162/43	Part	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Mamidipalem	64/45 Part	00	01.0	00	02
	65/22 „	00	01.5	00	04
	65/21 „	00	04.5	00	11
	65/17 „	00	02.0	00	05
	65/20 „	00	01.5	00	04
	65/18 „	00	03.5	00	09
	65/7 „	00	01.5	00	04
	65/10 „	00	03.0	00	08
	78/21 „	00	00.5	00	01
	78/22 „	00	00.5	00	01
	78/20 „	00	01.5	00	04
	78/19 „	00	01.5	00	04
	78/18 „	00	00.5	00	01
	78/8 „	00	03.0	00	08
	78/7 „	00	01.5	00	04
	78/6 „	00	00.5	00	01
	78/5 „	00	02.5	00	06
	78/9 „	00	00.5	00	01
	78/4 „	00	00.5	00	01
	78/3 „	00	01.5	00	04
	78/2 „	00	02.0	00	05
	78/1 „	00	00.5	00	01
	79/36 „	00	02.0	00	05
	79/37 „	00	02.0	00	05
	79/38 „	00	01.0	00	02
	79/28 „	00	00.5	00	01
	79/25 „	00	01.0	00	03
	82/27 „	00	01.0	00	02
	82/26 „	00	02.0	00	05
	82/24 „	00	00.5	00	01
	82/23 „	00	06.0	00	15
	82/22 „	00	01.0	00	02
	82/5 „	00	05.0	00	12
	82/4 „	00	02.0	00	05
	82/3 „	00	00.5	00	01
	82/6 „	00	00.5	00	01
	82/7 „	00	02.5	00	06
	82/8 „	00	00.5	00	01
	81/52 „	00	00.5	00	01
	86/20 „	00	02.5	00	06
	86/7 „	00	00.5	00	01
	86/19 „	00	01.5	00	04
	86/18 „	00	01.5	00	04
	86/16 „	00	01.0	00	02
	86/10 „	00	03.0	00	08
	86/14 „	00	03.0	00	08
	86/13 „	00	00.5	00	01
	86/12 „	00	01.0	00	02
	86/11 „	00	02.5	00	06
	87/76 „	00	08.0	00	20

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Mamidipalem (Contd.)	104/1 Part	00	08.0	00	20
	131/8 "	00	01.5	00	03
	131/7 "	00	03.0	00	08
	131/11 "	00	14.0	00	34
	131/15 "	00	03.5	00	09
	131/16 "	00	02.5	00	06
	131/22 "	00	04.5	00	11
	131/23 "	00	11.5	00	28
	131/24 "	00	00.5	00	01
	132/18 "	00	01.0	00	02
	132/16 "	00	01.0	00	02
	132/17 "	00	02.5	00	06
	132/19 "	00	14.0	00	35
	130/2 "	00	02.5	00	06
	135/13 "	00	03.5	00	09
	135/19 "	00	05.5	00	13
	186/8 "	00	03.5	00	09
	186/30 "	00	02.0	00	05
	186/9 "	00	00.5	00	01
	186/25 "	00	03.5	00	09
	186/27 "	00	01.0	00	03
	186/28 "	00	01.0	00	03
	186/29 "	00	02.0	00	05
	187/1 "	00	03.0	00	07
	185/20 "	00	03.5	00	09
	185/12 "	00	02.5	00	06
	185/18 "	00	01.5	00	04
	169/9 "	00	01.5	00	04
	169/6 "	00	01.5	00	05
	169/3 "	00	04.5	00	11
	169/2 "	00	03.0	00	08
	169/1 "	00	04.0	00	10
	168/4 "	00	01.0	00	03
	168/1 "	00	02.0	00	05
	167/1 "	00	01.0	00	03
	170/10 "	00	03.0	00	07
	170/9 "	00	02.5	00	06
	170/8 "	00	05.5	00	13
	170/7 "	00	02.0	00	05
	170/6 "	00	02.0	00	05
	170/4 "	00	01.0	00	03
	170/2 "	00	03.5	00	09
	170/1 "	00	01.0	00	03
	203 "	00	05.0	00	12
Allikandupalem	108/1 "	00	12.0	00	30
	108/2 "	00	07.5	00	19
	108/3 "	00	09.0	00	22
	108/4 "	00	07.5	00	18
	108/5 "	00	13.0	00	32
	105/10A "	00	06.0	00	15
	102/2B "	00	02.0	00	05
	102/2C Full	00	01.0	00	02
	102/2D Part	00	04.0	00	10

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Allikandupalem (Con'd.)	102/II Par	00	04.0	00	10
	102/IE "	00	04.0	00	16
	102/1H "	00	04.0	00	10
	104/1A "	00	10.0	00	25
	104/1B "	00	08.5	00	21
	104/1C "	00	03.0	00	08
	104/1D "	00	02.5	00	06
	47/3 "	00	02.0	00	05
	45/ "	00	16.0	00	40
	29/1 "	00	02.0	00	05
	30/1 "	00	00.5	00	01
	30/2A "	00	07.0	00	17
	3/2B "	00	17.0	00	42
	16/2 "	00	06.5	00	16
	17/1 "	00	05.5	00	14
	17/2 "	00	02.5	00	06
	18/1A "	00	03.0	00	08
	18/2A "	00	01.5	00	04
	32/7 "	00	08.0	00	20
	33/5 "	00	03.0	00	07
	33/7 "	00	01.0	00	02
Tagarampudi	2/2 "	00	01.0	00	03
	3/1 "	00	03.0	00	08
	9/6 "	00	26.0	00	64
	9/7 "	00	18.0	00	45
	9/8 "	00	05.0	00	12
	35/1 to 4 "	00	56.0	01	38
	29/1 "	00	07.5	00	18
	29/2 "	00	12.5	00	33
	28/1 "	00	12.0	00	32
	28/2 "	00	00.5	00	01
	28/4 "	00	07.5	00	19
	28/5 "	00	01.0	00	03
	28/7 "	00	02.5	00	06
	27/1 "	00	03.0	00	08
	27/2 "	00	02.5	00	06
	27/3 "	00	03.0	00	08
	27/4 "	00	04.0	00	10
	26/1 "	00	00.5	00	01
	26/2 "	00	14.0	00	34
	84/1 "	00	03.5	00	09
	84/2 "	00	00.5	00	01
	84/7 "	00	07.5	00	18
	84/5 "	00	01.5	00	04
	84/10 "	00	02.5	00	06
	84/11 "	00	02.0	00	05
	84/12 "	00	02.0	00	05
	84/13 "	00	01.0	00	03
	84/14 "	00	01.0	00	03
	84/18 "	00	02.5	00	06
	86/1 "	00	04.0	00	10
	86/6 "	00	03.0	00	08
	86/7 "	00	02.5	00	06
	85/5 "	00	01.0	00	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tagarampudi (Contd.)	85/6 Part	00	04.5	00	11
	85/12 „	00	05.5	00	13
	85/13 „	00	02.0	00	05
	80/13 „	00	03.0	00	08
	80/16 „	00	02.5	00	06
	80/17 „	00	01.0	00	03
	80/32 „	00	01.0	00	03
	80/31 „	00	03.0	00	08
	80/33 „	00	02.5	00	06
	80/34 „	00	06.0	00	15
	87/3 „	00	06.0	00	15
	87/4 „	00	01.0	00	03
	87/2 „	00	00.5	00	01
	88/6 „	00	08.0	00	20
	88/7 „	00	10.0	00	25
	88/8 „	00	11.5	00	29
	90 „	00	02.0	00	05
	94/15 „	00	31.0	00	76
	94/12 „	00	21.5	00	53
	94/11 „	00	15.0	00	37
	94/2 „	00	03.5	00	09
	94/3 „	00	15.0	00	3
	94/4 „	00	04.0	00	1
	92/4 „	00	06.0	00	1
	92/3 „	00	03.5	00	09
Jagannadhapuram	57/8 „	00	03.5	00	09
	57/9 „	00	01.0	00	02
	57/6 „	00	05.0	00	12
	57/7 „	00	00.5	00	01
	57/13 „	00	01.0	00	02
	60/9 „	00	00.5	00	01
	59/2 „	00	08.0	00	20
	59/1C „	00	01.0	00	02
	86/6A „	00	00.5	00	01
	86/4C „	00	01.5	00	04
	86/7A „	00	00.5	00	01
	86/3A „	00	04.0	00	10
	86/4B „	00	01.0	00	02
	86/3B „	00	02.5	00	06
	86/3C „	00	00.5	00	01
	86/2 „	00	07.0	00	17
	85/3 „	00	00.5	00	01
	85/2 „	00	04.0	00	10
	85/1A „	00	03.5	00	09
	84/1A „	00	00.5	00	01
	83/2 Full	00	01.0	00	03
	83/3B „	00	01.0	00	03
	83/3A „	00	01.0	00	03
	83/5 „	00	02.5	00	06
	83/1 „	00	01.5	00	04
	82/3 „	00	01.0	00	02
	82/2 „	00	07.0	00	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Jagannadhapuram (Contd.)	82/1 Part	00	06.0	00	15
	81/3 Part	00	03.5	00	09
	81/4 Part	00	01.0	00	03
	81/5 Part	00	02.0	00	05
	102/10H Part	00	06.5	00	16
	102/9D Part	00	04.0	00	10
	102/13 Part	00	03.5	00	09
	102/17/0 Part	00	01.0	00	03
	102/17/K Part	00	04.0	00	10
	102/17/I Part	00	03.0	00	07
	102/17/B Part	00	00.5	00	01
	102/17/A Part	00	01.5	00	04
	39/1A Part	00	07.0	00	17
	39/3 Part	00	07.5	00	18
	39/4 Part	00	00.5	00	01
	101/29 Part	00	05.5	00	13
	101/36 Part	00	07.5	00	18
	101/38 Part	00	00.5	00	01
	101/35 Part	00	02.0	00	05
	101/32 Part	00	05.0	00	12
	101/31 Part	00	02.0	00	05
	101/26 Part	00	00.5	00	01
Papayyapalem	12/24 Part	00	02.0	00	05
	12/25 Part	00	01.5	00	04
	12/23 Part	00	03.0	00	07
	12/22 Part	00	01.0	00	02
	12/21 Part	00	02.0	00	05
	12/20 Part	00	01.0	00	02
	12/19 Part	00	03.5	0009	09
	12/18 Part	00	02.0	00	05
	12/14 Part	00	00.5	00	01
	13/1 Part	00	05.0	00	12
	13/2 Part	00	06.0	00	15
	13/3 Part	00	05.0	00	12
	13/4 Part	00	03.0	00	08
Kundram	61/2C Part	00	01.0	00	03
	61/2B Part	00	10.0	00	25
	61/2A Part	00	05.5	00	14
	61/14 Part	00	02.0	00	05
	61/12 Part	00	08.5	00	21
	61/13 Part	00	13.0	00	32
	26/1 Part	00	05.0	00	13
	19/3A Part	00	07.5	00	19
	18/5 Part	00	01.0	00	03
	18/3F Part	00	06.5	00	16
	18/8G Part	00	01.5	00	04
	18/8F Part	00	07.0	00	17
	18/10A Part	00	04.0	00	10
	18/10B Part	00	07.5	00	18
	18/9C Part	00	05.0	00	12
	285/16D Part	00	05.0	00	12

(1.)	(2)	(3.)	(4)	(5.)	(6)
Kundram (Contd.)	285/16C Part	00	00.5	00	12
	8/36 Part	00	01.0	00	01
	8/35 Part	00	00.5	00	03
	286/29 Part	00	00.5	00	01
	286/32A Part	00	01.5	00	01
	286/32B Part	00	01.0	00	04
	7/5G Part	00	00.5	00	03
	7/5A Part	00	02.5	00	01
	7/5 B Part	00	00.5	00	05
	7/1B/P Part	00	00.5	00	01
	7/1B/R Part	00	02.0	00	01
	7/1B/U Part	00	01.5	00	05
	7/1B/N Part	00	01.5	00	04
	7/7A Part	00	00.5	00	04
	7/1B/I Part	00	01.5	00	01
	7/1B/K Part	00	00.5	00	04
	7/1A/X Part	00	01.0	00	01
	7/1A/W Part	00	04.5	00	02
	7/1B/B Part	00	00.5	00	11
	7/1A/E Part	00	00.5	00	01
	7/1B/C Part	00	03.5	00	01
	7/1/Y Part	00	03.0	00	09
	7/1/Z Part	00	03.0	00	08
	7/1A/A Part	00	01.0	00	03
	7/1/J Part	00	02.0	00	05
	7/1/U Part	00	00.5	00	01
	7/1/T Part	00	03.0	00	07
	7/1/V Part	00	01.0	00	02
	7/1/S Part	00	02.0	00	05
	7/1/R Part	00	02.0	00	05
	7/1/Q Part	00	07.5	00	19
	7/1/P Part	00	05.5	00	13
	7/1/O Part	00	04.0	00	10
	7/2 Part	00	03.0	00	07

(F. No. R-31015/11/95-OR-II)

K.C. KATOCH, Under Secy/.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.आ. 2778 —केन्द्रीय सरकार, ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (इससे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3124 तारीख 22 नवम्बर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम में पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिये, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जमाना को तारीख 12 अप्रैल, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन किया जाये;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

और यह कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी बिल्लबनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : तल्लापुडी		जिला : पश्चिम गोदावरी		राज्य : आन्ध्र प्रदेश	
ग्राम	सर्वे नं. सब विविजन	हेक्टर	क्षेत्रफल घार	एकड़	सैन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)—
भेयवरम	77/1 भाग	00	26.5	00	66
	112/5 "	00	13.0	00	32
	112/6 "	00	01.0	00	02
	112/7 "	00	14.0	00	34
	113/1 "	00	09.5	00	23
	114/4 "	00	00.5	00	01
	116/1 "	00	17.5	00	43
	116/2 "	00	01.5	00	04
	116/4 "	00	05.0	00	12
रागोलपल्लि	261/1ए	00	19.0	00	47
	261/2 "	00	00.5	00	01
	260/2 "	00	06.0	00	15
	260/3 "	00	16.5	00	41
	260/4 "	00	09.0	00	22
	260/5 "	00	08.0	00	20
	253/4 "	00	09.0	00	22
	252/4बो,	00	00.5	00	01
	247/3 "	00	14.0	00	34
	248/3 "	00	05.5	00	14
	248/4 "	00	05.5	00	14
	248/5 "	00	05.5	00	14
	248/7 "	00	11.5	00	28
	248/8 "	00	05.5	00	13
	232/1 "	00	01.0	00	03
	232/3 "	00	14.5	00	36
	229/5 "	00	01.5	00	04
तूपाकूबागूडेम	229/1 भाग	00	01.0	00	02
	229/2 "	00	15.5	00	38
	229/3 "	00	12.5	00	31
	227/1 "	00	09.5	00	23
	227/2 "	00	05.0	00	12
	227/3 "	00	00.5	00	01
	227/4 "	00	01.5	00	04
	227/5 "	00	10.5	00	26
	227/6 "	00	05.5	00	14
	225/2 "	00	07.5	00	18

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तृपाकुलागुडम (संतत)	142/3 भाग	00	08.0	00	20
	142/4 भाग	00	02.0	00	05
	144/5 भाग	00	07.0	00	17
	144/6 भाग	00	06.5	00	16
	146 भाग	00	30.5	00	75
	158/3 भाग	00	22.5	00	55
	166 भाग	00	16.5	00	41
	167 भाग	00		00	83
भसावपरापेटा	153/2 भाग	00	74.0	01	85
	170/1 भाग		34.5	00	62
	168/1 भाग	00	25.0	00	40
	152/1 भाग	00	16.0	00	32
	152 भाग	00	13.0	00	17
	152/2 भाग	00	07.0	00	75
	129/2 भाग	00	30.5	00	77
	128/1 भाग	00	31.0	00	58
	128/1 भाग	00	23.5	00	20
	125/1 भाग	00	08.0	00	09
	127/1 भाग	00	03.5	00	95
	126 भाग	00	38.5	00	49
	62/2 भाग	00	20.0	00	61
	61/2 भाग	00	24.5	00	64
	59/4 भाग	00	26.0	00	35
	54/4 भाग	00	14.0	00	50
	54/5 भाग	00	20.0	00	18
	53/5 भाग	00	07.5	00	19
	53/6 भाग	00	07.5	00	14
	52/1 भाग	00	05.5	00	13
	52/2 भाग	00	05.5	00	22
	51/7 भाग	00	09.0	00	28
	51/8 भाग	00	11.5	00	01
	317/2 भाग	00	00.5	00	03
	320/1 भाग	00	01.0	00	96
	320/2 भाग	00	39.0	00	03
	321/1 भाग	00	01.0	00	01
	321/2 भाग	00	00.5	00	

[फ. सं. आर-31015/7/95-आ आर-II]

के. सी. गटोच, अथर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2678.—Whereas by a Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3124, dated the 22nd November, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited—

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 15th April 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Tallapudi

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Hectaer	Area Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Bayyavaram	77/1 Part	00	26.5	00	66
	112/5 "	00	13.0	00	32
	112/6 ,	00	01.0	00	02
	112/7 "	00	14.0	00	34
	113/1 "	00	09.5	00	23
	114/4 "	00	00.5	00	01
	116/1 "	00	17.5	00	43
	116/2 "	00	01.5	00	04
	116/4 "	00	05.0	00	12
Ragolapalli	261/1A Part	00	19.0	00	47
	261/2 Part	00	00.5	00	01
	260/2 Part	00	06.0	00	15
	260/3 Part	00	16.5	00	41
	260/4 Part	00	09.0	00	22
	260/5 Part	00	08.0	00	20
	253/4 Part	00	09.0	00	22
	252/4B Part	00	00.5	00	01
	247/3 Part	00	14.0	00	34
	248/3 Part	00	05.5	00	14
	248/4 Part	00	05.5	00	14
	248/5 Part	00	05.5	00	14
	248/7 Part	00	11.5	00	28
	248/8 Part	00	05.5	00	13
	232/1 Part	00	01.0	00	03
	232/3 Part	00	14.5	00	36
	229/5 Part	00	01.5	00	04
Tupakulagudem	229/1 Part	00	01.0	00	02
	229/2 Part	00	15.5	00	38
	229/3 Part	00	12.5	00	31
	227/1 Part	00	09.5	00	23
	227/2 Part	00	05.0	00	12
	227/3 Part	00	00.5	00	01
	227/4 Part	00	01.5	00	04
	227/5 Part	00	10.5	00	26
	227/6 Part	00	05.5	00	14
	225/2 Part	00	07.5	00	18
	142/3 Part	00	08.0	00	20
	142/4 Part	00	02.0	00	05
	144/5 Part	00	07.0	00	17
	144/6 Part	00	06.5	00	16
	146 Part	00	30.5	00	75
	158/3 Part	00	22.5	00	55
	166 Part	00	16.5	00	41

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tupakulagudem (Contd.)	167 Part	00	74.0	01	83
	153/2 Part	00	34.5	00	85
Annadevarapeta	170/1 Part	00	25.0	00	62
	168/1 Part	00	16.0	00	40
	152/1B Part	00	13.0	00	32
	152/2 Part	00	07.0	00	17
	129/2A Part	00	30.5	00	75
	128/1A Part	00	31.0	00	77
	128/1B Part	00	23.5	00	58
	125/1 Part	00	08.0	00	20
	127/1 Part	00	03.5	00	09
	126 Part	00	38.5	00	95
	62/2 Part	00	20.0	00	49
	61/2 Part	00	24.5	00	61
	59/4 Part	00	26.0	00	64
	54/4 Part	00	14.0	00	35
	54/5 Part	00	20.0	00	50
	53/5 Part	00	07.5	00	18
	53/6 Part	00	07.5	00	19
	52/1 Part	00	05.5	00	14
	52/2 Part	00	05.5	00	13
	51/7 Part	00	09.0	00	22
	51/8 Part	00	11.5	00	28
	317/2A Part	00	00.5	00	01
	320/1 Part	00	01.0	00	03
	320/2 Part	00	39.0	00	96
	321/1 Part	00	01.0	00	03
	321/2 Part	00	00.5	00	01

[F. No. R-31015/7/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.आ. 2679.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (अबसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3125 तारीख 22 नवम्बर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र-प्रदेश राज्य में विजय बाड़ा को करने के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की अपने आणय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 12 अप्रैल, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी बिलम्बनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : पोलावरम

ज़िला : पश्चिम गोदावरी

राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. सब डिविजन	हेक्टेर	क्षेत्रफल		सैरट
			घर	एकड़	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गुडला	828/1 भाग	00	40.5	01	00
	829/4ए भाग	00	04.0	00	10
	829/4सी भाग	00	00.5	00	01
	833/1 भाग	00	05.5	00	13
	830/1सी भाग	00	06.5	00	16
	831/1 भाग	00	21.5	00	53
	831/2 भाग	00	11.5	00	29
	806/1 भाग	00	08.0	00	20
	806/2 भाग	00	26.0	00	64
	807 भाग	00	14.0	00	34
	797 भाग	00	29.5	00	73
	796/1 भाग	00	08.5	00	21
	789/3 भाग	00	20.5	00	51
	789/4 भाग	00	10.0	00	25
	789/5 भाग	00	07.0	00	17
	790/3 भाग	00	15.0	00	37
	791/3 भाग	00	15.0	00	37
	792/1 भाग	00	08.0	00	20
	792/2 भाग	00	15.0	00	37
	772/1 भाग	00	13.5	00	33
	772/4 भाग	00	00.5	00	01
	773/3 भाग	00	01.0	00	03
	773/5 भाग	00	14.5	00	36
	771/1 भाग	00	13.0	00	32
	771/2 भाग	00	11.5	00	29
	771/3 भाग	00	01.5	00	04
	771/4 भाग	00	00.5	00	01

[फांसं०आर-31015/10/95-ओ आर-II]

के०सी० कटौल, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2679.—Whereas by a Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3125, dated the 22nd November, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the

lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 12th April 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines

And further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, right of user in the said lands specified in the the Central Government hereby declares that the

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Polavaram

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Hectaer	Area Ares	Acre	Cent'r
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Gutala	828/1 Part	00	40.5	01	00
	829/4A Part	00	04.0	00	10
	829/4C Part	00	00.5	00	01
	833/1 Part	00	05.5	00	13
	830/1C Part	00	06.5	00	16
	831/1 Part	00	21.5	00	53
	831/2 Part	00	11.5	00	29
	806/1 Part	00	08.0	00	20
	806/2 Part	00	26.0	00	64
	807 Part	00	14.0	00	34
	797 Part	00	29.5	00	73
	796/1 Part	00	08.5	00	21
	789/3 Part	00	20.5	00	51
	789/4 Part	00	10.0	00	25
	789/5 Part	00	07.0	00	17
	790/3 Part	00	15.0	00	37
	791/3 Part	00	15.0	00	37
	792/1 Part	00	08.0	00	20
	792/2 Part	00	15.0	00	37
	772/1 Part	00	15.5	00	33
	772/4 Part	00	00.5	00	01
	773/3 Part	00	01.0	00	03
	773/5 Part	00	14.5	00	36
	771/1 Part	00	13.0	00	32
	771/2 Part	00	11.5	00	29
	771/3 Part	00	01.5	00	04
	771/4 Part	00	00.5	00	01

[F. No. R-3/015/10/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.आ. 2680.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अबसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2852 तारीख 10 अक्तूबर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी; और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 25 नवम्बर 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी, और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है :

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विस्वाधनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल	कस्मिकोटा	राज्य	जिला	विशाखापट्टनम		
		आन्ध्र प्रदेश				
श्रम	सर्वे नं./ सब विविजन	क्षेत्रफल हेक्टेयर	क्षेत्रफल आर	एकड़	सेन्ट	
1	2	3	4	5	6	
चरकम	47/20 भाग	00	02.5	00	06	
	47/21 "	00	04.0	00	10	
	47/15 "	00	02.0	00	05	
	47/23E "	00	01.5	00	04	
	47/13 "	00	01.0	00	03	
	47/12 "	00	01.5	00	04	
	47/24A "	00	03.0	00	07	
	47/23F "	00	00.5	00	01	
	34/10 "	00	02.0	00	05	
	34/8 "	00	01.0	00	03	
	34/7D "	00	04.5	00	11	
	34/6 "	00	01.0	00	03	
	36/10 "	00	09.0	00	22	
	36/8B "	00	00.5	00	01	
	36/9A "	00	01.5	00	04	
	36/9B "	00	05.0	00	12	
	51/1 "	00	03.5	00	09	
	51/2 "	00	07.5	00	18	
	51/3 "	00	00.5	00	01	
	51/15B "	00	03.0	00	08	
	51/15A "	00	02.0	00	05	
	51/19B "	00	02.5	00	06	
	51/19C "	00	01.0	00	03	
	51/19D "	00	02.5	00	06	
	51/16 "	00	02.5	00	06	

1	2	3	4	5	6
चरकम (संतत)	51/17 भाग	00	03.0	00	17
	51/18A भाग	00	00.5	00	01
	81/41 भाग	00	02.0	00	05
	71/1A भाग	00	00.5	00	01
	71/1B भाग	00	00.5	00	01
	71/2A भाग	00	04.5	00	11
	71/2C भाग	00	02.0	00	05
	71/2B भाग	00	06.0	00	15
	72/5A भाग	00	03.5	00	09
	72/5D भाग	00	02.5	00	06
	72/5E भाग	00	01.5	00	04
	72/4 भाग	00	02.5	00	06
	74/5 भाग	00	01.0	00	03
	74/4 भाग	00	03.5	00	09
	74/6 भाग	00	01.0	00	02
	74/11A भाग	00	00.5	00	01
	74/15 भाग	00	02.0	00	05
	74/16 भाग	00	02.0	00	05
	74/14A पूरा	00	02.0	00	05
	74/14B भाग	00	01.0	00	02
	74/13 भाग	00	01.5	00	04
	74/17 भाग	00	00.5	00	01
	74/18 भाग	00	01.0	00	03
	74/19 भाग	00	04.5	00	11
	74/20 भाग	00	04.5	00	11
	77/24 भाग	00	03.5	00	09
	77/23 भाग	00	03.0	00	08
	77/22 भाग	00	07.0	00	17
	77/27 भाग	00	00.5	00	01
	77/20 भाग	00	01.5	00	04
	77/21 भाग	00	01.5	00	04
	76/21A भाग	00	01.0	00	03
	76/21B भाग	00	01.0	00	02
	76/21C भाग	00	00.5	00	01
	76/11 भाग	00	04.0	00	10
	76/12 भाग	00	01.0	00	02
	76/13 भाग	00	01.5	00	02
	91/9 भाग	00	00.5	00	01
	91/10 भाग	00	03.5	00	09
	91/7 भाग	00	04.0	00	10
	91/6 भाग	00	04.0	00	10
	91/5 भाग	00	07.5	00	18
	91/3 भाग	00	13.0	00	32
	91/4 भाग	00	11.5	00	28
लीड़ा	317/12 भाग	00	05.5	00	14
	317/11 भाग	00	02.5	00	06
	317/9 भाग	00	05.5	00	13
	317/10 भाग	00	03.5	00	09
	317/8 भाग	00	00.5	00	01
	317/7 भाग	00	02.0	00	05
	317/5 भाग	00	13.0	00	32
	316/12 भाग	00	00.5	00	01
	316/9 भाग	00	05.5	00	13
	316/8 भाग	00	07.0	00	17

1	2	3	4	5	6
सिद्धा (संयत)	57/13 भाग	00	01.0	00	02
	315/8 भाग	00	01.0	00	03
	315/15 भाग	00	04.0	00	10
	315/14 भाग	00	04.5	00	11
	315/9 भाग	00	01.0	00	03
	315/11 भाग	00	03.5	00	09
	69/15 भाग	00	04.5	00	11
	69/17 भाग	00	00.5	00	01
	69/16 भाग	00	01.0	00	02
	69/13 भाग	00	01.0	00	03
	69/14 भाग	00	02.0	00	05
	69/12 भाग	00	03.0	00	07
	69/11 भाग	00	01.0	00	03
	70/22 भाग	00	02.5	00	06
	70/21 भाग	00	05.0	00	12
	70/20 भाग	00	02.0	00	05
	70/19 भाग	00	01.5	00	04
	70/14 भाग	00	03.5	00	09
	71 भाग	00	02.5	00	06
	88 भाग	00	00.5	00	01
	86/15 भाग	00	04.5	00	11
	86/16 भाग	00	03.0	00	08
	86/14 भाग	00	05.5	00	13
	86/13 भाग	00	05.0	00	12
	86/12 भाग	00	11.0	00	27
	86/8 भाग	00	00.5	00	01
	86/7 भाग	00	00.5	00	01
	86/5 भाग	00	05.5	00	14
	86/3 भाग	00	01.0	00	03
	83/1 भाग	00	00.5	00	01
	100/56 भाग	00	00.5	00	01
	100/57 भाग	00	02.0	00	05
	100/49 भाग	00	03.0	00	08
	100/48 भाग	00	03.0	00	08
	100/50 भाग	00	01.0	00	03
	100/51 भाग	00	00.5	00	0 1
	100/46 भाग	00	01.5	00	04
	100/47 भाग	00	03.0	00	07
	100/43 भाग	00	00.5	00	01
	100/42 भाग	00	00.5	00	01
	100/41 भाग	00	00.5	00	01
	101/23 भाग	00	00.5	00	01
	101/22 भाग	00	01.0	00	03
	101/21 भाग	00	02.5	00	06
	101/18 भाग	00	00.5	00	01
	101/17 भाग	00	01.0	00	03
	101/16 पूरा	00	01.0	00	03
	101/15 भाग	00	00.5	00	01
	101/14 भाग	00	01.5	00	04
	101/13 भाग	00	01.0	00	03
	101/12 भाग	00	01.5	00	04
	101/11 भाग	00	01.0	00	02
	101/8 भाग	00	03.0	00	08
	101/7 भाग	00	04.0	00	10

1	2	3	4	5	6
सं.क्रा-- (आरंभ)	101/6 भाग	00	01.0	00	03
	101/5 भाग	00	00.5	00	01
	102/1 भाग	00	07.0	00	17
	104/23 भाग	00	09.5	00	24
	104/26 भाग	00	00.5	00	01
	104/27 भाग	00	04.0	00	10
	104/22 भाग	00	00.5	00	01
	104/28 भाग	00	04.0	00	10
	104/17 भाग	00	00.5	00	01
	104/31 भाग	00	09.0	00	22
	104/33 भाग	00	01.5	00	04
	169/20 भाग	00	07.5	00	18
	169/19 भाग	00	00.5	00	01
	169/18 भाग	00	00.5	00	01
	169/17 भाग	00	00.5	00	0 1
	169/16 भाग	00	01.0	00	03
	169/15 भाग	00	02.5	00	06
	169/14 भाग	00	01.5	00	04
	169/12 भाग	00	01.0	00	02
	169/13 भाग	00	01.0	00	02
	169/4 भाग	00	04.5	00	11
	169/3 भाग	00	05.5	00	14
	169/1 भाग	00	12.0	00	30
	168/30 भाग	00	01.5	00	04
	163/12 भाग	00	04.5	00	11
	163/11 भाग	00	03.5	00	09
	163/9 भाग	00	01.0	00	03
	163/8 भाग	00	01.0	00	03
	163/22 भाग	00	05.5	00	14
	163/18 भाग	00	01.0	00	02
	163/6 भाग	00	03.0	00	08
	162/6 भाग	00	01.0	00	02
	162/3 भाग	00	06.0	00	16
	162/5 भाग	00	04.0	00	10
	158/30 पूरा	00	05.5	00	14
	158/11 भाग	00	01.0	00	03
	158/13 भाग	00	00.5	00	01
	158/17 पूरा	00	00.5	00	01
	158/29 भाग	00	04.0	00	10
	158/28 भाग	00	02.0	00	05
	158/22 भाग	00	00.5	00	01
	155/6 भाग	00	21.0	00	52
	154/1 भाग	00	13.5	00	33
	153 भाग	00	24.5	00	60
	152 भाग	00	00.5	00	01
	127/7 भाग	00	02.0	00	05
	127/6 भाग	00	07.5	00	18
	127/8 भाग	00	00.5	00	01
	127/3 भाग	00	07.5	00	18
	127/2 भाग	00	05.5	00	13
	131/7 भाग	00	00.5	00	01
	131/6 भाग	00	04.5	00	11
	131/5 भाग	00	05.5	00	13
	131/4 भाग	00	09.5	00	23

1	2	3	4	5	6
तोड़ा (जारी)	131/3 भाग	00	02.5	00	06
	131/1 भाग	00	09.5	00	23
	132/3 भाग	00	15.0	00	37
अदकाम	79/3 भाग	00	10.0	00	25
	79/1 भाग	00	03.0	00	07
	79/20 भाग	00	00.5	00	01
	18/1 भाग	00	04.0	00	10
	16/1H भाग	00	09.5	00	24
	16/1 I भाग	00	09.5	00	23
	16/1N भाग	00	18.5	00	4 6
	16/1L भाग	00	09.5	00	23
	28/1 भाग	00	01.0	00	02
	29/2 भाग	00	19.0	00	47
अचरेला	25/1B/33 भाग	00	17.5	00	44
	25/1B/38 भाग	00	09.5	00	23
	25/1C/4 भाग	00	17.5	00	44
	25/1C/28 भाग	00	01.0	00	02

[फा० सं० आर-31015/6/95-ओ आर II]

के. मो. कटौत, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2680. Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry Petroleum and Natural Gas number S.O. 2852 dated the 10th October, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 25th Nov. 1995

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And, further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Kasimkota

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village

Survey No./
Sub-Division

Hectare

Area
Ares

Acre

Cents

1

2

3

4

5

6

Charakam

47/20 Part

00

02.5

00

06

47/21 Part

00

04.0

00

10

47/15 Part

00

02.0

00

05

47/23E Part

00

01.5

00

04

1	2	3	4	5	6
Charakam (Contd.)	47/13 Part	00	01.0	00	03
	47/12 Part	00	01.5	00	04
	47/24A Part	00	03.0	00	07
	47/23F Part	00	00.5	00	01
	34/10 Part	00	02.0	00	05
	34/8 Part	00	01.0	00	03
	34/7D Part	00	04.5	00	11
	34/6 Part	00	01.0	00	03
	36/10 Part	00	09.0	00	22
	36/8B Part	00	00.5	00	01
	36/9A Part	00	01.5	00	04
	36/9B Part	00	05.0	00	12
	51/1 Part	00	03.5	00	09
	51/2 Part	00	07.5	00	18
	51/3 Part	00	00.5	00	01
	51/15B Part	00	03.0	00	08
	51/15A Part	00	02.0	00	05
	51/19B Part	00	02.5	00	06
	51/19C Part	00	01.0	00	03
	51/19D Part	00	02.5	00	06
	51/16 Part	00	02.5	00	06
	51/17 Part	00	03.0	00	17
	51/18A Part	00	00.5	00	01
	81/41 Part	00	02.0	00	05
	71/1A Part	00	00.5	00	01
	71/1B Part	00	00.5	00	01
	71/2A Part	00	04.5	00	11
	71/2C Part	00	02.0	00	05
	71/2B Part	00	06.0	00	15
	72/5A Part	00	03.5	00	09
	72/5D Part	00	02.5	00	06
	72/5E Part	00	01.5	00	04
	72/4 Part	00	02.5	00	06
	74/5 Part	00	01.0	00	03
	74/4 Part	00	03.5	00	09
	74/6 Part	00	01.0	00	02
	74/11A Part	00	00.5	00	01
	74/15 Part	00	02.0	00	05
	74/16 Part	00	02.0	00	05
	74/14A Part	00	02.0	00	05
	74/14B Part	00	01.0	00	02
	74/13 Part	00	01.5	00	04
	74/17 Part	00	00.5	00	01
	74/18 Part	00	01.0	00	03
	74/19 Part	00	04.5	00	11
	74/20 Part	00	04.5	00	11
	77/24 Part	00	03.5	00	09
	77/23 Part	00	03.0	00	08
	77/22 Part	00	07.0	00	17
	77/27 Part	00	00.5	00	01
	77/20 Part	00	01.5	00	04
	77/21 Part	00	01.5	00	04
	76/21A Part	00	01.0	00	03
	76/21B Part	00	01.0	00	02

1	2	3	4	5	6
Chrakam)Codtd.)	76/21C Part	00	00.5	00	01
	76/11 „	00	01.0	00	10
	76/12 „	00	01.0	00	02
	76/13 „	00	01.5	00	02
	91/9 „	00	00.5	00	01
	91/10 „	00	03.5	00	09
	91/7 „	00	04.0	00	10
	91/6 „	00	04.0	00	10
	91/5 „	00	07.5	00	18
	91/3 „	00	13.0	00	32
	91/4 „	00	11.5	00	28
Theeda	317/12 „	00	05.5	00	14
	317/11 „	00	02.5	00	06
	317/9 „	00	05.5	00	13
	317/10 „	00	03.5	00	09
	317/8 „	00	00.5	00	01
	317/7 „	00	02.0	00	05
	317/5 „	00	13.0	00	32
	316/12 „	00	00.5	00	01
	316/9 „	00	05.5	00	13
	316/8 „	00	07.0	00	17
	57/13 „	00	01.0	00	02
	315/8 „	00	01.0	00	03
	315/15 „	00	04.0	00	10
	315/14 „	00	04.5	00	11
	315/9 „	00	01.0	00	03
	315/11 „	00	03.5	00	09
	69/15 „	00	04.5	00	11
	69/17 „	00	00.5	00	01
	69/16 „	00	01.0	00	02
	69/13 „	00	01.0	00	03
	69/14 „	00	02.0	00	05
	69/12 „	00	03.0	00	07
	69/11 „	00	01.0	00	03
	70/22 Part	00	02.5	00	06
	70/21 „	00	05.0	00	12
	70/20 „	00	02.0	00	05
	70/19 „	00	01.5	00	04
	70/14 „	00	03.5	00	09
	71 „	00	02.5	00	06
	88 „	00	00.5	00	01
	86/15 „	00	04.5	00	11
	86/16 „	00	03.0	00	08
	86/14 „	00	05.5	00	13
	86/13 „	00	05.0	00	12
	86/12 „	00	11.0	00	27
	86/8 „	00	00.5	00	01
	86/7 „	00	00.5	00	01
	86/5 „	00	05.5	00	14
	86/3 „	00	01.0	00	03
	83/1 „	00	00.5	00	01
	100/56 „	00	00.5	00	01
	100/57 „	00	02.0	00	05
	100/49 „	00	03.0	00	08

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Theeda (Contd)	100/48 Part	00	03.0	00	08
	100/50 ..	00	01.0	00	03
	100/51 ..	00	00.5	00	01
	100/46 ..	00	01.5	00	04
	100/47 ..	00	03.0	00	07
	100/43 ..	00	00.5	00	01
	100/42 ..	00	00.5	00	01
	100/41 ..	00	00.5	00	01
	101/23 ..	00	00.5	00	01
	101/22 ..	00	01.0	00	03
	101/21 ..	00	02.5	00	06
	101/18 ..	00	00.5	00	01
	101/17 ..	00	01.0	00	03
	101/16 Full	00	01.0	00	03
	101/15 Part	00	00.5	00	01
	101/14 ..	00	01.5	00	04
	101/13 ..	00	01.0	00	03
	101/12 ..	00	01.5	00	04
	101/11 ..	00	01.0	00	02
	101/8 ..	00	03.0	00	08
	101/7 ..	00	04.0	00	10
	101/6 ..	00	01.0	00	03
	101/5 ..	00	00.5	00	01
	102/1 ..	00	07.0	00	17
	104/23 ..	00	09.5	00	24
	104/26 ..	00	00.5	00	01
	104/27 ..	00	04.0	00	10
	104/22 ..	00	00.5	00	01
	104/28 ..	00	04.0	00	10
	104/17 ..	00	00.5	00	01
	104/31 ..	00	09.0	00	22
	104/33 ..	00	01.5	00	04
	169/20 ..	00	07.5	00	18
	169/19 ..	00	00.5	00	01
	169/18 ..	00	00.5	00	01
	169/17 ..	00	00.5	00	01
	169/16 ..	00	01.0	00	03
	169/15 ..	00	02.5	00	06
	169/14 ..	00	01.5	00	04
	169/12 ..	00	01.0	00	02
	169/13 ..	00	01.0	00	02
	169/4 ..	00	04.5	00	1
	169/3 ..	00	05.5	00	14
	169/1 ..	00	12.0	00	30
	168/30 ..	00	01.5	00	04
	163/12 ..	00	04.5	00	11
	163/11 ..	00	03.5	00	09
	163/9 ..	00	01.0	00	03
	163/8 ..	00	01.0	00	03
	163/22 ..	00	05.5	00	14

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Theeda (Contd.)	163/18	Part	00	01.0	00	02	
	163/6	"	00	03.0	00	08	
	162/6	"	00	01.0	00	02	
	162/3	"	00	06.0	00	16	
	162/5	"	00	04.0	00	10	
	158/30	"	00	05.5	00	14	
	158/11	"	00	01.0	00	03	
	158/13	"	00	00.5	00	01	
	158/17	"	00	00.5	00	01	
	158/29	"	00	04.0	00	10	
	158/28	"	00	02.0	00	05	
	158/22	"	00	00.5	00	01	
	155/6	"	00	21.0	00	52	
	154/1	"	00	13.5	00	33	
	153	"	00	24.5	00	60	
	152	"	00	00.5	00	01	
	127/7	"	00	02.0	00	05	
	127/6	"	00	07.5	00	18	
	127/8	"	00	00.5	00	01	
	127/3	"	00	07.5	00	18	
	127/2	"	00	05.5	00	13	
	131/7	"	00	00.5	00	01	
	131/6	"	00	04.5	00	11	
	131/5	"	00	05.5	00	13	
	131/4	"	00	09.5	00	23	
	131/3	"	00	02.5	00	06	
	131/1	"	00	09.5	00	23	
	132/3	"	00	15.0	00	37	
	Addam	79/3	"	00	10.0	00	25
		79/1	"	00	03.0	00	07
		79/20	"	00	00.5	00	01
		18/1	"	00	04.0	00	10
16/1H		"	00	09.5	00	24	
16/1I		"	00	09.5	00	23	
16/1N		"	00	18.5	00	46	
16/1L		"	00	09.5	00	23	
Atcherla	28/1	"	00	01.0	00	02	
	29/2	"	00	19.0	00	47	
	25/1B33	"	00	17.5	00	44	
	25/1B38	"	00	09.5	00	23	
	25/1C4	"	00	17.5	00	44	
	25/1C28	"	00	01.0	00	02	

[F.No. R-31015/6/95-OR.II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.अ. 2681. केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अबसे उसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.अ. 2851 तारीख 10 अक्टूबर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता कोतारीख 25 नवम्बर, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी बिल्डिंगों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : बुध्चेयापेटा

जिला : विशाखापट्टनम

राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं.	सब डिवीजन	हेक्टेर	क्षेत्रफल	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
आर भीमवरम	7/2	भाग	00	35.0	00	85
	10/4	भाग	00	01.0	00	02
	10/3	भाग	00	01.5	00	04
	10/2	भाग	00	02.0	00	05
	22/6	भाग	00	02.0	00	05
	22/14	भाग	00	01.5	00	04
	22/16	भाग	00	01.0	00	02
	21/1	भाग	00	03.0	00	07
	21/3	भाग	00	01.5	00	04
	21/2	भाग	00	03.5	00	09
	21/6	भाग	00	00.5	00	01
	21/10	भाग	00	04.0	00	10
	21/11	भाग	00	00.5	00	01
	26/20	भाग	00	00.5	00	01
	26/21	भाग	00	01.5	00	04
	26/22	भाग	00	01.5	00	04
	26/23	भाग	00	00.5	00	01
	26/27	भाग	00	03.0	00	07
	26/28	भाग	00	03.0	00	07
	26/29	भाग	00	01.0	00	02
	26/32	भाग	00	01.5	00	03
	26/31	भाग	00	02.5	00	06
	33/17	भाग	00	00.5	00	01
	33/16	भाग	00	01.5	00	04
	33/3	भाग	00	01.5	00	04

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
आर. भांडारन (जारी)	33/4	भाग	00	02.5	00	06	
	33/5	भाग	00	00.5	00	01	
	33/15	भाग	00	00.5	00	01	
	33/13	भाग	00	02.0	00	05	
	33/8	भाग	00	01.5	00	04	
	33/12	भाग	00	01.5	00	04	
	33/11	भाग	00	00.5	00	01	
	33/10	भाग	00	04.0	00	10	
	33/9	भाग	00	00.5	00	01	
	32/2	भाग	00	05.5	00	14	
	32/4	भाग	00	01.5	00	04	
	32/3	भाग	00	04.0	00	10	
	32/1	भाग	00	00.5	00	01	
	32/8	भाग	00	02.5	00	06	
	32/9	भाग	00	03.0	00	08	
	32/10	भाग	00	03.0	00	08	
	36/15	भाग	00	00.5	00	01	
	36/16	भाग	00	01.0	00	03	
	36/19	भाग	00	03.0	00	08	
	36/18	भाग	00	01.0	00	03	
	37/7	भाग	00	05.5	00	13	
	37/1	भाग	00	09.0	00	22	
	37/3	भाग	00	06.5	00	16	
	37/6	भाग	00	02.0	00	05	
	37/5	भाग	00	01.0	00	03	
	38/1	भाग	00	03.0	00	08	
	38/4	भाग	00	00.5	00	01	
	38/2	भाग	00	09.5	00	23	
	आर. शिवारामापुरम्	42/8	भाग	00	02.0	00	05
		42/10	भाग	00	05.0	00	12
		42/11	भाग	00	06.0	00	15
		42/13	भाग	00	03.0	00	07
		42/14	भाग	00	01.0	00	02
42/16		भाग	00	01.0	00	03	
42/18		भाग	00	03.0	00	08	
43/1		भाग	00	03.0	00	08	
43/3		भाग	00	03.0	00	08	
43/4		भाग	00	03.5	00	09	
43/6		भाग	00	06.5	00	16	
43/7		भाग	00	00.5	00	01	
44/1		भाग	00	02.5	00	06	
44/2		भाग	00	05.5	00	14	
44/3		भाग	00	01.0	00	02	
51/10		भाग	00	03.0	00	08	
51/3		भाग	00	05.0	00	12	
51/4		भाग	00	01.0	00	02	
51/2		भाग	00	05.5	00	14	
51/5		भाग	00	00.5	00	01	
51/7		भाग	00	04.5	00	11	
52/5		भाग	00	01.5	00	04	
52/4		भाग	00	04.5	00	11	
52/3		भाग	00	01.0	00	03	
52/2A		भाग	00	05.5	00	14	
52/2B		भाग	00	05.5	00	14	

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
आर शिवरामपुत्रम (आर)	53/16	भाग	00	02.5	00	06
	53/15	भाग	00	04.5	00	11
	53/19	भाग	00	01.0	00	03
	53/13	भाग	00	03.5	00	09
	56/1	भाग	00	02.0	00	05
	56/3	भाग	00	02.5	00	06
	56/2	भाग	00	02.0	00	05
	56/11	भाग	00	01.0	00	03
	57/13	भाग	00	03.5	00	09
	57/14	भाग	00	05.0	00	12
	57/15	भाग	00	06.5	00	16
	58/1	भाग	00	16.5	00	41
	61/3	भाग	00	00.5	00	01
	61/2	भाग	00	04.0	00	10
	61/1	भाग	00	01.0	00	02
	61/6	भाग	00	01.0	00	03
	61/7	भाग	00	05.0	00	12
	61/13	भाग	00	04.5	00	11
	60/4	भाग	00	00.5	00	01
	62/13	भाग	00	00.5	00	01
	63/1	भाग	00	03.0	00	07
	63/9	भाग	00	02.0	00	05
	63/4	भाग	00	01.0	00	02
	78/1	भाग	00	10.5	00	26
	78/2	भाग	00	01.0	00	03
	78/3	भाग	00	01.5	00	04
	78/5	भाग	00	00.5	00	01
	78/6	भाग	00	00.5	00	01
	78/9	भाग	00	01.0	00	02
	78/10	भाग	00	15.0	00	37
	80/5	भाग	00	18.5	00	46
	80/6	भाग	00	18.0	00	45
	91/5	भाग	00	02.5	00	06
	91/7	भाग	00	03.5	00	08
	91/8	भाग	00	02.5	00	06
	91/13	भाग	00	01.0	00	03
	63/10	भाग	00	01.0	00	03
	68/2	भाग	00	05.0	00	12
	90/2	भाग	00	22.0	00	54
	90/3	भाग	00	06.5	00	16
	90/4	भाग	00	03.0	00	07
अप्यमपालेम्	17/8	भाग	00	07.5	00	19
	17/11	भाग	00	05.0	00	12
	17/12	भाग	00	02.5	00	06
	18	भाग	00	06.0	00	15
	22/6	भाग	00	01.0	00	02
	22/17	भाग	00	00.5	00	01
	22/19	भाग	00	03.0	00	08
	22/20	भाग	00	01.5	00	04
	21/1	भाग	00	00.5	00	01
	21/5	भाग	00	00.5	00	01
	21/6	भाग	00	08.5	00	21
	21/7	भाग	00	03.5	00	09
	21/8	भाग	00	10.0	00	25

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
अध्यमपालेन (जारी)	19/1	भाग	00	01.5	00	03	
	26/15	भाग	00	05.5	00	13	
	26/14	भाग	00	06.0	00	15	
	27/21	भाग	00	00.5	00	01	
	27/19	भाग	00	04.5	00	11	
	27/32	भाग	00	00.5	00	01	
	27/15	भाग	00	00.5	00	01	
	27/16	भाग	00	01.0	00	02	
	27/13	भाग	00	00.5	00	01	
	27/18	भाग	00	00.5	00	01	
	27/11	भाग	00	03.0	00	08	
	27/10	भाग	00	05.0	00	12	
	62/17	भाग	00	00.5	00	01	
	62/7	भाग	00	01.0	00	02	
	62/2	पूरा	00	02.5	00	06	
	62/1	भाग	00	01.0	00	02	
	62/4	भाग	00	00.5	00	01	
	59/5	भाग	00	01.0	00	03	
	59/6	भाग	00	02.5	00	06	
	59/7	भाग	00	01.5	00	04	
	59/9	भाग	00	00.5	00	01	
	59/8	भाग	00	03.5	00	09	
	59/17	भाग	00	05.5	00	14	
	59/16	भाग	00	01.0	00	02	
	59/15	पूरा	00	01.5	00	04	
	59/14	भाग	00	00.5	00	01	
	59/13	भाग	00	00.5	00	01	
	भूपतिपालेन	95/1	भाग	00	07.0	00	17
		95/8	भाग	00	00.5	00	01
		95/9	भाग	00	03.5	00	09
		95/10	भाग	00	03.5	00	09
		95/11	भाग	00	01.0	00	03
		95/12	भाग	00	01.5	00	04
95/13		भाग	00	00.5	00	01	
95/16		भाग	00	02.0	00	05	
95/17		भाग	00	03.0	00	07	
95/18		भाग	00	01.0	00	03	
81/8		भाग	00	00.5	00	01	
81/10		भाग	00	16.0	00	40	
81/12		भाग	00	01.5	00	04	
81/13		भाग	00	03.5	00	09	
85/22		भाग	00	09.5	00	23	
85/23		भाग	00	02.0	00	05	
85/24		भाग	00	01.5	00	04	
85/25		भाग	00	01.0	00	03	
85/27		भाग	00	06.0	00	15	
86/1		भाग	00	02.5	00	06	
86/2		भाग	00	01.0	00	03	
92/11		भाग	00	00.5	00	01	
93/13		भाग	00	01.5	00	04	
93/14		भाग	00	02.0	00	05	
93/15		भाग	00	03.0	00	08	
94/2		भाग	00	16.5	00	41	
94/3		भाग	00	08.5	00	21	
94/12		भाग	00	02.5	00	06	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
भूप्रतिपालेन (जारी)	94/13	भाग	00	02.5	00	06
मल्लाम	194/6	भाग	00	03.0	00	08
	194/7	भाग	00	02.0	00	05
	194/8	भाग	00	00.5	00	01
	192/12	भाग	00	01.5	00	04
	192/13	भाग	00	02.5	00	06
	192/15	भाग	00	03.5	00	09
	192/16	भाग	00	03.0	00	08
	192/18	भाग	00	02.5	00	06
	192/19	भाग	00	00.5	00	01
	191/2	भाग	00	09.5	00	24
	191/1	भाग	00	01.0	00	02
	191/9	भाग	00	05.0	00	12
	189/1	भाग	00	03.0	00	08
	188/1A	भाग	00	69.0	01	70
	313/1	भाग	00	12.0	00	30
	144/5	भाग	00	11.5	00	29
	144/4	भाग	00	01.5	00	04
	144/10	भाग	00	00.5	00	01
	315/4	भाग	00	20.0	00	49
	315/3	भाग	00	02.5	00	06
	316/7	भाग	00	07.5	00	18
	316/8	भाग	00	00.5	00	01
	316/6	भाग	00	12.0	00	30
	317/1	भाग	00	02.5	00	06
	317/7	भाग	00	09.5	00	24
	317/4	भाग	00	00.5	00	01
	317/5	भाग	00	01.5	00	04
	317/11	भाग	00	02.5	00	06

[फा. सं. आर.—31015/5/95—मो आर-II]

के० सी० कटोख, अधर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2681.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2851 dated the 10th October, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 25th Nov. 1995;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decide to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Butcheyyapeta

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey No./Sub. Division		Area			
			Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
R. Biccemavaram	7/2	Part	00	35.0	00	86
	10/4	Part	00	01.0	00	02
	10/3	Part	00	01.5	00	04
	10/2	Part	00	02.0	00	05
	22/6	Part	00	02.0	00	05
	22/14	Part	00	01.5	00	04
	22/16	Part	00	01.0	00	02
	21/1	Part	00	03.0	00	07
	21/3	Part	00	01.5	00	04
	21/2	Part	00	03.5	00	09
	21/6	Part	00	00.5	00	01
	21/10	Part	00	04.0	00	10
	21/11	Part	00	00.5	00	01
	26/20	Part	00	00.5	00	01
	26/21	Part	00	01.5	00	04
	26/22	Part	00	01.5	00	04
	26/23	Part	00	00.5	00	01
	26/27	Part	00	03.0	00	07
	26/28	Part	00	03.0	00	07
	26/29	Part	00	01.0	00	02
	26/32	Part	00	01.5	00	03
	26/31	Part	00	02.5	00	06
	33/17	Part	00	00.5	00	01
	33/16	Part	00	01.5	00	04
	33/3	Part	00	01.5	00	04
	33/4	Part	00	02.5	00	06
	33/5	Part	00	00.5	00	01
	33/15	Part	00	00.5	00	01
	33/13	Part	00	02.0	00	05
	33/8	Part	00	01.5	00	04
	33/12	Part	00	01.5	00	04
	33/11	Part	00	00.5	00	01
	33/10	Part	00	04.0	00	10
	33/9	Part	00	00.5	00	01
	32/2	Part	00	05.5	00	14
	32/4	Part	00	01.15	00	04
	32/3	Part	00	04.0	00	10
	32/1	Part	00	00.5	00	01
	32/8	Part	00	02.5	00	06
	32/9	Part	00	03.0	00	08
	32/10	Part	00	03.0	00	08
	36/15	Part	00	00.5	00	01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
R. Bheemavaram (Contd.)	36/16	Part	00	01.0	00 03
	36/19	Part	00	03.0	00 08
	36/18	Part	00	01.0	00 03
	37/7	Part	00	05.5	00 13
	37/1	Part	00	09.0	00 22
	37/3	Part	00	06.5	00 16
	37/6	Part	00	02.0	00 05
	37/5	Part	00	01.0	00 03
	38/1	Part	00	03.0	00 08
	38/4	Part	00	00.5	00 01
	38/2	Part	00	09.5	00 23
R. Sivarampuram	42/8	Part	00	02.0	00 05
	42/10	Part	00	05.0	00 12
	42/11	Part	00	06.0	00 15
	42/13	Part	00	03.0	00 07
	42/14	Part	00	01.0	00 02
	42/16	Part	00	01.0	00 03
	42/18	Part	00	03.0	00 08
	43/1	Part	00	03.0	00 08
	43/3	Part	00	03.0	00 08
	43/4	Part	00	03.5	00 09
	43/6	Part	00	06.5	00 16
	43/7	Part	00	00.5	00 01
	44/1	Part	00	02.5	00 06
	44/2	Part	00	05.5	00 14
	44/3	Part	00	01.0	00 02
	51/10	Part	00	03.0	00 08
	51/3	Part	00	05.0	00 12
	51/4	Part	00	01.0	00 02
	51/2	Part	00	05.5	00 14
	51/5	Part	00	00.5	00 01
	51/7	Part	00	04.5	00 11
	52/5	Part	00	01.5	00 04
	52/4	Part	00	04.5	00 11
	52/3	Part	00	01.0	00 03
	52/2A	Part	00	05.5	00 14
	52/2B	Part	00	05.5	00 14
	53/16	Part	00	02.5	00 06
	53/15	Part	00	04.5	00 11
	53/19	Part	00	01.0	00 03
	53/13	Part	00	03.5	00 09
	56/1	Part	00	02.0	00 05
	56/3	Part	00	02.5	00 06
	56/2	Part	00	02.0	00 05
	56/11	Part	00	01.0	00 03
	57/13	Part	00	03.5	00 09
	57/14	Part	00	05.0	00 12
	57/15	Part	00	06.5	00 16
	58/1	Part	00	16.5	00 41
	61/3	Part	00	00.5	00 01
	61/2	Part	00	04.0	00 10
	61/1	Part	00	01.0	00 02
	61/6	Part	00	01.0	00 03
	61/7	Part	00	05.0	00 12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
R. Sivaramapattam (Contd.)	61/13	Part	00	04.5	00 11
	60/4	Part	00	00.5	00 01
	62/13	Part	00	00.5	00 01
	63/1	Part	00	03.0	00 07
	63/9	Part	00	02.0	00 05
	63/4	Part	00	01.0	00 02
	78/1	Part	00	10.5	00 26
	78/2	Part	00	01.0	00 03
	78/3	Part	00	01.5	00 04
	78/5	Part	00	00.5	00 01
	78/6	Part	00	00.5	00 01
	78/9	Part	00	01.0	00 02
	78/10	Part	00	15.0	00 37
	80/5	Part	00	18.5	00 46
	80/6	Part	00	18.0	00 45
	91/5	Part	00	02.5	00 06
	91/7	Part	00	03.5	00 08
	91/8	Part	00	02.5	00 06
	91/13	Part	00	01.0	00 03
	63/10	Part	00	01.0	00 03
	68/2	Part	00	05.0	00 12
	90/2	Part	00	22.0	00 54
	90/3	Part	00	06.5	00 16
	90/4	Part	00	03.0	00 07
Appampalem	17/8	Part	00	07.5	00 19
	17/11	Part	00	05.0	00 12
	17/12	Part	00	02.5	00 06
	18	Part	00	06.0	00 15
	22/6	Part	00	01.0	00 02
	22/17	Part	00	00.5	00 01
	22/19	Part	00	03.0	00 08
	22/20	Part	00	01.5	00 04
	21/1	Part	00	00.5	00 01
	21/5	Part	00	00.5	00 01
	21/6	Part	00	08.5	00 21
	21/7	Part	00	03.5	00 09
	21/8	Part	00	10.0	00 25
	19/1	Part	00	01.5	00 03
	26/15	Part	00	05.5	00 13
	26/14	Part	00	06.0	00 15
	27/21	Part	00	00.5	00 01
	27/19	Part	00	04.5	00 11
	27/32	Part	00	00.5	00 01
	27/15	Part	00	00.5	00 01
	27/16	Part	00	01.0	00 02
	27/13	Part	00	00.5	00 01
	27/18	Part	00	00.5	00 01
	27/11	Part	00	03.0	00 08
	27/10	Part	00	05.0	00 12
	62/17	Part	00	00.5	00 01
	62/7	Part	00	01.0	00 02
	62/2	Full	00	02.5	00 06
	62/1	Part	00	01.0	00 02
	62/4	Part	00	00.5	00 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Appampalem (Contd.)	59/5	Part	00	01.0	00	03
	59/6	Part	00	02.5	00	06
	59/7	Part	00	01.5	00	04
	59/9	Part	00	00.5	00	01
	59/8	Part	00	03.5	00	09
	59/17	Part	00	05.5	00	14
	59/16	Part	00	01.0	00	02
	59/15	Full	00	01.5	00	04
	59/14	Part	00	00.5	00	01
	59/13	Part	00	00.5	00	01
Bhupatipalem	95/1	Part	00	07.0	00	17
	95/8	Part	00	00.5	00	01
	95/9	Part	00	03.5	00	09
	95/10	Part	00	03.5	00	09
	95/11	Part	00	01.0	00	03
	95/12	Part	00	01.5	00	04
	95/13	Part	00	00.5	00	01
	95/16	Part	00	02.0	00	05
	95/17	Part	00	03.0	00	07
	95/18	Part	00	01.0	00	03
	81/8	Part	00	00.5	00	01
	81/10	Part	00	16.0	00	40
	81/12	Part	00	01.5	00	04
	81/13	Part	00	03.5	00	09
	85/22	Part	00	09.5	00	23
	85/23	Part	00	02.0	00	05
	85/24	Part	00	01.5	00	04
	85/25	Part	00	01.0	00	03
	85/27	Part	00	06.0	00	15
	86/1	Part	00	02.5	00	06
	86/2	Part	00	01.0	00	03
	92/11	Part	00	00.5	00	01
	93/13	Part	00	01.5	00	04
	93/14	Part	00	02.0	00	05
	93/15	Part	00	03.0	00	08
	94/2	Part	00	16.5	00	41
	94/3	Part	00	08.5	00	21
	94/12	Part	00	02.5	00	06
	94/13	Part	00	02.5	00	06
	Mal'am	194/6	Part	00	03.0	00
194/7		Part	00	02.0	00	05
194/8		Part	00	00.5	00	01

1	2	3	4	5	6	
Mzllam (Contd.)	192/12	Part	00	01.5	00	04
	192/13	Part	00	02.5	00	06
	192/15	Part	00	03.5	00	09
	192/16	Part	00	03.0	00	08
	192/18	Part	00	02.5	00	06
	192/19	Part	00	00.5	00	01
	191/2	Part	00	09.5	00	24
	191/1	Part	00	01.0	00	02
	191/9	Part	00	05.0	00	12
	189/1	Part	00	03.0	00	08
	188/1A	Part	00	69.0	01	70
	313/1	Part	00	12.0	00	30
	144/5	Part	00	11.5	00	29
	144/4	Part	00	01.5	00	04
	144/10	Part	00	00.5	00	01
	315/4	Part	00	20.0	00	49
	315/3	Part	00	02.5	00	06
	316/7	Part	00	07.5	00	18
	316/8	Part	00	00.5	00	01
	316/6	Part	00	12.0	00	30
	317/1	Part	00	02.5	00	06
	317/7	Part	00	09.5	00	24
	317/4	Part	00	00.5	00	01
	317/5	Part	00	01.5	00	04
	317/11	Part	00	02.5	00	06

[F. No. R—31015/5/95—O. R.-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1996

का.भा. 2682.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 55) (अबसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.भा. 2850 तारीख 10 अक्टूबर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्रप्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 20 नवम्बर, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी; और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग अधिकार के का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी बिलंबनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होमा।

अनुसूची

मंडल

खोड़ापरम

जिला : विशाखपटनम

राज्य : आंध्र प्रदेश

श्राम	सर्वे नं० :/ सब डिभिजन		हेक्टेर	क्षेत्रफल		सेन्ट
				आर	एकड़	
1	2		3	4	5	6
सुवसुति	385/3	भाग	00	03.0	00	07
	385/2	भाग	00	01.0	00	02
	384/23	भाग	00	01.5	00	04
	384/22	भाग	00	01.0	00	02
	384/21	भाग	00	04.5	00	11
	386/19	भाग	00	01.0	00	02
	386/20	भाग	00	02.0	00	05
	386/21	भाग	00	02.0	00	05
	386/22	भाग	00	01.5	00	04
	386/23	भाग	00	05.5	00	13
	386/24	भाग	00	01.0	00	02
	388/3	भाग	00	06.5	00	16
	388/2	भाग	00	02.0	00	05
	387/10	भाग	00	01.0	00	02
	374	भाग	00	07.5	00	18
	363/3	भाग	00	00.5	00	01
	363/6	भाग	00	04.0	00	10
	363/9	भाग	00	03.5	00	09
	359/10	भाग	00	01.5	00	03
	359/11	भाग	00	04.0	00	10
	359/12	भाग	00	00.5	00	01
	359/14	भाग	00	00.5	00	01
	359/16	भाग	00	04.0	00	10
	266/3	भाग	00	01.5	00	03
	267/24	भाग	00	01.5	00	03

1	2	3	4	5	6	
मुद्रबुति (जारी)	267/23	भाग	00	02.0	00	05
	267/22	भाग	00	01.0	00	02
	267/20	भाग	00	01.0	00	02
	267/19	भाग	00	01.5	00	03
	267/3	भाग	00	03.0	00	08
	267/5	भाग	00	03.0	00	07
	267/6	भाग	00	04.0	00	10
	267/8	भाग	00	01.5	00	03
	267/1	भाग	00	07.0	00	17
	276/15	भाग	00	00.5	00	01
	298/2	भाग	00	11.0	00	27

[फा. सं. आर-31015/3/95-बी. अर.-II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1996

S.O. 2682—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2850 dated the 10th October, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 20th November, 1995;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And, further, whereas, the Central Government has after considering the said report, decide to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrance

SCHEDULE

Mandal : Chodavaram

State ; Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey No./Sub. Division		Area			
			Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Muddurthi	385/3	Part	00	03.0	00	07
	385/2	Part	00	01.0	00	02
	384/23	Part	00	01.5	00	04
	384/22	Part	00	01.0	00	02
	384/21	Part	00	04.5	00	11
	386/19	Part	00	01.0	00	02
	386/20	Part	00	02.0	00	05
	386/21	Part	00	02.0	00	05
	386/22	Part	00	01.5	00	04
	386/23	Part	00	05.5	00	13
	386/24	Part	00	01.0	00	02
	388/3	Part	00	06.5	00	16
	388/2	Part	00	02.0	00	05
	387/10	Part	00	01.0	00	02
	374	Part	00	07.5	00	18
	363/3	Part	00	00.5	00	01
	363/6	Part	00	04.0	00	10
	363/9	Part	00	03.5	00	09
	359/10	Part	00	01.5	00	03
	359/11	Part	00	04.0	00	10
	359/12	Part	00	00.5	00	01
	359/14	Part	00	00.5	00	01
	359/16	Part	00	04.0	00	10
	266/3	Part	00	01.5	00	03
	267/24	Part	00	01.5	00	03
	267/23	Part	00	02.0	00	05
	267/22	Part	00	01.0	00	02
	267/20	Part	00	01.0	00	02
	267/19	Part	00	01.5	00	03
	267/3	Part	00	03.0	00	08
	267/5	Part	00	03.0	00	07
	267/6	Part	00	04.0	00	10
	267/8	Part	00	01.5	00	03
	267/1	Part	00	07.0	00	17
	276/15	Part	00	00.5	00	01
	298/2	Part	00	11.0	00	27

[F.No. R-31015/3/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1996

का.आ. 2683 :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 13 के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की तीसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात् :—
उक्त अनुसूची के भाग 2 में विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

“जन श.र.—हार्बेडिंग में विशेषज्ञ
जन समुदाय,
काथोलिक विश्वविद्यालय,
लेवेन, बेल्जियम।
फाजल्ट फर यूरोलाजी,
विद्यापीठ विश्वविद्यालय,
आस्ट्रिया :”

[सं.वी. 11015/2/96-एम.ई. (यू.जी.)]

एस.के. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 22nd August, 1996

S.O. 2683.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consultation with the Medical Council of India hereby makes the following further amendments in the Third Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule in Part II, after the existing entries, the following entries shall be added, namely :—

“Ganeesheer-specialist in Inwendige

Ganeeskunde,
Katholike University,
Leuven, Belgium
Facharzt Fur Urologie,
University of Viennea,
Austria”.

[No. V-11015/2/96-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1996

का.आ. 2684—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियमों, 1903 के निगमों 7 और 8 के साथ पटित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 की धारा 5 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय की दिनांक 21-12-94 और 14-7-95 की सम-संयुक्त अधिसूचनाओं के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार, डा. प्रमोदलाला खाँ उर्फ प्रमोद खाँ, अध्यक्ष, तमिलनाडु मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड, पोस्ट बॉक्स संख्या 649, 16/2, के. पी. स्ट्रीट, मीलापुर, मद्रास-600004 तथा श्री पिचुमनी रंगाराजन, 1A, ब्लॉक 5, बजा

अपार्टमेंन्ट्स, मधनम, मद्रास-600015 को उत्काल प्रभाव से 2 वर्षों की अवधि अथवा अगले आदेशों तक इनमें से जो भी पहले हो के लिए केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल के सदस्यों के रूप में नियुक्त करता है।

[का.सं. 809/6/93-एफ (सी)]

वी.के. मल्होत्रा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 16th August, 1996

S.O. 2684.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 read with Rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's notification of even number dt. 21-12-94 and 14-7-95 the Central Govt. is pleased to appoint Dr. Ammanullah Khan alias Amaan Khan, Chairman, Tamil Nadu Muslim Personnel Law Board, Post Box No. 649, 16/2, K. P. Street, Mylapore Madras-600004 and Shri Pitchumani Rangarajan, 1A, Block V, Baja Apartment Nandanam, Madras-600035 as members of the Madras Advisory Panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of 2 years or until further orders whichever is earlier.

[F. No. 809/6/93-F(C)]

V. K. MALHOTRA, Desk Officer

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली 11 सितम्बर, 1996

का. आ. 2585 दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 52 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्राधिकरण प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत दिल्ली विकास प्राधिकरण के प्रभावी सवस्य-नियोजन के परामर्श से प्रयोग करने के लिए उपाध्यक्ष को प्रदत्त शक्तियाँ योजना विभाग के प्रमुख को भी सौंपी जाती हैं।

[एफ. 15(14)/96-एम.पी.]

विश्व मोहन बंसल, आयुक्त एवं सचिव,

Delhi Development Authority

New Delhi, the 13th September, 1996

S.O. 2685.—In exercise of the powers vested in the Authority under sub-section (1) of Section 52 of the Delhi Development Act, 1957; powers under Section 13 of the said Act delegated to the Vice-Chairman to exercise the same in consultation with DDA's Member Incharge Planning is further delegated to the Head of the Planning Department.

[F. 15(14)96-MP]

V. M. BANSAL, Commr.-cum-Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2686 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक आफ बड़ोदा के प्रबंध तंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 2, मुम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/310/92-आई आर (बी-2)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2686.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Mumbai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 23-8-96.

[No. L-12012/310/92-IR-(B-II)]

SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

Present :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/15 OF 1993

Employers in relation to the management of Bank of Baroda

AND

Their Workmen

Appearances :

For the Management : Shri S. K. Talsania, Advocate.

For the Workmen : Shri M. B. Anchan, Advocate.

Mumbai, dated 13th August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of labour by its order No. L-12012/310/92 dated 2-2-93 had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Mumbai is justified in not issuing letter for appearing for aptitude test scheduled to be held on 25-8-91 to Shri D. G. Sawant, H. Talvankar, Shri S. Antao, Shri K. Santosh Kumar and Mrs. Asha Rane? If not, to what relief the workmen concerned are entitled 'or'?"

2. The General Secretary of Bank of Baroda employees Association filed a statement of claim at Exhibit-3. It is contended that the concerned employees made application in response to bank's invitation of application for assignments of duties of ALPM/AEAM Operators dated 8-12-89. The examination date was declared to be on 25-8-91. But the bank did not issue call letters to these workmen. The workmen wrote to the bank for issuance of the call letters but they were

not replied. This action is discriminatory. It has raised a dispute before the Assistant Labour Commissioner.

3. It is alleged by the union that the bank did not declare the results of the aptitude tests conducted in 1983-84, 1984-85 but arbitrarily selected 5 ALPM operators and posted them in Fort University Branch in the year 1986-87 in violation of Bipartite settlement. It is pleaded that the bank by its circular dated 10-8-91 exempted those employees who were completed 240 days of working on ALPM machines as on 30-6-91 for appearing in aptitude tests conducted on 25-8-91. This is in violation of settlements for selection of ALPM/AEAM operators dated 6-8-89. The union submitted that all the actions of the bank are violative of settlements and Principles of Natural Justice. They prayed for the relief as stated in para 10 of the statement of claim.

4. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-5. It is asserted that the action which is taken by the bank is as per the settlement dated 29-3-87. It is denied that this action is discriminatory and violative of Principles of Natural Justice. It is submitted that the union is not entitled to any of the reliefs as claimed under the settlement of claim.

5. The union reiterated its acts by the rejoinder at Exhibit-7.

6. The issues that all for my consideration and my findings thereon are as follows :

Issues

Findings

- | | |
|---|-------------------------|
| 1. Whether the action of the management of Bank of Baroda, Mumbai is justified in not issuing letters for appearing in aptitude tests scheduled to be held on 25-8-91 to Mr. D. G. Sawant, H. Talvankar, S. Antao, K. Santosh Kumar, Mrs. Asha Rane ? | The action is justified |
|---|-------------------------|

- | | |
|---|-------------------|
| 2. If yes, to what relief the workmen concerned are entitled to ? | Does not survive. |
|---|-------------------|

REASONS

7. Surendra Shetty filed his affidavit at Exhibit-12. But he did not remain present for cross-examination later on. Many adjournments were granted for the stated purposes. But it was without any effect. In the result there is no evidence on behalf of the union.

8. I may mention it here that Mr. Anchan the Learned Advocate was appearing for the union. Initially he filed no instruction purshis on behalf of the union on 17-8-95 (Exhibit-6). Later on it appears that he again started appearing for the union and filed an affidavit of Shetty by way of examination-in-chief. As Shetty did not appear again on several occasions he again filed no instructions purshis on 23-7-96 (Exhibit-13).

9. The matter was then adjourned for evidence by the management and ultimately today one P. K. Murlidharan Das filed his affidavit (Exhibit-14) on behalf of the management. He affirmed that the action which is taken by the bank as per the settlement dated 6-8-89. According to him the action is perfectly justified. As the union is absent there is no cross-examination I therefore find that what is affirmed by Murlidharan Das to be accepted. In the result I return my findings on the issues accordingly and pass the following Order :

ORDER

The action of the management of Bank of Baroda, Bombay is justified in not issuing letter for appearing for aptitude test scheduled to be held on 25-8-91 to Shri D. G. Sawant, H. T. Talvankar Shri S. Antao, Shri K. Santosh Kumar and Mrs. Asha Rane.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2687 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोल्लम के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/258/94-आई आर (बी-2)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2687.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 20-8-1996.

[No. L-12012/258/94-IR (B-II)]

SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM

(Dated, this the 5th day of August, 1996)

PRESENT :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal.

IN

Industrial Dispute No. 23/94

BETWEEN

Deputy General Manager, Canara Bank, M.G. Road,
Circle Office, Trivandrum.

(S/s. Kalkura S. S., and Kalkura R. S., Advocates,
Trivandrum)

AND

The Asst. Secretary, Canara Bank Employees Union,
State Committee C/o Canara Bank, Chetooty Road,
Calicut-1.

(By Sri K. Muralidharan Nair, Advocate, Trivandrum)

AWARD

This industrial dispute has been referred for adjudication to this Tribunal by the Government of India as per Order No. L-12012/258/94-IR (B-II) dated 1-12-1994.

The issue for adjudication is the following :

"Whether the action of the management of Canara Bank, Trivandrum in imposing the punishment of stoppage of one increment for a period of two years without cumulative effect on Sri P. O. John, Clerk vide order dated 9-7-1992 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. The union espousing the cause of the workman Sri P. O. John has filed a detailed claim statement and the contentions are briefly as under : The workman was working as a clerk at the management Bank Punalur branch from 12-4-1984 to 26-3-1990. By charge sheet dated 1-11-1990 the management has alleged as below :

"That the workman was in the habit of canvassing deposits to Unit Trust of India from the customers of the Punalur Branch of Canara Bank; and thereby diverted funds from their account maintained at Punalur

Branch to Unit Trust of India; and it is further alleged that on 30-5-1990 the workman availed casual leave for 1 day on the ground of illness and canvassed customers for depositing with Unit Trust of India; and that by the aforesaid facts of the workman; the workman has caused damages to the properties of the Bank and thereby committed gross misconduct within the meaning of Chapter XI Regulation 3 clause (j) of Canara Bank service code and that the above action being prejudicial to the interest of the Bank have committed gross misconduct within the meaning of Chapter XI Regulation 3, clause (M) of Canara Bank Service Code."

The workman denied the charge and the management accordingly conducted a face of an enquiry and ordered the punishment of stoppage of increment for a period of 2 years without cumulative effect. According to the union the enquiry and the proceedings leading to the punishment are improper, illegal and against provisions of law.

3. The further case of the union is that the enquiry officer conducted the enquiry with a pre conceived notion that the workman is guilty of the charge and thereby committed greatest miscarriage of justice in recommending punishment. The workman was not provided with basic documents relied on by the management in issuing charge. An investigation was conducted behind the back of the workman and in violation of rules and norms. It is a clear case of victimisation and the branch manager, Punalur has strained much in connivance with the management in concocting a false case. The charge is neither specific nor meaningful and it is vague. The provisions in Canara Bank service code were misconceived by the management and the enquiry officer. Not even an iota of evidence has been let in by the management in support of the charges and the evidence adduced to disprove the case by the workman was not considered in the proper perspective resulting perverse finding of the enquiry officer. The enquiry and the punishment inflicted are against principles of natural justice and there was no application of mind. The punishment and transfer of the workman is only a case of victimisation and unfair labour practice. The enquiry and the resulting punishment are arbitrary and one sided. No admissible evidence has been let in by the enquiry officer where by greatest negation of justice has occasioned. The circulars issued by the Head Office of the Bank were not understood by the management and the enquiry officer in the right perspective. There is absolutely no bar in the service code in assisting of the customer of the Bank. The explanation submitted by the workman for his presence in the Bank, on 30-5-90 at Punalur branch was not considered by the management. The evidence of witnesses were not analysed properly regarding diversion of deposit by the act of the workman. The management has not perused the past unblemished service of the workman. According to the management the punishment imposed is not justified and the same is to be set aside.

4. The management in the detailed reply statement has stated their contentions which are briefly as under : This Industrial Dispute is not maintainable either in law or on facts. A fulfilled enquiry was held by the management in respect of the charge levelled against the workman which is valid and proper adhering to the principles of natural justice equity and good conscience. Sufficient opportunity was afforded to the workman to adduce evidence and to cross examine witnesses. There was no violation of the principles of natural justice. This reference is bad in law. The workman during the relevant period was employed as clerk at the Punalur branch of the Bank. His wife Smt. Daisy John was employed as an agent of Unit Trust of India (UTI). The workman while working at Punalur was in the habit of canvassing deposit for the UTI from customers of the Bank. The customers of the branch on various occasions diverted their funds from their accounts in the Bank to UTI. The workman was on deputation for training at Trivandrum from 20-5-1990 to 2-6-90. He had submitted an application for a day's casual leave on 30-5-1990 on the ground of illness. However on that day itself he had canvassed and brought 5 parties to the Punalur branch for the purpose of investigating funds for the UTI. The details regarding the deposit are

stated in the management statement. One of the 5 deposits one deposit in the name of Smt. K. Sree Kumari was made by prematurely closing a fixed deposit before its maturity date maintained at the Punalur branch in the name of her husband Sri V. K. Ramakrishnan. All the arrangements for the said transfer including filling up of application forms and other related papers for depositing the amount with UTI were made by the workman. The action of the workman in canvassing deposit for UTI by diverting the Bank deposit was prejudicial to the interest of the Bank. It is a grave misconduct. The workman thereby caused damage to the properties of the Bank. The workman thus committed gross misconduct within the meaning of Chapter XI Regulation 3 clause (j) and (m) of the Bank service code. The workman was therefore chargesheeted vide letter dated 1-11-1990. The explanation submitted by him was not satisfactory and the disciplinary authority appointed Sri T. C. Varghese an officer of the Bank circle office Trivandrum as the enquiry officer to conduct the enquiry.

5. The enquiry officer after affording sufficient opportunities to the workman conducted the enquiry finding him guilty of the charges. The enquiry officer fully analysed the evidence and judiciously arrived at the conclusion. The disciplinary authority after examining the relevant documents and records and after application of mind imposed the present punishment. The workman was afforded opportunity of being heard prior to the imposition of punishment. The appeal filed by the workman was dismissed by the Appellate Authority. The management denies all the allegations against the enquiry. He was supplied with all documents and the list of witnesses and the enquiry was conducted duly observing the principles of natural justice. He was duly represented by an experienced defence representative and the management witnesses were effectively cross examined. The enquiry officer was not biased. The preliminary investigation was a fact finding mission only to ascertain as to whether there existed a prima facie case against the workman. The investigating officer found that there existed prima facie ground for taking action against the workman. The management denies the allegations against the preliminary investigation. There was no misinterpretation of the facts and evidence by the management. It has been clearly proved in the enquiry that the workman had canvassed deposit for UTI by canvassing the depositors of Punalur branch and thereby caused diversion of Bank's funds to other institution. Such action is detrimental to the interest of the bank. The conclusions arrived by the enquiry officer/management is perfectly in tune with the provisions contained in Bank's service code/bipartite settlement. The transfer of the workman from Punalur was due to the exigencies of administration and no malafides are involved. That was not effected as a punishment. The management has not resorted to unfair labour practice. The disciplinary authority has initiated proceedings as per rules and regulations of the bank for the misconduct committed by the Workman. The allegations contained in the chargesheet are concrete, specific with all the essential particulars and clear. There is no ambiguity or vagueness. The enquiry proceedings show that it was conducted in impartial manner and the enquiry officer maintained an unbiased and objective attitude. There was no pre conceived notion as alleged. During that time the enquiry officer was empowered to recommend the proposed punishment. It has been established during the enquiry that no ambiguity or vagueness. The enquiry proceedings show Kurukose, Smt. P. K. Sarojini Devi and Sri O. John went to the Punalur branch for depositing money to the UTI. According to the management the workman is not entitled to any relief as prayed for by the union.

6. The evidence consist of both oral and documentary on the side of the management. The enquiry officer was examined as MW-1 and Exts. M-1 to M-3 have been marked on the side of the management. No evidence has been laid in on the side of the union.

7. According to the learned counsel for the workman the chargesheet dated 1-11-1990 issued to the workman itself is not maintainable as the charges are not specific and it is vague. It is further contended that the charges levelled against the workman are not coming within Chapter XI Regulation 3 clause (j) and (m) of the bank service code. A

stated are specific, clear and in accordance with the relevant clause in Ext. M-2 service code. The charges read along with the relevant provisions contained in Ext. M-2 service code of the bank fully establish that there is no vagueness as alleged by the union. These circumstances negative the present argument of the learned counsel and is only to be rejected.

8. The main attack against the charge sheet is that it do not have bearing to the provisions of Chapter XI Regulation 3 clause (m) or (j) of the bank service code. According to the learned counsel for the union clause (j) deals with causing damages to any property of the bank or customer which have been incorporated for proceeding against employees who wilfully damages the property of the bank of its customers during strikes, agitation etc. The further argument is that by no stretch of imagination any prudent man would permit to believe that by canvassing deposit to UTI from deposits of Canara Bank would result in causing damage to the property of the bank. It is also contended that properties of the bank are assets whereas the deposits of customers with the bankers are its liability as the same is to be repaid as and when demanded. Therefore according to the learned counsel even if the workman has canvassed any depositor to invest in UTI the same would not result in causing damage to the property of the bank. The enquiry officer who is manager of one of the branches of the management bank has explained that when a fixed deposit prematurely closed the bank loses that amount and thereby causing shortage of loanable funds. He has admitted that fixed deposit is stated as a liability in the balance sheet. But the bank get resources by canvassing funds by formulating various attractive schemes and mobilise as much fund as possible. He has further stated that deposits are the main features of banking institution and the depositors are valid customers of the bank. As such they have concern and stake and interest in the deposit mobilised. According to this witness any attempt to cause diversion of bank deposit is an attempt to cause damage to the property of bank. It is not disputed that the amounts collected by the bank as deposit are given to the public as loans and advance to earn profit. Merely because the deposits are stated as a liability in the balance sheet as it is payable to the depositor on demand at any time it cannot be held that deposits are not assets like land, building etc. So far as banks are concerned the deposits collected from the public are the main resources for carrying on the business and the attempt to divert such deposits definitely cause damage to the property of the bank. In view of the above grounds this argument of the learned counsel for the union is devoid of merit.

9. The punishment in question was imposed by the management on the basis of the enquiry finding contained in Ext. M-1 file. The validity of the enquiry was seriously challenged and hence that point was considered separately. The point to be considered now is regarding the propriety and validity of the enquiry. There is no allegation that the workman was not given sufficient opportunity to participate in the enquiry, to cross examine management witness and to adduce evidence on his side. It has come out in evidence through the enquiry officer as MW-1 that copies of documents relied on by the management in the enquiry were given to the workman in advance and he was allowed to be represented by a defence representative. On going through the enquiry proceedings it is clear that the enquiry has been conducted fully in compliance with principles of natural justice.

10. On behalf of the union it was contended that the enquiry officer has conducted the enquiry with a pre-conceived notion that the workman was guilty of misconduct and he has not applied his mind in arriving at his conclusion. There is no evidence on record to show that the workman has raised any objection at any point of time during the enquiry against the person who conducted the enquiry or against the procedure adopted by the enquiry officer. Further this allegation is not based on any concrete evidence. On going through the enquiry report it is evident that there was no such pre-conceived notion on the part of the enquiry officer and that he has applied his mind independently and analysed the evidence in detail and his findings are supported by cogent reasons and legal evidence. Therefore the contention now advanced against the enquiry officer cannot be accepted.

11. I shall now proceed to consider whether the charge leveled against the workman has been established and whether the findings of the enquiry officer are perverse. The charge in brief alleged against the workman is that he was in the habit of canvassing deposit to UTI from customers of the Punalur branch and thereby diverted funds from their accounts maintained at that branch to the UTI. The disciplinary proceedings against the workman started from Ext. ME-1 letter in the enquiry addressed by the senior manager of Punalur branch during the relevant period to the circle office which was followed by Ext. ME-3 letter. On the basis of the above letters an investigation was conducted by an officer from the circle office of the management bank who was examined as MW-1 in the enquiry. As per the investigation report Ext. ME-IX in the enquiry it was found that the workman was *prima facie* guilty of the charges. Along with the investigation report statement of the manager, Punalur branch and another employee of Punalur branch were also appended which were marked as Exts. ME-XII and ME-XIII in the enquiry. Those two persons had also given evidence in the enquiry as MWs-2 and 3. The senior manager Sri Thomas Mathew was examined as MW-4. MW-4 has categorically **deposed** that during this routine follow up visit to prospective customers/clients of the bank on many occasions they told him that the workman called on them asking for investing their funds with UTI which gave better returns than the bank deposit. He has stated that he came to understand that the workman was active in the field only through such information gathered by him. In Ext. ME-1 the senior manager has given incidents which came to his notice of the workman canvassing for UTI business in the name of his wife. MW-4 has further stated that he reported the involvement of the workman in canvassing UTI business since MW-4 had apprehension about the adverse impact it will have on the deposit growth of the Punalur branch.

12. MW-2 in the enquiry was working as special assistance at Punalur branch during the relevant period. He has deposed that out of the 5 persons who deposited amount in UTI on 30-5-1996 at Punalur Branch came to the bank along with the workman. He has identified the signature and handwriting of the workman in the documents mentioned above. He has proved Ext. ME-XIII statement given by him to MW1. MW3 was the manager at Punalur branch during that time. He has proved Ext. ME-XII statement given by him to MW1. MW3 has stated in Ext. ME-XII and in his deposition that he has invested some amount in March 1990 to UTI and obtained the form supplied by Mrs. John that such forms relating to the agency of the wife of Sri John was available in the bank counter and that he asked the branch secretary to advise the workman to remove such forms from the counter and it was removed on the next day itself. This witness has identified the handwriting of the workman in the documents mentioned in the above paragraph. These witnesses had deposed that there was no compulsion or coercion on the part of management for giving the statement to MW1 and tendering evidence before the enquiry officer. There are absolutely no reason to disbelieve the evidence of MW1 to MW4. The evidence of MW4 considered along with the investigation report and the statement of MWs 2 and 3 clearly establish that the workman was in the habit of canvassing funds for UTI in the name of his wife and that deposits in the Punalur branch were diverted to UTI at the instance of the workman.

13. The workman has a contention that the senior manager Sri Thomas Mathew was prejudiced against the workman. The enquiry officer has considered that point in detail and found that it was not at all established in the enquiry. Apart from the deposition of the workman there is nothing on record to show the reported not so good attitude of the senior manager towards the workman. There are absolutely no convincing reasons to hold that the senior manager was prejudiced against the workman as contended now. Further there is absolutely no suggestion to the effect that MWs 1 to 3 in the enquiry had any kind of enmity or ill will towards the workman or that those 3 witnesses had acted at the investigation of senior manager. Therefore the argument now advanced against senior manager is without force.

14. The second part of the charge against the workman is that he canvassed UTI deposit in respect of the following persons viz. Smt. P. K. Sajjini Devi S/s. P. M. Kuriakose,

O. Jhon, Smt. Sreekumari and Sri K. Varghese. There is no dispute that amounts were deposited in the name of the above persons as stated by the management in the written statement filed before this Tribunal. Out of the above persons the allegation was that the amount deposited in the name of Smt. Sree Kumari, Rs. 20,000 was raised by closing a Kannaikattu deposit maintained at Punalur branch in the name of Sri V. K. Kannaikattun, her husband before maturity. The enquiry officer considered the evidence of MWs. 1 to 4 and Exts. ME-XI (a) to (e) the applications and DD challans Exts. ME-VI to ME-VIII and came to the conclusion that the amount deposited in the bank was diverted to UTI. This happened on 30-5-1990 according to the findings of the enquiry officer. The aforementioned Sri Kannaikattun was examined in the enquiry on the defence side. He has admitted that the amount deposited in the name of his wife was taken from part of the proceeds of the account maintained in his name which was closed before maturity of the deposit. The senior manager vide his letter dated 7-6-1990 marked as Ext. ME-III reported that the workman came to the branch on 30-5-1990 and that some of the details of the forms are in the handwriting of the workman Sri John. It is evident from the depositions of MW1 and 2 and from the documents Ext. ME-XI (a) to (e) ME-VI, ME-VII and ME-VIII that the workman had filled in some details of the application forms and DD challans pertaining to the above 5 depositors. Sri Varghese as DW4 has also stated that the slip was prepared by the workman Sri John. None of the defence witnesses have stated in the enquiry that the wife of the workman Smt. Daisy John assisted the investors in preparing the slip for remitting money in UTI. All of them agreed that they remitted money with the agency of Smt. Daisy John. Admittedly the workman was present in the Punalur branch on 30-5-1990 though according to him he was not well and had taken casual leave on that day and went to the bank for withdrawing money from his S.B. Account. But the evidence of MWs 1 to 4 and the documents mentioned above clearly establish that amounts were deposited in the name of the aforesaid 5 persons in UTI through the agency of Smt. Daisy John, wife of the workman, and that the workman was instrumental in the deposits and diverting funds deposited in the Punalur branch to UTI. It is thus clear that the workman has committed the gross misconduct within the meaning of chapter XI, Regulation 3, clause (j) and (m) of the Canara Bank service code.

15. On behalf of the workman it is argued that in the enquiry the 5 customers mentioned in the charge sheet were not examined as management witnesses to prove the allegation against the workman. As stated above the charge has been clearly proved through documentary as well as oral evidence of the management witnesses in the enquiry though the persons mentioned in the charge sheet were not examined as management witnesses to prove the allegation against the workman. As stated above it has been clearly proved through documentary as well as oral evidence of the management witnesses in the enquiry that the persons mentioned in the chargesheet invested their money in UTI at the instance of the workman. It is for the management to decide the witnesses to be examined to prove the charges. It is now well settled that strict and sophisticated rules of Law of Evidence Act are not made applicable in domestic enquiry. The emphasis is on equity, good conscience and fair play. Preponderance of probability of guilt alone is sufficient to establish the charges in domestic enquiries. This view is supported by a decision of the apex court in State of Haryana V. Ratnam Singh (AIR 977 SC 172). The court in that case held in para 9 that strict and sophisticated rules of evidence under Indian Evidence Act are not applicable in domestic enquiry. The court has further stated in para 9 that all the materials which are logically probative for a prudent mind are permissible. The apex court has reiterated thus in another decision in J. D. Jain V. State Bank of India and another (AIR 1982 SC 673). The charges mentioned in the charge sheet have been clearly brought out on record through oral and documentary evidence in the enquiry. In the light of such evidence the only conclusion that could be reached is the finding arrived at by the enquiry officer. Hence the contention that customers were not examined and the findings of the enquiry officer are to be quashed on that ground has no force.

16. It is pertinent to note that the amount invested in the name of Smt. Sree Kumari was diverted by prematurely

closing an account maintained in the name of the husband Sri Ramakrishnan admittedly. Sri Ramakrishnan was examined in the enquiry as DW4. According to him the amount was deposited in UTI for better returns. But the amount of the bank or having agency of UTI in the name of wife withdrawn before maturity resulting loss by way of interest. It is difficult to believe that a depositor closed his deposit before maturity unless he has truly convinced that he will get better returns from other institutions like UTI even though he will loose interest in his fixed deposit. The evidence of management witnesses and the exhibits mentioned earlier regarding the deposit in the name of Smt. Sree Kumari by prematurely closing the fixed deposit clearly establish that it was done at the instance of the workman thereby causing damage to the property of the bank and the action of the workman is prejudicial to the interest of the bank.

17. It is pointed out by the learned counsel for the workman that none of the 5 persons in whose names deposits were made on 30-5-1990 had any account in the Punalur branch and hence it is difficult to believe the allegation that the deposit funds of the bank has been diverted to UTI scheme. It has come out in evidence in the enquiry that the husband of one of the 5 persons viz. Smt. Sree Kumari had a fixed deposit in the Punalur branch and it was prematurely closed for depositing some amount in UTI scheme through the agency of Smt. Daisy John. So the present contention is only to be rejected.

18. The learned counsel for the workman would contend that the charges levelled against the workman was not at all proved particularly basing on two aspects i.e. agency of UTI in the name of the wife of the workman and filling up of the application form of Smt. Daisy John by the workman and also the leave availed by him on 30-5-1990. According to the learned counsel there is no prohibition in the service code of the bank for having agency of UTI in the name of wife or other relatives of bank employee. Admittedly the wife of the workman was having an agency of UTI. From Ext. ME-10 in the enquiry it is revealed that the workman availed casual leave on 30-5-1990 on account of illness. The leave application was submitted on 31-5-1990 at the training college at Trivandrum where he was undergoing training. From the management Exts. ME-III and defence document DE-III in the enquiry it is clear that the workman visited Punalur branch on 30-5-1990. But according to him he went to Punalur branch on 29-5-1990 as he was feeling fever and pain in the joints and that he consulted a physician who was examined as DW1 in the enquiry. During the cross examination of DW1 he has deposed that the workman was suffering from viral fever that he would advice rest for three days for a patient suffering from viral fever and that he would not allow a patient suffering from such a disease to travel long distance of about 70 kms. But it has come out in evidence in the enquiry that the workman had attended training on 31-5-1990 at Trivandrum by travelling a distance of around 70 kms. It is also pertinent to note that in the leave application he has stated the reason as illness only and not mentioned as viral fever as deposed by the Doctor. Travelling a long distance of around 70 kms. on 31-5-1990 itself shows that the workman was not suffering from viral fever as deposed by DW1. It is also revealed in the enquiry that the deposition of DW1 to the effect that the workman after visiting him on 30-5-1990 visited him after two days in the morning that can be on 2-6-1990. However on 2-6-1990 the workman has attended training at Trivandrum and according to the workman he visited the Doctor on 3-6-1990. This statement of DW-1 and the workman in the enquiry is contradictory. That also revealed that the medical certificate issued by DW-1 was not genuine. The enquiry officer after fully analysing the evidence of DW-1, the workman and the report of clinical laboratory rightly held that DW-1 was an interested witness and the allegation of illness of the workman was false and not based on actual facts. Therefore the contention that the workman happened to be at Punalur on 30-5-1990 due to illness was rightly found by the enquiry officer as false.

19. According to the learned counsel for the workman the workman was only assisting the customers in terms of special communications marked as Ext. D-35 and D-36 in the enquiry and not helping the customers for depositing the amount in UTI as alleged. On going through the above circulars from the Head Office of the bank it can be seen that it contained

certain suggestion/guidelines to be born in mind with the sole intention of extending speedy and efficient customer service to the persons who are coming to the bank for remitting money in UTI. On a reading of these communications by no stretch of imagination it can be said that those communications confer any right to the bank employee to canvass deposits for UTI or to divert funds from bank to UTI. The present argument of the learned counsel if accepted will definitely result erosion of deposit/resources which in turn will affect the very existence of the bank.

20. The further argument is that Canara Bank is the only bank appointed for accepting money for UTI and that was the reason for depositing the amount through the agency of Smt. Daisy John, wife of the workman, in the Punalur branch and not otherwise as contended by management. It is not established or proved in the enquiry that Canara Bank is the only bankers appointed by UTI to accept money. The enquiry officer has also categorically stated so before this Tribunal. The special communications Exts. D-35 and D-36 only contained certain suggestions for extending speedy and efficient service to the public and there is no mention that Canara Bank is the only bank for accepting money for UTI. Therefore this argument also fails.

21. The next argument advanced is that the workman had approached the bank for encashing a cheque for Rs. 1,100 on 30-5-1990 and not for canvassing deposits for UTI. Reliance was also placed on Exts. DE-5. No doubt he had encashed a cheque on that day. But the visit of the workman to the bank on 30-5-1990 though he was suffering from viral fever adds to the falsity of his case that he was sick. Further he need not have personally gone over to the bank for encashing the cheque. If he was actually sick it could have been done by some one else. The other circumstances particularly the statement of MW-2 and 3 and Exts. ME-I (a) to (e) and ME-VI to VIII negative the contention that he had approached the bank on 30-5-1990 just for encashing the cheque. In this state of affairs the encashing of the cheque on that day from Punalur branch can only be considered as a tactics to cover up his action in canvassing deposits and diverting bank funds to UTI scheme through the agency of his wife.

22. The learned counsel would further contend that other employees of Punalur branch had also filled up UTI challans and merely because the workman had filled up some challans and applications of UTI he alone cannot be chargesheeted as done by the management now. This argument has no relevance because the wife of relations of other employees have never acted as agents of UTI and there is ample evidence in the enquiry that amounts have been deposited for UTI through the agency of Smt. Daisy John and commission had been credited in their account. These circumstances negative the present contention of the learned counsel.

23. The next argument is that service area approach is made applicable for canvassing deposits also and the 5 persons mentioned in the charge are outside service area of Punalur branch which makes the case of management as false. The enquiry officer has deposed that service area approach is not applicable for canvassing deposits and it is not proved otherwise by the union. It is not proved that there is any prohibition for banks from canvassing deposits from any area or that service area approach is applicable as far mobilisation of deposits is concerned. Further it is specific to note that the wife of the workman Smt. Daisy John was residing in the command area of Punalur branch as deposed by the enquiry officer before this Tribunal. Hence this argument is also to be rejected.

24. According to the learned counsel for the workman the amount deposited with UTI through branches of the bank are lying with the bank and even if the charge against the workman is admitted no damage has been caused to the bank. It is proved that the amount remitted in the bank for UTI is not withdrawn from UTI and invested in other business. Therefore this argument cannot be accepted.

25. The next argument advanced by the learned counsel for the workman for negating the charge against the workman is that the leave availed by him on 30-5-1990 was not treated as unauthorised and hence the charges are false. It may be

recalled that the workman submitted leave application for 30-3-1990 stating the reason as illness and it was proved in the enquiry that the workman was not actually sick. He was chargesheeted for canvassing deposits and for diverting funds from the management to UTI. For chargesheeting such misconduct and for taking disciplinary action it is not necessary to cancel leave or to treat as unauthorised. Hence this contention also fails.

26. According to the learned counsel for the workman as per the service code of Canara Bank there is no bar for the wife or close relatives of bank employees having agency that the wife of the workman is an agent of UTI and that the Trivandrum branch manager in his letter dated 13-3-1990 which was marked as Ext. MW-1 in the enquiry has categorically stated that no inquiry can be fastened on the employee as the agency is in the name of wife of Sri John. The argument is that the above aspects were not considered in the proper perspective by the enquiry officer. The Manager as MW-4 has deposed the action of the workman which attracted the provision under which he was chargesheeted. This was supported by the evidence of MW-2 and MW-3 and other documents. Further reading of Ext. ME-1 and ME-3 letter on the whole make it clear the misconduct committed by the workman. So the workman cannot escape from the misconduct merely on the ground that his wife is agent of UTI and the particular statement of MW-4 in ME-1 letter.

27. The learned counsel pressed into service another point that the workman was in the habit of canvassing deposits for the management bank and the union has produced certain appreciation letters received from the bank to substantiate this aspect in the enquiry in support of the contention that the workman is not guilty of the misconduct alleged. The letters mentioned pertain to the deposits canvassed by him during 1988 and 1989. There is no evidence in the enquiry to establish that the workman canvassed deposits during the relevant period of the misconduct. So the appreciation letters stated above has no relevance and it will not come to his rescue particularly on the concrete evidence tendered on the side of management in the enquiry to prove the misconduct alleged against the delinquent.

28. The workman has further claimed that if the accounts of the bank is perused that would reveal that the fixed deposit amounts had kept on increasing year by year and the misconduct alleged against him is even if admitted it did not in any way affected the bank. The argument is that on that reason also he cannot be made guilty. There is no evidence to show the increase in the fixed deposit account. Further the question is whether he had resorted to canvassing of deposits for UTI and whether funds had been diverted from the bank deposit. That has been clearly established and he is thus guilty of the misconduct which had definitely affected that deposit in the bank. Had he not resorted to the misconduct the deposit amount would have been still increased. Hence this contention is also devoid of merit.

29. There is yet another argument that the enquiry officer in recommending punishment in his report has traversed his power as an enquiry officer and on that ground the enquiry is liable to be quashed. This argument is devoid of merit on the strength of Ext. M-3 letter dated 17-1-1992 and the explanation given by the enquiry officer before his Tribunal. Ext. M-3 is copy of letter issued from the head office of management bank. It is evident from Ext. M-3 that the procedure in vogue during that time was to give a hearing to the delinquent by the enquiry officer regarding the nature of proposed punishment to be inflicted and to submit his report along with his observation with regard to punishment. So there was nothing wrong in recommending punishment by the enquiry officer regarding the nature of proposed punishment to be inflicted and to submit his report along with his observation with regard to punishment. That procedure was changed as per Ext. M-3. Further as stated in Ext. M-3 the disciplinary authority has proposed the punishment and given a hearing to the workman before inflicting the punishment.

30. From the discussions made above I have no hesitation to hold that the enquiry has been conducted fully in compliance with principles of natural justice and findings of the enquiry officer are proper, valid and supported by legal

evidence. I further hold that there is no perversity in the findings of the enquiry officer as alleged.

31. On behalf of the workman it was vehemently contended that the workman was victimised for his anti-management stand. In support of his argument it was pointed out that though the other employees of the Punalur branch had also filled up UTI forms and applications action was taken against the workman only. But it was proved in the enquiry that the wife of the workman alone has UTI agency and that he has canvassed deposits for UTI and diverted funds from the bank to UTI through the agency of his wife. It was not proved that the relations of other employees had any such agency. Further no other convincing reason has been pointed out for side lining the workman for such a treatment by the management. The allegation of anti-management stand is not at all established. The evidence on record fully establish the misconduct on the part of the workman and that affected the resources mobilisation of the bank and the management has taken steps to prevent such action. In this state of affairs the allegation of victimisation can only be said as baseless unfounded and an after thought to escape from the charges.

32. Now remains the question regarding the punishment. As held by me above the enquiry was proper and valid and the management has inflicted the punishment on the basis of the enquiry after affording opportunity for hearing before imposing the punishment. The appellate authority also considered all the aspects of the matter and confirmed the punishment. That being the position no interference is called for from this Tribunal in the matter of punishment.

33. In the result an award is passed holding that the action of the management of Canara Bank, Trivandrum in imposing the punishment of stoppage of one increment for a period of two years without cumulative effect on the workman Sri P. O. John is legal and justified. The workman is accordingly not entitled to any relief.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

APPENDIX

Witness examined on the side of the Management
MW-1—Sri T. C. Varghese.

Documents marked on the side of the Management

Ext. M-1—File containing, enquiry proceedings, findings of the enquiry officer, deposition of witness etc.

Ext. M-2—Service code of Canara Bank.

Ext. M-3—Copy of letter issued from the circle office of the management bank Bangalore regarding department action against employees dated 17-1-1992.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का.आ. 2688 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार परूर सेंट्रल बैंक की (बैंक आफ इंडिया) के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोच्ची के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/107/93-आईआर (बी-2)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2688.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kochi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Parur Central Bank Ltd. (Bank of India) and their workman, which was received by the Central Government on 27-8-96.

[No. L-12012/107/93-IR(B-II)]

SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT,
ERNAKULAM

(Labour Court, Ernakulam)

(Wednesday, the 17th day of July, 1996)

PRESENT :

Shri Varghese T. Abraham, B.A., LL.M., Presiding Officer.
Industrial Dispute No. 6 of 1993 (C)

BETWEEN

The Regional Manager, Bank of India, R.O. College
Ground Junction, P.B. No. 1113, Ernakulam, Cochin-
682011.

AND

Sri P. S. Easanan, Vazhappurathu Mana, Karumalloor
P.O. (Via) Alangad, District Ernakulam, Kerala.

REPRESENTATIONS :

Sri N. N. Venkitachalam,
Advocate, Cochin-16. ... For Management.

Sri M. Ramachandran,
Advocate, Kochi-17. ... For Workman.

AWARD

The Government of India as per Order No. L-12012/107/93/IR(B-II) dated 30-7-93 referred the following industrial dispute for adjudication :

"Whether the action of the management in dismissing Sri P. S. Easanan, clerk-cum-cashier of Peringamala Branch of erstwhile Parur Central Bank Ltd. (which was later on amalgamated with Bank of India) w.e.f. 5-4-80 is justified? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. The delinquent workman was appointed by the management bank as clerk-cum-cashier on a probation for a period of six months from 01-6-78. Prior to that he was a clerk-cum-cashier trainee on stipend for 12 months and during the aforesaid period of 12 months he worked as a clerk-cum-cashier at Ezhikara Branch after undergoing a course at the training college for two weeks. He was transferred to Peringamala branch on 9-9-78 and his service was confirmed on 1-12-78. Serious acts of illegalities, irregularities, manipulation of accounts of two customers, payment against cheques without drawee's signature, absence of signature on debit vouchers and similar fraudulent acts and malpractices were revealed in the Peringamala branch during the period when the delinquent was working as a clerk-cum-cashier. Apart from these, there were also complaints above the illegal and fraudulent withdrawals from the accounts of two customers. He, in collusion with the manager and other staff members, for personal gain committed offences punishable under the Indian Penal Code and also other criminal laws. The action of the delinquent and others were injurious and detrimental to the bank's interest. Their action damaged the bank's reputation. The management lost confidence in his integrity and honesty. So the management issued a charge memo containing eight charges. He has listed only four charges as follows :

"(i) That the above said acts of yours were in disobedience of the lawful and reasonable orders of the management and the rules of business of Bank.

(ii) That the above said acts and omissions of yours were to aid and abet the commission of wilful damage to the property of the Bank and its customers.

(iii) That the above said fraudulent and dishonest acts were committed by you for making illegal against for yourself and wrongful loss to the Bank.

(iv) That the above said acts are prejudicial to the interest of the Bank endangering its image and prestige and are also subversive to the discipline."

Explanation of the workman was unsatisfactory. Therefore the domestic enquiry was held against him. Charges were found proved. Accepting the findings of the enquiry officer a show cause notice was issued by the disciplinary authority to the workman. His reply was unsatisfactory and hence he was dismissed from service. The appeal preferred by the workman was also dismissed by the Appellate Authority. The above order of dismissal is under challenge in this reference.

3. The relevant allegations made by the delinquent workman in his claim statement are summarised as follows :

The charges levelled against the workman are summarised by him in para 3 of the claim statement as follows:

"(i) that on 26th December, 1978, I paid an amount of Rs. 3000 as per a debit voucher from the cash credit account No. 2 of Sri Shahul Hameed without obtaining the signature of the person to whom the payment was made.

(ii) that on 26th December, 1979, I was paid an amount of Rs. 8,000 as per withdrawal form from the Savings bank account No. 467 of Smt. P. Rajeswari, without obtaining the signature of the person to whom the amount was paid ;

(iii) that on 18th February, 1979, I paid an amount of Rs. 3,200 as per the debit voucher from the cash credit account No. 1 of Sri Shahul Hameed without obtaining the signature of the person to whom the amount was paid ; and

(iv) that I made false entries on the above dates in the cashiers scroll showing that the amounts were paid to the account holders fully knowing the same were not paid to the account holders."

There were allegations like disobedience to lawful and reasonable orders of the management, aiding and abetting the commissions of wilful damage to the property of the bank and making illegal gain for himself and wrongful loss to the management were also levelled against him. Before submitting the explanation he was not given a fair opportunity to peruse the records. He submitted the explanation denying the allegations in the charge. Thereafter a domestic enquiry was held. According to him the alleged misappropriations such as on 26th December, 1978, 18th February, 1979 and 3rd February, 1979 are within a span of three months from his confirmation. If at all there were irregularities in the discharge of his duties, it was due to his inexperience and the result, of blind faith vouched on the manager. Other staff members were also involved in various misappropriations and they were also dismissed after an ex-parte enquiry. Sri K. B. Sathesnan, the Manager had remitted back the entire amount with interest and the Civil Suit was compromised. Sri M. S. Kartha, Advocate who was appointed as an enquiry officer conducted the enquiry as an empty formality and in violation of the principles of natural justice. He made a representation on 12th August, 1979 for permitting him to be defended by a lawyer of his choice since he was an inexperienced person. The management had rejected his application and he faced the domestic enquiry without any assistance. On the other hand the management had availed the services of the enquiry officer, since there was no presenting officer. The enquiry officer had adopted a partisan approach from the beginning and he was denied a fair opportunity. He was not allowed to peruse the documents nor to cross-examine the management's witnesses. The enquiry officer found him guilty of the charges. The enquiry officer had arrived at wrong conclusions through erroneous methods. The findings of the enquiry officer are perverse. The punishment is excessive and disproportionate to the gravity of the

charges levelled. He was dismissed with effect from 5th April, 1980. He lodged a complaint before the D.L.O., Ernakulam on 19th June, 1990. At that time the Parur Central Bank had confined its activities to the state of Kerala alone. The appropriate Government as envisaged by section 2(a) of the I.D. Act was the State Government. During the pendency of conciliation, the bank had opened a branch outside the state of Kerala and came within the definition of banking company. The conciliation officer had expressed doubts regarding the maintainability of the dispute and advised him to lodge complaint before the A.L.C.(C) on 20th October, 1984. He declined to interfere. It is after much hesitation, the D.L.O. had transferred the file to the Regional Joint Labour Commissioner, Ernakulam but nothing was heard about it for a long time. Aggrieved by the delay, he was compelled to approach the Hon'ble High Court with writ petition and the Hon'ble High Court directed the Government of Kerala to dispose the matter at earliest. The State of Kerala had referred the dispute to the Labour Court, Ernakulam and the same was numbered as I.D. No. 88/90. In the meantime, the Parur Central Bank, under the provisions of Bank Regulation Act, 1949 was amalgamated with Bank of India on 20th February, 1990. The assets and liabilities of the Parur Central Bank were taken over by the Bank of India. It was contended by the management that the reference is not maintainable. The maintainability of the reference was decided as a preliminary issue and the Labour Court had found that the reference is not maintainable. This is the reason for the delay in making reference. He was out of employment from 1980 onwards. So he prayed for an award directing the management to reinstate him with full back wages and continuity of service.

4. The management bank filed a detailed written statement contending inter alia as follows:

The workman was dismissed after a full fledged domestic enquiry. He was given all facilities and opportunities in the enquiry to rebut and to defend the charges. The explanation given by him to the memo of charges was found unsatisfactory. Hence the enquiry was held. After considering the findings of the enquiry officer, the disciplinary authority dismissed him from service. The appeal preferred by the workman was also dismissed.

5. The allegation of the workman that he being an inexperienced placed implicit faith on the manager is not acceptable. He committed the acts of misconduct levelled against him. He was allowed to produce the witnesses and examine and cross-examine management witnesses. He was given opportunity to peruse documents. He was further told that he can avail of the service of a representative of the trade union to which he is a member. He was furnished with the list of documents and witnesses. The management bank appointed a presenting officer. He is not a lawyer or a legally trained person. The charges were simple and required no legal brain. It is only a case of fraudulent dealings, misappropriations of funds of customers and manipulation of account to cover the misdeeds. The bank suffered loss, damage and prestige. The seriousness of the criminal acts cannot be diluted. The enquiry was conducted fairly and impartially. On the basis of the findings in the enquiry report, the workman was issued a notice by the disciplinary authority to show cause why he should not be dismissed. He gave a reply which was not acceptable and after perusing the records the order of dismissal was confirmed. His appeal was also dismissed. Regarding the other contentions for the reason furnished by the workman for the delay in making the reference and these contentions are not relevant for adjudication in this case. It is also contended that the banking company is a sensitive institution where much amounts of financial transactions are done. The staff and employees must be honest and must have integrity. They must have clean hands. Persons without integrity and honesty cannot be continued in service. The workman has proved himself to be unforthright to do the work in a financial institution. So there is no question of reinstatement. The management further contends that the story put forward by the workman that the misdeeds and criminal acts done by him were due to inexperience is only an excuse to save his skin and will not get rid of the misdeed and his mala fide activities. There is no rules of the bank for legal assistance to a workman. The charges are simple. The enquiry officer is an independent person. He is

a lawyer. He did not take any partisan attitude. The delinquent was allowed to peruse the records and he was allowed to cross-examine all the witnesses. So it is prayed for answering the reference against the workman.

6. The workman filed a rejoinder reiterating the averments in the claim statement and controverting the contentions in the written statement.

7. Evidence in this case consist of the testimony of MW1 the enquiry officer and Ext. M1 file. On the side of the workman WW1 is examined and Exts. W1 and W2 are marked.

8. Heard both sides.

9. The points which emerge for consideration are:

(i) Whether the domestic enquiry held against the workman is legal, valid and proper?

(ii) Whether the workman is entitled to get any reliefs under industrial law? If so, to what extent?

10. Point No. 1.—It is to be noted that the enquiry officer was laid up paralysis. Hence he was examined by commission. According to him he conducted enquiry in accordance with the principles of natural justice. He showed the documents marked in the enquiry to the delinquent. The workman was given all opportunities to defend his case. There were 8 charges levelled against him. Out of all charges he found guilty of five. He submitted his report dated 31st August, 1979. Ext. M1 is the entire domestic enquiry file. It has come out in evidence that he got enrolled as an Advocate in 1949. According to him there was no specific presenting officer except a clerk who used to contact him. He has also sworn that there was no one to lead the enquiry, but recorded the statement voluntarily given by the witnesses. With regard the cross-examination of the delinquent, MW1 says that it was a clerk from the bank had done it. But the clerk did not sign proceedings paper or depositions, he was not allowed to do so by the enquiry officer. There was no authorisation produced by him before the enquiry officer. To the emphatic question as to who permitted the clerk to cross-examine, the answer is that he used to come to the enquiry officer with all files and even at the time of enquiry and therefore the enquiry officer allowed him to cross-examine. He was not sure about the name of the clerk. He emphatically denied that he himself had examined the management's witnesses and cross-examined the delinquent. Based on the deposition of MW1 the learned counsel for the workman would argue that when the worker was examined he was cross examined by the enquiry officer and thus the equilibrium laws. Dilating the argument the learned counsel would argue that the worker was pitted against the qualified person. The workman as WW1 swears that he sent W1 letter for permitting him to be defended by a lawyer and that was disallowed by the management, as per Ext. W2. His grievance is that he has no experience in domestic enquiry. The union officials were not prepared to assist him. He has further sworn that one Sreenivasan was appointed as a presenting officer and he did not turn up at Peringamala where the enquiry was held. He has also stated that even a clerk was not present at the time of enquiry. The grievance voiced by the workman is that the enquiry officer himself put questions in the examination in chief and he cross-examined the workman. So he prays for invalidating the enquiry. It is true that the workman submitted Ext. W1 application to the management praying for subsisting allowance, travelling allowance to reach the venue of enquiry and also for permitting him to be defended by another person or an advocate to assist him. The management sent Ext. W2 reply allowing his claim for subsistence allowance and assured him that he will be paid T.A. if admissible under rules. With regard to last request for representation through a pleader the management expressed regret that it cannot accede to request to engage an Advocate to participate in the enquiry. Thus it can be seen that there was no presenting officer for the bank and the presenting officer appointed by the management did not turn up at the venue of enquiry. The workman was not given the assistance of a lawyer. The enquiry officer relied on the testimony of MWs. 1 and 2 examined before him on the side of management and Exts. M1 to M16 to

arrive at a conclusion that the workman is guilty of charges 1 to 6 and that charges 7, 8 are not proved. The enquiry was started on the basis of Ext. M2 complaint submitted by one P. Rajeswari on 15th May, 1979, Praying for detecting the shortage in her account. A similar complaint given by one Sri Shahul Hammed. On the basis of these charges are levelled against the workman which come to 1 to 8. The workman was allowed to peruse the records between 10.00 a.m. and 12 noon on Saturday the 7th of July, 1979, at Trivandrum branch at Pulimood Junction. He submitted his explanation denying the allegation. He concluded this explanation that if at all some irregularities were found in the discharge of his duties it was due to his inexperience and the result of blind faith vouched on the manager. Dissatisfied with the explanation, the enquiry was conducted. The charges were read over to him by the enquiry officer. The workman understood charge. After the examination of the witnesses he was questioned whether he has got anything to say about the evidence let in by the management. It can be seen that two witnesses were examined on the management side. The workman cross-examined the witnesses. Nothing is elicited from them to discredit their veracity. Extensive cross-examination was made by the workman as against the first witness of the management. It can also be seen that there was no one to present case of the management. Despite this the workman participated in the enquiry. He gave evidence on his side. In the absence of the presenting officer it can be seen that the cross-examination must have been done by the enquiry officer. Whether putting questions by the enquiry officer will vitiate the enquiry is the question that is posed for consideration. The learned counsel for the workman relied on the decision before the Supreme Court in *J. K. Aggarwal v. Haryana Seeds Development Corporation Ltd.* (1991) (2) Supreme Court cases, Page 283. In that case it was held that the refusal to sanction the service of a lawyer in the enquiry was not a proper exercise of the discretion resulting in a failure of natural justice, particularly in view of the fact that the presenting officer was a person with legal attainments and experience being the personnel and Administration Manager, who is stated to be a man of law. Even though the delinquent in that case was the senior executive it was held that he has no legal background. That case is distinguishable from the facts of present case. In that case rule 7(5) of Haryana Civil Services (Punishment and Appeal). Rules provided that where the charges are so serious as to entail a dismissal from service, the enquiry authority may permit the services of lawyer. That rule vests a discretion with the enquiry officer on the set of facts presented in that case. The decision cited by the learned counsel cannot be applied in this case since it proceeds on a different set of facts. The right of representation by a lawyer may not in all cases be held to be a part of natural justice. Lord Denning in the Court of Appeal in England, as then was supported such a right where a serious charge has been made with affected the livelihood or the right of a person to pursue an avocation. His lordship observed in *Pett. v. Greyhound Racing Association Ltd.*, 1969 (1) QBD 125 "I should have thought, therefore, that when man's reputation or livelihood is at stake, he not only has a right to speak by his own mouth. He also has a right to speak by counsel or Solicitor". But it is to be equally noted that right of representation through a pleader is not a universally recognised rule in cases of departmental enquiries. A case is an authority for what it actually decides in the set of facts presented before the court. As stated earlier the facts of the present case are distinguishable from the facts of the case cited by the worker's counsel. In the case on hand the workman is not illiterate. There was no legally qualified presenting officer. He cross-examined the management witnesses at length. In such a situation he has no right to be defended by a lawyer. He did not avail of an opportunity to be assisted by a co-worker. His explanation that the union members did not assist him cannot be swallowed without a pinch of salt. Forcefully arguing the right to be represented by a pleader, the learned counsel for the workman has relied on a decision of the Bombay High Court in *Chandrakanth v. Government of Maharashtra* 1991(2) LLJ page 1. In that case the department was represented by an official well versed in law and procedure in a domestic enquiry and the delinquent was refused permission to be presented by a lawyer. In that case the presenting officer had a legal background and a legally trained mind with his ability and vast experience as a prosecutor in domestic enquiry matters. The case

is entirely different from the facts of the Bombay decision cited Supra. So the two decisions cited by the learned counsel for the workman have no legs to stand on. In this connection the decision of our High Court in *Nilgiri Tea Estate Ltd. v. Workmen* 1991(2) KLT short notes page 54 (case No. 65) is to be relied on. In that decision it was held that assistance of a lawyer or co-worker or a representative of the union is not a matter of right. In a domestic enquiry the strict rules of evidence are not applicable. It depends upon the discretion of the enquiry officer to consider whether in the factual matrix of the case. Denial of such an opportunity cannot be said to be violative of natural justice. Same view as reiterated in 1991(2) KLT short notes page 55 (case No. 66) by our High Court. In that case the presenting officer was Chartered Accountant. The petitioner was also a Chartered Accountant. On the first day of the enquiry itself enquiry officer allowed the petitioner to take assistance of a person of his choice other than an Advocate. He did not avail of that opportunity. As stated earlier, in the case on hand the workman has no case that he was not allowed to have a representation of his case through a co-worker. The demand for a lawyer is not at all tenable. The next ground urged by the counsel for the workman is that the enquiry officer himself examined in chief and conducted cross-examination of the management witnesses and the workman. In *Mulchandani Electrical and Radio Industries v. Workman* (AIR 1975 S.C. 2125) the Supreme Court took the view that enquiring authority is entitled to question the witnesses so long as the delinquent employee is permitted to cross-examine and that will not violate the enquiry or make it unfair. The mere fact that the enquiry officer put question to the witnesses will not taint the findings rendered by him. The same view was followed by our High Court in the decision reported in 1991(2) KLT S. N. (case No. 65) supra cited. In the light of the legal principle stated above the two grounds of attack by the learned counsel for the workman have to be rejected and I do so.

11. The enquiry officer has given cogent reasons for the findings the charges against the workman as proved and also finding that the charges 7 and 8 are not proved. Findings are supported by legally acceptable materials. The enquiry officer dissected the evidence with utmost care and caution. I see no infirmity in the findings given by the enquiry officer. The workman was given copy of the enquiry report. He was served with a show-cause notice before inflicting punishment. The management took note of all records in the case including the findings and inflicted the maximum punishment of dismissal. The Appellate Authority also confirmed view of the disciplinary authority. Therefore I have no other go but to hold that the domestic enquiry held against the workman is valid, legal and proper. Point so found.

12. Point No. 2.—In the case on hand the workman is inflicted with the extreme penalty of dismissal. The charges proved against him are serious and he deserves nothing short of dismissal. Banking industry is dealing with a lot of customers and financial matters. If dishonest employees are retained in service, the public will lose confidence in the bank, which in turn will adversely affect the business prospects. Dishonest employees shall be shown the "exit" so that the industry may "exist". Those who commit mal-practices in dealing with public money and public business, have to show utmost honesty and faithfulness. Customers have to repose confidence in them. The workers in the banking industry must show loyalty to the bank and also to the customers. They must have clean hands. Lack of integrity and presence of dishonesty in mind disqualify such employees the continuous of their service in the bank. Taking into account all these aspects, I hold that the order of dismissal against the workman is proportionate to the gravity of misconduct. No interference is therefore called for. Point so found.

In the result, the reference is answered holding that dismissal of the workman Sri. P. S. Easwaran, clerk-cum-cashier of the Peringamala Branch of former Parur Central Bank is justifiable and that he is not entitled to get any benefits under *Ernakulam*.

Industrial law.

17-7-1996.

VARGHESE T. ABRAHAM, Presiding Officer

APPENDIX

Witness examined on the side of Management :
MW1--Sri. M. S. Kartha.

Witness examined on the side of workman :
WW1--Sri. P. S. Easanan.

Exhibit marked on the side of Management :

Ext. M1—Domestic enquiry file containing proceedings, reports and other connected papers.

Exhibits marked on the side of Workman :

Ext. W1—Photocopy of a letter dated 12th August, 1979 from the workman to the Chairman Parur Central Bank Ltd., Head Office, North Parur.

Ext. W2—A letter dated 14th August, 1979 from the Chairman to the workman Sri. P. S. Easanan.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का.प्र. 2689-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में लिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 मुंबई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/376/94-आई आर/(बी-II)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2689.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Mumbai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 27-9-96.

[No. L-12012/376/94-IR(B-II)]

SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

Present :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer,

REFERENCE NO. CGIT-2/10 OF 1995

Employers in relation to the management of Bank of India

AND

Their Workmen

Appearances :

For the management : Mr. L.L. D'Souza Representative

For the Workmen : Mr. D. C. Thingale, Advocate.
2160 Gt/96-29,

Mumbai, dated 14th August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. J-12012/376/94-IR(B-II) dated 12-5-95, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

"Whether the action of the management of Bank of India, Sangli/Kolhapur in terminating the services of Shri Uday Jiwandhar Khot, Sepoy w.e.f. 5-5-91 and not considering him for permanent absorption in terms of the 'Approach Paper' circulated by the Ministry of Finance in 1990 is legal and justified? If not what relief is the said workman entitled to?"

2. Uday Jiwandhar Khot, has filed a statement of claim at Exhibit-2. It is contended that he received a call letter from the Bank of India the First Party dated 9-5-84. He was interviewed for the post of Sepoy on 17-5-84. He was given an appointment letter on 26-6-84. It is contended that since that date he served in different branches of the bank at Sangli till 4-5-91 on which date he was terminated. The workman pleaded that the management did not follow the procedure while terminating his services. It is therefore illegal. It is unfair labour practice as contemplated under the Industrial Disputes Act of 1947 (hereinafter called as an Act). It is submitted that the workman requested for permanency in the employment which was denied and he was terminated. It is asserted that his juniors are made permanent in the bank flouting the provisions of the Act. It is therefore prayed that he may be reinstated in service with full back wages, continuity and he may be made permanent in the service.

3. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-6. It is averred that their reference is an error to the fact that the services of the workman has been terminated by the bank w.e.f. 5-5-91. It is averred the services are not terminated. Shri Khot's status of Badli Sepoy is still in existence and as and when the services of Badli Sepoy is required he shall be engaged in the bank services as Badli Sepoy sub-staff. It is pleaded that the dispute has restricted Khot's regular absorption in the service of the bank as sub-staff. It is contended that in view of the provisions of section 2A of the Act, the Tribunal has no jurisdiction in the said dispute. The dispute cannot be said to be a dispute under section 2K of the Act.

3. The management pleaded that as per the norms of recruitment the worker was disqualified for the post of Sepoy. He made false representation in respect of his additional qualification and got the job. Under such circumstances he is not entitled to the same. It is averred that before the conciliation officer the banks stand was explained to the fact that the bank has not deprived of his status as Badli Sepoy and his case will be considered for absorption to the permanent post of sub-staff in future and when R.B.I. permits the bank to have recruitment of sub-staff on availability of the vacancy. It is averred that the bank had decided to continue to engage him as a Badli Sepoy, sub-staff. The workman had failed to report to the bank for the reasons best known to him. Further more this offer was also given to him during the conciliation proceedings. It is denied that the juniors of the workmen have been retained and being made permanent in the service of the bank. A letter dated 18-10-94 submitted to the conciliation officer clearly mentions that conversion of sweeper into Sepoy and enhancement in working hours of sweeper/Sepoy is done only in the case of existing part time, full time sub-staff. For these purposes the Badli sub-staff on the banks approved panel are not treated with existing employees. It is averred that he being a Badli Sepoy the question of his reinstatement on the permanent post of Sepoy at this stage does not arise. It is averred that under such circumstances the relief which is claimed by the workman has to be rejected.

4. The workman filed his rejoinder at Ex-7. It is averred that as per Rule 4C of the Industrial Employment Standing Orders Act the status of Badli Sepoy cannot exist after completion of 240 days of service. It is asserted that there was a vacancy and the post of Sepoy is filled up from the juniors to the workman.

5. The issues that call for my consideration and my findings there on are as follows :

Issues

Findings

1. Whether the Tribunal has jurisdiction to decide the reference?

Yes

Issues	Findings
2. Whether the action of the management of Bank of India, Sangli/Kolhapur in terminating the services of Shri Uday Jiwandhar Khot, Sepoy w.e.f. 5-5-1991 and not considering him for permanent absorption in terms of the 'Approach paper' circulated by the Ministry of Finance in 1990 is legal and justified ?	Yes
3. If not, what relief is the said workman entitled to ?	Does not survive

REASONS

6. This reference being a reference of termination of Khot the workman, the Tribunal had jurisdiction to decide the same. Section 2A of the Act states that where any employer discharges, dismisses retrenches or otherwise terminates the services of individual workmen in dispute or a difference between that workman and his employer connected with or arising out of such discharge, dismissal, retrenchment or termination shall be deemed to be an Industrial Dispute not stating that no other workmen nor any union of the workman is a party to the dispute. Khot was terminated from services from 5-5-91. Under such circumstances the reference is an Industrial dispute and the Tribunal had jurisdiction to decide the same.

7. Certain facts could be said to be not disputed. The bank wanted to prepare a panel of Badli Sepoy. As per the rules they informed the employment exchange to furnish the list of eligible candidates. After receipt of the said letter the officer of the employment exchange Sangli sent a letter (Exhibit-8/5) to the bank alongwith list of candidates who were found eligible for the said post. At serial No. 33 the name of the worker appears. His qualification is shown as 9th standard. Thereafter he was interviewed. He gave an application (Exhibit-16) dated 17-5-84 to the bank in which he has shown his educational qualification as S.S.C. It can be seen that for the appointment of sepoy the educational qualification is 8th standard pass and not securing more than 60 per cent marks in S.S.C. examination. It appears from the mark list of the worker which are at Exhibit-12, 13, 14 that he did not secure more than 60 per cent marks. He was found fit and was employed. He continued to work in different branches of the bank at Sangli.

8. Patil (Exhibit-18) the witness for the bank affirmed that the worker gave an application dated 24-4-91 (Exhibit-9/1) for getting permanency in the post of Sepoy wherein he shown his educational qualification as S.S.C., H.S.C. and F. Y. B.Com. According to him this being so he cannot be considered for the post of Sepoy in view of the recruitment rules. (Now it has to be seen whether this qualification he achieved after getting the first appointment in June '84. In the cross-examination of Patil it is tried to bring on the record that after getting the employment at initial stage on the requisite qualification one can achieve better qualification. Now it is to be seen whether the qualification of F.Y. B.Com was achieved by the worker later on or not. Exhibit-15 is the merit list submitted by the workmen of his passing Part-I F.Y. B.Com in 1984. He appeared in March/April, 1984 for that examination and got through. That itself goes to show that when he got the employment in 1984 he was having the qualification of F.Y. B.Com which was above the requisite qualification. In other words for getting the employment he did not bring on the record correct facts.

9. Patil in his cross-examination had admitted that one can give application that he passed the required qualification as asked for even though his having higher qualification of that post. Giving an application is a different thing and qualifying for that post is a different thing. As per the rules the qualification of worker was definitely higher not entitling him for getting the post of Sepoy. Mr. Thigale the Learned Advocate for the worker placed reliance on Man Phool V. Union of India, AIR 1994(69) Vol 419. That was the case wherein a Law graduate who was having over qualification for a water boy was held to be not barred from being recruited in service of a much lower qualification. The facts of that case are quite different from the facts before me. On the other hand Mr. D'Souza, the Learned Representative of the bank placed

reliance on Kerala Solvent Ex. Ltd. V. A. Unnikrishnan & Anr. 1994 11 LLJ 888. In that case the qualification for appointment of Badli workmen was that the candidates should not be more than 8th standard. The workmen obtained employment by suppressing truth and stating that he had passed only 7th standard as on the required date. On noticing that the workman had completed 10th standard the company terminated the services of the workman. The Labour court came to the conclusion that the conduct of the workman did not amount to false representation. The High Court also upheld the Labour Court orders for different reasons. When the matter came before the Supreme Court Their Lordships observed that the action of the management in terminating the services of the workman for obtaining employment by suppressing truth was not justified. The facts in this case apply to the present case. I rely upon it.

10. Patil has admitted in his cross-examination that from October 1984 to September 1990 the worker had worked for 249 days. In other words he has acquired the status of continuous worker. It could be seen that from his appointment letter he was taken in service as Badli Sepoy. Khot in his cross-examination admits that he had worked as a Badli Sepoy. But it can be seen that this work was given to him on false representation that he is holding the requisite qualification for getting that post. Now he cannot take advantage of the situation that he has worked for 240 days in a year and acquired the status of a continuous worker. It can be further seen that even if such a status is acquired one cannot get absorption in a permanent cadre immediately. The absorption in a permanent post can be made as rightly stated on behalf of the bank, whenever there is an availability of the vacancy and not otherwise. As I have come to the conclusion that the workman is disqualified for getting the said post he is not entitled to any of the reliefs as claimed.

11. Mr. Thigale, the Learned Advocate for the workmen argued that the bank had not complied with the provisions of retrenchment. It is not in dispute that no notice nor any type of compensation was given to the workman when he was alleged to be not asked to come to the duty. In fact from the perusal of the written statement it could be seen that the contentions which is taken by the bank is that the worker himself did not report to the bank for asking for the employment if available. Leaving aside this fact it could be seen that as a Badli Sepoy the workman was appointed for a particular period. His appointment was not a continuous appointment. He was employed as per the exigencies and in the leave period. Naturally when the period was over his contract was over. Therefore, there was nothing like compliance of provisions of retrenchment as alleged by the Learned Advocate for the worker.

12. The Learned Representative for the bank placed reliance on M.P. Hasta Shilpa Vikas Nigam Ltd. V. Devendra Kumar Jain and Ors. 1995 F.I.R. 330. That was the case wherein Their Lordships have held that "the workmen who were appointed on temporary basis were not entitled to be heard before the order of termination of service was passed. In that case the workmen were appointed in contravention of the rules of appointment and when the discrepancies came to the light their appointments were terminated. The same is the case before me. The ratio in that authority has application to the facts before me. I reply upon it. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The action of the management of Bank of India, Sangli/Kolhapur in terminating the services of Shri Uday Jiwandhar Khot, Sepoy w.e.f. 5-5-1991 and not considering him for permanent absorption in terms of the "Approach Paper" circulated by the Ministry of Finance in 1990 is legal and justified.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का.आ. 2690.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/165/91-आई आर (बी-II)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2690.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workman, which was received by the Central Government on 27-8-1996.

[No. L-12012/165/91-IR (B-II)]
SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I. D. No. 129/91

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Amir Hassan @ Jugnu S/o Shri Jameer Hasan
Mohalla Ansari Wala, Bhulwara, Kasba Bhalawada,
Distt. Meerut.

Versus

Syndicate Bank, Branch Mahalka, Distt. Meerut,
through its branch Manager
Zonal Manager, Syndicate Bank,
Zonal Office, 43/28 Nawal Kishore Road,
Lucknow-226001.

APPEARANCES :

None—for the workman.

Shri Rajesh Mahendru—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour, vide its Order No. L-12012/165/91-IR (B-II) dated 1-10-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of Shri Amir Hassan is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. The workman in this case has not been appearing in the court since 5-10-95. He was against ex parte, and had filed an application for setting aside ex parte proceedings. He did not appear in support of his application and the management have referred two affidavits Ex. MW-1/1 and Ex. MW-2/1 in support of its evidence. On the basis of affidavits filed by the management and in the absence of any evidence produced by the workman I am of the opinion that the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of the workman was justified. There is no evidence to conclude otherwise in this case. Parties are left to bear their own costs. Award is given accordingly.

Dated : 12th August, 1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का.आ. 2691.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/668/86/डी-2 ए/आई आर (बी-II)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2691.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 27-8-1996.

[No. L-12012/668/86-D.II (A)/IR (B-II)]
SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 164 of 1987

In the matter of dispute :

BETWEEN

The State Asstt. General Secretary
U.P. Bank's Employees Union
36/1 Kailash Mandir, Kanpur.

AND

The Assistant General Manager
Union Bank of India, Zonal Office
Hotel Clarks Avadh M. G. Road, Lucknow.

APPEARANCES :

B. P. Saxena—for the Union.

M. L. Agarwal—for the Management.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/668/86-D.II, (A) dated 10-11-87, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the action of Regional Manager of Union Bank of India in denying special allowance to Sri M. C. Gupta for working at Foreign Exchange Counter w.e.f. 6th May, 1995, is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?

2. The concerned workman Mahesh Chandra Gupta in his claim statement has alleged that he is working as clerk of the opposite party Union Bank of India and at the material time was working at Birhana Road Branch at Kanpur. He was deputed at Foreign Exchange Counter of Birhana Road Branch from 6-5-85 and was required to perform the duties of higher clerk nature hence he is entitled for special allowance as he was discharging the duties of special assistant with that date. This claim has been referred in the light of para 5.11 of First Bipartite Settlement dated 19-10-66.

3. The opposite party has filed reply in which it is alleged that he was not required to perform the duties of special assistant at Foreign Exchange Counter. In fact he had not

discharged such duties at all. Hence he is not entitled for the special allowance.

4. The concerned workman has filed rejoinder and has given 18 types of work which he was doing to show that he was actually performing the duties at Foreign Exchange Counter. These duties are like writing the foreign currency rights to the bank's customers, to maintain foreign bank specimen book, to purchase foreign cash currency, to open foreign letter of credit to receive foreign bank letter of credit etc.

5. In the replication the opposite party bank has denied these allegations.

6. The only point which needs consideration is as to whether the concerned workman had performed the duties of special assistant at foreign exchange counter in Bihana Road Branch of the Bank.

6a. It has been admitted by the concerned workman in his cross examination that he was not given any order in writing to perform any duties. He was also not specifically posted as Special Assistant. On the basis of this evidence the authorised representation of the management has alleged that according to para 5.8 of Bipartite Settlement it is condition precedent that the workman ought to have been required to perform duties. As the concerned workman was not required to perform these duties, provisions of this para are not attracted. I do not agree with this contention. Orders in writing for requiring to do work are not necessary. It can be gathered from conduct of parties as well. As will be later on shown the concerned workman had performed certain duties at foreign counter. Hence, it will be inferred that he was required to perform these duties as well.

7. As has been stated above the concerned workman has given details of duties which he had to perform amongst other thing. Those duties have been reaffirmed by the concerned workman in his affidavit. In his cross examination he has stated that no demand draft was prepared under his signatures. He has denied allegations that book of signature of Foreign Bank was maintained by officer.

8. The management bank has examined S. K. Malik, MW-1 who has stated that he was incharge of foreign Bank Counter as an Officer. The concerned workman was also posted there under him. No work as special assistant was taken from him. Foreign Specimen Signatures Book was maintained by him and not by the concerned workman. The concerned workman did not prepare Foreign Exchange Rights. It may be mentioned that the concerned workman had applied for production of documents like Forwarding Copy of documents, specimen signature book relative voucher of purchase of foreign cash currency and other vouchers foreign bank letters of credit and other papers on 13-1-90. These papers were ordered to be produced by 23-5-96, but the same were not filed. In my opinion, had these papers been filed they would have gone in long way improving the case of the concerned workman. The authorised representative of the management maintained that papers were with him even at the date of argument. In my opinion this does not amount to compliance with the orders of the court for production of papers. In the absence of non production of papers agreeing with the contention of the authorised representative for the concerned workman. I am inclined to draw adverse inference against the management. Apart from this there are Ext. M-1 to M-15 papers which go to show that concerned workman was informed in dealing with foreign exchange matters. Ext. W-1 and 2 are purchase export vouchers of the year 1994 which have been dealt with by the concerned workman. Similarly Ext. W-3 to W-14 are papers for collection numerical record of the years ranging from 1991 to 1993. These papers go to show that concerned workman has also dealt with these papers. It was pointed out by the authorised representative of the management that these papers relate to period subsequent to the date of reference. In my opinion, it will be after this period which relates to period subsequent to date of reference. It will give added strength in the case of the concerned workman that despite reference work at foreign exchange counter was still taken from him. If the management had apprehension it was open to them to have denied this work to the concerned workman as according to their version he was not

required to perform the duties at foreign exchange counter at all. Be that as it may from the nature of work as given in the exhibits and as stated by the concerned workman, I am of the opinion, that the concerned workman was required to do work at foreign exchange counter which was in excess of work than was required of an ordinary clerk in this bank. It is also held that the concerned workman was not wholly involved in performance of this duty and according to terms of bipartite settlement it is not necessary that workman for attracting special allowance should be involved whole time in performance of this duty. In view of this interpretation and above finding I come to the conclusion that concerned workman was performing extra duties at Foreign Counter and as such he is entitled for special allowance in accordance with rules w.e.f. 6-5-85. I award accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का.अ. 2692.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबंध तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कोची के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/210/93-आईआर (बी-2)]

सनातन, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2692.—In pursuance of Section 14 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kochi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workman, which was received by the Central Government on 27-8-96.

[No. L-12012/210/93-IR(B-II)]

SANATAN, Section Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT, ERNAKULAM

(Labour Court, Ernakulam)

(Monday, the 22nd day of July, 1996)

PRESENT :

Shri Varghese T. Abraham, B.A., LL.M., Presiding Officer
Industrial Dispute No. 5 of 1994 (C)

BETWEEN :

The Chairman, Vijaya Bank, H. O., Trinity Circle, 41/2, M. L. Road, Bangalore-1. (2) The Assistant General Manager, Vijaya Bank Z. O., 123, Marshalls Road, Eginore, Madras-8.

AND

The Joint Secretary, Vijaya Bank Employees Association, C/o. K.P.B.W.O. Office, T. D. Road, Ernakulam-682 035.

Representation :

Sri. C. P. Sudhakara Prasad,
Advocate, Kochi-18.

.. For Management.

AWARD

The Government of India as per order No. L-12012/210/93-IR (B.II) dated 19-6-1994 referred the following industrial dispute for adjudication :—

"Whether the action of the management of Vijaya Bank in refusing to grant special leave to Sri. M. Viswa-

nathan, Joint Secretary of the Vijaya Bank Emp. Assn. (Affiliated to NOBW & BMS) is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. Both the management and union are absent. Workman is also absent. From this it follows that no one is interested in pursuing the dispute.

In the result, reference is answered holding that no industrial dispute is pending to be adjudicated.

Pronounced in open court on this the 22nd day of July, 1996.

Ernakulam.

VARGHESE T. ABRAHAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1996

का.आ. 2693.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री एन जी सी के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मुम्बई नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20040/82/94-अधिकार (सी-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th August, 1996

S.O. 2693.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Mumbai No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ONGC. and their workmen, which was received by the Central Government on 13-8-96.

[No. L-20040/82/94-IR (C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/34 of 1995

Employers in relation to the Management of M/s. Ideal Machinery Co.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management No. 1.—No Appearance.

For the Management No. 2.—Mr. G. D. Talreja, Advocate.

For the Workmen.—Mr. S. R. Wagh, Advocate.

Mumbai, dated 2nd August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-20040/82/94-IR (Coal-I) dated 30-11-95 had referred to the following Industrial Dispute for adjudication :

"Whether the action of the management of M/s. Ideal Machinery Co., Contractor of ONGC Ltd. in not accepting the charter of demands served by the union is justified or not? What relief should be granted?"

2. This reference was referred to the Tribunal at the instance of the Transport and Dock Workers Union, Bombay. It filed a statement of claim at Exhibit-4.

3. The Executive Engineer Oil and Natural Gas Corporation filed written statement at Exhibit-7.

4. Today the union filed a petition at Exhibit-8 contending that the contractor M/s. Ideal Machinery Co., has complied with the demands covered in the reference and therefore the union prays that the reference may be please disposed off accordingly. In the result I pass the following order :

ORDER

The reference is disposed off for want of prosecution.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1996

का.आ. 2694.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एफ सी आई के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को, 19-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/344/एफ/92-आई आर (सी-II)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th August, 1996

S.O. 2694.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workmen, which was received by the Central Government on 19-8-96.

[No. L-22012/344/F/92-IR(C-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 17 of 1993

In the matter of dispute between :

President F. C. I. Association Congress Habibullah Estate Lucknow,

AND

Senior Regional Manager, Bhartiya Khadya Nigam, 5/6 Habibullah Estate Lucknow.

APPEARANCES :

T. B. Singh—for the Union.

S. K. Nigam—for the F.C.I.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-22012/344/F/92/IR(C-II) dt. 23-2-93, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of FCI in imposing the penalty of stoppage of three increment with cumulative effect for years 1991, 1992 and 1993 upon Sri Mohammad Javed T. A. II and non-pay-

ment of wages and other benefits except subsistence allowance during the period of suspension is justified? If not what relief the workman is entitled to?

2. The concerned workman Mohd. Javed was appointed as A. G. III (D) on 11-4-72 with the opposite party. Lateron he was made T. A. III in 1976. Subsequently he was promoted as T A II on 3-9-80. He was served with the following chargesheet :—

That said Sri Mohd. Javed T A II while posted and functioning as Q-I at purchase centre Dineshpur in 1988-89, failed to maintain absolute integrity devotion to duty, failed to serve the organisation sincerely, faithfully and also acted in a manner which is unbecoming of a Corporation employee inasmuch as has demanded illegal gratification from Sri Sukhmant Singh @ 1.50 per quintal for giving his cheque against the payment towards purchased of wheat stock. Similar complaints were also received from six more farmers from which said Sri Javed has demanded @ 3 per quintal and had accepted illegal gratification of Rs. 20 from Sri Tail Singh, Rs. 10 from Sri Sher Singh, Rs. 10 from Dalbir Singh, Rs. 100 from Surat Singh and Rs. 50 from Narendra Singh. Due to such harassing attitude and unwarranted demand of bribe of Sri Mohd Javed T A II/Q1 purchase of wheat stocks as this purchase centre could not be succeeded.

After the enquiry, the enquiry officer submitted his report. On the basis of which concerned workman was awarded punishment by way of stoppage of three increments with cumulative effect for the years 1991 to 1993 and he was also deprived with other benefits except subsistence allowance which was already paid to him. The balance was forfeited as by way of punishment. Feeling aggrieved concerned workman raised an industrial dispute in which he challenged the fairness and propriety of domestic inquiry. Further he denied that he had demanded any illegal gratification from any of the farmers as alleged. The opposite party filed reply in which it was alleged that inquiry was fairly and properly held and further the case against the concerned workman regarding acceptance of illegal gratification from various farmers was correct. A preliminary issue was framed by order dt. 5-7-95 and it was held that finding of enquiry officer was perverse hence the same was set aside and the management was given opportunity to prove charge on merits. Lateron frantic efforts were made to procure the attendance of farmers for production before this tribunal by the management. However, they failed to turn up.

3. The management examined only H. L. Prasad an officer who had investigated the matter and before whom farmers are alleged to have given statement. In rebuttal concerned workman Mohd. Javed has given his evidence denying all the allegations.

4. It may be mentioned that before the enquiry officer, only H. L. Prasad was examined besides the complaints of farmers was also brought on record. In rebuttal Mohd. Javed had examined himself and had given a writing in the hand of farmers disowning the complaint. Enquiry Officer had accepted the evidence of the management on the around that the charges are proved from the statement of H. L. Prasad with the complaint. The evidence of workman was not accepted as farmers were not produced. Thus while accepting the evidence of H. L. Prasad examination of farmers was not found necessary whereas for acceptance of evidence of workman evidence of farmers was held to be necessary. It was after observing that the enquiry officer had adjudged double stand at while assessing evidence of both the parties, on the basis of this finding was set aside. It was further held that balled statement of H. L. Prasad was not sufficient. This position once again exists before me. The authorised representative for the management has submitted before me that this Tribunal had not accepted the statement of H. L. Prasad as it was hearsay. It is submitted that farmers had deposed before this officer which in turn was narrated by him before the court, it should not be treated as hearsay. In support of its contention reliance has been placed on the case of *J. D. Jain versus State Bank of India*, 674, AIR, SC, in

which that such type of evidence was not hearsay and can be accepted upon. In normal course I would have accepted this, but in the instant case has got special feature. The evidence of denial about acceptance of illegal gratification of the concerned workman is also supported by letter of consent of the farmers. This has shakened the veracity of the evidence of H. L. Prasad. Hence I find this evidence not sufficient to prove the charge against the concerned workman. Hence I come to the conclusion that charge against the concerned workman is not proved. Consequently all the punishment embodied in the reference are investigated and as such are being set aside the concerned workman will be entitled for all consequential benefits including promotion, difference of wages during period he remained under suspension.

I award accordingly.

12-8-96

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1996

का.आ. 2695.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैनर्स बोर्डोसी एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण धनबाद नं. 2 के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/236/92-ग्राई आर (सी-I)]

ब्रज मोहन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th August, 1996

S.O. 2695.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCC Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 13-8-96.

[No. L-20012/236/92-IR(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 153 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kusunda Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri K. Chakraborty, Advocate.

On behalf of the management : Shri B. M. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the

I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(231) 92 I.R. (Coal-I) dated 23-8-93 :

SCHEDULE

"Whether the demand of Dalit Mazdoor Sangh for employment of the dependants of Smt. Pancha Kamin, Dhruvalia Kamin, Mana Kamin, Baishakhi Kamin, Bali Kamin, Phulmani Kamin and Dugeniya Kamin and also for employment of S/Shri Ramphal Turi, Meghu Turi, Barho Bhuiya, Putu Munda and Mantu Bouri is justified? If so, to what relief the workmen are entitled?"

2. To meet the aforesaid reference both the workmen and the management have filed their written statement-cum-rejoinder from time to time.

3. In the written statement filed by the workmen they have stated that they had been working in the permanent nature of job of wagon loading against permanent vacancy for a long period having unblemished record of service.

4. But the management taking advantage of their illiteracy and backwardness no document kept regarding the said concerned workmen though they performed the job continuously which was of permanent nature. Abruptly on 30-6-75 during the time of emergency in violation of the statutory rules they were stopped from the work without compliance of the standing orders prevailing in the company and on repeated representations the management did not reinstate them though on all occasions assurances was given for their reinstatement.

5. As the management was found to be reluctant in providing employment as claimed by the concerned workmen, the present reference arose as per law.

6. That at a certain point of time the management took a decision that the workmen who had put 75 days attendance during any of the calendar years between 1973 to 1976 they would be given employment and if they so desire their male dependants would also be provided in their place. But in spite of such decision as the management turned down the representation of the concerned workmen as mentioned in the reference for providing jobs to the dependant sons of the female workmen and the male workmen as mentioned in the present reference arose for the determination whether the demand of the sponsoring union Dalit Mazdoor Sangh through which the workmen are represented to claim employment of the dependants of the female persons and male workmen as mentioned therein is justified and action of the management not giving such employment as prayed for and mentioned in the reference is unjustified and against natural justice.

7. Accordingly it is prayed by the workmen through the sponsoring union that an award be passed in their favour with a direction to the management for providing employment to the dependants of the female persons and male workmen as mentioned in the reference with retrospective effect with all arrears and other consequential benefits.

8. The management in their written statement-cum-rejoinder has stated that the reference is not maintainable in law nor the claim is justified. It is stated further that there is no existence of the sponsoring union as alleged nor the alleged workmen ever worked under the management colliery and thereby the claim of the alleged workmen for providing their dependant sons or any male dependants and some of the workmen themselves in the job is absolutely baseless and unjustified.

9. It is stated further that there is no relationship of employer and employee between the management and the alleged workmen and wrongly the reference has been made for the purpose of adjudication.

10. That it is stated further that nowhere the names of these workmen would appear such as Form B, Identity Card, C.M.P.F., and others and thereby their attempt to raise the dispute before the A.L.C. (C), Dhanbad and thereafter the reference are absolutely misconceived and claim arising through that reference is baseless and motivated.

11. In the rejoinder it is stated further by the management that there is no existence of the said sponsoring union in Kusunda Colliery as alleged nor the claim of the alleged workmen is with any foundation and everything has been concocted to substantiate their false and motivated claim and the reference be answered against the workmen.

12. At the very outset which invites my decision is whether there is any existence of the sponsoring union and whether the persons mentioned in the reference ever worked in the concerned colliery when there is specific denial from the side of the management on this point.

13. I have carefully perused the Ext. W-1 which is the record notes of discussion held on 21-1-1984 and 17-2-84 with the representatives of Dalit Mazdoor Sangh at Dy. C.P.M. (O) W's level. On perusal of the said Ext. it is crystal clear that there was discussion between the management side and union side where point in dispute was within the agenda and Ext. W-2 also supports it. To make it more clear let me refer the demand of the said sponsoring union which runs as follows :

"the union said the case of Smt. Pancha Kamin and 12 others of Kusunda Colliery were de-listed casuals and their cases for employment are pending with the management since long. They demanded their case should be considered. As against this demand the decision was that the details of the said persons would be collected from the colliery and the union was advised to submit the copies of the documents available with them relating to the said persons for examination and further action."

So these two documents which have not been denied by the management are sufficient enough to establish the fact that the concerned workmen were the de-listed casual workers of Kusunda Colliery and they are the members of the sponsoring union Dalit Mazdoor Sangh and the case of the management about the non-existence of such union and non-existence of such persons is absolutely myth and baseless.

14. Ext. W-4/1 goes to show that a decision was taken by the management in the year 1980 that the de-listed female employees who have also put more than 75 days attendance they can offer their son or husband in lieu of her absorption as badli miners/loaders who will be deployed as per requirement anywhere in B.C.C.L. as miner/loader. Therefore this circular is sufficient enough to hold that a decision was taken in the year 1980 by the management that in case of female de-listed wagon loaders their male dependants including their respective husbands would be deployed by the B.C.C.L., anywhere under their control. Ext. W-3 is a letter written by Mr. B. N. Jha, Personnel Officer (I.R.) addressed to the Personnel Manager, Kusunda Area with a copy to the Secretary, Dalit Mazdoor Sangh. Malkera reveals that the matter of regularisation of Smt. Pancha Kamin and 12 others de-listed casual wagon loaders of Kusunda Colliery was taken into consideration. It is also stated in the said letter about the decision which runs as follows :

"Union was informed that there is no record of the employees Pancha Kamin and 12 others of Kusunda Colliery as pointed out by the union. As such there is no question of providing employment. However the union said that they will submit necessary papers in this regard. After receipt of papers it shall be examined and action accordingly. In the said letter it is stated further that the said reply was given to the union on the basis of the comments sent by the Area and it was contested or challenged by the union".

Now let me refer the Form 'M' document which is A.E.C.D. (private employees) scheme of 1974, from where it would go to show that the persons named in the reference had P.F. scheme and deposit scheme under the signature of Manager, Kusunda Colliery.

Therefore these documents are enough to hold that they were de-listed casual wagon loaders/badli mining loaders rather persons working under the B.C.C.L. management.

Now the question is whether they are entitled to get the benefit of the decision as referred to in Ext. W-4 at this stage.

It was contended by the management side that this claim should be considered, as a stale claim as because after 1975 they are coming to this Tribunal in the year 1993 and have raised dispute in 1984. But thereafter they took no attempt for getting any relief or redress from the competent authority.

It is a settled principle of law that there is no limitation in putting forward of the claim under the I. D. Act. But the delay should be explained for raising the dispute.

Already I have stated that the matter was taken up by the sponsoring union and they took the matter to A.L.C. (C) Dhanbad from where the matter was referred to the Ministry for reference. Therefore these facts are sufficient enough to hold that the concerned workmen raised their dispute from time to time through this sponsoring union but the management did not feel shy to say that the union as well as the concerned workmen are fake and non-existent.

Therefore I am not ready to accept the contention of the management that the claim is barred considering it to be a stale claim.

It is admitted position that these workmen worked for more than 75 days in the management of B.C.C.L., as claimed and as per circular Ext. W-4 they are entitled to get the reliefs as per decision taken by the management in the said circular.

At the same time I am not forgetful of the fact that neither of the female workmen has been able to show that ever any of them applied for absorption with their male dependants in the capacity in which they were working. The management has no liability to consider the claim of the workmen if no such prayer comes from their end and in that case an opportunity should be given to the workmen so that they can apply, though it is too late, and the management gets opportunity for proper scrutiny as per rules to implement the decision which they took.

Thus the reference is disposed off in the following tune :

The demand of Dalit Mazdoor Sangh for employment of the dependants (male) of female workmen and male workmen by themselves is found to be justified. It is further ordered that the respective persons mentioned in the reference would apply through the sponsoring union for engaging as de-listed casual wagon loader/badli mining loader as per decision taken by the management and as disclosed in Ext. W-4/1 within one month from the date of publication of this award. A further direction is given to the management that on receipt of the said application the management shall engage the male dependants as per prayer of the respective female workman and the male workmen in the capacity as stated above within one month from the date of receipt of such application with reference to the decision taken in Clause 4 of Ext. W-4/1 on other principles as laid down therein. No other relief is given to the concerned workmen for the present. Also no cost is awarded to either of the parties.

This is my award.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई दिल्ली. 20 अगस्त, 1996

का.प्र. 2696.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स सी. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध निर्योजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 2

के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012/70/91-आई आर (सी-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th August, 1996

S.O. 2696.- In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 2 as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 13-8-1996.

[No. L-20012/70/91-IR (C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 146 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jarindih Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/70 91 IR (Coal-I), dated, the 23rd October, 1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Jarindih Colliery CCL in refusing to regularise and make payment as per NCWA-III to the following workmen on the basis of working on jobs which are permanent and perennial in nature is justified? If not, to what relief are the workmen are entitled to?"

- (1) Shri Putan Chouhan
- (2) Shri Shankar Chouhan
- (3) Shri Chakravorty Sonar
- (4) Shri Bihar Singh
- (5) Shri Sukar Gope
- (6) Shri Vijay Paswan
- (7) Shri Lulu Ram
- (8) Shri Rajesh
- (9) Shri Madan Gope
- (10) Shri Kishore Kumar
- (11) Shri Phagu Singh Yadav

- (12) Md. Ikram
- (13) Shri Manoj Kumar
- (14) Shri Krishna Chouhan
- (15) Shri Anup Kumar
- (16) Shri Viswajit Ash.

2. To meet the aforesaid reference both the workmen and the management have filed their W.S.-cum-rejoinder at different point of time stating their contentions in details.

3. The case of the workmen in their W.S. is that they have been working at Jeringdih Colliery railway siding since 1987 regularly and continuously having their unblemished record of service and the said job is of prohibited nature of 'job' under the direct control and supervision of the management.

4. Further case of the workmen is that coal is extracted from the open cast and underground mine and the said coal is dumped at a place near the railway siding by the truck and from the said collieries and as well as from other collieries for loading into the wagons at the aforesaid railway siding.

5. The workmen used to perform their duties in three shifts under the direct control of the management and their main duty was to break big size of coal into small pieces and to pick up shale from pieces of coal and to separate stone from the coal etc. and dressing of coal etc. were done by manual process and that was loaded into the wagons manually by the permanent employees of M/s. C.C.L.

6. The concerned workmen were required to go upto the wagons for performing duties of breaking, big pieces coals into small pieces and similar type of duties as stated earlier and they used to level the coal head by belcha inside the wagon and thereafter the wagons were left for the destination and the said workmen thereafter used to perform the duties of cleaning railway tracks which is also essential and permanent nature of job.

7. The said job were performed by the concerned workmen with the implements supplied by the management and they completed more than 240 days attendance in each calendar year which entitles them to be regularised as Cat. I employees and get wages as Cat. I as per recommendation of the Wage Board and NCWAs which have got statutory force. But the management unfortunately used to pay them much below the wage of Cat. I under the camouflage of contractors workers through other intermediaries though they used to perform the same and similar nature of job which were performed by the permanent workers of CCL got Cat. I wages considering them to be the employees of Cat. I.

8. Several times representations were made from the side of the workmen for regularisation in getting wages as per permanent staffs with effect from 1987 but the management paid no heed and thereby a dispute was raised before the AIC (C) Dhanbad which ended in failure and thereby this reference has come in.

9. The action of the management in refusing the workmen to fulfil their demand is against the Wage Board Recommendation and NCWA agreement provision and thereby they prayed for the order in their favour directing the management to regularise the concerned workmen and to pay them wages as per NCWAs with retrospective effect, along with consequential reliefs.

10. The employers in their W.S.-cum-rejoinder has stated that the reference is not maintainable in law nor the claim is entertainable.

11. It is stated further that for the last four years the management had engaged a contractor for executing the job of shale picking, track cleaning, wagon levelling, coal breaking at Jeringdih Colliery railway siding prior to the despatch of coal from time to time and the said contractor used to engage different persons for doing the job. He also used to receive the wages and that was given to his men and the said workmen had no connection whatsoever directly with the management and all the works stated by the workmen

were performed by the contractor through his persons engaged and thereby no employer and employee relationship exists between the alleged workmen and the management.

12. It is stated further that the said jobs are not prohibited under the Contract Labour Act, 1970 and the management has a right to engage the contract labour in such job and thereby they cannot get any relief from the management as claimed for until the contract system is abolished. The question of absorbing the contractors workers cannot be entertained nor it is permissible in law and that has also been negated by several decisions including the decision of Hon'ble Supreme Court. Therefore the workmen are not entitled to get reliefs as prayed for.

13. It is stated further that the reference case No. 37/1990 was disposed by the Hon'ble CGIT No. 1, Dhanbad giving award in favour of the workmen as claimed but the said Award is challenged by the management in the meantime before the Hon'ble Patna High Court, Ranchi Bench Ranchi and that case is pending so both from the factual side as well as from legal side the Hon'ble Tribunal cannot pass any award in favour of the workmen nor they are entitled to wages pursuant to the Wage Board Recommendation for NCWA as claimed.

14. In the rejoinder different facts as stated in the W.S. of the workmen have been denied parawise which is practically covered by their W.S.

15. In the rejoinder filed by the workmen practically arranged the same story with addition that it is Industrial dispute under Section 2(k) of the I. D. Act, 1947 and the management motivatedly have negated their claim and their job is of permanent nature and thereby they are entitled to get the relief as prayed for.

16. In the instant case from the workmen side one Chakraborty Sonar had been examined who had deposed stating the facts that all the workmen worked with him in Jeringdih Colliery railway siding continuously since 1987 and they used to perform the break of coal, pick up stone and loading coal in the wagons levelling of the coal with the implements supplied by the management. But the payment for their work were made through the counter of CCL though not as per Cat. I Mazdoor but as per Minimum Wages Act. He had deposed further that the management of CCL used to note their attendance and they were appointed by the CCL management and all the workmen used to work under the supervision of the management and they are entitled to get the wages of Cat. I and they have prayed for regularisation with retrospective effect. He had identified Ext. W-1 series. This witness has been cross-examined at length and it was suggested that practically they were appointed by the contractor not by the management and he has also referred one paper in cross-examination marked Ext. W.2.

17. From the side of the management one J. Choubey had been examined who had deposed that since 28-4-87 he acted as Manager in Kathara Area in Jeringdih Colliery from where coals were despatched to different sumers through rails. According to him one contractor was employed for the purpose of loading coal and presently that is done by B. K. B. Transport Pvt. Ltd. and before that one Vinod Kr. and Brothers were the contractors and the loading is made through pay loaders. It is stated further that now those are done by mechanical process but the nature of job has been admitted and he has proved some papers which have been exhibited. There is an agreement entered between the management and the contractors for performing the said job. He has stated that he deposed in Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in similar nature of case. In cross examination he had deposed that inspite of disposition in similar nature and similar time the award was passed in favour of the concerned workmen who were of different group and he has admitted the job performed by the workmen as stated.

18. Ext. W-1 proves that some of the workmen have identity card showing that they used to work at Jeringdih railway siding under the contractor. Ext. W-2 shows that they had P.F. Account maintained by the collieries.

19. From the side of the management Ext. M-1 and M-3 have been exhibited.

20. Let me discuss the case with reference to the evidence already on record and the legal position.

21. Firstly it was argued by the learned lawyer for the workmen that similar nature of case was disposed off by the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad and the Award was passed in favour of the workmen inspite of the same contention raised by the management and examination of the same person and relying upon the same legal position.

22. In reply to that it was contended by the learned Advocate for the management that the said Award has been challenged and that is under sub-judice as it is pending before the Hon'ble High Court, Patna. So the fate and the decision of those workmen cannot come to the workmen in any manner.

23. But this fact belies by producing the judgement of the Hon'ble High Court confirming the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad. In reply to that by filing the decision the management have said that they were not aware of this position etc.

24. In view of the Award of Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad and the similar nature of case and that being confirmed by the Hon'ble High Court I am of the opinion that the point in dispute has been set at rest if other facts are found to be similar in both the cases.

25. To appreciate the said point let me see the judgement of the in Ref. No. 37/90 by CGIT No. 1, Dhanbad as the entire record has been called for from the said Court.

26. I have carefully perused the judgement by Award of the Hon'ble CGIT No. 1, Dhanbad where the reference whether the action of the management of Jerangdih Colliery of CCL P.O. Jerangdih Dist. Hazaribagh by not regularising and not making payment of Cat. I wages as per NCWA-III to S/Shri Jagdish Rai and 122 others with retrospective effect is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

27. I have carefully perused the said Award wherefrom I find that practically the terms of reference were of similar nature and facts involved in the present case are also similar to the said case.

28. It is also not disputed that the concerned workmen are the workmen employed by the contractor for performing the job of perennial nature or they have completed more than 240 days in a calendar year since 1987. The only point which has been raised by the management is that they are the men of the contractor and in view of the Dinanath's Case as reported in 1992 1 LLJ 335 contractors employees cannot be considered to be the employees of the management nor they can get any benefit as they claimed.

29. However, the case reported in 1995 Supreme Court case (Labour and Services) page 1166 Gujarat Electricity Board Thermal Power Station Ukai Gujarat versus Hind Mazdoor Sabha and others. Their Lordships have opined otherwise practically observing that the contractors men can be regularised if it appears that they have completed work as per rules and the job is of permanent and perennial nature.

30. Learned Lawyer for the management had argued that as in the case law reported in 1995 SCC 1166 there is no reference of Dinanath's case which has also been decided by the Hon'ble Supreme Court with the principles laid down therein cannot be superseded by the present case.

31. Be that as it may, we cannot ignore the judgement Tribunal No. 1 which was passed in the Reference Case No. 37/90 and which is of same nature where it was observed that the concerned workmen performed the job of regular nature and the management was their employer and hence the management was not justified refusing them regularisation in their service and also ordered that they are entitled to get wages

of Cat. I workers and the management of Jerangdih Colliery of M/s. CCL Ltd. was directed to regularise them in service making payment of Cat. I wages as per NCWA-III with effect from the date of reference.

32. Let me see the judgement of Hon'ble High Court challenging the said award passed in Civil Writ Jurisdiction Case No. 139/92 (R) under Articles 226 and 227 of the Constitution of India by the employers in relation to the management of Jerangdih Colliery of M/s. CCL versus the Presiding Officer CGIT No. 1, Dhanbad and others.

33. In the said judgement Their Lordships making elaborate discussions had confirmed the Award discussing the Writ Application observing that no miscarriage of justice or flagrant violation of law calling for intervention by this Court under Articles 226 and 227 of the Constitution of India appear which is required by the interference with the finding of the Labour Court/Industrial Tribunal recorded in an Award on adjudication under the Industrial Disputes Act.

34. After going through the said judgement of the Hon'ble High Court it would go to show that all findings of the Hon'ble Tribunal No. 1, Dhanbad have been considered and affirmed with reference to the materials present on record.

35. Therefore in view of the said judgement and the facts appearing to be similar with the said reference case I also do not find to form any different opinion nor it entitles me to do so in view of the judgement of the Hon'ble High Court as referred to.

36. Therefore considering the legal position which have been referred by Learned Advocate of the workmen citing several decisions and also by the learned Advocate for the management and considering the facts that the work performed by the concerned workmen are of permanent and perennial nature I also find reason to pass Award in their favour in the following manners.

37. The management is directed to regularise the concerned workmen to make payment as per NCWA-III to the said workmen on the basis of the identification of the Secretary of the sponsoring union considering their job to be permanent and perennial nature holding that the action of the management of Jerangdih Colliery, CCL not doing so is unjustified.

They will be entitled to pay and wages of Cat. I Mazdoor also considering them to be Mazdoor of Cat. I from the date of their regularisation. They will be regularised within 2 months from the date of publication of the Award with further direction that they will get 50 per cent back wages from the date of reference.

Thus the reference is disposed and this is my Award.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1996

का.ग्रा. 2697.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एफ सी आई के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, घनदाह नं. I के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस 22012/238/एफ/91-आई आर (सी-JI)]

बज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st August, 1996

S.O. 2697.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. I as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of F.C.I. and their workmen, which was received by the Central Government on 19-8-96.

[No. L-22012/238/F/91-IR(C-II)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 23 of 1992

Parties :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India.

AND

Their Workmen

Present :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

Appearance :

For the Employers : Shri Bir Prakash, Asstt. Manager.

For the Workmen : Shri V. Kumar, State Jt. Secretary.

Dated, the 9th August, 1996

AWARD

By Order No. L-22012/238/F/91-IR. (Coal-II) dated 4-3-92 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Food Corp. of India in denying regularisation of Shri Birju Prasad Gupta in Class IV post in the light of Hqrs. circular dated 6-5-87 and wages with all other benefits equal to regular class-IV workman is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The concerned workman/sponsoring union has stated that the concerned workman, namely, Sri Birju Prasad Gupta, was employed by the management of Food Corporation of India at Food Storage Depot, Dhanbad, from the month of December, 1981 and since then he is discharging his duty regularly such as, water carrier-cum-messenger/labourer. It is further pointed out that as per Circular dated 6-5-87 of F.C.I.—management, the services of all casual workmen who worked for 90 days or more on or before 2-5-86 were to be regularised against Class III and IV posts according to their qualification and as per said Circular as many as 75 casual workmen were regularised in Class IV watchmen. It is further pointed out that minimum qualification for Class-IV except sweeper is Class 7th pass and for Class-III except typists and stenographers it is graduation and the said workman read upto Class-VIII and fulfilled all the conditions of the said circular but he was not regularised as watchman in class-IV which is quite unjustified. Some junior employee to him were also regularised and appointed as watchmen but the said workman was being victimised and his juniors were getting salary of Rs. 2200/- per month besides other benefits whereas the said workman was getting only Rs. 300/- to Rs. 350/- per month and other incidental benefits more also not being given to him.

3. It is also said that he filed several representations through the Asstt. Manager (Depot), Food Storage, Dhanbad which were recommended and forwarded to the management but his services were not regularised and he was being exploited by

the management. It is also said that this workman was performing the same duty as that of Class-IV workman since 15-12-1983.

4. Thereafter the case of the said workman was taken up by the sponsoring union and it was represented before the management and dispute was raised but of no result, hence this reference for regularisation of the concerned workman against Class-IV post as per qualification and pay of wages and other benefits from the date of his initial appointment i.e. December, 1981.

5. The management appeared and filed written statement and rejoinder to the statement of the workman stating, inter-alia, that as per circular dated 6-5-87 the casual employee of those workmen who worked as and when required and engaged for full eight hours duty per day and they are different from casual workmen who worked for few hours on a day and they were part-time employees. It is said that full time casual employee/daily rated employees were covered by the said circular and not part-time casual employees and the concerned workman being part-time casual employee he was not eligible for regularisation of his service. It is said that the said workman was engaged on part-time casual employee at Food Storage Depot, Dhanbad with effect from December, 1981. It is said that one workman named Brij Nandan Prasad worked as part-time casual worker for some years prior to the aforesaid date on which the concerned workman commenced his employment. It is further said that on enquiry it revealed that both Brij Nandan Prasad and Birju Prasad Gupta had worked as part-time casual worker for performing casual jobs like fetching drinking water, cleaning the godown, assisting in fumigation/spraying work. It is further said that the types of jobs on which they were engaged were such that the same could be carried on within two to 6 hours in a day. The jobs were also not available regularly and they could hardly be engaged for 15 to 20 days in a month. It is further said that the present strength of the regular employees at Dhanbad Depot is more than requirement and the concerned workman was given work as and when required and there is no scope for his regularisation as Class-IV employee.

6. The points taken by the workman in his written statement have been categorically denied as being said not correct or not admitted and it was fully stated that the concerned workman was not entitled for any relief/reliefs and award may be passed accordingly.

7. I further find that a rejoinder was filed by the workman to the written statement of the employer disputing the contentions of the management parwise and it is said that the statement is totally wrong and it is incorrect to say that he was working as part-time worker rather he was working as full-time worker with effect from December, 1981 and he was continuing full 30 days in a month to his duty and he has completed more than 240 days within calendar year as required under Sec. 25-F of the I.D. Act and it was fully stated that the plea of the management be rejected and award be passed in favour of the workman as per relief/reliefs prayed by him in his written statement.

8. The point for consideration is as to whether or not the action of the management of Food Corporation of India in not regularising the said workman, Birju Prasad Gupta, in view of Circular dated 6-5-87 was justified?

(b) If not, to what relief or reliefs the concerned workman is entitled?

9. I further find that both the workman and the management have examined oral witnesses in support of their case.

10. I find that as many as six witnesses were examined on behalf of the management, they being MW-1 Pyrelal and he was working as District Manager, at F.C.I. Hazaribagh and within his jurisdiction Dhanbad District comes and he knew the concerned workman and the concerned workman was working as part-time casual worker and was doing the jobs of water carrier and all sorts of work and when required. However, he has admitted that there was correspondence between Depot Incharge, Dhanbad and District Depot, Hazaribagh for regularisation of service of the concerned workman

and there was some confusion as the name of the concerned workman was somewhere mentioned as Brijnandan Prasad and Birju Prasad Gupta and for that he has filed an affidavit sworn by him that his real name was Birju Prasad Gupta and that his services should be regularised. He further admitted that the said workman was getting much less wages than regular Class-IV workman. However, he could not say that he had come across any paper showing that the concerned workman was part time worker. MW-2 has admitted that the concerned workman used to work 5 to 6 hours daily and he was water carrier and used to work sweeping and cleaning also and he also used to open the depot and closing the depot after closing hours at 5 P.M. He too has admitted that the name of the concerned workman was Birju Prasad Gupta and he was doing the work for 18 days in a month and payment was made to him according to full day work done by him. He has clearly stated that the said workman worked for 5 to 6 hours daily. MW-3, Ambika Singh, could not say that the workman worked for 240 days in a year or not and he was performing the duty of opening and closing of office premises everyday as well as water carrier and other work. He has further conceded that opening and closing of office premises is the duty of a regular watchman which work this concerned workman was performing. Similarly, MW-4, Mahendra Nath, has also admitted that he was Asstt. Manager, Dhanbad Depot from 1979 to 1992 and the concerned workman, Birju Prasad Gupta was doing the work for 5 to 6 hours a day. He has also admitted that the concerned workman was being paid for the days he worked on the basis of daily wages as per rate approved by the State Government. He too has admitted that 5 to 6 years back some of the casual workmen were regularised in Class-IV post. MW-5 Ram Chandra Prasad was Asstt. Manager Dhanbad Depot of F.C.I. from 1982 December to June 1987 and he too has stated that the concerned workman worked 2 to 6 hours a day and for the days he worked he was given wages as per minimum wages rules and he also used to do the job of locking and unlocking the depot in absence of the watchman. He could not say as to whether during his period there was any correspondence for regularisation of the concerned workman working in depot or not. MW-6, Ravindra Nath, too has admitted that the concerned workman was doing the job of casual labourer on part-time basis but he has further admitted that full day's wages was given to him at the rate of minimum wages rules for the days worked by him and he was working for 2 to 5 hours daily as per work available. He has admitted that during his time there was no regular sweeper posted in the depot i.e. from June 1990 to September, 1992.

11. WW-1 the concerned workman examined himself and has stated that he was working regularly from 9.30 A.M. to 1 P.M. and he used to open the office and close and also closing and sealing godown. Regular workman was getting wages between Rs. 3500/- to Rs. 4000/- per month whereas he was being paid Rs. 300/- to Rs. 400/- per month only. He also stated that in the year 1988-89 some casual workmen similarly situated like him were regularised in the services as watchman. He also claimed that order for regularisation of his service was taken up but due to some mistake in his name, Brijnandan Prasad in place of Birju Prasad Gupta he could not get the regular service and thereafter he clarified the position and the fact has also been admitted by MWs examined on behalf of the management but of no use. He was Class-VIII pass and minimum qualification for Class-IV post is only 7th pass and he was working since 6-10-81. He has further stated that he was doing the work of regularly appointed watchman and he had denied that he had worked only 5 to 6 hours daily. WW-2, Ram Lakhan Prasad, Asstt. Grade-I at District Office, F.C.I., Patna, has proved Ext. W-9 which is under the signature of Sri S. Bagchi, Asstt. Manager (Personnel), F.C.I. His evidence was recorded in October, 1994 and he stated that about 3 to 4 years back the management regularised services of 3 or 4 casual labour in the post of watchman. He has further said that for being appointed as watchman educational qualification is capacity to read and write and being of sound health. There is no other witness in this case.

12. No document has been filed on behalf of the management to support their contention. However, photo copy of award passed by Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad dated 6-10-93 in Reference No. 25 of 1992

has been filed where the services of the part time casual worker was not allowed and the claim of the workman in that reference was not allowed by the Tribunal and against which C.W.J.C. No. 3744 of 1993(R) was filed which was dismissed by the Hon'ble High Court, Ranchi Bench. Photo copy of both have been filed to substantiate the contention that the said concerned workman also was part time casual worker and he was not entitled for regularisation of his service as claimed by him and he was not covered by Circular dated 6-5-87 (Ext. W-3).

13. A number of documents have been filed on behalf of the workman which are Ext. W-1 showing statement of casual employees working at District Office, Ranchi, Ext. W-2 and W-3 are letters sent by the Asstt. Manager, Dhanbad to D.M., Ranchi, Ext. W-4 series are photo copies of details of attendance of concerned workman whereas Exts. W-5 and W-5/1 are representation and letter sent by the concerned workman to Regional Manager, F.C.I., Patna. Ext. W-6 is letter dt. 23-1-90 written by F.C.I. Distt. Office, Hazaribagh to St. Regional Manager, Patna and Ext. W-7 is statement showing vacancy position as on 31-8-90 whereas Ext. W-8 is photo copy of award passed by the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad by which services of casual workman similarly situated to the concerned workman working in F.C.I. was ordered to be regularised by the Tribunal. Ext. W-9 is photo copy of staff position as on 31-8-94 of Bihar Region. From these documents it has been tried to show that as per circular of the management dated 6-5-87 (Ext. W-3) the concerned workman was entitled for regularisation of his service as he was working since 6-10-1981 and he was working in Class-IV post and had completed more than 90 days of attendance on 2-5-86 the date stipulated in Ext. W-3. It is also submitted that a number of similarly situated casual workmen were regularised in their service and vide Ext. W-7 there was as many as 125 vacancies in Class-IV post as on 11-9-90 and the said vacancy is increasing day by day due to superannuation of the old incumbent. It was also pointed out that due to mistake in his name his service was not regularised alongwith the workmen whose services were regularised in the year 1987-88. His actual name is Birju Prasad Gupta but he was also known as Brijnandan Prasad and he sworn an affidavit to support this fact which was sent to the management with his representation Ext. W-4 and W-5 series. It is also submitted that vide Ext. W-4 the days employed by the concerned workman showing his work from 1981 December till 1989 has been noted down and it is duly signed by Asstt. Manager, District Storage Depot, Dhanbad and in the years 1982, 1983, 1984 and 1985 a number of working days employed by him has been shown as 24, 25, 23, 19 days and so on. As such it is incorrect that he had not completed 90 days of work on 2-5-86 the cut out date for the circular Ext. W-3. It is also submitted that as per Ext. W-1 and W-7 and W-9 actual vacancy position in F.C.I., Dhanbad Region and as well Bihar Region has been shown where number of vacancy is more than 160 in Class-IV category. This Ext. W-9 is duly signed by the Asstt. Manager (Personnel), F.C.I., Bihar Region. As such the contention of the management that there was no regular vacancy available for regularisation of service of the concerned workman is falsified and self-contradictory.

14. It is also pointed out that as per evidence of witnesses examined by the management, MW-1 to MW-6 that the concerned workman was doing the job of water carrier, sweeping and opening and closing godown and sealing after closing hours of working time one he has worked 5 to 6 hours a day. No where in the statement prepared by the management itself he has been shown as part time casual worker and vide Ext. W-4 he has worked for 19 days, 20 days or upto 25 days in a month as per statement of the management itself and full day wages on the basis of minimum wages rules was being paid to him as admitted by MWs. So there is no question or there is no merit at all in the statement of the management that the concerned workman was part time casual worker and he did not come under the purview of circular dated 6-5-87 (Ext. W-3) for regularisation of his service. It is also pointed out that his case is similar to that of other workmen whose services have been regularised by the management and as per evidence of WW-2 even in the year 1994 two to three casual workmen were regularised in the post of watchman. It has been further submitted that as per evidence of MWs the concerned workman worked

from 10 A.M. to 5 P.M. and the concerned workman was doing the work of opening and closing of godown premises and also doing the work of water carrier, sweeping and cleaning.

15. In this view of the matter it is submitted by the sponsoring union/concerned workman that he was doing all the work of casual workmen performed by regular Class-IV workman, but he was being paid Rs. 350 to Rs. 400 per month whereas regular casual employees were getting monthly salary even upto Rs. 3000 to Rs. 4000 it is also pointed out that as per authorities reported in AIR 1986 SC page 584 and AIR 1990 SC page 371 the concerned workman was entitled for Equal Pay for Equal Work performed by him as other Class-IV employees perform. Photo copy of the authorities has been filed by the concerned workman to substantiate his contention. It is also submitted that the photo copy of the award filed by the management passed in Reference No. 25 of 1992 by the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, is not at all applicable in the present case as there was clear cut statement and documents to show that the workmen of the said reference was part time casual workmen and as such his claim for regularisation of service was not allowed by the Tribunal and award was passed accordingly. But in the instant case it is submitted that as per documents of the management itself vide Ext. W-4 and also Ext. W-1, W-7 and W-9 the concerned workman, Birju Prasad Gupta is a clear cut casual worker doing the job 5 to 6 hours a day and he was being paid for the full day wages for the total number of days employed by him as per minimum wage rules. So there is no substance in the management's contention that he was part time casual worker.

16. Heard the authorised representative of the management who supported their case and submitted that the concerned workman was part time casual worker and as such he was not being covered by the circular dated 6-5-87 (Ext. W-3) and his service was not regularised and there was some contradiction in the name of the concerned workman as Brij Nandan Prasad and Birju Prasad Gupta. But it is pointed out on behalf of the concerned workman that he filed an affidavit duly sworn by him stating therein that both the names are of the same and one person i.e. Birju Prasad Gupta and Brij Nandan Prasad. His actual name is Birju Prasad Gupta and sometime he was called by people by nick name Brij Nandan Prasad. As such it is said that there was no confusion at all in his name. It is also submitted that there was no vacancy at all in the Class-IV cadre nor he has worked against any regular post and so there was no question of regularisation of his service in Class-IV post. But in view of the above noted Exts. W-1, W-7 and W-9 and also Ext. W-4 it is clear that he was doing the work for full day and payment was being made by the management to him for the full day work and number of days totally employed by him monthly which is in between 19 to 25 days in a month. MWs examined on behalf of the management have also substantiated the contention of the workman that he was doing the work for 5 to 6 hours daily and beginning from opening of the premises and closing of the same and sealing godown after closing hour. So, naturally his work was never part time work only for 2 to 3 hours daily as claimed by the management.

17. I further find that as per authorities reported in AIR 1986 SC page 584 and AIR 1990 SC page 371 by the Hon'ble Supreme Court, the workman was entitled Equal Pay for Equal work like other Class-IV employees. Although the concerned workman has claimed regularisation of his service from 6-10-1981 the initial date of his work done in the management, but I find that as per evidence of WW-2 some of the casual workmen have been regularised in their services even in the year 1994. This reference has been initiated in March, 1992 and as such I find that the concerned workman, Birju Prasad Gupta is entitled for regularisation of his service against Class-IV category from 1-3-1992 with all full back wages and benefits therefrom. The management is directed to regularise his service from the said date i.e. 1-3-1992 with all back wages within two months.

18. Finding makes the following award—

The action of the management of Food Corporation of India in denying regularisation of Birju Prasad Gupta in Class-IV post in the light of Headquarters Circular dated 6-5-1987 is not justified. The management is directed to regularise the services of the concerned workman against Class-IV post with effect from 1-3-1992 with all back wages within two months.

In the circumstances of the case, there will be no order as to cost.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1996

का.आ. 2698.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई नं 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/316/93-आईआर (सी-II)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1996

S.O. 2698.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Mumbai No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of N. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 21st August, 1996.

[No. L-22012/316/93-IR(C-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/9 of 1994

Employers in relation to the management of Amlohri Project of N.C.L.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—S/Shri P. S. Nair & A. K. Sasl, Advocates.

For the Workmen—Shri M. B. Anchan, Advocate.

Mumbai, dated 25th July, 1996

AWARD

(PART-II)

On 13th June, 1996 by Part-I award I answered issue No. 1 and came to the conclusion that the inquiry which was held against the worker was as per the principles of Natural Justice.

2. The facts leading to this reference in nut shell are as follows :

"Ramlal Sharma was the driver of the company. He and his colleagues were occupying company's head quarters. They were not provided with cooking coal for about six months. They complained to the security officer who was warned by the management. The security officer then once caught hold of the collar of the workman. Then again there was a complaint. The result was that the security officer was transferred. The worker was assigned different duties of driving heavy vehicles. His duties were changed from time to time. On 13th April, 1992 he was issued a charge-sheet alleging that on 8th April, 1992 at about 10.30 p.m. the worker went to the residence of Shri A. K. Singh, EE (Excv) and asked key of Jeep No. MKA 154 saying that his wife was to go to Navanagar. While Shri A. K. Singh came down from his residence and was going to take permission from Shri B. Kumar, SE(X) for giving key to the worker the worker helped Vedprakash in slapping Singh and went away. There were several charges showing the previous conduct of the worker. Charge No. 1 held to be proved. He was dismissed from service."

3. Now the issues (Exhibit-8) to be answered and the findings thereon are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the action of the General Manager Amlohri Project of NCL in dismissing Shri Ramlal Sharma, driver from Company's service w.e.f. 17-8-1992 is legal and justified?	Action is Legal and Justified.
2. If not, to what relief the workman is entitled for?	Does not survive.

REASONS

4. The Learned Advocate for both the sides filed a purshis Exhibit-'15', informing the Tribunal that they do not want to lead any oral evidence. They relied upon the documents on record.

5. The management filed typed copies of the inquiry proceedings alongwith Exhibit-'4' and zerox copies of the said proceeding alongwith Exhibit-'5'.

6. One of the allegation of the worker is that the findings of the inquiry officer are perverse. While answering issue No. 2 I have to see that first charge which is levelled against the worker is proved to the satisfaction of the Tribunal by acceptable evidence. The evidence which is lead before the inquiry officer has to be seen while doing so.

7. In the departmental inquiry the management examined A. K. Singh (MW-1), S. K. Shrivastav (MW-2) and P. M. Tiwari (MW-3). As against this the worker examined Shri M. P. Mishra (AW-1), Vishnu Dev Sharma (AW-2) and Shyam Mishra (AW-3).

8. Exhibit-'5/1' is a complaint of Amar Kumar Singh to the Additional General Manager, Amlohri. In the said complaint he had specifically mentioned that when he was going towards Kumar's house for seeking permission and key to the workman he saw Vedprakash coming on a motor cycle and behind his back somebody else was sitting. But he could not recognise. He stopped near them. For a few seconds there was a silence and thereafter they started slapping him. After perusal of his testimony before the inquiry officer it reveals that he affirmed to the effect that Vedprakash slapped him. The worker and the other person cooperated him. In other words it has to be said that they abated Vedprakash, to do the act. It is pertinent to note that in the cross-examination of A. K. Singh to Question No. 22 he categorically answered that he was beaten by Vedprakash. Ramlal Sharma i.e. the worker and third person. There is nothing on the record to suggest that why this witness has to be disbelieved.

9. Shrivastava (MW-2) and P. M. Tiwari (MW-3) came to the spot after hearing the shouts of Singh "Bachao, Bachao". They saw that three persons went on a motor cycle. They had not seen the actual incident of beating. It is natural that when such an incident of a very short duration takes place the witness might not see it. If really the case would have been a managed one there would not have been any difficulty for these witnesses namely Shrivastava and Tiwari to affirm that they actually saw the worker slapping or helping Vedprakash to slap Singh but they have not done so. From their testimony it has come on the record that at that time the worker was on the spot. As that is so it corroborates the testimony of Singh that he helped Vedprakash in slapping him.

10. The Learned Advocate for the union argued that in the chargesheet there is no mention on what way the workman has helped the slapping of Singh by Vedprakash. According to him helping and slapping is a vague term. I am not inclined to accept this submission. It can be seen that presence of the workman on the spot, slapping of Vedprakash to Singh, again the worker is slapping Singh clearly suggests that his presence itself helped Vedprakash to slap Singh. Helping for slapping does not mean that the worker has to lift the hand of Vedprakash and help him for slapping of Singh. His remaining there, his own action and the circumstances which are narrated by Singh gives a cumulative effect corroborated the action of Vedprakash.

11. The union had examined three witnesses to support the case of the worker. From the testimony it is tried to bring on the record that the worker was not on the spot at the relevant time and he was in the unions office. It can be seen that the unions office is not far away from the place of incident. It can be further seen that there is no record that at a particular minute he was in the unions office. Five, ten minutes here and there makes no difference in the domestic inquiry. The circumstances speaks that he might have gone to the unions office but it does not mean that he was not on the spot at that particular time. In a domestic inquiry what is to be seen whether on preponderance of probabilities the incident had taken place or not. There is no need of having a strict proof such as proving a particular fact beyond reasonable doubt which is required in a criminal case. The evidence which is lead by the management witnesses clearly establishes charge No. 1 against the worker.

12. The inquiry officer had given reasoned findings for coming to the conclusions. In other words it has to be said that the conclusions are logical. I do not find there is any perversity in the said findings.

13. It is tried to argue on behalf of the union that the punishment which is awarded to the workman is shockingly disproportionate to the charge proved. On the other hand it is tried to argue on behalf of the management that looking to the seriousness of the misconduct and the past record of the workman he is not a fit workman to be retained in service. The management had lost confidence in him.

14. The charge which is proved against the workman is a grave charge. Helping any body for causing hurt to the management authorities is the gravest misconduct. While awarding the punishment the disciplinary authority had perused the past record of the worker which cannot be said to be unblemished. I therefore find that there is no reason to alter the punishment which is already awarded to the worker. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order

ORDER

The action of the general manager, Amlohri Project of NCL in dismissing Shri Ramlal Sharma, driver from Company's service w.e.f. 17th August, 1992 is legal and justified.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

SCHEDULE

का.प्रा. 2699—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टी आई एन सी एन के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 2 के वंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/171/91-आईआर(सी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2699.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 2, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of TISC Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 21-8-96.

[No. L-20012/171/91-IR(C-1)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT
DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under
Section 10(1)(d) of the I.D. Act 1947

Reference No. 165/91

PARTIES :

Employers in relation to the management of
M/s. Tata Iron & Steel Company Ltd.,
and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri S. Singh,
Workmen representative.On behalf of the employers.—Shri B. Joshi,
Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Steel

Dated, Dhanbad, the 13th August, 1996

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/171/91-IR, Coal-1, dated the 25th November, 1991,

“Whether the demand of the workman Shri Ajaib Singh Ex-employee of 6 & 7 Pits Jamadoba Coll. of TISCO Ltd., for his reinstatement w.e.f. 27-6-90 with full back wages is justified ? If so, to what relief the workman is entitled ?”

2. The case is proceeding since 1991,. Parties have adduced evidence in this case in course of hearing of the argument the question of settlement arose which finally has ripen.

3. Seven copies of the petition, five in original and two of Zerox copies are filed stating that the dispute regarding dismissal of the concerned workman and prayer of reinstatement have since been settled with the management and there is no dispute at present between the parties and thereby they have prayed before this Tribunal for passing an Award in respect of presence reference case in terms of settlement filed before the Tribunal.

4. On perusal of the settlement signed by the parties and their representatives it appears that the settlement is in accordance with law and no prejudice has been caused to the concerned workmen.

5. That the concerned workmen is present in this court who accepts the terms of the settlement and Mr. Joshi learned Adv. representing the management agrees to it.

6. That the terms of the settlement are legal, valid and within the terms of reference. So the present Award is passed as per terms mention therein and the original settlement petition filed by the parties do form part of the Award as annexure.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

Reference No. 165/91

Employers in relation to the management of
M/s. Tata Iron & Steel Company Ltd.,
Jamadoba.

AND

Their Workmen

PETITION OF COMPROMISE :

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :

1. That the present dispute has been amicably settled between the parties on the following terms :

TERMS OF SETTLEMENT :

(i) That the concerned workman Sri Ajaib Singh will be reinstated maintaining

continuity of service without any back wages or any other monetary benefits for the period from the date of dismissal till the date of resumption of duties.

- (ii) That the concerned workman will not repeat commission of similar act in future on which he was dismissed from his service.

2. That in view of the above settlement, there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances, stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass an Award in terms of the settlement.

FOR THE WORKMEN :

1. Sd.-
(Ajab Singh),
Ex. H. T. Mazdoor,
Ex. T. No. 46508,
6 & 7 Pits Colliery.
2. Sd.-
(S. Singh),
Workmen Representative.

WITNESSES :

1. Sd/- Illegible.
8-8-96.
- 2.

FOR THE EMPLOYERS :

1. Sd.-
(S. N. Pandey),
Sr. Divisional Manager (P&W),
M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd.,
2. Sd.-
(Anwar Hashmi),
Asst. Divisional Manager (P),
M/s. Hata Iron & Steel Co. Ltd.

WITNESSES :

1. Sd.-
(Shatis Kumar),
Jr. Officer (Administration),
M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd.
- 2.

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.अ. 2700—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाईन्स के प्रबंधन के संबंध निरोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में, निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मुंबई नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-11012/22/90-आईआर (वि)/आईआर (सी-I)]

राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2700.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Mumbai No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Air Lines and their workmen, which was received by the Central Government on 21-8-96.

[No. L-11012/22/90-IR(Misc.)/IR(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/39 of 1994

(Old Ref. No. CGIT-2/18 of 1991)

BETWEEN :

Employers in relation to the management of
Indian Airlines.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employer : Mr. Abhay Kulkarni &

Mrs. Pooja A. Kulkarni, Advocates.

For the Workmen : Mr. Madan Phadnis, Advocate

Mumbai, dated 2nd August, 1996

AWARD—PART-II

On 20-2-96 by Part-I award I came to the conclusion that the domestic inquiry which was held against the workman was as per the principles of natural justice.

2. In this award I have to answer the remaining issues. Before giving the issues and findings thereon it will be better to narrate the facts of the case in short.

3. Sudame was Chief Teleprinter Operator at Aurangabad. He applied for P. L. for six days w.e.f. 1-11-64 and encashed for thirty days. He received the amount on 27-10-84. It so happened that he did not proceed on leave and he continued to work. On 24-11-84 he was called by Awale, Asstt. Commercial Manager in his cabin. There he was asked some explanation. It is alleged that Sudhame abused Owale. He came out from the cabin and near counter also he abused Awale in filthy language. It was heard by the staff there. Ultimately a chargesheet was issued to him and a domestic inquiry was conducted. He was found guilty and was awarded the punishment.

4. Now the issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the management of Indian Airlines, Bombay, are justified in imposing double penalty on Sh. C. G. Sudame, Chief Teleprinter Operator in Grade 7/8 to the post of Teleprinter Operator (Senior Grade) with reduced basic pay from Rs. 690/- to Rs. 600/- in lower Grade 3/6 to Rs. 525-1110 with effect from 16-9-1985 ?	No
2. If not, to what relief is the workman entitled to ?	As per order
3. What Award ?	As per order
4. Whether the domestic inquiry which was held against the workman was against the Principles of Natural Justice ?	Answered in Part-I Award
5. Whether the findings of the Inquiry officer are perverse ?	Yes

REASONS

5. After Part-I award the parties had not lead any oral evidence. They filed a purshis that they do not want to do so. Now it has to be seen whether the evidence before the inquiry officer is sufficient to prove the charges which were levelled against the workman.

6. Mr. Phadnis, the Learned Advocate for the worker argued that the domestic inquiry was a false. There was no evidence to prove the charges levelled against the workman and the findings are not based on the evidence. On the other hand Mrs. Kulkarni, the Learned Advocate for the management submitted that the findings of the inquiry officer are well reasoned and there is no perversity.

7. Exhibit-12 is the list of documents filed by the management. There are different documents in this list and for better appreciation I will refer to them by their page numbers. Exhibit-12/1 is the charge sheet dated 21-1-85. It is not necessary to give in detail the chargesheet. But the charge against Sudame was that :

- (a) Why he did not proceed on leave w.e.f. 11-11-84 as the leave was sanctioned ?
- (b) He badly misbehaved with Awale, abused him in the name of caste and unparliamentary language in the cabin; &
- (c) At about 11.20 a.m. he was standing near the booking counter and was found abusing to Awale using unparliamentary language.
- (d) He thus committed a breach of clauses 16(11), 16(13) & 16(14) of the standing orders.

Sudame gave reply to the said charge (Exhibit-12/3). His explanation was not accepted by the management and Mr. N. K. Jain was appointed as inquiry officer. On 1-2-85 he started the inquiry and gave his report on 2-7-85 (Exhibit-12/67-71).
2160 GI/96—31

8. The presenting officer examined J. B. Awale (Exhibit-12/16), L. M. Pandit (Exhibit-12/24), A. K. Upadhyay (Exhibit-12/27) and S. K. Tamizuddin (Exhibit-12/30). As against that the workman examined Mr. V. R. Rasane (Exhibit-12/32), N. S. Pathak (Exhibit-12/34) and Mr. Untwal (Exhibit-12/37), as his witness

9. Awale was the Assistant Commercial Manager at the relevant time. From his testimony it reveals that he was aware of the sanction of leave of Sudame and of his thirty days encashment. He was also aware, before proceeding on his own leave that Sudame was called for training at Delhi. It was to start in the beginning of November. He went there but due to the sad demise of Mrs. Indira Gandhi the training could not be started. He accepts the position that the training was beneficial for Sudame for getting better service conditions in his service. If that was so I really fail to understand how Awale called Sudame in his chamber and asked for explanation why he did not proceed on leave. He had deposed that in the leave period also he could have gone for training. But that is not necessary. Nobody would like to do any duty in the leave except circumstances compel it to do so. That itself goes to show that there was no genuine reason for Awale to call for any explanation from Sudame. He was also aware that as per directions the amount which was received by Sudame was repaid by him. As Sudame was asked to go for training his cancelling the leave and returning the amount was just logicay. His reason for not proceeding to leave is also reasonable. There cannot be any contravention of rules for not proceeding on leave in such circumstances.

10. From the chargesheet it reveals that the incident had taken place in the chamber of Awale. Awale in his statement before the inquiry officer initially stated that Sudame abused him in his chamber. The statement which was recorded by security officer was produced before the inquiry officer. He also had not said any word before him also. The other witness also had not stated anything in respect of the alleged incident which took place in the cabin.

11. Pandit's statement (Pg. 41) which was recorded by the security officer was produced before the inquiry officer. Before the inquiry officer Pandit had not stated anything what is stated in the statement. He only admits his signature on the statement. In other words it has to be said that there was no evidence adduced before the inquiry officer. But even for the sake of argument it is accented that in a domestic inquiry such an evidence is permissible then it is to be seen that whether there is any truth in it. It is because the time given in his statement regard the alleged incident is 11.20 a.m. But from the record shows that at 11.15 a.m. the staff car left the place alongwith all these witnesses including Pandit. If that is so there was no reason for Pandit hearing the alleged utterances from Sudame. In normal course if somebody hears such type of utterances from anybody when there is no quarrel, the person to whom such words are used is not present, then he is asked why he doing so. Pandit never said that he asked Sudame why he is abusing. All these actions suggests that Sudame might not have abused him as alleged. Further more looking to the position of Sudame in that office and the words which are shown

as used, Such as "Madrachod"; "bhangi" I find it little difficult to accept it.

16-9-85 and he is to be given all types of benefits from that date.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1996

का.आ. 2701—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्दन रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-41011/17/86-आई आर (बी आई)]
के.बी.बी. उष्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1996

S.O. 2701.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Rly. and their workman, which was received by the Central Government on the 23-8-96.

[No. L-41011/17/86-IR (B-1)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT DEOKI, PALACE ROAD, PANDU NAGAR KANPUR

Industrial Dispute No. 129/87.

In the matter of dispute :

BETWEEN :

Shri B. D. Tewari,
Zonal Working President, Uttar Railway Karm-chari Union,
96/196-Ganeshganj Roshanbajaj Lane,
Lucknow.

AND

The Senior Divisional Personnel Officer,
Northern Railway,
Lucknow.

APPEARANCES :

Shri P. K. Tiwari—for the workman.

Shri Hamid Qaisay—for the Management.

12. Upadhyay was another witness for the management. He had stated that Pandit asked him whether he understood the meaning of the words used by Sudame. He answered in the negative. Then Pandit explained him what were the words used by him and the meaning thereof. In other words so far as the testimony of Upadhyay is concerned it is based on the testimony of Pandit. If Pandit could ask Upadhyay whether he understood it, at the same time he could have asked Sudame that why he is abusing. They were working in the same office. It is not that they were on enemical terms. The result is that the testimony of Upadhyay does not help the management for proving the charges.

13. Tamizuddin (pg. 42) is another witness. He also does not know Marathi. Pandit told him what is going on. On the same analogy which I have applied above in respect of the testimony of Upadhyay his testimony also cannot be relied upon.

14. Rasane, Pathak & Unwal the defence witness affirmed that no incident took place in the office as alleged by the management. For the reasons stated above I do not find any reason for rejecting their testimony.

15. From the photo copy of the journey book it reveals that the vehicle goes to the Airport at 11.30. It takes about 15 minutes to reach the Airport. But so far as 24-9-84 is concerned it has left the place at 11.15 a.m. There is no reason for making a false entry in the journey book. Even though Upadhyay stated that it left the place at 11.30 a.m. which is against the documents on the record I am not ready to accept his statement.

16. The inquiry officers report p. 67-71 is not proper. His conclusions are not logical and based on the evidence on the record. The oral and documentary evidence on the record is not sufficient to prove the charges levelled against the workman.

17. The Regional Director accepted the report of the inquiry officer after following the due procedure, awarded the punishment on 14-9-85 (pg. 74). The punishment was to come into effect from 16-9-85, and it was reduction of the post of teleprinter operator (senior category) in the pay scale of Rs. 525-1110 with basic pay of Rs. 600/-. In view of the above stated findings this punishment has to be set aside, and he is to be given all benefits which he was entitled to from that date. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following Order :

ORDER

The management of the Indian Airlines, Mumbai are not justified in imposing double penalty on Shri C. G. Sudame, Chief Teleprinter Operator in Grade 7/8 to the post of Teleprinter Operator (Senior grade) with reduced basic pay from Rs. 690/- to Rs. 600/- in lower grade 3/6 to Rs. 525-1110/- with effect from 16-9-1985.

The management is directed to treat that no punishment was awarded to Sudame w.e.f.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-41011/17/86-D.II(B) dated 2-9-87, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Northern Railway, Lucknow in terminating Shri Anil Kumar EM Khalasi and 27 others (as shown in the Annexure) from service w.e.f. 4-10-81 is legal and justified? If not, to what relief & from what date, the concerned workmen is entitled to?

2. In all there were 28 workmen in this reference. The names of whom have been given in reference order itself. On 11-4-96 the Au. Rep. of the workman gave in writing that claim of following 10 persons is only pressed:—

1. Anil Kumar
2. Adarsh Kumar
3. Narsingh Prasad
4. Prag Narain
5. Parmeshwar Dayal
6. Prem Kumar Srivastava
7. Raghvendra Srivastava
8. Saheb Lal
9. Shitla Saran Shukla
10. Santosh Kumar

The claim of rest of 18 workmen has not been pressed.

3. Any way it may be mentioned that in the claim statement all the concerned workman has alleged that they were employed as Khalasi in Loco Shed and had worked for more than 4 months. In this way they have acquired temporary status. Their services were wrongly terminated w.e.f. 4-10-81.

4. The management has filed written statement in which it was alleged that after investigation it was found that these workmen had obtained initially appointment on the basis of fake service card and entry in muster roll. Hence their services were brought to an end.

5. In the rejoinder it was denied that service record were faked. In any case their services could not be terminated without affording any opportunity in this regard.

6. In support of their claim the concerned workmen had filed service card and other certificates to show that they have acquired temporary status. The concerned workmen had examined Shitla Saran Shukla W/W(1), Prem Kumar W/W(2) and Narsingh Prasad W/W(3). The management has examined Office Superintendent Loco Shed S. H. Raza.

7. The first contention of workmen is that their services could not be terminated without affording opportunity to them, to show that their entry in service was in accordance with Rules and not based on fake service card. It has not been denied on behalf of the railway that no such opportunity was afforded to the workmen before bringing their service to an end. Anyhow it was mentioned that in this regard investigation was carried out. In my opinion it was not sufficient. The case of Union of India and other V/S C. Devan LAB I.C. 1996 581 (S.C.) is similar to that of present case. In that case Hon'ble Supreme Court had upheld the termination of the workmen as on enquiry it was found that service was obtained by the Railway workmen through fake service card. Thus by implication it was held had holding of enquiry was necessary before taking such action. Such enquiry does not mean full fledged enquiry only opportunity is required to be given to the workmen. As in the instant case no such opportunity was given termination order is bad in law. The case of Rita Misra V/S. Director Primary Education AIR 1988 Patna 26 (F.B.) will not help to the opposite party, in which it was held that where appointment rested on forging no statutory right would flow. In the whether appointment was made by forging. The point is still to be decided after given opportunity to concerned workmen.

8. In the end my award is that termination of Anil Kumar, Adarsh Kumar, Narsingh Prasad, Prag Narain, Parmeshwar Dayal, Prem Kumar Srivastava, Raghvendra Srivastava, Saheb Lal, Shitla Saran Shukla and Santosh Kumar is bad in law and they will be entitled for reinstatement within one month of the publication of award. It is made clear that it will be open to the management to give opportunity to these workmen and after that if it is found that they have secured service on the basis of forging service card it will be open to opposite party to inflict punishment as may they deemed fit.

9. These workmen will not be entitled for any back wages, as in case ultimately appointed is found to be bad question of payment of wages would not arise at all.

10. The rest of 18 workers will not be entitled for any relief.

Dated 14-8-96

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1996

का.श्री. 2702—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई नं. 2 के

पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/248/92-आई आर बी आई]
के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1996

S.O. 2702.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay No. 2, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-8-1996.

[No. L-12012/248/92-IRBI]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

S. B. Panse, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/18 of 1993;

Employers in relation to the Management of
State Bank of India

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employer—Mr. S. K. Asthana Representative

For the Workmen—Mr. H. G. Pandit Representative

Mumbai, dated 13th August, 1996

AWARD PART-II

On 3rd April, 1996 by Part-I award, I came to the conclusion that the domestic inquiry held against the workmen is legal and proper. I have further observed that the findings of the inquiry are not perverse.

2. Now by this Part-II award I have to answer the remaining issues. The issues and my Findings thereon are as follows:—

ISSUES

- Whether the action of the management of State Bank of India in imposing the punishment of withholding three increments w.e.f. 11-4-91 on Shri L. C. Dias is justified?

FINDINGS

Yes

- If not, to what relief Does not survive. the workmen is entitled to?

REASONS

3. L. C. Dias the worker was charged for practising a fraud and other various acts, commissions which constituted misconduct. In a departmental inquiry Charge No. 1 held to be proved against him resulting in to punishment and withholding three increments w.e.f. 11-4-91.

4. The worker and the management have filed pursis to the fact that they do not want to lead any oral evidence in respect of issues Nos. 3 & 4. They filed a written argument in support of their contentions.

5. The Learned Representative on behalf of the worker argued that the management admitted that Clause No. 1 of the chargesheet it proved amounts to misconduct under Section 521(6)(d) of Shastri Award. It is further submitted that despite of this fact the punishment of stoppage of three increments by treating Clause No. 1 as major misconduct is illegal. According to him misconduct under Section 521(6)(d) has been classified as minor misconduct under the Shastri Award. Therefore the punishment imposed by treating the same as a major misconduct is illegal and required to be quashed. According to him in fact as Clause No. 2 & 3 are not proved against the workmen Charge No. 1 is also not proved. In view of the findings on Issues No. 2 & 3 earlier this argument has no merit. The Learned Representative also relied upon Government guidelines in respect of suspension period and other things. So far as deciding issue No. 3 namely the justification and punishment it has no merit.

6. Mr. Asthana, the Learned Representative for the management argued that the punishment which is awarded to this workman is perfectly justified, a final view was taken looking to the age of the workman. He further argued that the Tribunal cannot interfere with the punishment which is awarded to the worker in view of Section 11A of the Industrial Disputes Act of 1947. I find substance in this argument.

7. Section 11A of the Industrial Dispute Act of 1947 (hereinafter called as an Act) deals with powers of labour courts, tribunals and National Tribunals to give the appropriate reliefs in case of discharge or dismissal of the workman. That clearly goes to show that when a worker is discharged or dismissed the Tribunal has wide powers under this section to alter the punishment into reinstatement or looking to the nature of the offences and the circumstances give some other reliefs to the workman including of a lesser punishment in lieu of discharge or dismissal. But so far as the punishment which is awarded to the present

workman is concerned it does not fall into category of discharge or dismissal. The result is that the powers of the Tribunal under Section 11A of the Act cannot be invoked. The Learned representative of the workmen had not brought to my notice how under such circumstances the Tribunal could modify the punishment which is awarded to the workmen. Even for the sake of argument it is said that the Tribunal could do so looking to the circumstances which I have referred to in Part-I Award. I do not find any reason for any modification in the punishment. The management had taken a sympathetic view in the matter and had awarded a lenient punishment to the worker looking to the charge which is proved against him. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order:

ORDER

The action of the management of State Bank of India in imposing the punishment of withholding three increments w.e.f. 11-4-94 on Shri L. C. Dias is justified.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2703—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महानगर टेलीफोन निगम लि. के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई के संचालन को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-1996 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/20/90-आईआर (डीयू)]

के.वी.बी. उष्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2703.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of MTNL and their workman, which was received by the Central Government on 23-8-1996.

[No. L-40012/20/90-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/26 of 1991.

Employers in relation of the management of Mahanagar Telephone Nigam Ltd, Mumbai.

and

Their workmen

APPEARANCES :

For the Management : Mr Ram Gehani, Advocate.

For the Workmen : Mr. M. B. Anchan, Advocate.

Mumbai, dated 9th August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-40011/20/90-IR(DU), dated 19-4-1991 had referred to the following Industrial dispute for adjudication :—

"Whether the management of Mahanagar Telephone Nigam Limited, Bombay were justified in terminating the services of the workmen, of S/Shri Raju Patil, Balakrishna Navar, Barnard Dsouge, Ramakrishna Shetty and Balaram Dhotre and denying the wage of Fourth Pay Commissions recommendations and Supreme Court's Order ? If not to what relief over the workman concerned are entitled to ?"

2. The General Secretary of the Bombay Telephone Canteen Employees Associations filed a Statement of claim at Exhibit-2. It is averred that the canteen workmen were denied equal wages and benefits as applicable to the employees of the Bombay telephones as it then was. A dispute was taken up before the Supreme Court who in its order dated 26-9-1983 directed the management to make the payments of the same wages and allowances to the employees in non-statutory canteen as applicable to the direct employees of the department. These employees were to be given the wages as per the Fourth Pay Commissions. But the management did not do so.

3. In the Government of India Directives, known as the Administrative Instructions on Departmental canteen it is provided that 'what should be the type of canteen in the place of a particular number of employees. It is averred that when the total strength of the establishment exceeds 700 and which is up to 1200 the canteen should be of 'A' type having 19 employees. If the number exceeds 1200 then there are different categories of canteens.

4. Prabhadevi Telephone Building there are about 3000 employees working in different shifts. Looking to the strength including all shifts there should be in all 57 employees in the canteen. For the first shift there should be a 3-A type canteen. For second shift 'A' type canteen and in the third shift there should be 'C' type canteen having 10 employees, in the canteen. It is averred that for 3-A type canteen there is a requirement of 57 employees in the canteen. In other words at Prabhadevi there should be 86 employees but there were 24 employees on 27-4-1989.

5. The concerned employees in reference were joined the services in 1987 as a bearer and one Ramkrishna Shetty as a cashier. They were demanding the wages as per the directions of the Supreme Court and the fourth Pay Commissions. They have submitted their claim under the payment of wages authority. As they were insisting the wages as per the directives their services were terminated w.e.f. 18-4-1989. When their services were terminated they were not given any notice nor any compensation as required under the Industrial Disputes Act of 1947 (hereinafter called as an Act). It is submitted that the retrenchment of these employees is illegal and void. It is averred that these employees

were in continuous service from the date of their appointment till their termination. It is prayed that these employees may be reinstated in service with full back wages and continuity. It is also prayed that the management should be directed to pay the wages to these employees as per the Fourth Pay Commissions.

6. The management resisted the claim by the written statement Exhibit, 6. It is averred that the dispute does not attract the provisions of the Industrial Disputes Act of 1947 and the Tribunal has no jurisdiction to decide the same. It is averred that the canteen is not an industry as contemplated under section 2(j) of the Act. It is pleaded that the employees working in the canteen are not the workman within the definition of section 2(S) of the Act and they are treated as holding civil posts in the Central Government.

7. The management pleaded that these workmen were paid monthly wages as decided by the canteen committee depending upon the increase in cost of living etc. It is submitted that these workmen are not entitled for supply of uniform, privilege leave and sick leave because their services were for month to month depending upon the need. Their services were terminated as per the directions. These employees are not entitled to any monetary reliefs as claimed. It is averred that they were not governed by the recruitment rules of the Bombay Telephones and are not entitled to any notice before termination of service. It is submitted that the provisions of chapter (V-B) of the Industrial Disputes Act are not applicable to the present workmen. It is prayed that the concerned workmen are not entitled to any of the reliefs as claimed.

8. My Learned Predecessor framed issues at Exhibit-7. The issues and my findings thereon are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the provisions of the Industrial Disputes Act do not apply to the facts of the present case ?	Yes
2. Whether this Tribunal has no jurisdiction to entertain and decide the present Reference ?	Yes
3. Whether the management of the M.T.N.L. did not follow the provisions contained in section 25F of the Industrial Disputes Act ?	Does not survive. If survives, yes.
4. Whether the management has committed a breach of the provisions contained in section 25N of the said Act ?	Does not survive. If survives, yes.
5. Whether the Judgement of the Supreme Court and the interim orders do not apply to the facts of the present case ?	Does not survive. If survives, yes.
6. Whether the recommendations of the Fourth Pay Commission do not apply to the facts of the present case?	Does not survive. If survives, yes.
7. Whether the management of Mahanagar Telephone Nigam Ltd. Bombay were justified in terminating the services of workmen S/Shri Raju Patil, Balu-krishna Nave, Barnard D Souge, Ramkrishna Shetty and Balaram Dhotre and denying the wage of Fourth Pay Commissions recommendation in spite of Supreme Courts order ?	Does not survive If survives, yes.
8. If not, to what relief over the workmen concerned entitled to ?	Does not survive. If survives, yes.

9. What Award? As per final order.

REASONS

9. To bolster up the case the union examined Balukrishna Navar (Exhibit-12), Raju Patil (Exhibit-12), Jaiprakash Shetty (Exhibit-13) and the management examined V. P. Patil (Exhibit-17) Secretary of the canteen at the relevant time. They filed documents at Exhibit-8, 13, 25, 26, 27 and 29. They relied upon it. From the oral and documentary evidence on the record the following facts could be said to be not disputed.

10. These concerned workmen were employed in the canteen at Prabhadevi atleast for some period. Prabhadevi Telephone Exchange employed about 4000 employees. To cater the needs of these employees MTNL run the canteen. If there are 700 employees employed then 'A' type canteen is required under the provisions of Administrative instructions on departmental canteen. In Government offices and Industrial establishments for 'A' type canteen 19 employees are required per shift. It works from 5 a.m. to 12 midnight. There are three shifts in that exchange. There were 24 employees including the concerned workmen at relevant time i.e., when their services were terminated on 24-4-1989. It is also not in dispute that in view of the Supreme Court's Judgement non-statutory canteen employees are entitled to benefits of the recommendation of the third and fourth pay commissions. Accordingly the Director of Canteen union of India issued orders directing the department concerned to pay the canteen employees wages as per the recommendations of the pay commissions.

11. The Learned Advocate for the management in his written argument Exhibit-39 contended that the Tribunal has no jurisdiction to entertain and decide the reference as the employees are not workmen under section 2(S) if the Act and the canteen is not an Industry under section 2(j) of the Act. He relied upon the Memorandum dated 11-12-1979 issued by the Ministry of Home Affairs department of Personnel and Administrative Reforms. There is also a memorandum dated 12-1-1982 forwarded to the management by the Director (Welfare) Indian posts and Telegraphs department under the covering letter dated 18-2-1982 by the said Memorandum it is clarified that the departmental canteen is not an industry and the employees working there are not workers under the Act. Patil (Ex. 17) affirms to that effect.

12. As against this Navar, Dsouge the workmen affirmed that they are workmen and the canteen is an industry under the Act. Leaving aside whether they affirmed or not it is argued by Mr. Anchan the Learned Advocate for the union that Prabhadevi Telephone is an Industrial establishment and the canteen is run for the welfare of the employees employed in the telephone exchange. In the canteen the manufacturing process are carried out. The manufacturing process is carried out with the use of electric power, heating systems, refrigerator, water cooler etc. Therefore it is the factory under the Factories Act of 1948. It is argued that in the canteen different articles are prepared. Therefore it is submitted that canteen is an industry under the Act. He placed reliance on Judgement of the

Bombay High Court in Appeal No. 21 of 1989 in writ petition No. 3298 of 1988. In that Judgement Their Lordships have observed:

"An apprehension was voiced on behalf of the appellant that in case the dispute goes before the Competent Authority under the relevant statute, an objection might be raised on behalf of the respondent authorities that since the members of the Association are employed in canteens run departmentally by the Respondent Corporation which is a State the said Competent Authority would not have jurisdiction to adjudicate the dispute. We do not see any valid reason for the entertainment of such apprehension nor have any doubt that even if such objection is raised it is bound to meet its pre-destined fate. However to allay the apprehension, a statement has been made on behalf of the respondent authorities that no such objection would be taken before the Competent Authority."

13. It can be further seen that there is a letter dated 27-5-1984 purported to have been addressed by Ministry of Labour Rehabilitation India, New Delhi wherein it is mentioned that absence of exemption granted from the provisions of Industrial Disputes Act an Industrial Dispute pertaining to the canteen shall continue to be governed by the authorities under the Industrial Disputes Act. It could be seen that on the basis of the decision of the Bombay High Court and on its letter it was held that canteen is an industry and the employees working there are the workmen under the Act.

14. It is tried to argue on behalf of the management placing a reliance on Union of India V/s. K. Subramaniam 1989 I CLR 1982 and Mazdoor Congress and others and N. L. Balachandran 1994 II LLM 113. The facts of these authorities are quite different from the facts before me.

15. I may mention it here that recently in Sub-Divisional Inspector of Posts, Vaikam and Ors. V/s. Theyyam Joseph 1996 II Supreme 487, Their Lordships have observed "India as a sovereign, socialist, secular democratic republic has to establish an egalitarian social order under rule of law. The welfare measures partake the character of sovereign functions and the traditional duty to maintain law and order is no longer the concept of the state. Directive principles of State Policy enjoin on the State diverse duties under Part IV of the Constitution and the performance of the duties are constitutional functions. One of the duty is of the State to provide telecommunication service to the general public and an amenity, and so is one essential part of the sovereign functions of the State as a Welfare State. It is not, therefore, an industry." Relying on this authority it has to be said that telecommunication means communication over a distance by cable, telegraph, telephone and broadcasting. It is not an industry. As this is so the canteen is not an industry, which is a part and parcel of Prabhadevi Telephone Exchange. Mr. Anchan, the Learned

Advocate for the union argued that this authority was not relied by the management in their written argument. It is a fact, but their contention is to be seen namely that the canteen is not an industry, the workmen are not the workmen under the Act and therefore the Tribunal has no jurisdiction. As that is so the authority which I have already stated above has to be said to be a final word in the matter for coming to the conclusion.

16. After coming to this conclusion that the Tribunal has no Jurisdiction, infact other issues need not be answered. But for the sake of argument if it is said that the Tribunal has jurisdiction I intend to answer the remaining issues also.

17. Navar (Exhibit-12) and Raju Patil (Ex-12) and Jaiprakash Shetty (Exhibit-13) corroborates each other on the point that Raju Patil was appointed on 1-11-1987, Navar on 1-7-1987 Dsouge on 1-5-1987, Ramkrishna Shetty on 1-5-1987 and Balram Dhotre on 1-3-1987. They affirmed that they were claiming the wages as per the direction of the Supreme Court and the Pay Commissions. It is therefore, they were terminated from the service from 28-4-1989. Looking to the period they claimed to be served continuously it has to be said that they served for more than 240 days in the year. They are to be treated as in continuous service as contemplated under section 25(B) of the Act.

18. V. P. Patil (Exhibit-17) affirmed that they were in service from February 1988 to December 1988. He produced an extract showing the number of days of attendance put by each of the employees between February 1988 to December, 1988. He produced an extract showing the number of days of attendance put up by each of the employees between February, 1988 to December, 1988 along with Exhibit-26/1. According to him prior to February, 1988 these workmen were never in service. Looking to their attendance it could be seen that Dsouge worked for 93 days, Balram Dhotre worked for 32 days, Navar worked for 32 days and Ramkrishna Shetty for 188 days. It is interesting to note that Raju Patil had not worked at all. If this is so his name should not have been appeared in the termination letter (Exhibit-8/3). That itself goes to show that this statement is incorrect. It is the case of the workmen that their names are shown in the salary register when the particular employee was on leave and the payments were made on vouchers. Those salary registers extract are at Exhibit-26/2. According to them for the remaining period they were paid by vouchers. I find substance in it. From the testimony of Patil it reveals that unless a particular person is in employment there cannot be a termination. As that is so Raju Patil must be in the service and then only he was terminated. If the documents which are produced on the record do not support each other and contradicts the theory which is tried to be put forward then the oral testimony of these workmen is to be accepted.

19. In the written statement in para 2 it is contended that as per the requirements these workmen were engaged from month to month. But that does not appear to be a correct statement. Because at Ex-13/2 there is a letter dated 16-6-1988 addressed by Secretary of Telephones to the welfare officer,

MTNL, Bombay informing engagements of casual labourers temporarily against leave period. This action supports the case of the workmen that their appointment was shown in leave period for making payments on the salary register and for the remaining period they were paid by voucher. It can be seen that in this letter also the name of only three workmen appears and not of five. As per the admission of Patil himself at least four were engaged between 1-5-1987 to 31-5-1988. The name of the fourth man is not appearing. That shows that the record of the canteen is not properly maintained. If that is so the advantage has to be given to the workmen.

20. Jayprakash Shetty (Exhibit-13) is a bearer in that canteen from 1983. He had supported the case of the workmen and affirmed that the number of days of attendance shown by each of the employees by the management is not correct. According to him they were working on regular basis. A separate register was maintained for that and they were paid on vouchers. He also affirmed that the statement of salary register filed by the management is in respect of their working against leave vacancies of permanent staff. His cross examination is very limited to the fact that these workmen do not have any appointment letter and that when a permanent employee is appointed he gets the appointment letter. So far as their testimony is concerned it goes unchallenged. Therefore I accept the case of the workmen that they have completed more than 240 days in a year and are continuous worker, that they were not paid as per the Pay Commissions report. Infact in the written statement the management has admitted the position regarding what is paid to them. It is accepted that they are not paid as per the regular employee. If they are continuous worker they have to be paid accordingly.

21. Raju Patil affirmed that he got a job in 1991. He gets Rs. 5000 and odd per month. He is not interested in the canteen job. It appears that he had restricted his claim till his getting the job. The management had given an application (Exhibit-33) praying that a direction may be given to the workmen to file an affidavit showing that whether they are gainfully employed after their termination or not. At (Ex. 35) S. J. Shetty the General Secretary of the Bombay Telephone Canteen Employees Association filed a purshis informing that except Raju Patil nobody is employed. It is informed that Raju Patil is employed as a wash boy in Videsh Samachar Nigam canteen Mumbai and he is getting Rs. 5,100 per month. It is rightly argued on behalf of the management that these employees should have come before the Tribunal and affirmed that they are not gainfully employed. This fact is within their knowledge. As they did not deny, it is has to be presumed that they are employed some where and getting some thing for their livelihood. I accept it.

22. It could be seen that as the workmen are continuous worker their services which are terminated without following the procedure contemplated for retrenchment is void. They are entitled to reinstatement in service. But for the above stated reasons they will not be entitled to any back wages as claimed. Infact as I have come to the conclusion that

the Tribunal has no jurisdiction to entertain and decide the matter they will not get any relief in the matter.

23. Section 25(N) of the Act deals with conditions precedent to retrenchment of the workmen. It states that a prior permission of the appropriate Government or such an authority as may be specified by that Government by notification in the official gazette has to be made before affecting the retrenchment. Admittedly in this case no such permission was sought. It is non compliance of section 25(N) of the Act. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The Tribunal had no jurisdiction to decide the reference.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2704—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डाक के प्रबंधन के संबंध में निविदाओं और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निविदा औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 19-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/69/93-आईआर (डीयू)]
के.वी.बी. उन्नी, हेड ऑफिसर

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2704.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Mumbai as shown in the Annexure Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post and their workman, which was received by the Central Government on 19-8-96

[No. L-40012/69/93-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Pansc, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/36 of 1994.
BETWEEN :

Employers in relation to the management of,
Senior Superintendent of Post Offices.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employer : Mr. B.M. Masurkar, Advocate.
For the Workmen : Mr. S. M. Dharap, Advocate.

Mumbai, dated 11th July, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-40012/69/93-1R(DU) dated 2-8-1994 had referred to the following Industrial dispute for adjudication.

"Whether the action of the management of Sr. Suptd. of Post Offices, Nasik Division in reducing wages of Smt. J. Y. Jadhav, Extra Departmental Stamp Vendor, Gole Colony Post Office, w.e.f. 1-1-86 is proper, legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Bharatiya Khatebhai Karmachari Sangh, Nasik filed a statement of claim for Jaya Yahwant Jadhav the workman at Exhibit-2'. She was employed in the Department of Posts, Nasik Division and was posted at Gole Colony as Extra Departmental stamp vendor. Her duty period was five hours a day. She was to sell stamps and stationery at the post office counter. She was paid Rs. 206.20 ps. as wages for the above said period.

3. The Superintendent of post offices, Nasik is incharge of the administration of different Posts at Nasik. He has to look after the implementation of different departmental orders. He is also entrusted to take review of work load of extra Departmental employees and to fix their wages accordingly as per the department rules, regulations and orders.

4. The union pleaded that the Superintendent of post offices, Nasik wrongly gave fitment of salary to Jadhav. He did not consider the recommendations of R.R. Savor Committee in respect of departmental System regarding fixation of wages to Extra Departmental employees. It is averred that as per the report of that committee the workman is entitled to much higher allowances than which was granted to her. It is pleaded that till 29-4-88 she worked for five hours and she was entitled to Rs. 420+ Admissible D. A. per month w.e.f. 1-1-86. But she was fixed on Rs. 270 that is wrong. She was put to monetary loss.

5. It is averred that the Superintendent reduced her working hours from five hours to three without any review of work load and her wages were fixed on Rs. 270 p.m. as earlier fixation. It is submitted that there was no justification in this action. The work load is five hours a day. It is submitted that her average sale of stamp is more than Rs. 900 per day. Right from the date of the incentive scheme was introduced and made applicable for the sale of Rs. 900 stamps, the stamp vendors are getting incentive continuously. That itself goes to show that there was a sale of more than Rs. 900 per day. It is submitted that the action of the Superintendent is unjust and had not given adequate compensation to the workman Jadhav. It is therefore, prayed that the employer be directed to pay Rs. 4,200/- plus D. A. as the difference in salary for the period from 1-1-1986 to 29-4-1988, that the employer may be directed to pay the difference of salary of Rs. 150 per month for the period from 30-4-1988 to 10-9-1990 which comes to Rs. 4250+D.A. (paid from time to time), that Rs. 1,000 towards the cost of litigation, that 18 per cent interest p.a. on the total amount claimed till the date of realisation with other reliefs.

6. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-3'. It is averred that recommendation of Savor Committee regarding fixation of allowances to Extra Departmental system were received by letter dtd. 15-7-87, but no standard for extra departmental stamp vendors were fixed to minimum to implement the recommendations vide memo dated 4-8-87. Meanwhile for fixation of their allowances a clarification dated 29-9-87 was received. It clearly gives direction how the allowances are to be given to them. Accordingly the workman was duly given the allowance which she was entitled to. It is averred that in that letter its clarified that the norms have been kept in abeyance only for sanction and retention of staff and not for fixation of allowances. The work load in the case of Extra Departmental stamp vendor is based on sale of stamps. Actually two hours of work load was justified in her case but to save the abolition of posts three hours duty of stamp sale was given to the workman which has been acquired by the workman. It is wrong to say that extra departmental employees will be paid on the prorata basis. It is denied that she sold stamps of Rs. 1,000/- per day. It is averred that the review of allowances of Extra Departmental employees are revised every after two years. It is submitted that the work load was properly considered by the Superintendent of post masters and due weightage was given to her. It is averred that the workman is not entitled to any allowances and the money claim as claimed.

7. The issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

Issues

Findings

1. Whether the Tribunal has Jurisdiction to entertain and decide the reference ? The Tribunal has no jurisdiction.
2. Whether the action of the management of senior superintendent of post offices, Nasik in reducing wages of Mrs. Jadhav, Extra departmental stamp vendor w.e.f. 1-1-86 is proper, legal and justified ? Does not survive
3. If not, what relief the workman is entitled to ? Does not survive.

REASONS

8. Mr. Dharap, the Learned Advocate for the union argued that in the written statement there is no contention in respect of the Jurisdiction. Therefore this issue should not be considered. It can be seen that after Supreme Courts Joseph's judgement the union was informed what they have to say regarding the matter. Thereafter at Exhibit-26 an application was given by the union that they would like to lead evidence to bring on the record that postal department is an industry. Later on the Learned Advocate for the union submitted that he does not want to lead any oral evidence in the matter but will file documents. He filed documents alongwith Exhibit-27, to show that there are couriers who are doing the work of postal department. I will discuss this point little later. This clearly goes to show that

the union was aware that so far as the question of jurisdiction is concerned even though the contention is not taken in the written statement due to the changed circumstances it will be considered. Further more this being an issue of law and as the opportunity was given to the union to lead evidence on this I do not find any irregularity in framing the issue and deciding the same.

9. Mr. Dharap the Learned Advocate for the union argued that looking to the nature and the activities carried out by the postal department it has to be said to be an industry. According to him the presumption is that postal department is an industry. The management should have lead evidence to show that it is not an industry. No such evidence is adduced. Therefore it has to be said that it is an industry. To substantiate this contention he placed reliance on the famous case of Bangalore Water Supply and Sewerage case and that of City Nagpur Hospital case. He also placed reliance on the judgement of the High Court of Judicature, Bombay Nagpur Bench, Nagpur in writ petition No. 1584/81 and others wherein it is observed that management of Nagpur telephones district was represented by district manager, Nagpur is an industry. The judgement was delivered on 12-8-81. Even if these authorities are looked into there is no specific reference to the postal department. The case on which the reliance was put by the management is of the Joseph's case which was decided on 2-2-96 and reported in 1996 (2) Supreme 487. That was a case in respect of one extra departmental packer of the postal department. In that case one Mallick who was extra departmental packer was sent for training. Then Joseph came to be appointed as a substitute without observing any formality of appointment as a stop gap arrangement. It so happened that after completion of the training Mallick did not report the post. Thereafter Joseph's services was terminated without notice. He approached the Central Administrative Tribunal. There it was observed that he is a worker and the postal department is an industry and without following the provisions of the Industrial Disputes Act his services were terminated and he is entitled for the reinstatement with other reliefs. In other words it was the case of the extra departmental employee of the postal department. Here is the case of an extra departmental employee of the postal department. She is a stamp vendor. In other words the facts of that case so far as at least this limited issue is concerned is the same. Here in this case the same stamp vendor asked for the remuneration as per the recommendations of one savour committee, which were not paid to her.

10. Their lordships while deciding Joseph's case observed "India is a sovereign, socialist, secular democratic republic has to establish and egalitarian social order under rule of law. The welfare measures partake the character of sovereign functions and the traditional duty to maintain law and order is no longer the concept of the State. Directive principles of State policy enjoin on the State diverse duties under Part-IV of the constitution and the performance of the duties are constitutional functions. One of the duty is of the State is to provide telecommunication service to the general public and an amenity, and so is one essential part of the sovereign functions of

the State as a welfare State. It is not, therefore an industry."

11. The ratio given in this authority has application to the set of facts before me, for the reasons stated above. It has to be said that the postal department is not an industry and Mrs Jadhav is not the workman. The cases on which the Learned Advocate for the union wants me to rely has no bearing in view of the recent judgement of the Supreme Court in respect of the postal department I therefore find that the Tribunal has no jurisdiction to entertain and decide the reference.

12. In view of the findings on Issue No. 1 that the Tribunal had no jurisdiction to decide the reference the other two issues do not survive. Hence I pass the following Order :

ORDER

The reference is disposed off for want of Jurisdiction.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2705.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अजमेर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/242/94-आईआर(डीयू)]

के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2705.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ajmer as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication and their workman, which was received by the Central Government on 17-8-96.

[No. L-40012/242/94-IR(DU)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

अनुबंध

न्यायालय—श्री न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण—
अजमेर

प्रकरण संख्या:—सी. आई. टी. आर. 3/96

भारत सरकार के श्री मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्रमांक
एल. 40012/242/94-आई. आर. (डी. यू.)
26-2-94

श्री भूरा राम पट्ट श्री राजकरण द्वारा जे. एस. यादव
वकील ट्रेड यूनियन, लीला, चीक, पुरानी आवादी
श्री गंगा नगर (राज.) ।

प्रार्थी

बनाम

1. दूर संचार जिला अभियन्ता, दूर संचार विभाग,
श्री गंगा नगर, राज.

2. उप मण्डल अधिकारी (तार) सूरतगढ़ /जिला,
श्री गंगा नगर, राज.

अप्रार्थीगण

“समक्ष”

श्री हरि सिंह यू. अम्नानी, आर. एच. जे. एस.,
पीठासीन अधिकारी

श्री जे. एस. यादव

प्रार्थी की ओर से

श्री अशोक माधुर

अप्रार्थीगण की ओर से

अवार्ड

3-8-1996

1. भारत सरकार ने निम्न विवाद इस न्यायाधिकरण
को अधिनिर्णय हेतु प्रेषित किया :—

क्या प्रबन्धक उप मण्डल अधिकारी (तार)
सूरतगढ़ जिला श्री गंगा नगर के द्वारा श्री भूरा
राम पुत्र श्री राजकरण को सेवा से पृथक किया जाना
उचित एवं वैध है? यदि नहीं तो कर्मकार किस
अनुतोष का हकदार है?

1. प्रार्थी भूरा राम ने प्रबन्धक उप मण्डल अधि-
कारी (तार) दूर संचार विभाग, सूरतगढ़ जिला गंगा
नगर एवं जिला अभियन्ता दूर संचार श्री गंगा नगर (जिन्हें
संक्षेप में आगे से नियोजक कहेंगे) के विरुद्ध स्टेटमेंट
ऑफ क्लेम संक्षेप में निम्न आशय का पेश किया है :—

1. यह कि प्रार्थी ने नियोजक के यहां स्वीकृत
और रिक्त पद के तहत श्रमिक के पद पर मार्च
1975 से दैनिक वेतन भोगी श्रमिक के रूप में कार्य
आरंभ किया और मस्टररौल में उसका नाम अंकित
किया गया। निष्ठा, लगन और परिश्रम से निरन्तर
जून 1988 तक और प्रत्येक वर्ष में 240 दिन उसने कार्य
कर लिया और 30-6-88 को बिना कोई कारण
बताये या नोटिस या वेतन का भुगतान किये मौखिक
रूप से उसे सेवा से अलग कर दिया। प्रार्थी आश्वासनों
पर दो साल तक बैठा रहा उसके बाद उसने केन्द्रीय
श्रम आयोग के समक्ष विवाद उठाया और प्रार्थी बीच
में बीमार हो गया था उसके चिकित्सा प्रमाणपत्र
प्रार्थी ने डाक से अप्रार्थी/नियोजक को भेजे, जिनका
कोई उत्तर प्रार्थी को नहीं मिला। प्रार्थी को कोई
मुआवजा या नोटिस नहीं दिया गया। अतः प्रार्थी ने
पूर्ण परिश्रमों मिलाई नौकरी में आने की प्रार्थना
की है।

3. नियोजक ने अपने जवाब में यह कहा है कि
प्रार्थी को स्थाई पद पर नहीं लगाया गया था किन्तु
कार्य की आवश्यकता के अनुसार मौखिक रूप से दैनिक
वेतन कर्मकारों के रूप में मस्टररौल पर रखा गया था
और कार्य समाप्त होने पर प्रार्थी स्वयं ही आता बन्द
कर देता था या सेवाएं समाप्त हो जाया
करती थीं। प्रार्थी ने जून 1988 तक ही कार्य किया उसके
पश्चात् स्वयं ही काम पर आता बन्द कर दिया और
जिस स्थान पर वह काम करता था वहां भी कार्य समाप्त
हो गया था और प्रार्थी ने जून 1988 में केवल 18 दिन
ही कार्य किया और जब 30-6-88 के पश्चात् जब
नया काम लाईन खोलने का शुरू हुआ तो प्रार्थी ने
कार्य पर आने से सना कर दिया।

2. यह कि नियोजक ने वरिष्ठता सूची
जारी की और किसी प्रावधान का उल्लंघन नहीं
किया। प्रार्थी द्वारा मेडिकल लीव प्राप्त करने का
कोई प्रश्न नहीं था और न ही ऐसा कोई प्रावधान
था और प्रार्थी ने 1980 से 1988 के बीच भी लगातार
यहां कार्य नहीं किया।

4. प्रार्थी ने सदस्य से स्वयं को पेश किया और नियो-
जक की ओर से श्री एन. के. पावहा को पेश किया
गया।

5. मैंने उभय पक्ष के तर्कों को सुना तथा पत्रावली
का सावधानी से अवलोकन किया।

6. प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता ने यह प्रकट किया
कि प्रार्थी ने यद्यपि सन् 1988 में 18 दिन ही काम किया
तथापि वह इससे पूर्व मेडिकल अवकाश पर रहा जिसके
प्रमाणपत्र भी पेश किये गये हैं अतः प्रार्थी की सेवाएं
निरन्तर मानी जानी चाहिए और प्रार्थी को 1988 में कार्य
पर रखा ही इसलिए गया था कि वह मेडिकल फिटनेस
बाबत प्रमाण पत्र ले आयेगा। उन्होंने जाहिर किया कि
प्रार्थी काम करने का उत्सुक था किन्तु बीमारी की वजह से वह
नहीं आया जिस बाबत उसने नियोजक विभाग को मेडिकल
प्रमाणपत्र भेजे और पूर्व की लम्बी सेवा को देखते हुए
यह मान लेना चाहिए कि उसने 240 दिन से अधिक कार्य
किया है। उन्होंने अपने तर्कों के समर्थन में मेरा ध्यान
डब्ल्यू. एल. आर. 1994 (एस.) (राज.) 109
बीखमदास बनाम स्टेट ऑफ राज., डब्ल्यू. एल. आर.
1991 (एस.) (राज.) 139 माधोजंकर दवे बनाम
स्टेट ऑफ राज. तथा डब्ल्यू. एल. आर. 1991
(एम.) (राज.) 486 रामदयाल बनाम आर. एस.
आर. टी. सो. एवं अन्य की ओर आकर्षित किया।

7. इसके प्रतिकार में नियोजक के वद्वान अधिवक्ता
ने यह तर्क प्रस्तुत किये कि नियोजक उद्योग की परिधि
में ही नहीं आता और प्रार्थी दैनिक वेतन भोगी कर्मकार
था और वह स्वयं ही कार्य छोड़ता चला गया था तथा

कार्य छोड़कर जाने के तत्काल पूर्व के कलण्डर वर्ष में उसने केवल 18 दिन ही कार्य किया और इस मामले में छंटनी के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त प्रार्थी नियोजक विभाग का कोई कर्मचारी नहीं था और आकस्मिक चिकित्सक कर्मकार के लिए इस प्रकार के मेडिकल प्रमाण पत्र भोजना अर्थहीन है और इसके अलावा एक प्राई-वेट अराजपदित चिकित्सक से जिस प्रकार के प्रमाण पत्र प्रार्थी ने भेजे हैं वो स्वयं ही सारे मामले को संदेह के आवरण में समेट लेते हैं। उन्होंने अपने तर्कों के समर्थन में मेरा ध्यान सिविल पिटीशन नम्बर 3385-86/1996 जे. (एस. एल. पी.) सी (नम्बर 587-88 ऑफ 1992 में उत्पन्न हुई) की ओर आकर्षित किया। इस न्यायिक दृष्टान्त : अनुवान सब डिवाजनल इन्स्पेक्टर ऑफ पोस्ट, बेइकम बनाम धैयम जोसेफ—ए. आई. आर. 1996 (एस. सी.) 1271 (जून 1996) में अन्य सिविल अपीलों का भी उल्लेख किया गया है। डब्ल्यू. एल. सी. (राज.) 3 गैरीजन इंजीनियर एम. ई. एस. बनाम सैन्ट्रल इण्डस्ट्रियल ट्राईब्यूनल की ओर भी मेरा ध्यान आकर्षित किया।

8. सर्वप्रथम हम प्रार्थी की साक्ष्य का अवलोकन करना चाहेंगे। प्रार्थी ने अपने शपथ पत्र के रूप में प्रस्तुत अपने बयान में मुख्य क्लेम में उल्लेखित तथ्यों को दोहराया है और जिरह में उसने कहा है कि वह मस्टरील पर था और जहां काम होता था वहां उसे भेजा जाता था। जब काम बन्द हो जाता था तो दूसरी जगह चला जाता था। इस गवाह ने यह स्वीकार किया है कि हनुमानगढ़ और सूरतगढ़ दोनों ही स्वतंत्र इकाईयां हैं। उसके अनुसार उसे 1-7-88 को एस. डी. ओ. टी., सूरतगढ़ ने नौकरी से हटाया था। उसने किसी सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं करवाया।

नियोजक के गवाह श्री पावहा ने क्लेम के जवाब में उल्लेखित तथ्यों को सिंचित करते हुए यह कहा है कि दिनांक 30-6-88 के बाद जब नई लाईन खोदने का कार्य आरंभ किया गया तो प्रार्थी ने आना बन्द कर दिया। नियोजक ने शपथ पत्र में यह भी कहा है कि नियोजक ने "प्रथम आओ बाद में जाओ" के सिद्धान्त की अवहेलना नहीं की। श्री पावहा ने मूल रेकार्ड पर आधारित साक्ष्य दी है और कहा है कि प्रदर्श डब्ल्यू-8 में जो कार्य दिवसों का विवरण दिया गया है वह सही है। इस गवाह ने इस सुझाव का खण्डन किया है कि प्रार्थी को सेवा से हटाया गया हो।

9. प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता ने जिन न्यायिक दृष्टान्तों की ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया वो मुख्यतः धारा 25 एफ के सन्दर्भ में है। जिसमें प्रार्थी ने 240 दिन से अधिक कार्य किया था और ऐसी स्थिति में यह माना गया कि उसे अनुतोष प्राप्त करने का अधिकार होगा। रामदयाल वाले मामले में नियम 77 के सम्बन्ध में

व्यवस्था दी गई है। नियोजक के विद्वान अधिवक्ता ने जिन दोनों न्यायिक दृष्टान्तों की ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया उनमें से प्रथम न्यायिक दृष्टान्त में माननीय उच्चतम न्यायालय ने टेलीकॉमिनेकेशन सेवा को सार्वभौम कार्य का एक आवश्यक हिस्सा मानते हुए यह व्यवस्था दी है कि टेलीकॉमिनेकेशन सेवा उद्योग नहीं है। इसके अतिरिक्त गैरीजन इंजीनियर वाले मामले में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने 240 दिन की गणना के सम्बन्ध में यह व्यवस्था दी है कि सेवा मुक्ति के तत्काल पूर्व के 12 माह की स्थिति को देखा जायेगा।

10. यहाँ यह स्वीकृति स्थिति है कि प्रार्थी ने सेवा मुक्ति के वर्ष में केवल 18 दिन कार्य किया और पत्रावली के अवलोकन से ऐसा प्रकट होता है कि प्रार्थी ने 1984-85, 1987 में कार्य ही नहीं किया किन्तु प्रार्थी के अनुसार वह मेडिकल पर रहा। मेडिकल प्रमाण पत्र प्रदर्श 12 से 25 तक है जो पार्थिव चिकित्सक डा. धर्मचन्द नारंग द्वारा जारी किया जाना प्रकट होता है जो स्वयं साक्ष्य में पेश नहीं हुए हैं वरन् न्यायालय को इस वस्तु स्थिति जानने का एक अच्छा अवसर उपलब्ध होता किन्तु प्रदर्श डब्ल्यू-12 प्रमाण पत्र में बिना डिग्रीधारी इस डाक्टर महोदय ने एक बड़े 1978 में एक साल की अवधि के लिए अनुपस्थिति स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताया है। इसी तरह डब्ल्यू-16 में भी कनर में दर्द का रोग बताया है और एक साल के विश्राम के लिए सुझाव दिया है। प्रदर्श डब्ल्यू-18 में घातघात का रोग बताया हुआ एक वर्ष की अनुपस्थिति आवश्यक बताया है और डब्ल्यू-19 में सिर में दर्द के कारण पांच माह के विश्राम की सलाह दी गई है। प्रदर्श डब्ल्यू-22 में रयूमेटिक में दो साल का विश्राम आवश्यक बताया है और प्रदर्श डब्ल्यू-23 में Arthritis में दो साल का विश्राम आवश्यक बताया है और जैसा कि श्रमिक स्वयं ने दौरान बहस जाहिर किया कि प्रदर्श डब्ल्यू-24 में पांच के तलवे में जलन महसूस होने के कारण 6 माह विश्राम की सलाह दी गई है और अंततोगत्वा प्रदर्श डब्ल्यू-25 द्वारा 20-5-88 को डा. नारंग ने प्रार्थी को फिट घोषित किया है।

11. मेरी राय में इस प्रकार के प्रमाण पत्र कोई भी जिम्मेदार डाक्टर जारी नहीं कर सकता और यदि एक विचित्र तर्क की खातिर इसे स्वीकार भी कर लिया जाये तो ऐसी स्थिति में जिम प्रकृति का कार्य श्रमिक को करना था या करना बताया जाता है, उसके लिए वह योग्य भी नहीं है और कोई भी नियोजक यदि कोई कर्मचारी उसके श्रमीन कार्य करता हो तो इस प्रकार के प्रमाण पत्रों पर आधारित अवकाश भी स्वीकृत नहीं कर सकता किन्तु हम थोड़ी देर के लिए इस मामले का यहीं समाप्त करते हुए इस विषय पर विचार करते हैं कि क्या श्रमिक को कथित सेवा मुक्ति के सम्बन्ध में औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 25 एफ आकर्षित होती है। माननीय राज. उच्च न्यायालय के उक्त न्यायिक दृष्टान्त को देखते हुए प्रार्थी ने जब 30-6-88 को कार्य छोड़ते समय या उसके

अनुसार हटाते समय दोनों ही स्थितियों में उसने कुल 18 दिन कार्य किया था। अतः 240 दिन की गणना में प्रार्थी का मामला नहीं आता और नियोजक का यह कथन इस दृष्टि में अधिक विश्वसनीय प्रतीत होता है कि प्रार्थी स्वयं कार्य छोड़ गया क्योंकि प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत मेडिकल प्रमाण पत्र में जिस प्रकार का रोग उसे बताया गया है उसमें नई खाईन खोदने का काम शुरू होने पर उसे करने की असमर्थता के कारण उसका कार्य पर नहीं आना स्वाभाविक प्रतीत होता है इसके अतिरिक्त प्रार्थी ने समक्षता अधिकारी के यहाँ भी विवाद अत्यधिक विलम्ब के साथ पेश किया जिसका भी कोई संतोषजनक समाधान प्रार्थी ने नहीं किया है।

इन सब तथ्यों के अतिरिक्त माननीय उच्चतम न्यायालय ने इसी वर्ष दूरसंचार सेवाओं के मामले में यह निर्णय दिया है कि दूर संचार सेवाएं उद्योग की परिधि में नहीं आती। अतः उक्त समस्त तथ्यात्मक एवं कानूनी स्थिति पर गौर करते हुए भारत सरकार द्वारा प्रेषित विवाद का अधि निर्णय इस प्रकार किया जाता है:—

कि प्रबन्धक उपखण्ड अधिकारी तार सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर के द्वारा श्री भूरा राम को सेवा से पृथक् किया जाना सिद्ध नहीं हुआ है और माननीय उच्चतम न्यायालय के न्यायिक दृष्टान्त ए. आई. आर. 1996 (एस. सी.) पेज—1271 (जून, 96) एवं आनन्दोय राज. उच्च न्यायालय के उक्त दृष्टान्त को दृष्टिगत रखते हुए प्रार्थी इस मामले में इस न्यायालय से कोई अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

अवार्ड की प्रति भारत सरकार को प्रकाशनार्थ प्रेषित हो।

हरि सिंह यू. अस्नानी, आर. एच. जे. एस.

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2706.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/6/91—आई आर (ओ यू)]

के. बी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2706.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of

the Central Government Industrial Tribunal New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CPWD and their workman, which was received by the Central Government on 19-8-1996.

[No. L-42012/6/91-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 128/91

In the matter of dispute between :

Shri Davinder Kumar, Mali through
The President, CPWD Mazdoor Union,
E-26, (Old Quarter), Raja Bazar, D.I.Z. Area,
New Delhi.

Versus

Director, (Horticulture)
CPWD, I.P. Bhawan,
New Delhi-110001.

APPEARANCES : None.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/6/91-I.R.(D.U.) dated 3-10-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of CPWD, New Delhi in not regularising the services of Shri Davinder Kumar as Mali is justified ? If not, what relief the concerned workman is entitled to ?”

2. The case was fixed for filing of management affidavit but none appeared inspite of the fact that the case was called many times. A perusal of the file shows that the workman did not produce any evidence and his evidence was ordered to be closed on 7-2-1995. The Management has also not led any evidence. It appears that No Dispute exists between the parties and no evidence is present before this Tribunal to give any award. No dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का.आ. 2707.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल फ़िल्म आर्षिवस आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित

करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-42012/38/92-आई आर (डी यू)]
के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2707.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of National Film Archives of India and their workman, which was received by the Central Government on 21-8-1996.

[No. L-42012/38/92-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/35 OF 1993.

EMPLOYERS IN RELATION TO THE
MANAGEMENT OF NATIONAL FILM
ARCHIVES OF INDIA, PUNE

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

For the Employer : Shri B. M. Masurkar, Advocate.

For the Workmen : Shri K. R. Pillai, Advocate.

MUMBAI, the 9th August, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-42012/38/92-IR(DU) dated 27-4-93 had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

“Whether the action of the management of National Film Archives of India, Pune, in terminating the services of Shri N. B. Kalambar Chowkidar is justified? If not, what relief he is entitled to?”

2. Namdeo Bhimaji Kalambar contended that after release from defence service he was interviewed for the post of Chowkidar by National Film Archives of India and was appointed as Chowkidar under the terms and conditions vide order dated 1-3-89. His appointment order is dated

5-4-1989. He asserted that he performed the duties diligently in between the period 13-3-1989 to 10-7-90. It is averred that in this period he had not only performed the duties of Chowkidar but also performed the duties of Motor Driver.

3. It is averred that he was asked to drive the vehicle to Bombay and back. He requested the management to give him a letter of authorisation for doing the said job. Being aggrieved by the said request his services were terminated by order dated 10-7-90. He then approached the Asstt. Labour Commissioner for relief but ultimately he send a negative report in the matter. He then approached the Central Administrative Tribunal which admitted the petition and kept in sine die. Meanwhile the Central Government send this reference for adjudication to the Tribunal.

4. The worker pleaded that he was not paid any amount in lieu of notice nor any departmental inquiry was held against him. He prayed that the decision of the management to terminate his services may be set aside and he may be allowed to reinstate in service with continuity and alongwith back wages.

5. The management i.e. National Film Archives of India resisted the claim by the written statement Exhibit-5. It is averred that as the workman had already approached the Central Administrative Tribunal the Tribunal may be allowed to decide the matter and this Tribunal should not hear it at all. It is averred that the workman's appointment was clearly a temporary and on probation for two years. As per the terms and conditions he could be removed from service in that period without assigning any reasons. Infact he was instructed to attend the duties by written orders dated 7-2-90. It is averred that the services of the workmen are governed under the provisions of Rule 5 of CCS (temporary service) and not under the Industrial Disputes Act. It is averred that he was send the pay and the allowance for the notice period by demand draft which he refused. It has averred that under such circumstances the workman is not entitled to any reliefs as claimed.

6. The workman filed his rejoinder at Ex-6 and reiterated the contentions taken by him in the statement of claim. It is averred that he was appointed as Chowkidar and he was asked to perform the duties of drivers contrary to the terms and conditions of the appointment. It is submitted that the management had not paid the amount of notice period as stipulated in the appointment order.

The issues that fall for my consideration and my findings thereon are as follows :—

ISSUES :

- | | |
|--|----------|
| National Film Archives of India, Pune
No. | Findings |
|--|----------|
1. Whether the Tribunal has jurisdiction to entertain and decide the reference?
 2. Whether the action of the management of National Film Archives of India Pune, in training the services of Shri N. B. Kalamdkar Chowkidar is justified? Does not survive. If survives affirmative
 3. If not, what relief he is entitled to? Does not survive

REASONS :

8. Mr. Mansurkar, the Learned Advocate for the management argued that the Tribunal has no jurisdiction to decide the matter. According to him Kalamdkar's services are governed under the Central Civil Service Rules Temporary Employment and not under any of the Provisions of the Industrial Disputes Act. It is therefore the Assistant Labour Commissioner in his letter dated 21-1-92 to the Secretary of Government of India, Ministry of Labour and copy to Kalamdkar suggested that he should approach the Central Administrative Tribunal. It can be further seen that the order of appointment dated 1-3-89 which was given to Kalamdkar clearly speaks out in para. 2(III) that the appointment may be terminated at any time by a month's notice given by other side, the appointee or the appointing authority in accordance with the Central Civil Service (temporary service) Rules 1965 without assigning any reasons. On this offer the Kalamdkar accepted the job after interview and then he was given an order of appointment. That clearly goes to show that his services are governed by the Central Service Rules and not under the provisions of the Industrial Dispute of 1947.

9. Kalamdkar has to show that he is a workman as contemplated under section 2(S) of the Industrial Disputes Act of 1947 and the National Film Archives is an Industry. He had not affirmed to that effect nor adduced any evidence to show that he is a workman as contemplated under section 2(S) of the Act and the first party is an industry. In the written argument which is filed at Exhibit-17 there is no reference to this point. Under such circumstances I hold that Kalamdkar is not a workman as contemplated under section 2(S) of the Act. In the result this Tribunal had no jurisdiction to entertain and decide the reference.

10. For the sake of argument if it is said that the above stated finding is incorrect I proceed to answer the second issue in the matter.

11. It is not in dispute that Kalamdkar was appointed on a probation for two years according to the office order of appointing him dated 1-3-89. It is submitted that at the time of issuing the letter dated 5-4-89 the condition was made flexible i.e. period could be curtailed or extended at the discretion of appointing authority. I am not inclined to accept that the condition is made flexible by the said order but it is informed to the concerned employee that what will be the effect of probation if not completed properly. He joined the services on 13-3-89 and was removed from the services on 10-7-90 i.e. within two years of probation. Kalamdkar (Exhibit-10) affirmed that he was not given notice nor paid any amount in lieu of the notice but his services were terminated. Sasidharan (Exhibit-15) the Deputy Director-cum-Secretary of National Film Archives affirmed that as per the terms of his service condition within two years of probation his services were terminated without assigning any reasons. I do not find any illegality in it. It is well settled law that in a probation period the probationary can be removed from services without assigning any reasons. The management has to say that his services are not satisfactory. Here the management had said so.

12. It is tried to argue on behalf of the employee that the Assistant Labour Commissioner in his report to the Labour Secretary and in the proceedings before him had observed that the probation which was of one year was extended by another year. Looking to the terms all over this observation appears to be incorrect. It is not in dispute that when such an appointment was made it was for two years probation and in fact this employee was appointed on two years probation.

13. Much of the argument was advanced on behalf of the employee to the fact that even though Kalamdkar was appointed as a Chowkidar the other records clearly suggests that he was asked to work as a driver. Sasidharan affirmed that the rules provided for performing the duty of a driver by Class-D employee on payment of Honorarium. The Government of India had taken a decision (9) FR/46 Annexure-1. This submission appears to be correct. But it is tried to submit on behalf of the employee that it is on some occasions but the circumstances speaks that the employee was asked to work as a driver as a regular employee. It might be correct but that does not change the position that the Chowkidar can be asked to work as a driver. If that is so the management asking the employee to do the work of a driver is as per the rules. So far as the payments are concerned he is entitled to the same which he can claim. In fact Sasidharan had affirmed that the amount of Honorariums has been drawn and the employee could collect the same from the office. For all these reasons I answers the issues accordingly and pass the following order :—

ORDER

The Tribunal had no jurisdiction to decide the reference.

If yes, the action of the management of National Film Archives of India, Pune in terminating the services of Shri N.B. Kalambkar, Chowkidar is justified.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1996

का. आ. 2708.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/32/91-आई आर (डी यू)]
के. बी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th August, 1996

S.O. 2708.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workman, which was received by the Central Government on 19-8-1996.

[No. L-42011/32/91-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. NO. 48/96

In the matter of dispute between :

Shri Daulat Ram, Beldar S/o Shri Tota Ram,
Through The President,
C.P.W.D. Karamchhari Union,
C-15, Bhai Veer Singh Marg, Gole Market,
New Delhi-110001.

Versus

Executive Engineer,
B. Division, I.P. Bhawan,
New Delhi-110001.

APPEARANCES :

None for the workman.

Shri Anil Kumar for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42011/32/95-I.R. (D.U.) dated 24-4-96 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the Executive Engineer ‘B’ Division CPWD in cancelling the compassionate appointment of Shri Daulat Ram Beldar, S/o Late Shri Tota Ram is just legal and fair? If not to what relief the concerned workman is entitled to?”

2. Notice was sent to the workman in the ordinary way as well as by registered post which was duly received. No one appeared on behalf of the workman. It appears that the workman was not interested in the dispute. No dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

1st August, 1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1996

का. आ. 2709.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू सीएल के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार और औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई नं.-1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-7-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/179/92-आई आर (सी-II)]
राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th July, 1996

S.O. 2709.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay No. 1 as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of W. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-7-96.

[No. L-22012/179/92-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, MUMBAI

PRESENT :

Shri Justice R. S. Verma, Presiding Officer
Reference No. CGIT-1/68 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Rajur Colliery of W.C. Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management.—Shri G. S. Kapoor,
Advocate.

For the Workman.—No appearance.

INDUSTRY : Mining. STATE : Maharashtra.
Camp : Nagpur.

Nagpur, dated the 18th day of June, 1996

AWARD

None present for workman inspite of notice.

Shri G. S. Kapoor Advocate for manage-
ment along with Shri J. N. Shrivastava,
Officer-in-charge of the case.Shri Kapoor under instructions states that an
out of Court settlement has taken place and the
workman has been taken on duty and the dispute
does not survive.Shri J. N. Shrivastava has filed an office order
dated 03/10-04-95 issued by the Personnel Mana-
ger of the management alongwith the original
settlement. He identifies the signatures A to B
and C D on the settlement as that of Shri S. K.
Bhargava and A. K. Singh respectively, the
Officers of the management. He has identified
signatures E. F. is those of Shri D. K. Badola,
General Secretary of the union and G.H. as those
of the workman Prakash Gajanan Kadve. I have
gone through the settlement. It is fair and just
and is hereby recorded. The dispute is resolved
as per terms of the settlement, which shall be part
of the award. Award is made accordingly.

R. S. VERMA, Presiding Officer

2160 GI/96—33

WESTERN COALFIELDS LIMITED, OFFICE
OF THE GENERAL MANAGER, MAJRI
AREA, KUCHNA, PO. SHEMBAL, DISTT.
CHANDRAPUR (MS) : 442907

Dtd. 03-04-1995

OFFICE ORDER

Ref. No. WCL : MA : GM : PER : 81 : 95/
273.—In pursuance of Form 'H' Settlement Dtd.
9-3-95 entered into between Management of
Majri Area, WCL, and General Secretary of
BKKMS (BMS), Shri Prakash Gajanan Kadve,
General Mazdoor is hereby posted at Saoner pro-
ject, Nagpur Area with effect from 1st April,
1995.He is advised to report to General Manager,
Nagpur Area on receipt of this order in terms of
the said Settlement.

PERSONNEL MANAGER, Majri Area.

DISTRIBUTIONS :

1. General Manager, Nagpur Area.
2. Dy. Chief Personnel Manager, Nagpur
Area . . . along with a copy of Form-
'H' Settlement Dtd : 9-3-95.
3. General Manager (IR) WCL, Nagpur.
4. TS to D(P) WCL, Nagpur.

He has already reported for duty and is work-
ing in terms of settlement.

J. N. Shrivastava, Dy. PM[Rajur sub-Area.

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

FROM—"H"

(See Rule 58 of I.D. Rules 1957)

Representating Management :

1. Shri S. K. Bhargava,
Personnel Manager,
Majri Area.
2. Shri Anil Kumar Singh,
Dy. Personnel Manager,
Majri Area.

Representing Union :

1. Shri D. K. Badola,
General Secretary,
BKKMS (BMS), Majri Area.
2. Shri Prakash Gajanan Kadwe,
Ex-General Mazdoor, Rajur.

SHORT RECITAL OF THE CASE :

Shri Prakash Gajanan Kadwe, Ex-General
Mazdoor, Rajur was terminated from service on
account of unauthorised absenteeism after en-
quiry. An ID has been raised by Union which

is under adjudication in CGIT being Case No. I[68]92, meanwhile Shri Deo Pujari, Gen. Secretary, BKKMS (BMS) raised the issue of re-instatement of Shri Prakash Gajanan Kadwe, Ex-General Mazdoor at CM(IR) level and subsequently in IR meeting at D(P) level on 8-8-94.

The issue was discussed at length in IR meetings and finally on 8-8-94, at D(P) level, it was agreed to settle the issue on following terms of settlement, for a consent award by CGIT.

TERMS OF SETTLEMENT

- (1) That Shri Prakash Gajanan Kadwe is to be allowed as General Mazdoor in Saoner Project of Nagpur Area.
- (2) That no wages for his idle period shall be claimed by workman/Union i.e. period of his idleness from the date of termination till date of joining his duties shall be treated as "dies-non", on the principle of "No work No Pay".
- (3) The notional seniority shall be maintained for the limited purpose of gratuity.
- (4) This settlement will come into effect within a week from the date of filing of this settlement in CGIT, for a consent award. His seniority for the other purposes on the job of General Mazdoor or re-instatement shall be reckoned from the date of his joining duties in terms of this settlement.
- (7) Neither the workman nor the Union shall raise any dispute whatsoever in future for back wages etc. or any other-monetary benefit.
- (8) This is full and final settlement over this issue.

(SK BHARGAVA),
PERSONNEL MANAGER,
MAJRI AREA.

Sd/-

(A K SINGH),
DY. PERSONNEL MANAGER,
MAJRI AREA.

WITNESSES :—

(1) Sd/-

(2) Sd/-

(UK BADOLA),

GENERAL SECRETARY,

BKKMS (BMS) MAJRI AREA.

Sd/-

PRAKASH GAJANAN KADWE,
EX-GENERAL MAZDOOR.

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1996

का.आ. 2710.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मद्रास डॉक लेबर बोर्ड के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-33012/9/91-आई आर (विविध)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1996

S.O. 2710.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, MADRAS, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Madras Dock Labour Board, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on 28-8-1996.

[No. L-33012/9/91-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Monday, the 15th day of July, 1996

PRESENT

THIRU S. THANGARAJ, B.Sc., L.L.B.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 78 OF 1993

[In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the Management of Madras Dock Labour Board, Madras.]

BETWEEN

Shri M. Murugesan,
No. 42, Harbour Corporation Line,
North Beach Road,
Madras-600 001.

AND

The Deputy Chairman,
Madras Dock Labour Board,
Rajaji Salai,
Madras-600001.

REFERENCE :

Order No. L-33012/9/91 IR (Misc.), dated 5-8-1992 Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 24th day of June, 1996, upon perusing the reference. Claim and Counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru S. Periyaswamy, advocate appearing for the workman and of Thiru G. Venketaraman for Tvl. Aiyar and Dolia, R. Arumugam and B. Maribabu, advocate appearing for the management and this dispute having stood over till this day for considerations, this Tribunal made the following ;

AWARD

The Government of India by its letter No. L-33012/91-IR (Misc.) dated 30-7-1993 referred for adjudication by this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding the dispute.

"Whether the Management of Madras Dock Labour Board is justified in dismissing Shri M. Murugesan Mazdoor from service with effect from 29-3-1988? If not to what relief is the concerned workman entitled"

After service of notices the petitioner and respondent filed their claim statement and counter statement respectively.

The main averments found in the claim statement by the petitioner are as follows:—

The petitioner was appointed as a Mazdoor in the administrative Body (Reserve Pool) Madras Dock Labour Board, Madras. A photo pass was issued to him. Since 1971 he has been working as a Mazdoor. One Raja reserve pool Mazdoor No. 2011 gave a petition on 9-7-77 alleging that the real name of the petitioner is Mr. Sundaram and he has been working in the name of Shri M. Murugesan in reserve pool Mazdoor No. 2170. On the basis of the said petition the respondent issued a charge memo stating that he has committed the misconduct of wilful impersonation of a registered Dock worker and has been working in the Madras Dock Labour Board in the name of Shri M. Murugesan Reserve Pool Mazdoor No. 2170 that thereby he has defrauded the administration and enjoying benefits which are available under the Madras Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme 1956 and the said misconduct is punishable under clauses XV(b), (30) and (3) of standing order for the daily workers of the Board. The petitioner gave a reply denying the charge levelled against him. In the year 1971 he was appointed as temporary reserve pool Mazdoor and then as sub-pool mazdoor and finally as reserve pool mazdoor. He had not joined duty on 10-5-1968. One Thiru M. Murugesan joined duty on 10-5-68 is a different person and he has joined as Casual Mazdoor with casual card No. 3917 and subsequently absorbed as temporary Reserve Pool Mazdoor No.

2160 GI/96=24

8391 on 11-5-68. The Bio-data the identification marks, qualification, address and all other particulars are quite different from that of the petitioner. However, the management had taken that finger print of the petitioner and sent it for comparison alongwith the alleged finger print of the said M. Murugesan. The finger print expert opined that they are of different persons. The departmental enquiry was conducted to harass the petitioner and its finding are perverse. The provisions of the standing orders are not applicable and the charge is totally invalid. Natural Justice was not followed and no opportunity was granted to the petitioner to establish his identification. The person by name Raja had no personal knowledge that the name of the petitioner is Sundaram and that he impersonated M. Murugesan. The petitioner had put in 17 years of continuous unblemished service. The order of dismissal passed against the petitioner is nothing but victimisation. The punishment awarded is highly excessive. The petitioner preferred an appeal and unfortunately the Appellate Authority without considering the merits, dismissed the appeal. Award may be passed for the reinstatement of the petitioner with continuity of service and all other benefits.

The main averments for the counter filed by the respondent are as follows :—

The Madras Registered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956 governs the instant case and apart from the scheme there are certified standing orders governing the terms and conditions of the service of the daily dock workers. No dock worker can become directly a registered dock worker under the reserve pool. He has to come to the temporary reserve pool, then to the sub-pool and thereafter to the reserve pool meant for registered dock workers under the statutory scheme. If the petitioner had got into the casual pool in 1967, he could not have become a registered dock worker under the reserve pool in the year 1971. The petitioner is not Murugesan but he is Sundaram who had impersonated, the worker Murugesan since 1971. The casual worker card number allotted to the said Murugesan was 3917 then he moved on to the temporary reserve pool mazdoor. He was absorbed as sub-pool mazdoor No. 5674 and was taken to the reserve pool on 1-2-73 in reserve pool card No. 2170. In the year 1971 the service sheet of Murugesan was not traceable and therefore a service sheet was opened on 8-12-71. At that juncture the petitioner posed himself as Murugesan and got entry into the reserve pool. On the complaint given by one Shri Raja on 9-7-77 the matter was enquired into and it was found that the petitioner has impersonated Shri M. Murugesan. His left thumb impression was compared with that of casual mazdoor Mr. Murugesan and they were not identical. The photograph affixed in the service sheet of Murugesan was

different from that of the petitioner. The address of the said Murugesan was also different from that of the petitioner. The particulars of their respective family members are also different. The said Murugesan has entered as Casual Mazdoor on 11-5-68 and there was no opportunity for the petitioner to have entered straightaway as reserve pool mazdoor on 8-12-71 and enquiry was held against the petitioner and he has taken part in the enquiry proceedings. The Enquiry Office found the petitioner guilty of the charges and the Deputy Chairman who is the Disciplinary Authority has passed an order of dismissal from service on 29-3-88. The petitioner filed an appeal to the Chairman Madras Dock Labour Board and the same was dismissed on 10-6-88. The petitioner cannot invoke provisions of Section 11(A) of the Industrial Disputes Act since he has impersonated one Murugesan who was the original worker. The petition may be dismissed.

The petitioner has marked Ex. W.1 to Ex. W.12 and the respondent has marked Ex. M.1 to Ex. M.36 and examined one witness.

The point for our consideration is:—

“Whether the Management of Madras Dock Labour Board is justified in dismissing Shri M. Murugesan Mazdoor from service with effect from 29-3-1988? If not to what relief is the concerned workman is entitled?”

The petitioner was working as reserve Pool Mazdoor No. 2170 in the Madras Dock Labour Board Madras. One Raja had sent a petition to the Madras Dock Labour Board alleging that the petitioner Shri M. Murugesan (R. P. Mazdoor No. 2170) committed impersonation of another registered Dock Worker by name M. Murugesan and thereby defrauded the administration. The respondent Dock Labour Board issued Ex. W-1 suspension order pending enquiry on 2-9-77. In the enquiry Shri Raja had denied any personal knowledge of impersonation by petitioner Murugesan. Therefore his suspension order was revoked and even then as the charge was very serious in nature Madras Dock Labour conducted further enquiry into the matter. The left hand thumb impression of the petitioner Murugesan and also the other M. Murugesan have been sent to the finger print expert who after analysing the features had come to the conclusion that are of different persons. The other particulars given by M. Murugesan like age, address, length of service, names of family members, address identification marks previous experience were all different from that of the petitioner Murugesan. The petitioner-workman took part in the enquiry proceedings and he availed of all the opportunities. The Enquiry Officer found guilty of all charges framed against him and submitted his findings to the authority concerned. The Deputy Chairman of the Madras Dock Labour Board passed the order

of dismissal against the workman and aggrieved by the said order the workman had preferred an appeal to the Chairman Madras Dock Labour Board. The Appellate Authority dismissed the appeal. Thereafter the petitioner/workman has raised this Industrial Dispute.

The petitioner did not challenge the departmental enquiry however he has reserved his rights to put forward his case under Section 11(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 and accordingly the parties have submitted their arguments.

A careful perusal of the documents marked on both the sides go to show that the petitioner is not the original Murugesan whose serial No. was 3917 and TRP Mazdoor No. 8391. Murugesan's photograph is affixed in Ex. M-1 whereas the photograph of the petitioner is affixed as Ex. M-7. The finger print expert after comparing their respective left hand thumb impressions and come to the conclusion that they are different persons. Ex. M-24 report of the finger print expert clearly proves this. A comparative reading of Ex. M-1 and Ex. M-7 would go to show that the address in Madras, address in native place, the then employment, length of service, name and address of kith and kin and identification marks are all different. Therefore the conclusion arrived at by the enquiry officer cannot be termed as perverse. There cannot be any difference of opinion that they are two different persons. The learned counsel appearing for the petitioner (has advanced his argument saying that they are two different persons and the petitioner Murugesan did not impersonate the other Murugesan. It is the case of the Respondent management that the petitioner Murugesan has impersonated the other Murugesan.

It was contended by the respondent that no worker can become directly a registered dock worker under the Reserve Pool and by decasualisation proves a casual dock worker must first come into the temporary reserve pool then to the sub-pool and only thereafter he can get into the reserve pool meant for registered Dock Workers under the statutory scheme. Shri M. Murugesan's service sheet of casual worker is marked as M.1 and he joined in Madras Dock Labour Board as a casual worker in the year 1963 and in the year 1968 the service sheet was opened for him in serial No. 3917 and on 18-5-68 Ex. M.2 appointment memorandum has been issued to him. The said Murugesan in application No. 70 has furnished all relevant particulars and his age was fixed at 25 as per Ex. M.4. He has agreed to the said fixation of age under Ex. M.5. It has been held by the enquiry officer in Ex. M-36 additional findings that the said Murugesan, son of Madurai, Casual Mazdoor No. 3917 who has registered as a temporary reserve pool No. 83 of 91 with effect from 11-5-68 was absorbed as sub-pool Mazdoor No. 5674 and subsequently as reserve pool mazdoor with register No. 2170 with effect from 1-2-73. However there is no docu-

ment to substantiate this finding of the enquiry officer that from 1-2-73 the said Murugesan was engaged as sub-pool mazdoor with register No. 5674. The said No. 5674 found in Ex. M-3 pertains to the petitioner Murugesan. In order to prove that the petitioner Murugesan has impersonated another Murugesan there must be some documentary or oral evidence. Unless and until such evidence are shown the contention of the respondent that the petitioner M. Murugesan has impersonated another M. Murugesan cannot be accepted.

In order to prove that the petitioner M. Murugesan has impersonated another M. Murugesan there must be substantial evidence on the side of the respondent management. Before coming to any conclusion we have to analyse the evidence on record. Ex. M-8 is the complaint alleged to have been given by one Raja against petitioner M. Murugesan. When said Raja was examined as a witness in the enquiry, he had clearly stated that the contents of Ex. M-8 petition were hearsay in nature. He further added that he was not in a position to prove that the petitioner has impersonated another M. Murugesan. The Management by accepting evidence of Raja revoked the suspension of the petitioner and he was taken into service again. So it is clear that from the evidence of Raja the charge of impersonation against the petitioner has not been proved.

The other person who can prove these facts are the said M. Murugesan himself. He was not brought before the enquiry officer to prove that the petitioner has impersonated him. No steps were taken by the respondent to examine the said M. Murugesan. If the petitioner has impersonated another M. Murugesan, the co-workers who would identify both could have been examined in the enquiry to say that the petitioner Murugesan has impersonated the other Murugesan. None such witnesses have been examined on the side of the management. MW-1 was examined before this Tribunal and he had stated that he entered the name and other particulars of M. Murugesan in the Register. In the cross-examination he has stated that he had knowledge of the facts of this case. So, the evidence of M.W.1 is of no avail to the management. The enquiry officer in his additional findings marked as Ex. M-36 has stated that Shri G. T. Nandagopal Office Superintendent had emphatically admitted that the registration was done only in respect of those whose face tally with his photo in the service sheet of casual Mazdoor and attested by the Administrative Officer and that even for slight doubt their identity they would be referred in Administrative Officer and were not considered for registration. In page 3 of Ex. M-36 the Enquiry Officer had clearly stated this fact from the evidence of Nandagopal, so it is clear that sufficient precaution have been taken before registration of any person as a Mazdoor. It is clear that they compare the photograph found on the service

sheet with the individual and then only register his name. Even if slightest doubt arises about their identity they would refer the matter to Administrative Officer. When such precaution was taken by the administration of the Madras Dock Labour Board it is not easy to impersonate one mazdoor by another. The photograph found on Ex. M-1 and Ex. M-7 are of two different persons. The photographs are attested and their thumb impression are got affixed and other particulars are obtained. In such circumstance it was not at all easy for the petitioner to impersonate another person whose photograph was already found on the service sheet. From the evidence of Nandagopal it is clear that even slight doubt would result in rejection. In such circumstances, there must be ample evidence to show that the petitioner has impersonated another M. Murugesan.

It was only on the ground that the petitioner could not have joined directly as Reserve Pool Mazdoor, before crossing the stages of casual dock worker, temporary reserve pool mazdoor and sub-pool mazdoor. It is the main contention of the respondent that the petitioner has to prove to show that he worked as temporary casual dock worker. However Ex. M-7 shows that as a casual worker, service sheet has been opened in his name. In Ex. M-7 the column, "length of service" has been filled up as 1964. From that, the petitioner who had joined in the year 1964 and had occupied the grade of sub-pool mazdoor in 1971 at the time of registration. It is clear from Ex. M-36 that the petitioner has produced his ration card and voters list before the Enquiry Officer. However the enquiry officer rejected those documents on the ground that they were particulars given by the petitioner to the enumeration officers. Ex. M-7 is a document maintained by the Madras Dock Labour Board and the petitioner has no access to the said register. It has been stated in Ex. M-7 that the petitioner has joined the Dock Labour Board in the year 1964. Simply because that the petitioner was unable to produce any other documents to prove his service in the Dock Labour Board since 1964, it cannot be said that he was not in service from 1964. Ex. M-7 the register maintained by the Madras Dock Labour Board, wherein after due care and sufficient verification the entries are made, shows his service since 1964. The evidence of Nandagopal is very clear on this aspect. In such circumstance an ordinary casual worker like the petitioner cannot make entries in his favour in the register Ex. M-7 maintained by the management. So the case of the management that the worker could not show any document for his service in the Madras Dock Labour Board prior to Ex. M-7 is not well founded. The management has not produced the concerned document from the year 1964 to show that the petitioner was not at all a worker from that year. It is for the management to substantiate the charge

that the petitioner has impersonated another M. Murugesan. However a careful consideration of the documents available on record would go to show that the management has failed to substantiate the charge framed against the petitioner.

In an Industrial Dispute the management need not prove the case against the worker as required under criminal law. However there must be preponderance of probabilities to substantiate the charge. The respondent has succeeded in proving that this petitioner M. Murugesan and another M. Murugesan are different persons, but that alone cannot prove the charge of impersonation. There must be further probable evidence on the side of the management to substantiate that the petitioner has impersonated another M. Murugesan. As the evidence is lacking on this aspect we cannot come to any definite conclusion that the petitioner has impersonated another M. Murugesan whose service sheet of casual worker is marked as Ex. M-1.

From the foregoing discussion it is clear that there is no preponderance of probabilities to show that the petitioner Shri M. Murugesan has impersonated another M. Murugesan. In the circumstance an award has to be passed that the dismissal is not justified and the workman M. Murugesan is entitled for reinstatement, full back wages from the till date of dismissal till reinstatement. No costs.

In the result award is passed for reinstatement of the petitioner Shri M. Murugesan and for full back wages and other benefits from 29-3-88 till the date of reinstatement.

Dated this 15th day of July, 1996.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

- Ex. W-1/2-9-77—Suspension order issued to the Petitioner-workman Thiru M. Murugesan (Copy).
- W-2/7-9-77—Suspension confirmed order issued to the Petitioner-workman (Copy).
- W-3/13-9-77—Charge sheet issued to the Petitioner-workman (Copy).
- W-4/19-9-77—Reply by the Petitioner-workman to the Charge sheet (Copy).
- W-5/31-3-82—Findings of the Labour Officer, Madras Dock Labour Board, Madras (Copy).
- W-6/13-12-84—Show Cause Notice issued to the Petitioner-workman (Copy).
- W-7/2-12-86—Order of suspension pending enquiry (Copy).
- W-8/14-1-88—Letter from Petitioner-workman to the management (Copy).
- W-9/1-3-88—Letter from Petitioner-workman to the management (Copy).
- W-10/29-3-88—Dismissal order issued to the petitioner-workman (Copy).
- W-11/9-4-88—Appeal preferred by Petitioner-worker before the Chairman, Madras Dock Labour Board, Madras (Copy).
- W-12/10-6-88—Order of Appellate Authority (Copy).

For Management :

- Ex. M-1—Service sheet of Casual worker Thiru Murugesan (Xerox copy).
- M-2/8-5-68—Appointment Order issued to Petitioner-worker as Mazdoor (Xerox copy).
- M-3/10-5-68—Application of Petitioner-worker for registration as temporary worker in the Madras Dock Labour Board (Copy).
- M-4/16-7-68—Certificate of Physical fitness issued to Petitioner-worker (Xerox copy).
- M-5/8-8-68—Letter of acceptance given by petitioner-worker (Xerox copy).
- M-6/—Declaration in Form-III given by petitioner-worker (Xerox copy).
- M-7/8-12-71—Service sheet of Thiru M. Murugesan, casual worker (Xerox copy).
- M-8/7-7-77—Letter from Thiru S. Raja to the Labour Officer, Madras Dock Labour Board, Madras (Xerox copy).
- M-9/25-8-77—Examination by the Labour Officer (Xerox copy).
- M-10/21-9-77—Suspension revocation order (Xerox copy).
- M-11/29-11-77—Statement of Thiru M. Murugesan (Xerox copy).
- M-12/17-5-78—Letter from Labour Officer to Administrative Officer (Xerox copy).
- M-13/1-6-78—Letter from Administrative Officer to the Director of Finger Prints Bureau, Madras-4 (Xerox copy).
- M-14/1-6-78—Left thumb and finger impression of M. Murugesan (Xerox copy).
- M-15/26-6-78 Left thumb and finger impression of M. Murugesan (Xerox copy).
- M-16/29-6-78—Enlargement of the thumb impression marked as R-4 found in page No. 21 of the file containing two service sheets (Xerox copy).
- M-17/29-6-78—Enlargement of the thumb impression marked as R-1 found in page No. 1 of the file containing the service sheets (Xerox copy).
- M-18/—Photo enlargement of the thumb impression marked as R-2 in page No. 1 of the file containing two service sheets (Xerox copy).
- M-19/—Photo enlargement of thumb impression marked as R-3 found at Page No. 21 of the file containing two service sheets (Xerox copy).
- M-20/5-7-78—Letter from Director, Tamil Nadu Finger Print Bureau to the Administrative Officer (B), Madras Dock Labour Board, Madras (Xerox copy).
- M-21/22-8-78—Left thumb and finger impression of R. D. Mazdoor No. 2170 (fully rolled impression with unrolled impression also) (Xerox copy).
- M-22/—Photo enlargement of the admitted specimen of thumb impression of Thiru Murugesan marked as R found in his specimen 1, 8 and impression dated 22-8-78 (Xerox copy).
- M-23/3-11-78—Letter from the Director, Tamil Nadu Finger Print Bureau to the Administrative Officer (R), Madras Dock Labour Board, Madras-1 (Xerox copy).
- M-24/4-11-78—Certificate of finger Print examination (Xerox copy).
- M-25/9-11-78—Letter from Administrative Officer (R), Madras to the Labour Officer (R), Madras Dock Labour Board, Madras (Xerox copy).
- M-26/17-12-82—Letter from the Labour Officer (R), Madras Dock Labour Board, Madras to the Superintendent of Police, Coimbatore (Xerox copy).

- M-27/17-3-83—Letter from the Dy. Superintendent of Police, Coimbatore to the Labour Officer (R), Madras (Xerox copy).
- M-28/8-7-83—Letter from the Superintendent of Police, Coimbatore to the Labour Officer (R), Madras (Xerox copy).
- M-29/27-7-83—Deposition of Thiru M. Jafes Mohan Raj, Finger Print Expert (Xerox copy).
- M-30/20-10-83—Deposition of Thiru C. T. Nandagopal, Office Superintendent Engineering Officer, Madras Dock Labour Board, Madras (Xerox copy).
- M-31/2-12-86—Order of suspension pending enquiry issued to Thiru M. Murugesan (Xerox copy).
- M-32/27-7-88—Letter from the Secretary, Madras Dock Labour Board, Madras-1 to Thiru M. Murugesan, Reserve Pool Mazdoor, Madras-1 (Xerox copy).
- M-33/28-7-70—Board Resolution bearing No. 80 (Xerox copy).
- M-34/5-2-72—Board Resolution bearing No. 95 (Xerox copy).
- M-35/5-4-82—Findings of the Labour Officer (R), Madras Dock Labour Board, Madras (Xerox copy).
- M-36/12-3-84/28-4-84—Proceedings of the Labour Officer (R), Madras Dock Labour Board (Xerox copy).

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1996

का.भा. 2711.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, के प्रबन्तता के संबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-8-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-33012/6/95-आई/भार/(विधि)]

बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1996

S.O. 2711.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madras Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on 28-8-96.

[No. L-33012/6/95-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Thursday, the 11th day of July, 1996

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., L.L.B, Industrial
Tribunal

Industrial Dispute No. 4/1996

In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Madras Port Trust, Madras-1).

BETWEEN

The Workmen represented by the General Secretary, The Madras Port Trust Subordinate Officers, Supervisors, Staff Association, No. 9, Second Line Beach, Madras-600 001.

AND

The Chairman, Madras Port Trust, Madras-600 001.

Reference Order No. L-33012/6/95-IR(Misc), dated 4-1-1996, Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru G. Balaram, Authorised representative for the workmen and of Tvl.-Arumugham, B. Haribabu, Advocate appearing for the management, upon perusing the reference and other connected papers on record and the authorised representative for the workmen having filed a memo for withdrawing this dispute and recording the same, this Tribunal passed the following :

AWARD

The Government of India by its Order No. L-33012/6/95-IR(Misc.), Ministry of Labour, dated 4-1-96 referred for adjudication by this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding the dispute :

“Whether the members of Madras Port Trust Subordinate Officers, Supervisory and Staff Association are ‘Workmen’ as per provisions of I.D. Act, 1947? If so, are not the workmen of the Madras Port Trust Subordinate Officers, Supervisory and Staff Association entitled to various demands annexed in the strike notice? If so, to what relief the workmen are entitled to?”

Parties were served with summons.

Today when the dispute is called, the authorised representative for the workmen filed a memo for withdrawing this dispute. Memo of withdrawal is recorded. Hence Industrial Dispute is dismissed as

withdrawn.

Dated, this the 11th day of July, 1996.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

COPY OF MEMO OF WITHDRAWAL

We submit that the reference made to the Tribunal is bad in law as no relief can be given to the workers, as no other demands have been referred for adjudication. Hence this union withdraws the case, and prays that this Hon'ble Court may be pleased to dismiss the I.D. Act, as not pressed.

Madras, dated this day of 11th July, 1996

Sd.|-

G. BALARAM

Authorised Representative

Sd.|-

C. DOIVASIGAMANI

General Secretary of

Petr. Union

S. THANGARAJ

Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

का.प्र. 2712.—छमेंचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 2 के खण्ड (ट ख) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा संबंधित क्षेत्रों में उक्त अधिनियम के उपबंधों की परिधि में आने वाले सभी प्रतिष्ठानों के संघ में उक्त अनुसूची के कालम (3) में उल्लिखित क्षेत्रों के लिए सत्कास प्रभाव से उक्त अधिनियम के अंतर्गत धनूली अधिकारों को शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अनुसूची के कालम (2) में निर्दिष्ट अधिकारियों को प्राधिकृत करती है।

New Delhi, the 3rd September, 1996

S.O. 2712.—In exercise of the powers conferred by Clause (kb) of Section 2 of the Employees Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government hereby authorises the officers mentioned in column (2) of the the Schedule to exercise the powers of Recovery Officer under the said act with immediate effect for the areas mentioned in column (3) of the said Schedule in relation to all establishments covered under the provisions of the said Act in the respective areas :

SCHEDULE

S. No.	Name & designation of the Officer	Area in relation to which jurisdiction to be exercised
(1)	(2)	(3)
1.	Shri A. Md. Basha, Regional Provident Fund Commissioner, (Gr. II), Madras.	Tamil Nadu State and Union Territory of Pondicherry.
2.	Shri P.K. Udgate, Regional Provident Fund Commissioner, (Gr. II), Bhubneshwar.	Orissa State.
3.	Shri Kumar Rohit, Assistant Provident Fund Commissioner, Sub-Regional Office, Amritsar.	Punjab and Himachal Pradesh States and Union Territory of Chandigarh.
4.	Shri V.K. Rajput, Assistant Provident Fund Commissioner, Delhi.	National Capital Territory of Delhi.
5.	Shri S.N. Malhotra, Assistant Provident Fund Commissioner, Delhi.	National Capital Territory of Delhi.
6.	Shri S. Deb, Assistant Provident Fund Commissioner, Delhi.	National Capital Territory of Delhi.

[No.R-11013/3/95-SS.II]
J.P. SHUKLA, Under Secy.

अनुसूची

क्र.सं.	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	क्षेत्राधिकारों का प्रयोग किए जाने संबंधी क्षेत्र
(1)	(2)	(3)
1.	श्री ए. मुह. बाशा। क्षेत्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त, (ग्रेड II) मद्रास	तमिलनाडु राज्य और पांडि- चेरी संघ शासित क्षेत्र
2.	श्री पी.के. उदगाता, क्षेत्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त, (ग्रेड II) भुवनेश्वर।	उड़ीसा राज्य
3.	श्री कुमार रोहित, सहायक भविष्य निधि अधिकृत, उप-क्षेत्रीय कार्यालय, अमृतसर।	पंजाब और हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र
4.	श्री पी.के. राजपूत, सहायक भविष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली।	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
5.	श्री एस.एन. मल्होत्रा, सहायक भविष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली।	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली।
6.	श्री एस. देब, सहायक भविष्य निधि प्रायुक्त, दिल्ली।	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली।

[सं. प्रार-11013/3/95-एस II]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

का.प्रा. 2713.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 2 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिनांक 9 दिसम्बर, 1995 को भारत के राजपत्र के भाग-II खण्ड 3(ii) में प्रकाशित भारत सरकार, श्रम मंत्रालय को दिनांक 21 नवम्बर, 1995 की अधिसूचना का.प्रा.सं. 3232 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :

- (i) क्रम संख्या 20 के सामने कालम (2) के तहत प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—
“श्री टी. आर. एस. कुमार
सहायक भविष्य निधि आयुक्त
उप-क्षेत्रीय कार्यालय, औरंगाबाद”
- (ii) क्रम संख्या 29 के सामने कालम (2) के तहत प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“श्री के. नारायणन,
सहायक भविष्य निधि आयुक्त, इन्दौर”
- (iii) क्रम संख्या 52 के सामने कालम (2) के तहत प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“श्री जी. आर. सैनी,
सहायक भविष्य निधि आयुक्त,
उप क्षेत्रीय कार्यालय,
लुधियाना ।”

[सं. आर. 11013/3/95-एस.एस.-II]

जे. पी. शुक्ला, प्रवर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

S.O. 2713.—In exercise of the powers conferred by Clause (kb) of Section 2 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendments in the Notification of the Government of India. Ministry of Labour S.O. No. 3232 dated the 21st November, 1995 published in Part-II, Section 3(ii) of the Gazette of India dated the 9th December, 1995, namely :—

In the Schedule to the said Notification :—

- (i) against serial No. 20 for the entry under column (2), the following shall be substituted, namely :—
“Shri T. R. S. Kumar, Assistant Provident Fund Commissioner, Sub-Regional Office, Aurangabad”,
- (ii) against serial No. 29 for the entry under Column (2), the following shall be substituted, namely :—
“Shri K. Narayanan, Assistant Provident Fund Commissioner, Indore”.
- (iii) against serial No. 52 for the entry under Column (2), the following shall be substituted, namely :—

“Shri G. R. Saini, Assistant Provident Fund Commissioner, Sub-Regional Office, Ludhiana”.

[No. R-11013/3/95-SS.II]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1996

का.प्रा. 2714.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (6) के उपखंडों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 1037 दिनांक 15 मार्च, 1996 द्वारा बैंकिंग उद्योग को जो उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (ख) में यथा-परिभाषित बैंकिंग कंपनी द्वारा चलाया जाता है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 19 मार्च, 1996 से छह मास को कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, 19 सितम्बर, 1996 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस- 11017/2/85-डी-1(ए)]

एच. सी. गुप्ता, प्रवर सचिव

New Delhi, the 9th September, 1996

S.O. 2714.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1037, dated 15 March 1996, the Banking Industry carried on by a Banking Company as defined in clause (bb) of Section 2 of the said Act to be a public utility service for the purpose of the said Industry, for a period of six months from the 19th March, 1996;

And whereas, the Central Government is of the opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 19th September, 1996.

[No. S-11017/2/85-D-I(A)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1996

का.भा. 2715.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम-10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, अम संसद के अधीन केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, नागपुर के निम्नलिखित क्षेत्रीय श्रमिक शिक्षा केन्द्रों को, जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्वारा अधिसूचित करती है :—

1. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, दिल्ली।
सराय काले खान, पूर्व निजामुद्दीन, नई दिल्ली-110011
2. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, फरीदाबाद
3. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, कानपुर
4. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, आगरा
5. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, अलाहाबाद
6. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, गोरखपुर
7. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, बरेली
8. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, शिमला
9. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, धनबाद
10. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, जमशेदपुर
11. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, दामोचक
12. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, रांची
13. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, जबलपुर
14. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, भिलाई
15. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, इन्दौर
16. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, ग्वालियर
17. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, जयपुर
18. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, जोधपुर
19. श्रमिक शिक्षा केन्द्र, जम्मू

[का.सं. ई.-11011/1/93-रा.भा.नी.]

पी.एम. सिराजुद्दीन, निदेशक

New Delhi, the 10th September, 1996

S.O. 2715.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Regional Workers Education Centres of Central Board for Workers Education, Nagpur whereof more than 80% of staff have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Workers Education Centre-Delhi, Sarai Kale Khan, East Nizamuddin, New Delhi-110013.
2. Workers Education Centre, Faridabad.
3. Workers Education Centre, Kanpur.
4. Workers Education Centre, Agra.
5. Workers Education Centre, Allahabad.
6. Workers Education Centre, Gorakhpur.
7. Workers Education Centre, Bareilly.
8. Workers Education Centre, Simla.
9. Workers Education Centre, Dhanbad.
10. Workers Education Centre, Jamshedpur.
11. Workers Education Centre, Damoochak.
12. Workers Education Centre, Ranchi.
13. Workers Education Centre, Jabalpur.
14. Workers Education Centre, Bhilai.
15. Workers Education Centre, Indore.
16. Workers Education Centre, Gwalior.
17. Workers Education Centre, Jaipur.
18. Workers Education Centre, Jodhpur.
19. Workers Education Centre, Jammu.

[F. No. E-11011/1/93-RBN]

P. M. SIRAJUDDIN, Director